राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्
की

वार्षिक रिपोर्ट

1991-1992

अप्रैल 1993
वैशाख 1915
P.D. 5H—M.L.

'वार्षिक रिपोर्ट' का यह हिन्दी अनुवाद परिषद् के हिन्दी प्रकोष्ठ ने तैयार किया है।

आवरण : दिलीप कुमार शेन्डे

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशित तथा शगुन कम्पोज़र्स, 92-बी, गली नं. 4, कृष्णा नगर, सफ़दरजंग एन्क्लेव, नई दिल्ली 110029 द्वारा लेज़र टाइपसेट होकर, न्यू एज प्रिंटिंग प्रेस, रानी झाँसी रोड, नई दिल्ली 110055 में मुद्रित।

आभार

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) अपने अध्यक्ष, केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री तथा राज्य शिक्षा एवं संस्कृति मंत्री के प्रति उनके मार्गदर्शन हेतु आभारी है। परिषद् के कार्यों में गहन रुचि लेने और सहायता प्रदान करने हेतु परिषद् अपने सामान्य निकाय तथा कार्यकारी समिति के अन्य विशिष्ट सदस्यों के प्रति भी कृतज्ञ है। परिषद् उन विशेषज्ञों के प्रति भी धन्यवाद व्यक्त करती है जिन्होंने अपना बहुमूल्य समय देकर इसकी विभिन्न समितियों में कार्य किया तथा अनेक प्रकार से सहायता प्रदान की। राज्य शिक्षा विभागों तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों/संस्थानों, राज्य शिक्षा संस्थानों, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों, उच्चतर माध्यमिक/इंटरमीडिएट/विश्वविद्यालय पूर्व शिक्षा बोर्डों सहित वे सभी संगठन और संस्थाएँ भी धन्यवाद की पात्र हैं, जिन्होंने एन.सी.ई.आर.टी. को सहयोग देकर उसकी गतिविधियों को कार्यान्वित करने में पूरी सहायता प्रदान की। परिषद् यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए., जी.टी.जैड. तथा ब्रिटिश काउंसिल के प्रति भी सम्मान व्यक्त करती है, जिन्होंने अपने प्रायोजित कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में परिषद् को पूरा-पूरा सहयोग दिया। परिषद् अपने स्टाफ के सभी सदस्यों के प्रति भी अपना आभार प्रकट करना चाहती है, जिनके सहयोग और निष्ठा के बिना कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक कार्यान्वयन असंभव था। परिषद् उन हजारों अध्यापकों, विद्यालयों, अभिभावकों और अनेक व्यक्तियों के प्रति भी धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त करना चाहती है, जिन्होंने परिषद् के 1991-92 के प्रकाशनों और कार्यक्रमों के बारे में अपने विचार प्रकट करते हुए परिषद् के विभिन्न घटकों को अनेक पत्र भेजे जो निरंतर बेहतर कार्य करने के प्रेरणा-स्रोत बने रहे।

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ :

जो सबसे गरीब और कमजोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानि क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

विषय-सूची

1991-92

एक

एन.सी.ई.आर.टी. भूमिका और संरचना

1.1 1 सितम्बर, 1961 को स्थापित राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) संस्था पंजीकरण अधिनियम 21 (1860) के अंतर्गत एक पंजीकृत स्वायत्त संगठन है।

1.2 भूमिका और कार्य

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई. आर.टी.), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अकादमिक सलाहकार के रूप में कार्य करती है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, विशेषकर विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में नीतियों और मुख्य कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने में मानव संसाधन विकास मंत्रालय को सहायता और परामर्श देना है। शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की नीतियों और कार्यक्रमों के प्रतिपादन तथा कार्यान्वयन के लिए मंत्रालय अधिकतर इसकी विशेषज्ञता का उपयोग करता है। परिषद् का वित्तीय भार, भारत सरकार वहन करती है।

रा.शै.अ.प्र.प. (एन.सी.ई.आर.टी.) का प्रमुख कार्य विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना है। विद्यालयी शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्य करती है:

- विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान संबंधी कार्य करना, उनमें सहायता पहुँचाना, उन्हें प्रोत्साहित और समन्वित करना।
- मुख्यतः उच्च स्तर पर अध्यापकों के सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण आयोजित करना।
- शैक्षिक पुनर्निर्माण में संलग्न संस्थानों, संगठनों और अभिकरणों के लिए विस्तार सेवाएँ आयोजित करना।
- परिष्कृत शैक्षिक तकनीकों, पद्धतियों एवं नवाचारों के विकास एवं प्रयोग संबंधी कार्य करना।
- शैक्षिक जानकारी एकत्र, समाकलित, संसाधित तथा प्रसारित करना।
- विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार हेतु राज्यों/संघ क्षेत्र सरकारों तथा राज्य/संघ क्षेत्र स्तर के संस्थानों, संगठनों एवं अभिकरणों को कार्यक्रम तैयार करने एवं कार्यान्वित करने में सहायता देना।
- यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., यू.एन.एफ.पी.ए. जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों एवं अन्य देशों की राष्ट्रीय स्तर की शैक्षिक संस्थाओं के साथ सहयोग स्थापित करना।
- अन्य देशों के शैक्षिक कार्मिकों को प्रशिक्षण एवं अध्यापन की सुविधाएँ प्रदान करना।
- राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन. सी. टी. ई.) तथा एशिया व प्रशान्त के शैक्षिक नवाचारों के विकास

कार्यक्रम (एपीड) के राष्ट्रीय विकास समूह (एन. डी. जी.) के अकादमिक सचिवालय के रूप में कार्य करना।

1.3 कार्यक्रम और कार्यकलाप

उपर्युक्त लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु परिषद् निम्नलिखित कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों का संचालन करती है:

1.3.1 अनुसंधान

विद्यालयी शिक्षा में अनुसंधान की शीर्षस्थ राष्ट्रीय संस्था होने के नाते परिषद् अनेक महत्वपूर्ण कार्य करती है, जैसे—अनुसंधान संबंधी कार्यकलाप करना और उन्हें बल प्रदान करना, शैक्षिक अनुसंधान के कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, इत्यादि।

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) के विभिन्न विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय और केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.), विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से संबंधित अनुसंधान के कार्यक्रमों का संचालन करते हैं।

स्वयं अनुसंधानों का संचालन करने के अतिरिक्त एन. सी.ई.आर.टी. अन्य व्यक्तियों एवं संगठनों को वित्तीय सहायता तथा अकादमिक सलाह देकर उनके अनुसंधान कार्यक्रमों को बल प्रदान करती है। पी.एच.डी. शोध प्रबंधों के प्रकाशन हेतु एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा विद्वानों को सहायता प्रदान की जाती है।

परिषद् कनिष्ठ और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता वृत्तियां भी प्रदान करती है, ताकि शैक्षिक समस्याओं का पता लगाया जा सके और योग्य अनुसंधानकर्ताओं का एक दल तैयार किया जा सके। देश में विद्यालयी शिक्षा के अनेक पहलुओं पर आँकड़े एकत्र करने के लिए यह समय-समय पर शैक्षिक सर्वेक्षण भी कराती है। यहाँ आंकड़ों के भंडारण, संसाधन एवं उन्हें पुनः प्राप्त करने के लिए एक कम्प्यूटर टर्मिनल है। परिषद् अंतर्देशीय अनुसंधान परियोजनाओं में अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों से सहयोग स्थापित करती है।

1.3.2 विकास

विद्यालयी शिक्षा संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों का परिषद् के कार्यों में महत्वपूर्ण स्थान है। परिषद् के मुख्य विकास संबंधी कार्य विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों के लिए पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री तैयार करना, उन्हें नवीन रूप देना तथा बच्चों एवं समाज की बदलती हुई आवश्यकताओं के अनुरूप बनाना है। परिषद् के नवाचार संबंधी विकासात्मक कार्यकलापों में शिक्षा के व्यावसायीकरण, अध्यापक शिक्षा तथा अनौपचारिक शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्या एवं अनुदेशी सामग्री का विकास भी सम्मिलित है। परिषद् शैक्षिक प्रौद्योगिकी, जनसंख्या शिक्षा एवं विकलांगों तथा अन्य विशेष वर्गों की शिक्षा के क्षेत्र में भी विकासात्मक कार्य करती है।

1.3.3 प्रशिक्षण

परिषद् का एक प्रमुख कार्य पूर्व-प्राथमिक, प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर तथा व्यावसायिक शिक्षा, मार्गदर्शन और परामर्श एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में भी अध्यापकों को सेवा-पूर्व और सेवाकालीन प्रशिक्षण प्रदान करना है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में विषयवस्तु और शिक्षण विधि का एकीकरण, कक्षा में अध्यापक प्रशिक्षणार्थियों का दीर्घकालीन प्रशिक्षण तथा समुदाय कार्यों में छात्रों की प्रतिभागिता जैसी कुछ नवीन विशेषताएँ सम्मिलित की गई हैं। यह राज्यों तथा राज्य स्तरीय संस्थाओं के प्रमुख कार्मिकों और अध्यापक-शिक्षकों तथा सेवारत शिक्षकों के प्रशिक्षण का कार्य भी करती है।

1.3.4 विस्तार कार्य

एन.सी.ई.आर.टी. के व्यापक शैक्षिक विस्तार कार्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कई विभाग तथा राज्यों के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालय अनेक प्रकार से कार्यरत हैं। परिषद्, राज्यों के विभिन्न अभिकरणों तथा संस्थाओं के साथ सहयोग का कार्य करती है तथा विभिन्न कार्मिक वर्गों, जैसे अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों, शैक्षिक प्रशासकों, प्रश्न-पत्र तैयार करने वालों तथा पाठ्यपुस्तकों के लेखकों आदि को सहायता प्रदान करने के लिए विस्तार सेवा विभागों, विद्यालयों और कालेजों

1991-92

के अध्यापक प्रशिक्षण केन्द्रों के साथ व्यापक रूप से कार्य करती है। विस्तार कार्यों के अंतर्गत नियमित रूप से शैक्षिक विषयों पर सम्मेलन, संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ एवं प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं। ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि कार्यक्रमों से संबद्ध कार्यकर्ता वहाँ पहुँचें, जहाँ विशेष समस्याएँ हैं तथा जिनके लिए विशेष प्रयासों की आवश्यकता है। परिषद् विकलांग एवं समाज के सुविधाविहीन वर्गों की शिक्षा के लिए अलग से कार्यक्रम आयोजित करती है। परिषद् के विस्तार कार्यक्रम में सभी राज्य एवं संघ शासित क्षेत्र सम्मिलित हैं।

1.3.5 प्रकाशन और प्रसार

एन.सी.ई.आर.टी. कक्षा 1 से 12 तक के विभिन्न विद्यालयी विषयों की पाठ्यपुस्तकें प्रकाशित करती है। परिषद् अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ, पूरक पाठमालाएँ, अनुसंधान रिपोर्ट आदि भी प्रकाशित करती है। इसके अतिरिक्त यह अध्यापक-शिक्षक, अध्यापक प्रशिक्षणार्थी एवं सेवारत अध्यापकों के उपयोग हेतु शिक्षण सामग्री भी प्रकाशित करती है। शोध और विकास के पश्चात तैयार की गई यह शिक्षण सामग्री राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के विभिन्न अभिकरणों के लिए आदर्श सामग्री मानी जाती है। यह राज्य स्तरीय अभिकरणों को ग्रहण एवं/या अनुकूलन हेतु उपलब्ध कराई जाती है। ये पाठ्यपुस्तकें अंग्रेजी, हिन्दी और उर्दू में प्रकाशित की जाती हैं।

एन.सी.ई.आर.टी. शैक्षिक जानकारी के प्रसार के लिए छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है—"प्राइमरी टीचर" (अंग्रेजी और हिन्दी) जिसका लक्ष्य सीधे कक्षा में उपयोग के लिए प्राथमिक स्कूल अध्यापकों को सार्थक एवं उपयुक्त सामग्री प्रदान करना है। "स्कूल साइंस" विज्ञान शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा के लिए खुला मंच प्रदान करती है। "जनरल आफ इंडियन एजुकेशन" समसामयिक शैक्षिक विषयों पर चर्चा के माध्यम से शिक्षा में मौलिक और आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है। "इंडियन एजुकेशनल रिव्यू" में अनुसंधान परक लेख होते हैं और यह शिक्षा में अनुसंधानकर्ताओं को मंच प्रदान करती है। "भारतीय आधुनिक शिक्षा"—हिन्दी में प्रकाशित की जाती है तथा समकालीन विषयों पर शिक्षा में आलोचनात्मक विचार शक्ति को प्रोत्साहित करती है तथा शैक्षिक समस्याओं और अभ्यासों के लिए विचारों को प्रसारित करती है। इसके अतिरिक्त संस्था पत्रिका, एन.सी.ई.आर.टी. न्यूज लैटर हर मास प्रकाशित की जाती है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपनी पत्रिकाएँ अलग से निकालते हैं।

1.3.6 अनुदेशी सामग्री का मूल्यांकन

विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य अनुदेशी सामग्री का निरंतर मूल्यांकन विशेष रूप से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से किया जाता है। इस प्रयोजन के लिए मानदंड, साधन एवं तकनीकें तैयार की गई हैं। विद्यालयी पाठ्यपुस्तकों के शैक्षिक और आकार-प्रकार संबंधी पहलुओं के मूल्यांकन के लिए मार्गदर्शिकाएँ और पद्धतियाँ निर्धारित की गई हैं। इनके संबंध में प्रयोक्ता विद्यालयों से प्राप्त विचार, टिप्पणियाँ, पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य शिक्षण सामग्री के संशोधन में सहायक सिद्ध होती हैं।

1.3.7 विनिमय कार्यक्रम

विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं के अध्ययन तथा विकासशील राष्ट्रों के कार्मिकों के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की व्यवस्था करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी., यूनेस्को, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी. और यू.एन. एफ.पी.ए. जैसे अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर कार्य करती है। यह एपीड (यूनेस्को) के सहयोगी केन्द्रों में से एक है। यह शैक्षिक नवाचार हेतु राष्ट्रीय विकास समूह एन. डी. जी. के सचिवालय के रूप में कार्य करती है। यह विकासशील देशों के शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए संबद्ध कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में प्रतिभागिता के माध्यम से प्रशिक्षण सुविधाएँ प्रदान करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. स्कूली शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार तथा अन्य राष्ट्रों के बीच तय किये गये द्विपक्षीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। इस संबंध में परिषद् विशिष्ट शैक्षिक समस्याओं का भारतीय अपेक्षाओं

के अनुरूप अध्ययन करने के लिए अन्य देशों में अपने शिष्टमंडल भेजती है तथा अन्य देशों के विद्वानों के लिए प्रशिक्षण एवं अध्ययन दौरे की व्यवस्था करती है। परिषद् अन्य देशों से शैक्षिक सामग्री का आदान-पदान भी करती है। अनुरोध करने पर परिषद् अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं, बैठकों, परिसंवादों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को नामित करती है।

1.4.4 संरचना और प्रशासन

केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री एन.सी.ई.आर.टी. के सामान्य निकाय के अध्यक्ष हैं। सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा मंत्री इस निकाय के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग के सचिव, चार विश्वविद्यालयों के उपकुलपति (प्रत्येक क्षेत्र में से एक), केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो के निदेशक, प्रशिक्षण और रोजगार महानिदेशक, श्रम मंत्रालय, शिक्षा प्रभाग के प्रतिनिधि, योजना आयोग, कार्यकारी समिति के सदस्य (जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं) तथा अन्य 6 व्यक्ति (जिनमें कम से कम 4 सदस्य विद्यालय के अध्यापक हों) जो भारत सरकार द्वारा नामित किए गए हों, इस निकाय के सदस्य हैं। सचिव, एन.सी.ई.आर.टी., इस शासी निकाय के संयोजक के रूप में कार्य करते है।

कार्यकारिणी समिति, एन.सी.ई.आर.टी. का मुख्य शासी निकाय है। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री इसके अध्यक्ष (पदेन) और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (पदेन) उपाध्यक्ष हैं। इस समिति के अन्य सदस्यों में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, (शिक्षा विभाग) के सचिव, परिषद् के निदेशक, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष, विद्यालयी शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद, (इनमें से कम से कम दो विद्यालय के शिक्षक होंगे) परिषद् के संयुक्त निदेशक, परिषद् के तीन सदस्य (इनमें कम से कम दो प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्ष स्तर के होने चाहिए), मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि तथा वित्त मंत्रालय का एक प्रतिनिधि भी सम्मिलित है, (जो परिषद का वित्तीय सलाहकार होगा) सचिव, एन.सी. ई.आर.टी., कार्यकारिणी समिति के संयोजक के रूप में कार्य करता है।

निम्नलिखित स्थायी समितियाँ इस कार्यकारिणी समिति की सहायता करती हैं :

1. वित्त समिति
2. स्थापना समिति
3. भवन एवं निर्माण समिति
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय की प्रबंध समिति
5. कार्यक्रम सलाहकार समिति
6. शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति

परिषद मुख्यालय में निम्नलिखित अनुभाग हैं :

1. परिषद सचिवालय
2. लेखा शाखा

परिषद के चार वरिष्ठ पदाधिकारी—निदेशक, संयुक्त निदेशक, संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी.) तथा सचिव, भारत सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। रिपोर्ट की अवधि के दौरान निम्नलिखित अधिकारियों ने ये पद संभाले :

निदेशक	:	डा. के. गोपालन
संयुक्त निदेशक	:	प्रोफेसर ए. के. शर्मा
संयुक्त निदेशक (सी.आई.ई.टी.)	:	प्रो. ए. के. शर्मा 15 अप्रैल, 1991 तक
	:	सुश्री जय चंदीराम (16 अप्रैल 1991 से)
सचिव	:	डा. के.जे.एस. चतरथ

शैक्षिक कार्यों में निदेशक के सहायतार्थ तीन संकायाध्यक्ष (डीन) हैं :

संकायाध्यक्ष (अकादमिक)	:	प्रोफेसर बी. गांगुली (30 नवम्बर, 1991 तक)
	:	प्रोफेसर ए. के. मिश्रा) (3 दिसम्बर, 1991 से)
संकायाध्यक्ष (अनुसंधान)	:	प्रोफेसर आर.पी. सिंह

1991-92

संकायाध्यक्ष : प्रोफेसर ए.के. शर्मा
(समन्वय)

संकायाध्यक्ष (अकादमिक) एन.आई.ई. के विभागों के शैक्षिक कार्य को समन्वित करते हैं। संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) अनुसंधान कार्यक्रम समन्वित करते हैं और शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति (एरिक) के कार्य की देखभाल करते हैं। संकायाध्यक्ष (समन्वय) सेवा/उत्पादन विभागों, क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के कार्यकलापों को समन्वित करते हैं।

1.5 एन.सी.ई.आर.टी. के मुख्य घटक

परिषद के मुख्य घटक निम्नलिखित हैं :

1. राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) नई दिल्ली
2. केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) नई दिल्ली
3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) अजमेर
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) भोपाल
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) भुवनेश्वर
6. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षे.शि.म.) मैसूर

1.5.1 राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.)

वर्ष 1991-92 के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, नई दिल्ली के निम्नलिखित विभाग/एकक अपने-अपने क्षेत्रों के अनुसंधान विकास, प्रशिक्षण, विस्तार, मूल्यांकन संबंधी कार्यों में कार्यरत रहे :

1. सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)
2. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)
3. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.ई.पी.एस.ई.ई.)
4. अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.ई.एफ.ई.एस.सी./एस.टी.)
5. शिक्षा-व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.)
6. अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)
7. मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.डी.पी.)
8. शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.)
9. महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)
10. नीति, अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.)
11. योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (डी.पी.एम.ई.डी.)
12. क्षेत्रीय सेवा और विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.)
13. पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.)
14. प्रकाशन विभाग (पी.डी.)
15. कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.)
16. पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.)
17. अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)

1.5.2 केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.)

सी.आई.ई.टी. संयुक्त निदेशक की अध्यक्षता में एन.सी.ई.आर.टी. के घटक के रूप में काफी स्वायत्तता के साथ कार्य करता है। कार्यक्रमों और कार्यकलापों के मार्गदर्शन हेतु संस्थान की एक सलाहकार समिति है। सी.आई.ई.टी. के निम्नलिखित प्रमुख प्रभाग हैं :

- शैक्षिक दूरदर्शन प्रभाग
- दूरस्थ शिक्षा, योजना, समन्वयन, अनुसंधान और मूल्यांकन आलेख और प्रशिक्षण प्रभाग
- शैक्षिक रेडियो प्रभाग
- आलेखिकी, प्रदर्शनी, फोटो और फिल्म प्रभाग
- सूचना और प्रलेखन प्रभाग
- तकनीकी योजना, प्रचालन और अनुरक्षण प्रभाग
- प्रशासन और लेखा प्रभाग

1.5.3 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.)

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित हैं। एन.सी.ई.आर.टी. के नियमों/विनियमों के अंतर्गत हर महाविद्यालय के कार्यों के सामान्य पर्यवेक्षण के लिए एक प्रबंध समिति उत्तरदायी है। महाविद्यालय की प्रबंध समिति उस विश्वविद्यालय के उपकुलपति की अध्यक्षता में कार्य करती है, जिससे वह संबद्ध है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रबंध समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करते हैं। इस समिति की वर्ष में कम से कम दो बार बैठक होती है तथा आवश्यकता पड़ने पर अध्यक्ष द्वारा समिति की विशेष बैठक किसी भी समय बुलाई जा सकती है। अकादमिक कार्यों में संकायाध्यक्ष शिक्षण महाविद्यालय के प्राचार्य की सहायता करते हैं।

ये क्षेत्रीय महाविद्यालय आवासीय संस्थाएं हैं, जिनमें प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाएँ पर्याप्त रूप से उपलब्ध हैं। हर महाविद्यालय का एक बहु उद्देशीय निर्देशन विद्यालय है, जहाँ विकसित अध्यापन विधियों तथा अन्य नवाचार पद्धतियों से सम्बद्ध अध्ययन-अध्यापन तथा मूल्यांकन पद्धतियों को वास्तविक कक्षा स्थिति के आधार पर परखा जाता है।

1.5.4 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय

राज्य/संघ शासित क्षेत्र के शिक्षाधिकारियों एवं वहाँ विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में शैक्षिक और प्रशिक्षण में योगदान देने वाली संस्थाओं के साथ संपर्क सूत्र के रूप में कार्य करने के लिए निम्नलिखित 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों की स्थापना की गई है :

1. अहमदाबाद
2. इलाहाबाद
3. बेंगलूर
4. भोपाल
5. भुवनेश्वर
6. कलकत्ता
7. चंडीगढ़
8. गुवाहाटी
9. हैदराबाद
10. जयपुर
11. मद्रास
12. पटना
13. पुणे
14. शिलांग
15. शिमला
16. श्रीनगर/जम्मू
17. तिरूअनंतपुरम

1991-92

दो

कार्यक्रमों के निरूपण, कार्यान्वयन और अनुवीक्षण के लिए रचनातन्त्र

2.1 देश की संपूर्ण शिक्षा पद्धति में एक लंबे समय से राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए परिषद् के विभिन्न घटक कुछ दीर्घावधि एवं अल्पावधि ऐक्शन प्लान बनाने एवं उनके क्रियान्वयन का समन्वित प्रयास करते हैं। कार्यक्रम बनाते समय परिषद् राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों, भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय से प्राप्त निर्देशों का पालन करती है तथा राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं, सामाजिक स्थितियों एवं भारतीय स्कूली शिक्षा के संदर्भ में परिवर्तनशील विश्व के स्वरूप का भी ध्यान रखा जाता है। इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए परिषद् ने एक राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार की है। यह पाठ्यचर्या रूपरेखा राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के शिक्षा विभागों तथा एन.सी.ई.आर.टी. के दीर्घकालीन और अल्पकालीन शैक्षिक कार्यक्रम बनाने के लिए मार्गदर्शन का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों के निरूपण, कार्यान्वयन तथा अनुवीक्षण के रचनातन्त्र की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :

2.2 राज्यों में स्थित एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय सलाहकारों की एन.सी.ई.आर.टी. के मुख्यालय में वर्ष में एक बार बैठक होती है। इस राष्ट्रीय बैठक में एन.सी.ई.आर.टी. संघटक एककों और क्षेत्रीय सलाहकारों के बीच विचारों और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जाता है। अन्य बातों के अतिरिक्त इस बैठक में कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों, कार्यान्वयन एवं अनुवीक्षण कार्यनीतियों पर आमने-सामने विचार विमर्श करने तथा उनके विषय में अपने मत प्रकट करने का मौका मिलता है।

2.3 आपस में विचारों के आदान-प्रदान से क्षेत्रीय सलाहकारों को विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के विकास से संबंधित राज्य की शैक्षिक आवश्यकताओं को पहचानने का उपयुक्त आधार प्राप्त होता है। यद्यपि एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय सलाहकार पूरे वर्ष राज्य शिक्षा विभागों और कुछ अन्य संस्थानों तथा संगठनों के संपर्क में रहते हैं और राज्य/सं.शा. क्षेत्र की शैक्षिक आवश्यकताओं की पहचान संबंधी विषयों को राज्य समन्वयन समिति (एस.सी.सी.) की बैठक में जो कि संबंधित क्षेत्रीय सलाहकार द्वारा वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है, सामान्यतया रखा जाता है। राज्य समन्वयन समिति उच्च स्तर पर राज्य की शैक्षिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए एन.सी.ई.आर.टी. से अपेक्षित शैक्षिक सहायता की सिफारिश करती है। राज्य समन्वयन समिति एन.सी.ई.आर.टी. से प्राप्त निवेशों के उपयोग की भी समीक्षा करती है।

2.4 प्रत्येक राज्य समन्वयन समिति की इन सिफारिशों को क्षेत्रीय समन्वयन समिति (आर.सी.सी.) जो प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) के स्तर पर स्थापित की गई है, को भेजी जाती है। अन्य बातों के साथ-साथ राज्य समन्वयन समितियों से प्राप्त कार्यक्रमों के कार्यान्वियन कार्यपद्धतियों को क्षेत्रीय शिक्षा समितियों द्वारा अन्तिम रूप दिया जाता है।

2.5 क्षेत्रीय समन्वयन समिति की सिफारिशें संबंधित क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान की प्रबन्धक समिति तथा परिषद् के क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.) को अग्रेषित की जाती हैं। क्षे.शि.म. स्तर पर प्रबन्धक समिति और परिषद् मुख्यालय का डी.एफ.एस.ई.सी. क्षेत्रीय समन्वयन समिति से प्राप्त सिफारिशों/सुझावों की जाँच करता है और परिषद् के संबंधित घटकों को अपने कार्यक्रमों में उन राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं का ध्यान रखने की सलाह देता है।

2.6 राज्य शिक्षा संस्थान के विभागों के संकाय सदस्य सामान्यतः राज्यों की मुख्य आवश्यकताओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों तथा मा.सं.वि.मं. के निर्देशों के आधार पर ही अपने कार्यक्रम तैयार करते हैं। इन कार्यक्रमों पर आगे प्रत्येक विभाग के सलाहकार बोर्ड डी.ए.बी. द्वारा विचार करते हैं। डी.ए.बी. इन कार्यक्रमों की जाँच करता है और इन्हें राज्य शिक्षा संस्थानों की शैक्षिक समिति (ए.सी.) के सम्मुख प्रस्तुत करता है।

2.7 केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी.) के संकाय सदस्यों द्वारा निर्मित कार्यक्रमों पर संस्थान का सलाहकार बोर्ड (आई.ए.बी.) विचार करता है। आई.ए.बी. की सिफारिशों को परिषद् के योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण और मूल्यांकन प्रभाग (पी.पी.एम.ई.डी.) के माध्यम से कार्यक्रम सलाहकार समिति (पी.ए.सी.) की उप-समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है। प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय की प्रबन्धक समिति महाविद्यालय के वार्षिक कार्यक्रमों और आर.सी.सी. की सिफारिशों पर भी विचार करती है। प्रबन्धक समिति की सिफारिशों को पी.पी. एम.ई.डी. के माध्यम से कार्यक्रम सलाहकार समिति के सम्मुख प्रस्तुत किया जाता है।

2.8 शैक्षिक समिति राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों के कार्यक्रमों की जाँच करती है और अपनी सिफारिशें कार्यक्रम सलाहकार समिति की उपसमिति को प्रस्तुत करती है।

2.9 अन्य बातों के साथ-साथ कार्यक्रम सलाहकार समिति विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों की सूक्ष्मता से जाँच करती है ताकि कार्यक्रम तैयार करने एवं उनके कार्यान्वियन में विभिन्न घटकों के कार्य तथा उनकी भूमिका के अनुरूप उनके बीच आपस में बेहतर समन्वय बना रहे।

2.10 एन.सी.ई.आर.टी. के घटकों और बाहरी संस्थानों/संगठनों के शोध कार्यक्रमों पर शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) विचार करती है। एरिक की सिफारिशों को कार्यक्रम सलाहकार समिति को प्रस्तुत किया जाता है।

2.11 कार्यक्रम सलाहकार समिति एन.सी.ई.आर.टी. के सभी घटकों के कार्यक्रम-प्रस्तावों पर विचार करती है। अन्य बातों के साथ-साथ कार्यक्रम सलाहकार समिति एन.सी.ई.आर.टी. की कार्यकारिणी समिति के समक्ष अनुसंधान, प्रशिक्षण, विस्तार तथा अन्य कार्यक्रमों की कार्यप्रणालियों की तथा देश में विद्यालयी शिक्षा की प्रोन्नति के उपायों की सिफारिश करती है। कार्यक्रम सलाहकार समिति एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों में मा. सं.वि.मं. के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों आदि से प्राप्त कार्यक्रमों पर भी विचार करती है।

2.12 कार्यक्रम सलाहकार समिति एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों को सामान्यतया एक-एक वर्ष के लिए अनुमोदित करती है। इसके बावजूद यदि किसी कार्यक्रम की अवधि एक वर्ष से अधिक हो तो कार्यक्रम सलाहकार समिति और उसकी अधीनस्थ निकायों की प्रत्येक वर्ष की प्रगति की सूचना देनी पड़ती है।

2.13 कार्यक्रम सलाहकार समिति द्वारा अनुमोदित कार्यक्रमों के कार्यान्वियन और अनुवीक्षण का दायित्व मुख्यतः एन.सी.ई. आर.टी. के प्रत्येक संघटक एकक के अध्यक्ष का होता है। आवश्यकता पड़ने पर सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।

1991-92

2.14 परिषद् मुख्यालय में स्थित संघटक एककों के कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. की अध्यक्षता में एक समिति द्वारा प्रत्येक तिमाही की जाती है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. की अध्यक्षता में समिति की अर्द्ध-वार्षिक बैठक में की जाती है। इन बैठकों में कार्यक्रमों के कार्यान्वियन की प्रगति की समीक्षा तथा उसमें जो कमियाँ रह गई हैं उनकी जाँच-पड़ताल की जाती है तथा जहाँ आवश्यक हो, इन कमियों को दूर करने तथा एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों द्वारा संचालित कार्यक्रमों के अंतिम उत्पादन की प्रणाली में इनके उपयोग के लिए सुझाव दिए जाते हैं।

2.15 एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न घटकों के कार्यक्रमों की योजना, कार्यान्वियन, अनुवीक्षण और मूल्यांकन की समूची प्रक्रिया एन.सी.ई.आर.टी. के और राज्यों के आपसी सहयोग या संयुक्त प्रयासों से संपन्न होती है। एन.सी.ई.आर.टी. के लगभग सभी शैक्षिक कार्यक्रमों में राज्य/संघ राज्य क्षेत्र के सभी शिक्षाविद् और अधिकारी इन कार्यक्रमों में योजना बनाने के स्तर से लेकर अंतिम परिणाम प्राप्त करने तक पूरी प्रणाली में शामिल रहते हैं। इस संपूर्ण कार्य में एन.सी.ई.आर.टी. के संकायों को राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ मिलकर काम करने का सुअवसरप्राप्त होता है।

1991-92

तीन

वर्ष 1991-92 के कार्यकलापों पर विहंगम दृष्टि

3.1 विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार और उत्कृष्टता लाना राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एन.सी.ई.आर.टी.) का वर्षों से एक मुख्य कार्य रहा है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए परिषद् अपने घटकों, नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के विभागों और केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान तथा अजमेर, भोपाल, भुवनेश्वर और मैसूर में स्थित क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा देश भर में स्थित 17 क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों, जिनमें से अधिकतर राज्यों की राजधानियों में स्थित हैं, के सहयोग से अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण, विस्तार और शैक्षिक सूचना के प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यक्रम करती है।

वर्ष 1991-92 में प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण, अनौपचारिक शिक्षा, विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा, महिला समानता के लिए शिक्षा, माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के संवर्द्धन, परीक्षा-सुधार, शिक्षा के व्यावसायीकरण, अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन, शैक्षिक शोध और नवाचारों तथा उनके प्रसार-प्रचार को बढ़ावा देने और राज्यों में विद्यालयी शिक्षा से संबंधित केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित शैक्षिक प्रौद्योगिकी संबंधी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए लगातार और समन्वित प्रयास किया गया। परिषद् ने शैक्षिक क्षेत्र और राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना संबंधी कार्यकलापों का भी समन्वयन और अनुवीक्षण करना जारी रखा। क्षेत्रीय कार्यालयों और क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से शिक्षा विभागों/शिक्षा निदेशालयों, राज्य शिक्षा संस्थानों/राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषदों तथा इस प्रकार के अन्य अभिकरणों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहयोग देकर राज्य एवं संघ शासित क्षेत्रों की सरकारों से निकट संपर्क बनाए रखा। वर्ष 1991-92 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के कार्यक्रमों और कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं:

3.2 शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई.)

रा.शै.अ.प्र.प. ने देश में शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा कार्यक्रम को प्रभावी बनाने और सहायता देने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यकलाप किए। वर्ष 1991-92 में ऑपरेशन ब्लैक-बोर्ड (ओ.बी.) योजना और उसके उचित कार्यान्वयन के समतुल्य प्राथमिक अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास/संशोधन और मुद्रित और गैर-मुद्रित सामग्री के विकास संबंधी कार्यक्रम और कार्यकलाप जारी रहे। कार्यक्रमों का केन्द्र बिन्दु बच्चों, अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए शैक्षिक सामग्री के विकास और प्रचार-प्रसार, अध्यापकों, अध्यापक शिक्षकों और पर्यवेक्षक कार्मिकों के लिए ई. सी. सी. ई. दर्शन पर

1991-92

प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम, कार्यनीति और विषय-वस्तु के आयोजन; ई. सी. सी. ई. के क्षेत्र में शोध-कार्यकलापों के आयोजन, और ई. सी. सी. ई. के विस्तार कार्यकलाप जिसमें राज्यों में अन्य संगठनों को परामर्श देना शामिल है, किए गए। वर्ष 1991-92 में शैशवकालीन देखभाल पर प्रकाशित विवरणिकाओं/मैनुअलों आदि में शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम पर एक चित्र-पुस्तिका; चाइल्ड-टू-चाइल्ड कार्यक्रम पर एक मैनुअल; छोटे बच्चों के लिए प्रेरक कार्यकलापों पर एक मैनुअल, "ड्रामा एण्ड दि यंग चिल्ड्रन" शीर्षक पर पुस्तिका, खेल सामग्री पर मैनुअल, सर्जनात्मकता और हिन्दी पर चित्र-पुस्तिका, कम लागत के खेल-खिलौनों पर अध्यापकों के लिए पुस्तिका, 3 से 8 वर्ष के बच्चों के लिए हिन्दी में 180 दृश्यश्रव्य कार्यक्रमों की सूची; ई.सी.सी.ई. कार्यक्रम और सामग्री पर विवरणिका शामिल है। अध्यापकों और माता-पिता के लिए एक वीडियो फिल्म "ब्रिजिंग दि गैप" निर्मित की गई और 'रेडियो सम्भाव्यता अध्ययन' पर एक वीडियो वृत्तचित्र भी तैयार किया जा रहा है। इनके अतिरिक्त "मिनिमम स्पेसिफिकेशन फॉर प्री स्कूल" शीर्षक पर एक प्रलेख तैयार किया गया।

वर्ष 1991-92 में बेंगलूर, मुंबई और दिल्ली में एक-दिवसीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। इस कार्यकलाप ने लोगों को बहुत आकर्षित किया। इन संगोष्ठियों की सिफारिशों का प्रचार-प्रसार व्यापक रूप से किया गया।

शैशवकालीन शिक्षा/बाल विकास में रा.शै.अ.प्र.प. के अनुसंधान कार्यक्रमों में "रेडियो सम्भाव्यता अध्ययन", "बच्चों के नामांकन और अवरोधन पर अध्ययन", "3 से 8 वर्ष के विकलांग बच्चों के साथ ऑडियो कार्यक्रमों का प्रयास", संख्या-बोध के विकास के लिए प्रक्रिया-आधारित कार्यक्रम और रेडियो के माध्यम से बच्चों के संवर्धन पर प्रयोग (सी.एच.ई.ई.आर) शामिल है। परिषद् ने यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त शैशवकालीन शिक्षा परियोजना जिसे 12 राज्यों (बिहार, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, गुजरात और आन्ध्र प्रदेश) में कार्यान्वित किया जाना है, के अन्तर्गत कार्यक्रमों और कार्यकलापों का अनुवीक्षण और समन्वयन जारी रखा। इस परियोजना में राज्यों में शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने और एकीकृत बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.) से संबंधित विभागों के साथ सम्पर्क बढ़ाने पर विशेष बल दिया जाता रहा।

3.3 प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.)

मूलभूत निर्देशों और राष्ट्रीय शिक्षा नीतिं-86 के प्रावधानों को ध्यान में रखते हुए रा.शै.अ.प्र.प. ने प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण से संबंधित कार्यक्रमों और परियोजनाओं को उच्च प्राथमिकता दी है। कक्षा 1 से 5 तक के लिए पाठ्यपुस्तकों और अध्यापक संदर्शिका के विकास हेतु वर्ष 1989-90 में आरंभ किए गए कार्य पर नई अनुदेशी सामग्री के विकास का चक्र वर्ष 1990-91 में पूरा हुआ। वर्ष 1991-92 में अन्य बातों के साथ-साथ प्राथमिक स्तर पर छात्र-मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश तैयार करने और अनुदेशी सामग्री के संशोधन पर बल दिया जाता रहा।

मा.सं.वि.मं. के अनुरोध पर रा.शै.अ.प्र.प. ने "ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों को भेजी गई सामग्री के विस्तार और उपयोग" पर एक अध्ययन किया। विद्यालयी अध्यापकों का सामूहिक कार्यक्रम (ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड) के संदर्भ में प्रमुख व्यक्तियों के लिए पोर्टब्लेयर में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत शैक्षिक योगदान दिया गया। इसी प्रकार एक अन्य यूनिसेफ सहायता प्राप्त मानव संसाधन विकास के लिए "गहन-क्षेत्र शिक्षा परियोजना" (ए.आई.ई.पी.) शीर्षक के अन्तर्गत प्रमुख व्यक्तियों और कार्यरत अध्यापकों के लिए सिलवासा में आयोजित किया गया। ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड संबंधी विद्यालयी अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास के अन्तर्गत तैयार किए गए प्रशिक्षण पैकेजों को जि.शै.अ.प्र.प. की आवश्यकताओं के अनुसार राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को भेजा गया। प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण से संबंधित अन्य कार्यक्रम इस प्रकार हैं : "प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" और भारत में स्वतंत्रता प्राप्ति से प्राथमिक शिक्षा अधिनियम के कार्यान्वयन का विशेष संदर्भों में समीक्षात्मक अध्ययन"। नवम्बर, 1991 में अखिल भारतीय प्राथमिक विद्यालय संघ के प्रतिनिधियों के लिए प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण

पर एक अखिल भारतीय संगोष्ठी राज्य शै.अ.प्र.प. उदयपुर में आयोजित की गई।

क्षेत्र-गहन शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत "सर्वेक्षण द्वारा शैक्षिक और विकासात्मक आवश्यकताओं की पहचान" पर कार्य पूरा हो चुका है और परियोजना "गाँवों में शैक्षिक और विकासात्मक कार्यकलापों की सूक्ष्म योजना बनाने" का कार्य लिया गया है। दिसम्बर, 1991 में क्षेत्र-गहन शिक्षा परियोजना पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन मद्रास में आयोजित किया गया जिसमें राज्य स्तर के निर्णायकों, जिला और खण्ड स्तरों पर परियोजना दल के सदस्यों, रा.शै.अ.प्र.प., मा.सं.वि.मं. और यूनिसेफ के प्रतिनिधियों के मध्य संलग्न खंडों में परियोजना के प्रभावी कार्यान्वियन संबंधी मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का एक अवसर प्रदान किया गया। यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाएं पोषण, स्वास्थ्य शिक्षा और पर्यावरणात्मक स्वच्छता (एन.एच.ई.ई.एस.) तथा "प्राथमिक शिक्षा व्यापक उपागम" की रिपोर्ट भी प्रकाशित की जा चुकी है।

3.4 न्यूनतम अधिगम स्तर

रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्राथमिक विद्यालय स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तरों के कार्यान्वयन में जुटी हुई है। ऐसी परिकल्पना की गई है कि न्यूनतम अधिगम परियोजना से अध्ययन-अध्यापन की विषयवस्तु को ही पढ़ाने पर बल देने की बजाए सीखने पर बल दिया जाएगा जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता मिलेगी।

न्यूनतम अधिगम परियोजना के अन्तर्गत कक्षा 1, 2 और 3 की अध्यापक पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गईं और कक्षा 4 और 5 की अध्यापक पुस्तिकाओं की पाण्डुलिपियों को अन्तिम रूप दिया गया। न्यूनतम अधिगम स्तर की निर्धारित क्षमताओं के अनुसार हिन्दी, गणित और पर्यावरण-अध्ययन के क्षेत्रों में मद-समूह तैयार किए गए। रा.शै.अ.प्र.प. के संकाय-सदस्यों और केन्द्रीय समूह ने मिलकर अध्ययन-अध्यापन के एम.एम.एल. उपागम के समरूप सिद्धान्त, व्यवहार और प्रविधि में 500 से भी अधिक अध्यापकों को प्रशिक्षित किया।

न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम के अन्तर्गत हिन्दी, गणित और पर्यावरण अध्ययन पर इकाई परीक्षण का विकास करने के कार्य किए गए। प्रवेश स्तर परीक्षणों के आँकड़े एकत्र किए गए। स्तर परीक्षणों जिसका प्रयोग छात्रों पर व्यक्तिगत रूप से किया गया था, अनुवर्ती इकाई परीक्षण का प्रावधान किया गया। एम.एम.एल. से संबंधित विचारों और अनुभवों को इस प्रणाली में व्यापक रूप से शामिल करने का भी प्रयास किया गया।

3.5 अनौपचारिक शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. अनौपचारिक शिक्षा योजना—1988 में कार्यरत सरकारी और गैर-सरकारी योजनाओं को तकनीकी और शैक्षिक संसाधन प्रदान करती है। अनौ.शि. सामग्री को पाठ्यचर्याओं के अध्येताओं की अपेक्षाओं के अनुकूल बनाने के लिए पाठ्यचर्या और सामग्री संबंधी अनुसंधान कार्य किया गया। प्राथमिक शिक्षा के लिए न्यूनतम अधिगम स्तरों की पहचान से मूल्यांकन के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यकलापों को बढ़ावा देने के लिए एम.एल.एल. के निर्धारणों का प्रयोग किया जा रहा है।

अनौ.शि. का विभिन्न पहलुओं से प्रयोग करने के लिए परिषद् ने आन्ध्र प्रदेश, बिहार, राजस्थान और पश्चिमी बंगाल में स्थित क्षेत्र स्टेशनों को तकनीकी सहायता देना निरन्तर जारी रखा। ये क्षेत्र स्टेशन एक ऐसी प्रयोगशाला के रूप में कार्य करते हैं जहाँ अनौ.शि. की विभिन्न कार्यनीतियों, सामग्री और पद्धतियों की प्रयोगात्मक रूप से जाँच की जाती है। वर्ष 1991-92 में अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रमों में एम.एम.एल. विवरणों का प्रयोग करते हुए शिक्षण अधिगम सामग्री और आदर्श नमूनों का विकास करना मुख्य कार्य रहा। हिन्दी में अध्ययन-अध्यापन सामग्री के पाँच आदर्श नमूनों की पांडुलिपियाँ तैयार की जा चुकी हैं। 1991-92 के दौरान अनौ.शि. कार्यक्रमों के अन्तर्गत सामाजिक, भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता पर पूरक सामग्री की एक श्रृंखला तैयार की गई।

राज्य सरकारों और स्वैच्छिक अभिकरणों में कार्यरत अनौ. शि. कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का प्रथम चरण समाप्त होने के बाद, दूसरे चरण में विभिन्न राज्यों के कार्यकर्ताओं के

1991-92

प्रशिक्षण के लिए मॉड्यूल तैयार करने में सहायता दी गई। इस प्रयास में जिला स्तर विशेषरूप से जिला शै.प्रौ.सं. और जिला केन्द्रों के प्रशिक्षुओं के संसाधन दल बनाने पर विशेष बल दिया जाता रहा। परिषद् ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर सारे देश में अनौपचारिक शिक्षा के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा स्वैच्छिक अभिकरणों को दिए गए अनुदान के मूल्यांकन का कार्य किया।

वर्ष 1991-92 में एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें राज्य सरकार और स्वैच्छिक अभिकरणों के अनौ. शि. कार्यकर्ताओं को अपने अनुभवों को बाँटने और भावी योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए एक अवसर प्रदान किया गया।

3.6 अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन-जाति शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने अनुसूचित जातियों और जन-जातियों की शिक्षा के संवर्द्धन के लिए अपने कार्यकलाप जारी रखे। केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान के सहयोग से कक्षा 1 और 2 के लिए लगभग आठ आदिवासी बोलियों में शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार की गई। डा. अम्बेडकर द्वारा शिक्षा के संबंध में विशेषकर अ.जा./ज.जा. शिक्षा के संदर्भ में लिखे गए अवतरणों का एक संग्रह प्रकाशित किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. ने हिमाचल प्रदेश में प्रयोग की जाने वाली पाठ्य पुस्तकों में से अनु. जा./ज.जा. के हितों के प्रतिकूल सामग्री को निकालने के लिए इन पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन भी किया। परिषद् इस परियोजना को आगे जारी रखते हुए सभी राज्यों की शिक्षण-अधिगम सामग्री का मूल्यांकन कर रही है।

3.7 विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा

विद्यालय से निकाले गए अथवा विद्यालय व्यवस्था में अनुकूल सुविधाएँ न होने के कारण विद्यालय छोड़ जाने वाले विकलांग बच्चों की शिक्षा जारी रखने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. संयुक्त क्षेत्र उपागम का प्रयोग करके क्षेत्रीय प्रदर्शन आरंभ किया। इस प्रकार के दस अन्य क्षेत्रीय प्रदर्शन स्थल विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा (आई.ई.डी.) की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत यूनिसेफ और मा.सं.वि.मं. की सहायता से देश के कठिन परिस्थितियों वाले विभिन्न भागों में भी स्थापित किए गए। वर्ष 1991-92 में आई.ई.डी. योजना को परियोजनेतर क्षेत्र में लागू करके संयुक्त क्षेत्र उपागम द्वारा शिक्षा देने की जानकारी पर बल दिया जाता रहा। प्रभावकारी शिक्षण के लिए विद्यालय और कक्षा को सुव्यवस्थित करने के संबंध में कुछ नवाचारी और प्रयोगात्मक कार्यकलाप किए गए। इसमें "अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण पद्धतियों पर आधारित अध्यापक शिक्षा संसाधन पैक की प्रभाविता" और "छात्रों की अधिगम प्रशिक्षण और कक्षा उपलब्धियों के प्रति अभिरुचि", "विकलांग बच्चों की शिक्षा के प्रति शैक्षिक प्रशासकों और अध्यापकों की अभिवृत्ति", और "प्रारंभिक जानकारी और मध्यस्थता के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण" कार्यक्रम शामिल हैं।

वर्ष 1991-92 में इलैक्ट्रॉनिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित प्रौद्योगिकी विकास परियोजना के अन्तर्गत हिन्दी में कम्प्यूटर की सहायता से शिक्षण-अधिगम पर सॉफ्टवेयर तैयार किया गया। विशेष आवश्यकताओं पर 2 वीडियो कार्यक्रमों के दो सेट बनाए गए। टेलीस्कूल परियोजना के अन्तर्गत कार्यक्रमों की दूसरी श्रृंखला मानसिक रूप से विकलांग विद्यार्थियों के अभिभावकों और अध्यापकों के लिए बनाई है। कक्षा में विशेष आवश्यकताओं का सामना करने पर यूनेस्को संसाधन पैक का क्षेत्र परीक्षण किया गया और इसे भारतीय संस्कृति और परिवेश के अनुकूल बनाया गया।

जि.शै.प्रौ.सं. अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों, विश्वविद्यालय के शिक्षा विभागों और अन्य अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के अध्यापक-शिक्षकों के लिए विशेष शिक्षा में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। अध्यापक-शिक्षा में एकीकृत शिक्षा में नवाचार पद्धतियों और विद्यालय शिक्षा/अध्यापक शिक्षा के आगामी परिप्रेक्ष्यों पर विभिन्न समर्थन कार्यक्रम आयोजित किए गए।

विकलांगों के लिए एकीकृत शिक्षा के क्षेत्र में गैर-सरकारी संगठनों के राष्ट्रीय सम्मेलन में बहुत से संगठनों ने राज्य सरकारों और मा.सं.वि.मं. को अपने कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करने का प्रस्ताव रखा।

3.8 महिला समानता के लिए शिक्षा

रा.शै.अ.प्र.प. ने बालिका शिक्षा के संवर्द्धन और लिंगों की समानता संबंधी अपनी वचनबद्धता को पाठ्यचर्या और अध्यापक शिक्षा में उपयुक्त मध्यस्थता और बालिका शिक्षा की अग्रवर्ती नीतियों एवं विशेष कार्यक्रमों में केन्द्र, राज्यों और अन्य संस्थानों/संगठनों को सहायता देकर नवीकृत किया है। रा.शै. अ.प्र.प. के अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण और विस्तार कार्यकलाप मुख्यतः बालिकाओं के लिए प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण; शान्ति और विकास के लिए लिंगों में समानता; नेतृत्व और निर्णय लेने की क्षमता उत्पन्न करने के लिए बालिकाओं में अपना सकारात्मक स्वरूप विकसित करना और गैर-परंपरागत व्यवसाय तथा पेशों में बालिकाओं की प्रतिभागिता का संवर्द्धन करना है। वर्ष 1991-92 में इस कार्यनीति में जागरूक पीढ़ी का निर्माण, पाठ्यचर्या की पुनर्रचना, अध्यापक शिक्षा में योगदान, पाठ्यचर्या विकासकों के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण कार्यक्रम, योजना-नियोजन और कार्यान्वयन के लिए अनुसंधान और आँकड़ा आधार प्रदान करने, मीडिया से सम्पर्क बनाने, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों से नेटवर्क स्थापित करने और राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने के लिए कार्यक्रमों का विकास किया गया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने सार्क की एक कार्य योजना "बालिकाओं का दशक" तैयार की जिसमें नीति नियोजन और प्रबन्धन, पाठ्यचर्या और अध्यापक शिक्षा तथा संप्रेषण की कार्यनीतियों को सम्मिलित किया गया।

यूनेस्को द्वारा प्रायोजित अध्ययन "ग्रामीण क्षेत्रों में बालिका शिक्षा का उन्नयन" में जिला स्तर पर विभिन्न शैक्षिक और संबद्ध स्थितियों का विश्लेषण करके ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा के लिए एक संपूर्ण कार्य-योजना बनाई गई। एक अन्य अध्ययन "प्रारंभिक विद्यालयों में बालिकाओं की नियमितता और अनियमितता के कारणों की पहचान" में निर्धन वर्गों के शैक्षिक और सामाजिक अभाव का सजीव चित्र प्रस्तुत किया गया तथा इन वर्गों में बालिका शिक्षा की नियमितता बनाने के सशक्त उपायों को उजागर किया है।

रा.शै.अ.प्र.प. ने राज्यों के प्रमुख कार्मिकों के लिए महिला शिक्षा की कार्यपद्धति पर एक सात-दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। अध्यापक शिक्षा में उपयुक्त योगदान प्रदान करने के लिए मध्य प्रदेश में अध्यापक शिक्षकों के लिए एक राज्य स्तर की कार्यगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विषयों और शैक्षिक सिद्धान्त के शिक्षण के माध्यम से लिंगों की समानता सहित मूल्यों में अनुरूपता लाने की सिफारिश की गई।

"मानसी परिचय माला" और "नारी की विकास यात्रा" श्रृंखलाओं के अन्तर्गत महिला समानता शिक्षा के लिए आदर्श सामग्री तैयार करने का कार्य जारी रहा। मुख्य शैक्षिक और सामाजिक स्थितियों को समाविष्ट करके भारत में बालिका शिक्षा पर एक तथ्य पत्र भी तैयार किया गया और इसका व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार किया गया।

3.9 शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदाय की शिक्षा

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के विद्यालयों में दिसम्बर, 1991 तक की रा.शै.अ.प्र.प. के योगदान की स्थिति पर एक रिपोर्ट को अद्यतन बनाकर मा.स.वि.मं. को इसे आगे अल्पसंख्यक आयोग को भेजने के लिए दिया गया। इसके अतिरिक्त शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक समुदाय योजना पर एक व्यापक अल्पभाषी टिप्पण बनाकर अल्पसंख्यक आयोग को प्रेषित किया गया जिसमें ऐतिहासिक प्रतिदर्शों, कार्यक्रम कार्यान्वयन में आने वाली रुकावटों और कार्यक्रम के परिणाम दिए गए हैं।

3.10 विज्ञान और गणित शिक्षा का सुधार

रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 और रा.शि.नी. के संदर्भ में कार्रवाई-कार्यक्रम के अनुसार विज्ञान शिक्षा में गुणात्मक सुधार और वैज्ञानिक प्रकृति में सुधार के प्रयास को निरन्तर जारी रखा। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें विज्ञान और गणित में अनुदेशी तथा अन्य संबंधित सामग्री का विकास, प्रमुख व्यक्तियों को प्रशिक्षण देना तथा विद्यालय स्तर पर विज्ञान और गणित की गुणवत्ता को सुधारने के लिए शोध कार्यकलाप आदि शामिल हैं। रा.शि.नी. को ध्यान में रखते हुए कक्षा 7-11 के लिए अनुदेशी सामग्री विकसित करने का चक्र पूरा

1991-92

करने के बाद वर्ष 1991-92 में विद्यालय शिक्षा में उच्च प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर विज्ञान के शिक्षण को प्रभावी बनाने के प्रयास किए गए। इस कार्य में अन्य बातों के साथ-साथ विज्ञान उपकरणों पर कुछ आदर्श नमूनों का विकास किया गया तथा कुछ कम लागत के यन्त्रों की रूपरेखा तैयार की गई।

वर्ष 1991-92 में एक गहन अध्ययन किया गया जिसमें कक्षा 6-12 के लिए विज्ञान और गणित में पाठ्य-सामग्री की विषय-वस्तु का विश्लेषण किया गया। पाठ्यचर्या पैकेज के एक भाग के रूप में प्रभावी पाठ्यचर्या सम्पादन के लिए अध्यापक संदर्शिका परीक्षण मदें, प्रयोगशाला मैनुअल और दृश्य-श्रव्य साधन तैयार करने का भी कार्य किया गया। कुछ अन्य महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास कार्यकलाप इस प्रकार हैं : + 2 स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रयोग किए जाने वाले भौतिकी और रसायनविज्ञान में मार्गदर्शी सामग्री का विकास, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर बहुउपयोगी विज्ञान प्रयोगशाला की रूपरेखा बनाना, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निदर्शनात्मक प्रयोगों और रसायन विज्ञान में नमूनों के लिए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों को न्यूनतम प्रारंभिक अनिवार्य सुविधाओं के लिए मापदण्ड निर्धारित करना, भौतिकी और जीव विज्ञान में विधियों और प्रयोगशालाओं हेतु दिशानिर्देश तैयार करना, गणित में "कम्प्यूटिंग" में विषय-आधारित परीक्षा मदें, प्रश्नकोश, आँकड़ा डिस्क और पूरक सामग्री का विकास, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के लिए एकीकृत साफ्टवेयर पैकेजों का विकास, विज्ञान में पूरक पठन सामग्री का विकास, विज्ञान में प्रसिद्ध विज्ञान सामग्री, "रीडिंग टू लर्न" का विकास और शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में शिक्षण क्षमता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से माध्यमिक स्तर के अध्यापकों के लिए शिक्षण-सामग्री का विकास।

रा.शै.अ.प्र.प. विभिन्न अभिकरणों जैसे राज्य विज्ञान शिक्षा केन्द्रों, राज्य शै.अ.प्र.प., नवोदय विद्यालय समिति और विद्यालय संबंधी अन्य गैर-सरकारी संगठनों के लिए विद्यालय स्तर के विज्ञान और गणित के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग देती है। उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए गणित के मुख्य क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों के अभिविन्यास के लिए भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नवम्बर, 1991 में कोच्चि में एक राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी लगाई गई। वर्ष 1991-92 में रा.शै.अ.प्र.प. ने "साइंस इन 2001 ए.डी." विषय पर राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी लगाने के लिए 22 राज्यों और 6 संघ शासित क्षेत्रों को शैक्षिक मार्गदर्शन और वित्तीय सहयोग दिया। इसके अतिरिक्त देश के 16 केन्द्रों में आयोजित एक-दिवसीय कार्यक्रम "चिल्ड्रन मीट साइन्टिस्ट" में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर पथ प्रदर्शन किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. के 30वें स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष 'खुला सदन' कार्यकलापों का आयोजन किया गया। इन कार्यकलापों में बच्चों ने अपने हाथ से अनुभव प्राप्त करने के अतिरिक्त पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास की विभिन्न कार्यविधियों की जानकारी प्राप्त की।

केन्द्रीय प्रायोजित योजना विद्यालय में विज्ञान शिक्षा के सुधार के मूल्यांकन कार्य के अन्तर्गत विज्ञान और गणित संबंधी शोध निबन्धों, शोधप्रबन्धों, लेखों और पुस्तकों के लिए विकसित कार्यपद्धति की सहायता से इनकी समीक्षा की गई।

3.11 सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा

विद्यालयी स्तर पर शिक्षा की विषय-वस्तु और प्रक्रिया की पुनर्संरचना के प्रयासों के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प. ने वर्ष 1991-92 में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास में निर्देश देने, अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम करने, पाठ्यचर्याओं और अनुदेशी सामग्री के विकास और मूल्यांकन में राज्य शिक्षा प्राधिकरणों को शैक्षिक समर्थन प्रदान करने और भाषा तथा सामाजिक अध्ययन में सर्वेक्षण अध्ययन करने का प्रयास जारी रखा। एक मुख्य क्षेत्र दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में हिन्दी और उर्दू तथा तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी पर पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास पर कार्य प्रारंभ किया गया।

पिछले दो वर्षों में देश और विश्व में हुए परिवर्तनों

को देखते हुए सामाजिक विज्ञान की बहुत सी पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करना आवश्यक हो गया था। इस संदर्भ में उस अनुदेशी सामग्री का मूल्यांकन किया गया जिनमें तत्काल संशोधन करने की आवश्यकता है। ऐसी पठन सामग्री तैयार करने का कार्य किया गया जिसमे अध्यापकों को अपने-अपने विषय-क्षेत्रों में हाल ही में हुए परिवर्तनों की जानकारी मिल सकेगी।

राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन के कार्यक्रम के अन्तर्गत वर्ष 1991-92 में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, मणिपुर, और त्रिपुरा की पाठ्यपुस्तकों के नमूना मूल्यांकन का कार्य किया गया।

कला शिक्षा जो कि विद्यालय पाठ्यचर्या में अपेक्षाकृत एक नया अनिवार्य क्षेत्र है, के उन्नयन के लिए कला अध्यापकों का एक शिविर आयोजित किया गया। डा.बी.आर. अम्बेडकर की जन्म शताब्दी के सिलसिले में विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए एक निबन्ध प्रतियोगिता और एक संगोष्ठी पठन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. ने समकालीन भारत और पाठ्यचर्या बोझ पर भारत सरकार मा.सं.वि.मं. द्वारा स्थापित सलाहकार समिति को शैक्षिक और अन्य सहायता प्रदान की।

3.12 राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.)

वर्ष 1991-92 में एन.पी.ई.पी. के अन्तर्गत कार्यक्रम और कार्यकलाप का मुख्य केन्द्र बिन्दु पाठ्यचर्या और पाठ्य-सामग्री को तैयार करने, प्रशिक्षण/अभिविन्यास, अनुसंधान और मूल्यांकन करने तथा विभिन्न अभिकरणों को जनसंख्या शिक्षा संबंधी सूचना के प्रसार-प्रचार पर रहा। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रकार की अनुदेशी सामग्री और प्रशिक्षण सामग्री तथा मनोरंजक कहानियों के रूप में पूरक पठन सामग्री के आदर्श नमूने तैयार किए गए और उनका परीक्षण किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. ने राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के माध्यमिक स्तर के लिए अर्थशास्त्र, भूगोल और विज्ञान के विषय-क्षेत्रों में जनसंख्या शिक्षा माड्यूल विकसित करने का कार्य किया।

जनसंख्या संबंधी तीन विषयों पर वीडियो कार्यक्रम तैयार किए गए और उनका प्रचार-प्रसार किया गया। जनसंख्या शिक्षा के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए सात पोस्टरों के एक सेट और दो मनोरंजक श्रृंखलाओं की कोलम्बो में आयोजित उप-क्षेत्रीय यूनेस्को विशेषज्ञ शिविर बैठक में समीक्षा की गई और इन्हें अन्तिम रूप दिया गया।

विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) के सिलसिले में जनसंख्या शिक्षा सप्ताह के आयोजन के लिए दिशानिर्देशों पर एक पुस्तिका तैयार की गई। दिनांक 25 अगस्त से 5 सितंबर 1991 तक दक्षिणी एशियाई देशों के लिए जनसंख्या शिक्षा तकनीकी विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत सार्क देशों से आए शिष्टमण्डल ने जनसंख्या शिक्षा के विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलापों में अपने अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान किया। वर्ष 1991-92 में दो परियोजना प्रगति समीक्षा (पी.पी.आर.) बैठकें, आयोजित की गईं जिनमें राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एकक के कार्यकलापों की प्रगति पर विचार-विमर्श किया गया और वर्ष 1992 की कार्य योजनाएँ तैयार की गईं तथा उन्हें अन्तिम रूप दिया गया। वर्ष 1992 की कार्य योजनाओं को त्रिपक्षीय परियोजना समीक्षा (टी.पी.आर.) बैठक से अनुमोदन प्राप्त हो चुका है।

3.13 परीक्षा सुधार

रा.शै.अ.प्र.प. मापन, मूल्यांकन और प्रतिभा खोज संबंधी विभिन्न कार्यकलापों में जुटी रहती है। विज्ञान और सामाजिक विज्ञान संबंधी अधिगम परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए इन पाठ्यचर्या क्षेत्रों में इकाई परीक्षण विकसित किए गए। + 2 स्तर के प्रथम वर्ष के लिए कम्प्यूटर विज्ञान में विषय आधारित परीक्षण मदें तैयार की गईं। कक्षा 1 से 3 के लिए अंकगणित और हिन्दी में निदानात्मक परीक्षण तैयार किए गए। उच्च प्राथमिक स्तर पर अंग्रेजी बोलना सिखाने में अध्यापकों को सहायता प्रदान करने हेतु अंग्रेजी में मौखिक अभ्यास विकसित किए गए।

विद्यालयों में निरन्तर व्यापक मूल्यांकन पर सिफारिशों का एक सेट राज्य शिक्षा अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों और राज्य शिक्षा विभागों आदि को भेजा गया।

1991-92

"परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन प्रक्रिया" पर एक पैकेज को परीक्षाओं से संबद्ध विभिन्न अभिकरणों में भेजा भी गया।

22 राज्यों और संघ शासित क्षेत्र दिल्ली में "प्राथमिक विद्यालयों की उपलब्धि" नामक एक परियोजना प्रगति पर है।

3.14 शिक्षा का व्यावसायीकरण

राज्य शै.अ.प्र.प. का एक महत्वपूर्ण कार्य उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबद्ध कार्यक्रमों और कार्यकलापों का विकास और कार्यान्वियन तथा सामान्य शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में कार्यानुभव कार्यक्रम के माध्यम से देश की कार्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना है। वर्ष के दौरान रा. शै.अ.प्र.प. द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यकलाप इस प्रकार हैं : पाठ्यचर्या, अनुदेशी सामग्री जिसमें बहु-माध्यम पैकेज सम्मिलित हैं, दिशानिर्देशों का विकास, +2 स्तर पर व्यावसायिक अध्यापक शिक्षकों, समन्वयकों और कार्मिकों को प्रशिक्षण देना, व्यावसायिक कार्यक्रमों की प्रबन्ध सूचना पद्धति के राज्य स्तर के अधिकारियों को प्रशिक्षण देना, राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के सहयोग से शिक्षा व्यावसायीकरण संबंधी कार्यकलापों के विस्तार और प्रचार-प्रसार संबंधी कार्यकलापों का आयोजन करना, केन्द्र द्वारा प्रायोजित माध्यमिक शिक्षा की व्यावसायीकरण योजना के कार्यान्वियन संबंधी अध्ययन; शिक्षा के व्यावसायीकरण कार्यक्रम पर सूचना एकत्र करने के लिए संगोष्ठियों का आयोजन करना और उच्चतर माध्यमिक स्तर के व्यावसायीकरण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाना और कार्यान्वियन करना।

वस्त्र डिजाइन, इलैक्ट्रॉनिकी, पर्यावरण शिक्षा, वैद्युत मोटर, अन्तर्देशीय मछली-पालन, कथक, हिन्दी आशुलिपि और मोटर मरम्मत तथा देखभाल; भारतीय संगीत पर क्षमता आधारित पाठ्यचर्या के विकास; स्वागती, व्यापारिक कला और प्लास्टिक तथा पॉलीमर तकनीकी के क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री, प्रश्नकोश और वीडियो आलेख विकसित करने के लिए विभिन्न कार्यशालाओं का आयेजिन किया गया। वर्ष 1991-92 में व्यावसायिक शिक्षा पर तीन सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम, व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने वाले समन्वयकों के लिए दो अभिविन्यास कार्यक्रम और राज्य स्तर के अधिकारियों के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर एक अल्पावधि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 की "केब" समिति को योगदान प्रदान करने के लिए रा.शि.नी.—1986 की समीक्षा समिति की रिपोर्ट का विश्लेषण किया गया। अन्य बातों के साथ-साथ रा.शै.अ.प्र.प. ने इस वर्ष कार्यानुभव पर राष्ट्रीय समीक्षा संगोष्ठी और चरित्र निर्माण, मूल्यों की जानकारी तथा समुदाय सेवा के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यानुभव पर कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाने के लिए विशेषज्ञों के पैनल की बैठक का आयोजन किया। रा.शै.अ.प्र.प. ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अन्तर्गत राज्यों/संघशासित क्षेत्रों और स्वैच्छिक संगठनों द्वारा वित्तीय सहायता की मांग के प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए मा.सं.वि.मं. को सहायता प्रदान की तथा सहायता-अनुदान/वित्तपोषण समिति की बैठकों में भाग लिया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने राज्यों/संघशासित क्षेत्रों द्वारा चलाए जा रहे शिक्षा व्यावसायीकरण कार्यक्रमों की क्षमताओं और दोषों का पता लगाने के लिए तत्काल अध्ययन करने संबंधी कार्य किए। वर्ष 1991-92 में केरल और आन्ध्र प्रदेश में केन्द्रीय प्रायोजित योजना "माध्यमिक शिक्षा का व्यावसायीकरण" के कार्यान्वियन का गहन अध्ययन किया गया।

3.15 प्रतिभा खोज

रा.शै.अ.प्र.प. की राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.सी.) के अन्तर्गत प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की पहचान की जाती है और उन्हें उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है, ताकि उनकी प्रतिभा का विकास हो सके और वे अपने चयनित विषय में अपनी गुणवत्ता बढ़ाकर देश की बेहतर सेवा कर सकें। राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना में प्रतिवर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं, जिनमें से 70 छात्रवृत्तियाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों को दी जाती है।

रा.प्र.खो. की दूसरे स्तर की परीक्षा सारे भारत के 32 केन्द्रों में 13 मई 1991 को आयोजित की गई, इससे पहले प्रथम स्तर की परीक्षा राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों द्वारा

अक्टूबर, 1990 से जनवरी 1991 तक आयोजित की गई।

रा.शै.अ.प्र.प. देश में जवाहर नवोदय विद्यालयों में कक्षा-6 में प्रवेश के लिए चयन हेतु नवोदय विद्यालय समिति को तकनीकी सहायता प्रदान करती है। वर्ष 1991-92 के शैक्षिक सत्र के लिए विद्यार्थियों के चयन हेतु परिषद् ने छः परीक्षा के प्रपत्र तैयार किए और उन्हें 18 क्षेत्रीय भाषाओं में मुद्रित करवाया। परीक्षा की श्रृंखला में मानसिक योग्यता परीक्षा, भाषा परीक्षा और अंकगणित परीक्षा सम्मिलित है।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1991 के लिए 3,32,064 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए, परीक्षा में 2,91,277 अभ्यर्थी शामिल हुए। नवोदय विद्यालय योजना के अनुसार कम से कम 75% सीटें प्रत्येक जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के अभ्यर्थियों से भरी जाती हैं और 25% सीटें शहरी अभ्यर्थियों से भरी जाती हैं। योजना में 15% सीटें अनुसूचित जाति तथा 7.5% अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। यह आरक्षण खुली प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त अ.जा. तथा अ.ज.जा. के अभ्यर्थियों के अतिरिक्त हैं।

3.16 शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के सिद्धान्तों की सहायता से विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना रा.शै.अ.प्र.प. का एक मुख्य कार्य रहा है। इसके साथ-साथ मार्गदर्शन और परामर्श, सृजनात्मकता, अधिगम, और व्यवहार परिवर्तन के संबंध में अनुसंधान, विकास और प्रशिक्षण कार्यकलाप किए जाते हैं तथा अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के प्रयोगार्थ मनोविज्ञान के क्षेत्र में अनुदेशी और प्रशिक्षण सामग्री का विकास किया जाता है।

वर्ष 1991-92 में 13 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के 28 प्रशिक्षणार्थियों ने शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन डिप्लोमा पाठ्यक्रम में भाग लिया। यह पाठ्यक्रम माध्यमिक विद्यालयों में मार्गदशर्न सेवाएँ देने के लिए परामर्शदाताओं और राज्य मार्गदशर्न ब्यूरो, अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों और विश्वविद्यालय शिक्षा/मनोविज्ञान विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के लिए चलाया जाता है। इस पाठ्यक्रम के अतिरिक्त रा.शै.अ.प्र.प. ने उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए मार्गदर्शन और परामर्श में एक अभिविन्यास कार्यक्रम और विद्यालयी बच्चों की सृजनात्मक शक्ति में मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मार्गदर्शन कार्मिकों के लिए एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया। इस वर्ष जि.शै.प्रौ.सं. के कार्मिकों के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान और मार्गदर्शन में एक गहन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया।

रा.शै.अ.प्र.प. का शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का राष्ट्रीय पुस्तकालय, संदर्भ पुस्तकालय और परीक्षणों तथा समीक्षाओं संबंधी सूचना के लिए एक केन्द्र के रूप में कार्य करता है। वर्ष 1991-92 में इस पुस्तकालय में अन्य बातों के साथ-साथ व्यक्तित्व के क्षेत्र में अद्यतन भारतीय परीक्षणों को सम्मिलित किया गया है।

इस वर्ष शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन में आयोजित किए गए शोध/सर्वेक्षण कार्यकलाप इस प्रकार हैं : "विद्यालय तथा कक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रबंध के कार्यों पर प्राथमिक अध्यापकों का एक प्रारंभिक अध्ययन" और "शहरी गन्दी बस्तियों में प्राथमिक विद्यालयी बच्चों की अधिगम समस्याओं का एक सर्वेक्षण" विकासात्मक कार्यकलापों में "प्रारम्भिक अध्यापक-शिक्षकों के लिए अधिगम और विकास" पर एक पुस्तिका तैयार करना, "कक्षा तथा विद्यालय व्यवस्था में प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों तथा अध्यापकों के लिए व्यवहार परिवर्तन की एक पुस्तिका", प्रारम्भिक विद्यार्थियों की व्यवहार संबंधी समस्याओं में परिवर्तन लाने के लिए व्यवहारात्मक मध्यस्थता कार्यक्रम", "प्रारम्भिक विद्यालय के बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावना के पोषण पर पुस्तिका", "विकासात्मक और जीवनवृत्ति मार्गदर्शन हेतु बहुमाध्यम पैकेज," "व्यवहार परिवर्तन में पाठ्यसामग्री" "प्रसिद्ध मनोविज्ञान श्रृंखलाएँ", "उत्कृष्ट शिक्षा के लिए अध्यापकों में मूल्य का विकास करने" और "+2 स्तर पर मनोविज्ञान में मद बैंक" पर प्रशिक्षण पैकेज तैयार करना सम्मिलित है। शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन में कुछ अन्य विकासात्मक कार्यकलाप इस प्रकार हैं: "भारत में बाल मनोवृत्तिः आधुनिक प्रवृत्ति और भावी परिप्रेक्ष्य", "बच्चों और किशोरों की मनोवृत्ति पर पाठ्यसामग्री",

1991-92

स्वतः आत्मपोषण और कार्याभिमुखता", "विद्यालय-विद्यार्थियों को समकक्षी परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास", "माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन के लिए माड्यूलों का विकास" और "मार्गदर्शन परामर्शदाताओं के लिए पुस्तिका"।

रा.शै.अ.प्र.प. ने राज्य शैक्षिक और व्यावसायिक मार्गदर्शन ब्यूरो के अध्यक्षों के लिए अखिल भारतीय सम्मेलन का आयोजन किया जिसमें राज्यों में मार्गदर्शन सेवाओं की अवस्थिति और उनकी भावी योजना कार्रवाई प्रस्तुत की गई। रा.शै.अ.प्र.प. के संकायों ने अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन के तत्वावधान में "2001 में रोजगार सेवाओं की भूमिका" पर एक त्रिपक्षीय कार्यशाला का आयोजन किया और "भारत के शैक्षिक विकास संबंधी व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम और रोजगार सेवाओं का भावी रूप" विषय पर एक पत्र तैयार करने में अपना योगदान दिया।

3.17 अध्यापक-शिक्षा

इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि विद्यालय शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अध्यापकों का विकास आवश्यक है, रा.शै.अ.प्र.प. ने प्रारंभिक और माध्यमिक अध्यापकों की शिक्षा में सुधार लाने के लिए अनुसंधान और विकास कार्यों पर बल देना जारी रखा जिनमें विद्यार्थी अध्यापकों, सेवारत अध्यापकों और अध्यापक-शिक्षकों के लिए विभिन्न पाठ्यचर्या क्षेत्रों में अध्यापक शिक्षा पाठ्यसामग्री और अनुकरणीय अनुदेशी सामग्री शामिल है। अध्यापक-शिक्षा में विषय-वस्तु और कार्यविधि के विकास के लिए अनुसंधान सहायता देने की दृष्टि से विभिन्न अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन किए गए जिनमें "एक/दो अध्यापकों वाले प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की समस्याओं का पता लगाना", "माध्यमिक अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों में कार्यानुभव का एक अध्ययन" और "जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन/निर्धारण" सम्मिलित है।

प्रारंभिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा के लिए विकसित पाठ्यविवरणों और पाठ्यक्रम दिशा निर्देशों के आधार पर विभिन्न क्षेत्रों में मुद्रित और अमुद्रित अनुदेशी सामग्री का विकास प्रगति पर है। ये सामग्री सेवा-पूर्व और सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सुधार के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

वर्ष 1991-92 में जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थानों के संकाय तथा राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् और उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थानों के प्राचार्यों के लिए विभिन्न प्रेरण कार्यक्रम आयोजित किए गए। रा.शै.अ.प्र.प. के 30वें वार्षिकोत्सव पर 18 और 19 सितम्बर, 1991 को "1990 में विद्यालय शिक्षा : समस्याएँ और संदर्श" पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में विभिन्न प्रमुख शिक्षाविदों ने विद्यालय शिक्षा की समस्याओं विशेषकर (1) प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण, (2) माध्यमिक शिक्षा का गुणात्मक विस्तार, और (3) शिक्षा से वंचित समूहों के विशेष संदर्भ सहित भारतीय समाज और शिक्षा, विषयों पर विचार-विमर्श किया। इस संगोष्ठी में अनेक महत्वपूर्ण सिफारिशें की गईं।

रा.शै.अ.प्र.प. ***"भारतीय शिक्षा में विश्वकोश"*** के विकास की विस्तृत योजना तैयार कर चुकी है। इस विश्वकोश के लिए विषय निर्धारित कर लिए गए हैं।

1991-92

चार प्राथमिक शिक्षा का सार्वजनीकरण

4.1 शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई.सी.सी.ई)

4.1.1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) के कार्यान्वयन की कार्ययोजना (पी.ओ.ए.) से शैशवकालीन देखभाल व शिक्षा (ई.सी.सी.ई.) को प्राथमिक शिक्षा के पोषक एवं सहयोगी कार्यक्रम तथा समाज की सुविधाविहीन कामकाजी महिलाओं के लिए सहयोगी सेवा के रूप में मानव संसाधन विकास की कार्यनीति में महत्वपूर्ण योगदान की तरह मान्यता मिली है। विद्यालय पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.) राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में शैशवकालीन देखभाल व शिक्षा को मजबूत बनाने और प्रोत्साहित करने के कार्यकलापों और कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से जुटा हुआ है।

वर्ष 1991-92 के दौरान विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग(डी.पी.एस.ई.ई.) ने भारत सरकार की ब्लैक बोर्ड योजना के संचालन तथा उसके उचित कार्यान्वयन एवं पाठ्यपुस्तकों और अनुदेशी सामग्री के संशोधन तथा प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए मुद्रित और गैर-मुद्रित सामग्री के विकास कार्यक्रम जारी रखे। विभाग शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा से संबंधित कार्यक्रमों के संदर्भ में चलाई जा रही यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजनाओं को पूरा करने में केन्द्रीय अभिकरण के रूप में काम करता रहा। इसके अतिरिक्त विभाग ने विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में प्रारम्भिक शिक्षा के सार्वजनीकरण (यू.ई.ई.) से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों में भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

वर्ष 1991-92 में शैशवकालीन देखभाल और शिक्षा (ई. सी.सी.ई.) के मुख्य कार्यों का विवरण इस प्रकार है:

- बच्चों के लिए शैक्षिक तथा मनोरंजन-सामग्री एवं शैशवकालीन शिक्षा में अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों एवं अन्य कार्यकर्ताओं के लिए अनुदेशी सामग्री का प्रचार-प्रसार तथा विकास।
- सरकारी कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में लगे अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा पर्यवेक्षी कार्मिकों तथा स्वैच्छिक संगठनों के प्रमुख कार्यकर्ताओं को जो ई.सी.सी.ई. के कार्यक्रमों को चलाते हैं ई.सी.सी.ई. के दर्शन कार्यपद्धति एवं विषय से संबंधित प्रशिक्षण/अभिविन्यास।
- ई.सी.सी.ई. में अनुसंधान कार्यकलापों को चलाना।
- ई.सी.सी.ई. में विस्तार कार्य तथा अन्य संगठनों एवं राज्यों को परामर्श।

4.1.2 विकासात्मक कार्यकलाप

निम्नलिखित दस्तावेज प्रकाशित किए गए तथा ई.सी.ई. के क्षेत्र में कार्य कर रहे विभिन्न संगठनों को उनकी मांग पर वितरित किए गए:

1. शैशवकालीन शिक्षा कार्यक्रम

यह प्रकाशन ई.सी.ई. कार्यक्रमों के उन आयोजकों

और अध्यापकों के लिए ई.सी.ई. कार्यक्रमों की एक सचित्र मार्गदर्शिका है, जो 3,4 और 5 वर्ष के बच्चों के लिए विकासात्मक लक्ष्यों से संबद्ध कार्यकलापों में लगे हुए हैं।

2. *बच्चे से बच्चे तक (चाइल्ड टू चाइल्ड) कार्यक्रम पर मैनुअल*

प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों के लिए यह विस्तृत मैनुअल दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 14 विद्यालयों में डी. पी. एस. ई. ई. द्वारा चलाई गई चाइल्ड-टू-चाइल्ड परियोजना में प्राप्त अनुभवों के आधार पर तैयार की गई है।

3. *छोटे बच्चों के लिए प्रेरणा कार्यकलाप*

यह मैनुअल उड़ीसा के जनजातीय तथा शहरी गंदी बस्तियों में डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा किए गए गृह-आधारित अध्ययन के अनुभवों के आधार पर तैयार किया गया है। यह मैनुअल स्वास्थ्य, पोषण एवं प्रारंभिक प्रेरणा/शिक्षा आदि विषयों से संबंधित एक गृह आधारित अनुदेशी पैकेज है, जो अभिभावकों में अपने बच्चों को अध्यापक बनाने का आत्म विश्वास तथा दक्षता प्रदान करता है।

4. *ड्रामा एण्ड दि यंग चाइल्ड*

ई.सी.ई. अनुदेशी सामग्री सीरिज में यह पुस्तिका मुख्य रूप से अध्यापक प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों के लिए तैयार की गई है।

4.1.3 *1991-92 में डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा निम्नलिखित शीर्षकों की पाण्डुलिपियाँ तैयार की गईः*

1. *खेल सामग्री पर मैनुअल*

विभाग द्वारा यह मैनुअल सी.एम.एल. की खेल सामग्री परियोजना के अन्तर्गत उड़ीसा राज्य में उपलब्ध खेल सामग्री पर एकत्र सूचना के आधार पर तैयार किया गया है।

2. *सृजनात्मक चिन्तन और अभिव्यक्ति पर पुस्तिका*

हिन्दी में यह सचित्र पुस्तिका विभाग द्वारा किए गए कार्य-कलापों में प्राप्त अनुभवों पर आधारित है तथा मुख्य रूप से अध्यापकों के लिए बनाई गई है।

3. *कम कीमत के खिलौनों तथा खेलों पर अध्यापकों के लिए पुस्तिका*

कम कीमत के शैक्षिक खिलौने बनाने से संबंधित यह मैनुअल डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित क्षेत्रीय तथा राष्ट्रीय खिलौना-निर्माण प्रतियोगिताओं की विजेता प्रविष्टियों के आधार पर तैयार किया गया है।

4. *ऑडियो कार्यक्रमों की सूची*

इस विस्तृत सूची में 3 से 8 वर्ष तक के आयु वर्ग के बच्चों के लिए हिन्दी में तैयार किए गए 180 ऑडियो कार्यक्रम शामिल किए गए हैं।

5. *ई.सी.ई. कार्यक्रमों तथा सामग्री पर विवरणिका*

इस विवरणिका में ई.सी.ई. परियोजना तथा डी.पी. एस.ई.ई. द्वारा तैयार की गई शिक्षण-अधिगम सामग्री से संबंधित जानकारी भी शामिल की गई है।

6. *वीडियो उत्पादन*

'ब्रिजिंग दि गैप' शीर्षक की एक बीस मिनट की वीडियो फिल्म अभिभावकों के लिए तैयार की गई, जो विद्यालय-पूर्व में प्रवेश के समय बच्चों के अनुभवों पर आधारित है।

7. *विद्यालय-पूर्व एवं प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए खिलौने बनाने हेतु राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता*

दिनांक 22 से 27 मार्च 1992 तक डी. पी. एस. ई.

ई. द्वारा पाँच दिनों की एक राष्ट्रीय कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता एन. सी. ई. आर. टी. परिसर, नई दिल्ली में आयोजित की गई। प्रतिभागियों में राज्य स्तर के प्रथम एवं द्वितीय पुरस्कार प्राप्त प्रतिभागी भी शामिल थे। पुरस्कार प्राप्त खिलौनों/खेलों को अध्यापकों के खिलौना-निर्माण पर बनाई जाने वाली पुस्तिका के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। पुस्तिका की पाण्डुलिपि तैयार की जा रही है।

8. विद्यालय-पूर्व शिक्षा के लिए मानकों को अन्तिम रूप देना

विभाग द्वारा चलाए गए ई.सी.ई. के क्षेत्र में कार्यशाला में "विद्यालय पूर्व हेतु न्यूनतम विनिर्देशन" शीर्षक दस्तावेज तैयार किया गया।

4.1.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम

ई.सी.सी.ई. कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. ई.सी.ई. में प्रमुख व्यक्तियों का प्रशिक्षण

यह कार्यक्रम मुख्य रूप से 12 राज्यों के एस. सी. ई. आर. टी. तथा आई. सी. डी. एस संकायों के लिए था, जो डी. पी. एस. ई. ई. के शैशवकालीन शिक्षा परियोजना में भाग ले रहे थे, यह परियोजना दिनांक 26 अगस्त से 20 सितंबर 1991 तक एन. सी. ई. आर. टी. नई दिल्ली में आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण में वैचारिक और सैद्धांतिक पहलुओं पर ज्यादा जोर दिया गया।

2. शैशवकालीन शिक्षा के क्षेत्र में स्वैच्छिक अभिकरणों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

यह नौ दिवसीय कार्यक्रम उपरोक्त दर्शाए कार्यक्रम के अनुसार प्रमुख व्यक्तियों के प्रशिक्षण हेतु चलाया गया।

3. ई.सी.ई. में महाराष्ट्र, दिल्ली तथा केरल के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम

इस पाँच दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम का उद्देश्य ई.सी.ई. के संबंध में प्रतिभागियों को नवीनतम जानकारी देना तथा उनके अनुभवों के परस्पर आदान-प्रदान का अवसर देना है।

4.1.5 शैशवकालीन शिक्षा पर क्षेत्रीय संगोष्ठी

वर्ष 1991-92 में डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा बेंगलूर, बम्बई तथा दिल्ली में एक-एक दिन की अवधि की तीन क्षेत्रीय संगोष्ठियाँ आयोजित की गईं। इन संगोष्ठियों की संस्तुतियों का व्यापक रूप से प्रचार किया गया। इन संगोष्ठियों की कुछ महत्वपूर्ण संस्तुतियाँ इस प्रकार थीं:

छोटे बच्चों के प्रवेश के समय ली जाने वाली परीक्षा को समाप्त करना, साढ़े तीन वर्ष की आयु से पहले विद्यालय-पूर्व में प्रवेश दिलाना बन्द करना, विद्यालय-पूर्व स्तर पर लिखना, पढ़ना व गिनना जानने की प्रथा को रोकना तथा खेल पर आधारित पाठ्यचर्या की सिफारिश की गई। डी.पी.एस.ई.ई. के इस कार्यकलाप ने सर्वसाधारण को बहुत आकर्षित किया तथा इसके परिणाम स्वरूप विद्यालय-पूर्व शिक्षा के हालातों में विशेष तौर पर प्रवेश के संदर्भ में, काफी परिवर्तन देखने में आया।

4.1.6 ई.सी.ई./बाल विकास में अनुसंधान

डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा ई.सी.ई./बाल विकास में निम्नलिखित अनुसंधान कार्यकलाप चलाए गए:

1. बच्चों के नामांकन तथा अवरोधन का एक अध्ययन

जो बच्चे सीधे प्राथमिक विद्यालयों में आते हैं उनकी तुलना में जो बच्चे ई.सी.ई. केन्द्रों पर आए, प्राथमिक वर्ग में उनके अवरोधन के तुलनात्मक अध्ययन की परियोजना में भाग ले रहे 10 प्रतिभागी राज्यों में अध्ययन किया गया। इस अध्ययन की रिपोर्ट से प्राथमिक वर्ग में बच्चों के अवरोधन पर ई. सी. ई. के प्रभाव का पता चलता है।

1991-92

2. ***रेडियो संभाव्यता अध्ययन***

आकाशवाणी के सहयोग से वर्ष 1988 में डी.पी.एस.ई.ई. ने कोटा (राजस्थान) में रेडियो संभाव्यता अध्ययन आयोजित किया। इस परियोजना का मूल्यांकन प्रयोगात्मक तरीके से अनुभव के आधार पर किया गया तथा परियोजना की एक रिपोर्ट तैयार की गई।

3. ***तीन से आठ वर्ष तक के विकलांग बच्चों के लिए ऑडियो कार्यक्रमों का परीक्षण***

कोटा (राजस्थान) में रेडियो संभाव्यता परियोजना की सफलता के विस्तार के रूप में यह अध्ययन किया गया। नेत्रहीन बच्चों के लिए इस ऑडियो माध्यम की अधिक संभावना को ध्यान में रखकर इस अध्ययन में कार्यनीतियों के परीक्षण व मूल्यांकन के विशिष्ट लक्ष्यों को ध्यान में रखा गया ताकि इन बच्चों की दैनिक पाठ्यचर्या में ऑडियो कार्यक्रमों का प्रभावशाली व कार्यबद्ध तरीके से समग्रतः उपयोग किया जा सके। अध्ययन से स्पष्ट है कि ऑडियो माध्यमों का उपयोग विद्याल-पूर्व नेत्रहीन बच्चों के लिए प्रभावशाली ढंग से किया जा सकता है। बच्चों के लिए ये कार्यक्रम रुचिकर एवं मनोरंजक हैं। ज्ञान और भाषा-क्षमता बढ़ाने तथा इन बच्चों की सामाजिक क्षमताओं की वृद्धि में यह कार्यक्रम सहायक पाए गए। शिक्षण कार्यनीति के लिए अध्यापकों ने भी ऑडियो कार्यक्रमों की सफलता को सराहा।

4. ***संख्या संकल्पना के विकास के लिए कार्यविधि आधारित कार्यक्रम***

यह मान लेना होगा कि यदि संख्या-पूर्व संकल्पनाओं के विकास से पूर्व बच्चे पर गणित का बोझ थोपा जाता है तो वह सामान्यतः स्मरण करने की प्रवृत्ति अपनाता है और जब उच्च स्तर पर तर्क के लिए वह इसी ज्ञान का इस्तेमाल करता है तो परेशानी में पड़ जाता है। इसका परीक्षण व मूल्यांकन प्रयोगात्मक तरीके से नर्सरी विद्यालयों में किया जा चुका है।

5. ***रेडियो (सी. एच. ई. ई. आर.) के माध्यम से बाल-संवर्धन परीक्षण***

यह परियोजना डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आन्ध्र-प्रदेश, उड़ीसा, उत्तर-प्रदेश तथा हरियाणा आदि चार राज्यों में आकाशवाणी तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से रेडियो संभाव्यता परीक्षण के परिणामों पर चलाई गई।

4.1.7 ई.सी.ई. में राज्य स्तरीय कार्यकलाप

यूनिसेफ सहायता-प्राप्त ई.सी.ई. परियोजना 12 राज्यों जैसे बिहार, गोवा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, उड़ीसा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, गुजरात तथा आन्ध्रप्रदेश में ई सी ई संकाय के मार्गदर्शन में लागू की जा रही है। इस परियोजना में राज्यों में ई. सी. ई. कार्यक्रमों को मजबूत बनाने तथा राज्यों के आई. सी. डी. एस विभागों के कार्यकलापों से उन्हें जोड़ने पर ज्यादा जोर दिया गया।

ई.सी.ई. के अन्तर्गत डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 4.1 में दिया जा रहा है।

तालिका 4.1

1991-92 में ई.सी.सी.ई. परियोजना के अन्तर्गत डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	संख्या-संकल्पना के विकास के लिए विधि आधारित कार्यक्रमों को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यशाला	17 से 18 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
2.	ऑडियो कार्यक्रमों के प्रयोगार्थ नेत्रहीन बच्चों के विद्यालयों के अध्यापकों की कार्यशाला एवं अभिविन्यास		नई दिल्ली	5
3.	विद्यालय-पूर्व शिक्षा के लिए मानकों को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यशाला	अक्टूबर, 1991	नई दिल्ली	-
4.	राज्य स्तर की खिलौना प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण	17 से 27 दिसम्बर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15
5.	राष्ट्रीय स्तर की खिलौना प्रतियोगिता एवं कार्यशाला	23 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	28
6.	स्वैच्छिक अभिकरणों के प्रमुख कार्यकर्ताओं के लिए ई.सी.ई. में प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 21 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	26
7.	महाराष्ट्र राज्य तथा नई दिल्ली से विद्यालय-पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	9 से 12 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
8.	क्षे.शि.म. में क्षेत्रीय संगोष्ठी	3 संगोष्ठी (प्रत्येक एक दिवसीय)	बेंगलूर, बम्बई तथा दिल्ली	30 प्रत्येक संगोष्ठी में

4.2 प्रारंभिक शिक्षा

प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के व्यापक ढाँचे को ध्यान में रखते हुए डी.पी.एस.ई.ई. ने 1991-92 में अनेक कार्यक्रम तथा कार्यकलाप आयोजित किए। इन कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की विशिष्टताएं निम्नलिखित हैं:

4.2.2 अनुदेशी सामग्री में संशोधन

1989-90 में गणित में कक्षा एक से पाँच तक के लिए पाठ्यपुस्तकों के विकास, पर्यावरणीय अध्ययन में कक्षा तीन से पाँच तथा एक से पाँच तक की कक्षाओं के लिए कार्य अनुभव तथा कला शिक्षा के क्षेत्र में अध्यापक मार्गदर्शन की

1991-92

पाठ्यपुस्तकों के विकास का कार्य आरंभ कर नई शिक्षण सामग्री के विकास का कार्य पूरा किया गया। वर्ष 1991-92 के दौरान गणित के क्षेत्र में कक्षा 1–3 तक के लिए पाठ्यपुस्तकों के सुधार का कार्य प्रारम्भ हुआ। विषय विशेषज्ञों, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों की टिप्पणियों तथा सुझावों के आधार पर इन पाठ्यपुस्तकों का संशोधित रूप तैयार किया गया। पर्यावरणीय अध्ययन में पाठ्यपुस्तकों के सुधार के संदर्भ में आयोजित कार्य समूह की बैठकों तथा प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के लिए मूल्यांकन रिपोर्ट का व्यौरा तैयार किया गया।

गणित में अनुदेशी सामग्री के पैकेज के एक भाग के रूप में 'शिक्षा के प्राथमिक स्तर पर गणित में छात्रों के कार्यो के मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त' नामक परियोजना का कार्य हाथ में लिया गया। इस परियोजना के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर की सभी पाँचों कक्षाओं के लिए छात्रों के कार्यों के मूल्यांकन हेतु विस्तृत मार्गदर्शी सिद्धान्त तैयार किए जाएंगे। 1991-92 में पहली कक्षा के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त तैयार किए गए।

नौसिखियों की सीखने की कठिनाईयों एवं उनकी कमियों को दूर करने एवं उनका पता लगाने के लिए "प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन में मूल्यांकन के लिए विकसित मार्गदर्शी सिद्धान्त" पर दूसरी परियोजना का कार्य हाथ में लिया गया। न्यूनतम अधिगम परिणामों पर छात्रों के कार्यों के मूल्यांकन हेतु प्राथमिक स्तर पर पर्यावरणीय अध्ययन (ई.वी. एस.) में मूल्यांकन कार्यनीतियाँ विकसित करने हेतु एक कार्यशाला आयोजित की गई।

4.2.3 ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड (ओ.बी.) योजना

प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण कार्यक्रमों के सफल कार्यान्वयन के लिए विद्यालयों की अवसंरचना को मजबूत करने तथा उन्हें न्यूनतम सुविधाएँ प्रदान करने हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित 'आपरेशन ब्लैक बोर्ड' योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. सितम्बर, 1991 में शिक्षा निदेशालय, अंडमान और निकोबार, द्वीप समूह द्वारा आयोजित प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रमों में शैक्षिक योगदान दिया गया। कार्यक्रम पोर्ट ब्लेयर में विद्यालय अध्यापकों के सामूहिक अभिविन्यास (पी.एम.ओ.एस.टी.ओ.बी.) के संदर्भ में आयोजित किया गया।
2. मानव संसाधन विकास के लिए यूनिसेफ की सहायता से चलाई जा रही गहन शिक्षा परियोजना (ए.आई. ई.पी.) के क्षेत्र में कार्यरत अध्यापकों तथा प्रमुख व्यक्तियों के लिए पी.एम.ओ.एस.टी.ओ.बी. के अन्तर्गत सिलवासा (दादर और नागर हवेली) में एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
3. (पी.एम.ओ.एस.टी.-ओ.बी.) के अन्तर्गत तैयार किए गए प्रशिक्षण पैकेज सभी राज्यों/सं.शा. क्षेत्रों की जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डी. आई.ई.टी.) को उनकी आवश्यकतानुसार आपूर्ति हेतु प्रशिक्षण पैकेज भेजे गए, जिनमें निम्नलिखित शामिल थे:

(क)	मुद्रित सामग्रीः	
	जागरूकता पैकेज	खंड-1
	निष्पादन पैकेज	खंड-2
(ख)	रंगीन स्लाइड	203
(ग)	वीडियो फिल्म	15

वीडियो फिल्में हिन्दी/अंग्रेजी में तैयार की गईं तथा उन्हें हिन्दी/अंग्रेजी में डब किया गया।

4.2.4 शोध अध्ययन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालयों को भेजी गई सामग्री के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया गया। अध्ययन दो चरणों में पूरा किया गया। प्रथम चरण का मुख्य उद्देश्य भवनों, अध्यापकों की संख्या तथा नमूना विद्यालयों में शिक्षण-अधिगम सामग्री के संबंध में अनिवार्य सुविधाओं के स्तर का पता लगाना था। इस अध्ययन का उद्देश्य प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन, अवरोधन तथा शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के संभावित प्रभाव के बारे में अध्यापकों, खंड शिक्षा अधिकारियों तथा समाज के चुनिंदा सदस्यों के विचार जानना भी था।

यह अध्ययन राजस्थान, गुजरात तथा तमिलनाडु में किया गया। तीन चुने गए राज्यों में प्रत्येक के दो खंडों से 216 विद्यालयों को नमूने के तौर पर लिया गया।

अध्ययन के दूसरे चरण में नमूना विद्यालयों में अध्यापकों/विद्यार्थियों द्वारा प्रत्येक मद की उपयोगिता के विस्तार पर सूचना एकत्र की जा रही है।

"प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के लिए मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" नामक अनुसंधान परियोजना "चाइल्ड टू चाइल्ड" परियोजना पर आधारित है। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक विद्यालय-पूर्व के बच्चों में उनकी सीखने की कठिनाइयों को दूर करने के लिए उनमें सामाजिक तथा व्यक्तिगत दक्षता पैदा करना है। यह परियोजना रा.शै.अ.प्र.प., दिल्ली नगर निगम (एम.सी.डी.) तथा सार्वजनिक विद्यालयों की सहयोगी परियोजना के रूप में चलाई जा रही है।

वर्ष के दौरान एम. सी. डी. विद्यालयों में छोटे बच्चों का पूर्व परीक्षण, पब्लिक विद्यालयों में बड़े बच्चों का मार्गदर्शन तथा मध्यस्थता -कार्यक्रम आयोजित किए गए।

'भारत में स्वतंत्रता से अब तक लागू किए गए प्राथमिक शिक्षा अधिनियम का इसके कार्यान्वयन के विशेष संदर्भ में समीक्षात्मक अध्ययन' भी आरंभ किया गया। परियोजना पर एकत्र सूचना का विश्लेषण किया जा रहा है।

4.2.4 प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण पर अखिल भारतीय संगोष्ठी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अनुरोध पर अखिल भारतीय प्राथमिक विद्यालय संघ के प्रतिनिधियों के लिए प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण पर एक तीन दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 26 से 28 नवम्बर, 1991 तक राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उदयपुर में किया गया।

संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों पर छः पेपरों पर चर्चा हुई:

1. प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण तथा सभी के लिए शिक्षा के साथ उसका अंतरापृष्ठ
2. प्रारंभिक शिक्षा के सार्वजनीकरण के कार्यकर्ता
3. प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.एस.) से संबंधित कार्यक्रम का कार्यान्वयन
4. शिक्षण अधिगम हेतु बाल-केन्द्रित उपागम
5. प्राथमिक विद्यालयों में अनिवार्य सुविधाएँ
6. प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों की अभिप्रेरणा का विकास

4.2.6 मानव संसाधन विकास के लिए गहन क्षेत्र शिक्षा परियोजना (ए.आई.ई.पी.)

यूनिसेफ सहायता प्राप्त यह ए.आई.ई.पी. परियोजना क्षेत्र विशेष की कुल जनसंख्या की शैक्षिक, सामाजिक-आर्थिक और विकासात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु बनाई गई है।

इस परियोजना में समाज में विद्यालय-पूर्व शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, अनौपचारिक और प्रौढ़ शिक्षा को आपस में जोड़ने तथा केन्द्रीय और राज्य स्तर के सामाजिक-आर्थिक, विकासात्मक कार्यों में सामंजस्य पर विचार किया गया है। इस परियोजना में स्थानीय आवश्यकताओं तथा पर्यावरण के अनुकूल अपनाने लायक नवाचार से संबंधित कई उपागम हैं। अन्य बातों के साथ-साथ इसके कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं, समुदाय की शैक्षिक व विकासात्मक आवश्यकताओं का पता लगाना, गाँवों के लिए सूक्ष्म-स्तर की योजनाओं का विकास एवं कार्यान्वयन, विभिन्न स्तरों पर अंतर-क्षेत्रीय समन्वयन, तथा परियोजना के सभी स्तरों पर समुदाय को सह-प्रतिभागी के रूप में शामिल करना।

इस परियोजना के अंतर्गत विभिन्न स्तरों पर अनिवार्य परियोजना कार्यान्वयन तंत्र स्थापित करने व चलाने, जिसमें खंड स्तर पर बहुउद्देशीय संसाधन केन्द्र, विभिन्न स्तरों पर अंतर-क्षेत्रीय समन्वयन के लिए समन्वयन समितियाँ स्थापित करना तथा जागरूकता पैदा करने के कार्यक्रमों से संबंधित कार्य जारी रखे गए। "सर्वेक्षण के माध्यम से शैक्षिक और विकासात्मक आवश्यकताओं का पता लगाना", पर कार्य पूरा किया गया। परियोजना टीम को परियोजना के विभिन्न स्तरों पर विभिन्न पहलुओं से संबंधित मार्गदर्शन दिया गया। गाँवों में शैक्षिक तथा विकासात्मक कार्यकलापों की सूक्ष्म-योजना प्रारंभ की गई। खंड स्तर की योजना के लिए इस सूक्ष्म-योजना का विश्लेषण किया गया।

1991-92

ए.आई.ई.पी. पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी दिसंबर, 1991 में मद्रास में आयोजित की गई, जिसमें राज्य स्तर के निर्णयकर्ताओं, जिला तथा खंड स्तर पर परियोजना टीम के सदस्यों, मा. सं. वि. मं. भारत सरकार तथा यूनिसेफ के प्रतिनिधियों को ब्लॉकों में परियोजना के प्रभावी कार्यान्वयन तथा निकटस्थ ब्लॉको में परियोजना के विस्तार से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला। परियोजना के कार्यान्वयन से संबंधित लोगों को सम्मेलन से सहायता मिली।

ए.आई.ई.पी. के अंतर्गत, परियोजना, समन्वयकों तथा एम. पी.आर.टी.स्टाफ को 'तत्काल मूल्यांकन तकनीक' (क्यू.ए.टी.) के बारे में मार्गदर्शन देने के लिए एक मार्गदर्शन कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

4.2.7 पोषण, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरणात्मक स्वच्छता (एन.एच.ई. ई.एस.) परियोजना

वर्ष 1991-92 में उपरोक्त दर्शाए यूनिसेफ सहायता प्राप्त परियोजना के प्रभाव पर एक अनुसंधान अध्ययन पूरा किया गया। अंतिम रिपोर्ट 'परियोजनाः पोषण, स्वास्थ्य-शिक्षा' शीर्षक से प्रकाशित कर दी गई है।

4.2.8 प्रारंभिक शिक्षा की व्यापक पहुँच (केप) परियोजना

केप परियोजना दिसंबर, 1990 में पूरी हुई। वर्ष 1991-92 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:

1. "केप परियोजना की प्रगति एवं उपलब्धि का एक अध्ययन" यह अध्ययन पूरा हो गया है तथा रिपोर्ट मुद्रण हेतु सम्पादन में है।
2. साक्षरता तथा ई.बी.एस. में 13 मॉड्यूलों वाला संशोधित कोर पैकेज मुद्रित किया गया। पैकेज राज्यों तथा स्वैच्छिक संगठनों द्वारा चलाए जा रहे अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को भेजे जा रहे हैं।

1991-92 में यू.ई.ई. के अन्तर्गत डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/बैठकों/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 4.2 में दिया गया है।

4.2.9 न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर प्राथमिक स्तर पर रा.शै.अ.प्र.प. को न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) के कार्यान्वयन का दायित्व दिया गया है। ऐसी परिकल्पना की गई है कि न्यूनतम अधिगम स्तर लागू करने से शिक्षण-अधिगम की विषय वस्तु को ही पढ़ाने पर बल देने की बजाय सीखने पर बल दिया जाएगा, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और इससे सभी शिक्षार्थी लाभान्वित होंगे। कार्यक्रम का कार्य क्षेत्र चार राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश तथा विहार से चार चयनित खंडों के कुल 330 विद्यालयों में था। किए गए कार्यकलापों की कुछ विशिष्टताएं निम्नलिखित हैं:

1. 'टीचर्स हैंडबुक' ग्राम स्तर के अध्यापकों, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा विशेषज्ञों के सहयोग से बनाई गई। वर्ष 1991-92 में इस प्रकार कक्षा 1,2 तथा 3 को पढ़ाने वाले अध्यापकों के लिए ऐसी तीन पुस्तिकाएँ प्रकाशित की गईं। चौथी कक्षा के लिए 'टीचर्स हैंडबुक' तथा पाँचवीं कक्षा के लिए टीचर्स हैंडबुक की पाण्डुलिपि भी तैयार की गई है।

   एम.एल.एल. के अन्तर्गत निर्धारित क्षमता के संबंध में हिन्दी, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन के क्षेत्रों में मदें तैयार की गई जिन्हें अध्यापकों के बीच व्यापक रूप से परिचालन के लिए अन्तिम रूप दिया गया। अनुरोधों के आधार पर टीचर्स हैण्डबुक भोपाल, इन्दौर, तथा उदयपुर स्थित मा.सं.वि.मं. प्रायोजित परियोजनाओं एवं विभिन्न शिक्षा निदेशालयों, एस सी ई आर टी, डी.आई.ई. टी. तथा नगर निगमों को भेजे गए।
2. न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम नवाबगंज खंड (उन्नाव, उत्तर प्रदेश) पिशानगन खंड (अजमेर, राजस्थान) तथा विदिशा खंड (विदिशा, मध्य प्रदेश) के विद्यालयों में पहली तथा दूसरी कक्षाओं में तथा मीनापुर खंड (मुजफ्फरपुर, बिहार) की पहली, दूसरी तथा तीसरी कक्षाओं में कार्यान्वित किया गया।

ब्लॉक स्तर पर संसाधन बनाने की दृष्टि से प्रत्येक ब्लॉक के लिए 15-25 प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों, डी.आई.ई.टी. प्रधानाध्यापकों, विद्यालय निरीक्षकों एवं एस.सी.ई.आर.टी. के कार्मिकों का एक कोर समूह तैयार किया गया। शिक्षण-अधिगम की एम.एल.एल. योजना को लागू करने के सिद्धांत, व्यवहार तथा तकनीक के संबंध में पांच सौ से ज्यादा अध्यापकों को एक साथ एन.सी.ई.आर.टी के संकाय-सदस्यों तथा स्थानीय कोर समूहों द्वारा छोटे-छोटे समूहों में बाँटकर प्रत्येक को 6 दिनों का प्रशिक्षण दिया गया। इन अध्यापकों द्वारा पढ़ाए जाने वाले छात्रों की संख्या 20,000 से अधिक थी।

इसके अतिरिक्त, प्रमुख व्यक्तियों के साथ अध्यापकों को पुनरावृत्ति प्रशिक्षण/लगातार बैठकों तथा अध्यापकों को वहीं मार्गदर्शन का प्रबन्ध कराने को ध्यान में रखते हुए नोडल अभिकरणों के सहयोग से प्रत्येक ब्लॉक के लिए क्रियाविधि विकसित की गई। प्रवेश के समय ली जाने वाली परीक्षाओं के संबंध में शिक्षार्थियों से व्यक्तिगत रूप से आंकड़े एकत्र किए गए। अध्यापकों के लिए अनुवर्ती यूनिट परीक्षणों हेतु प्रावधान किया गया। प्रवेश के लिए निर्णायक परीक्षाएं हिन्दी, गणित, तथा पर्यावरण-अध्ययन में अप्रैल/मई 1992 में की गई। प्रतिभागी अध्यापकों से उनके प्रशिक्षण तथा टीचर्स हैंडबुक के संबंध में इसके लिए विशेष रूप से तैयार किए गए दो प्रपत्रों पर अपने विचार देने को कहा गया। आँकड़े विश्लेषित किए जा रहे हैं।

3. चार ब्लॉकों में एम.एल.एल. कार्यक्रम को लागू करने के अतिरिक्त उसमें अधिगम के न्यूनतम स्तर के संबंध में नए विचारों तथा अनुभवों को भी शामिल करने के प्रयास किए गए। एम.एल.एल. पर योजनाओं के विकास में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा क्षेत्रीय सलाहकारों के कुछ संकाय सदस्यों को सहायता दी गई। राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, हरियाणा को अपनी एम.एल.एल. कार्य योजना को विकसित करने में सहायता दी गई। डी.आई.ई.टी. एस. सी.ई.आर.टी., दिल्ली के संकाय सदस्यों को भी एम.एल.एल. योजना में मार्गदर्शन दिया गया।
4. मॉरीशस के कुछ अनुसंधान अधिकारियों तथा राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान, श्रीलंका के संकाय सदस्यों के एक भ्रमण दल को भी प्राथमिक स्तर पर अधिगम के न्यूनतम स्तर तथा इसके कार्यान्वियन के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया।

1991-92 में डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/बैठकों/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 4.2 में दिया गया है।

4.2.9 प्रकाशन

निम्नलिखित प्रकाशनों को प्रकाशित किया गया :

1. (अर्ली चाइल्ड हुड एजुकेशन प्रोग्राम)
2. (चाइल्ड-टु-चाइल्ड) प्रोग्राम
3. स्टीम्यूलेशन एक्टीविटिज फॉर यंग चिल्ड्रेन
4. ड्रामा एंड दी यंग चाइल्ड
5. अवेयरनैस पैकेज वाल्यूम-1 इन हिन्दी एंड परफोरमैन्स पैकेज बाल्यूम-2 इन हिन्दी (अंडर ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड स्कीम)
6. "प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर" (भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शिक्षा विभाग, द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट)
7. शिक्षक पुस्तिका कक्षा 1,2, और 3 (प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर के कार्यक्रम के अन्तर्गत विकसित)
8. रिपोर्ट ऑफ दी 'ऑल इंडिया सेमिनार ऑन यूनिवर्सलाइजेशन ऑफ एलीमेन्ट्री एजुकेशन' 1991 (अनुलेखित्र)
9. गाइडलाइन्स आन पीपुल इवोल्यूशन इन मैथमैटिक्स (अनुलेखित्र)
10. रिपोर्ट ऑन दी डेबलपमैन्ट ऑफ सैम्पल करीकुलम एंड इन्सट्रक्शनल मैटीरियल फॉर अर्ली प्राइमरी स्कूल

लीवर्स (रिपोर्ट प्रिपेयर्ड अंडर यूनेस्को एपिड प्रोग्राम)

11. रिपोर्ट ऑन 'न्यूट्रीशन, हैल्थ एजुकेशन एंड एनवायरनमैन्टल सैनीटेशन' (ऐन.इम्पैक्ट स्टडी प्रिपेयर्ड अंडर दी यूनिसेफ असिस्टेड प्रोजेक्ट एन.एच.ई.ई. एस.)
12. ट्रेनिंग मैनुअल इन 'इनवायरनमैन्टल एजुकेशन फॉर प्राइमरी टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स'
13. ब्रोशर ऑन 'टीचिंग ऑफ मैथमैटिक्स इन प्राइमरी ट्रेनिंग इंस्टीट्यूशन्स'

4.2.10 प्रेस में

1. मैनुअल ऑन प्ले मैटीरियल्स
2. बुकलेट ऑन क्रियेटिव थींकिंग ऐंड एक्सप्रैशन
3. हैंडबुक फॉर टीचर्स ऑन लो कॉस्ट टॉयस ऐंड गेम्स
4. कैटेलॉग ऑफ ऑडियो प्रोग्राम्स ऐंड मैटीरियल्स
5. ब्रोशर ऑन अर्ली चाइल्डहुड एजुकेशन प्रोग्राम्स एंड मैटीरियल्स

4.2.11 वीडियो कार्यक्रम

1. ब्राइडिंग दी गैप "फिल्म फॉर पैरेन्ट्स ऐंड टीचर्स फॉर प्री स्कूल चिल्ड्रन"
2. फिल्म ऑन एरिया इन्टेसिव एजुकेशन प्रोजेक्ट फॉर ह्युमन रिसोर्स डेबलपमैन्ट (ए.आई.ई.पी.)

अन्य विभागों, राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों द्वारा चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों/कार्यशालाओं/संगोष्ठियों में प्रमुख व्यक्तियों की हैसियत से भाग लेकर विभिन्न समितियों की सदस्यता ग्रहण करके विभिन्न संगठनों को डी.पी.एस. ई. ई. के संकाय सदस्यों ने सलाह दी। संकाय सदस्यों ने श्रीलंका, मालद्वीव से एन.सी.ई.आर.टी. के दौरे पर आए प्रतिनिधियों के साथ पारस्परिक विचार विमर्श भी किया।

तालिका 4.2

1991-92 में यू.ई.ई. के अन्तर्गत डी.पी.एस.ई.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	रा.शै.अ.प्र.प. पाठ्यपुस्तकों का सुधारः अन्तिम समीक्षा बैठक-'लैट अस लर्न मैथमैटिक्स बुक-1 तथा बुक-3'	13 से 17 मई 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
2.	तीसरी कक्षा के लिए पाठ्यपुस्तकों की मूल्यांकन रिपोर्ट की समीक्षा हेतु कार्य-समूह की बैठक एनवायरनमेंटल स्टडीज-1 (सोशल स्टडीज) एनवायरनमेन्टल स्टडीज-2 (साइंस)	13 से 17 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15
3.	हिमाचल प्रदेश तथा मध्य प्रदेश के लिए चौथी कक्षा की पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा हेतु कार्य समूह की बैठक एनवायरनमेन्टल स्टडीज-1 (सोशल स्टडीज) एंड एनवायरनमेन्टल स्टडीज-2 (साइंस)	4 से 7 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
4.	अध्यापक शिक्षा संस्थान माले, मालदीव के यूनेस्को सदस्य श्री फातिमात नजीम का प्रशिक्षण कार्यक्रम	8 से 26 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	1
5.	गणित में छात्रों के मूल्यांकन हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त	18 से 22 नवम्बर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10

1991-92

1	2	3	4	5
6.	प्राथमिक स्तर पर पर्यावरण अध्ययन में निरन्तर तथा व्यापक मूल्यांकन : अध्यापकों हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्त	31 मार्च से 3 अप्रैल 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	20
7.	ए.आई.ई.पी. के परियोजना समन्वयकों की कार्य समूह की बैठक	21 से 23 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	20
8.	मानव संसाधन विकास के लिए यू.आई.ई.पी. पर राष्ट्रीय सम्मेलन	2 से 4 दिसम्बर, 1991	मद्रास	46
9.	ए.आई.ई.पी. तथा एम.पी.आर.सी.स्टाफ के समन्वयकों का पी.ओ.ए.1992 हेतु योजना बैठक	5 से 6 दिसम्बर, 1991	मद्रास	12
10.	पी.ओ.ए. परीक्षण तथा उनके कार्यक्रमों के अवलोकन के लिए रा.शै.अ.प्र.प. मुख्यालय पर उत्तर प्रदेश टीम के साथ बैठक	20 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	2
11.	क्यू.ए.टी. पर ए.आई.ई.पी. समन्वयक तथा एम.पी.आर. सी.स्टाफ	26 से 28 फरवरी, 1992	चिकलदारा (महाराष्ट्र)	12
12.	दादरा और नागर हवेली प्रशासन द्वारा आयोजित ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड पर अध्यापकों का अभिविन्यास	सितम्बर, 1991	सिलवासा (दादरा और नागर हवेली)	37
एम.एल.एल. से संबंधित कार्यक्रम				
1.	एम.एल.एल. कार्यक्रमों के लिए मूल्यांकन मदों की तैयारी हेतु कार्य समूह की बैठक	23 से 30 अप्रैल, 1991	नवावगंज (उन्नाव)	38
2.	प्राथमिक स्तर पर एम.एल.एल. समिति की रिपोर्ट का हिन्दी अनुवाद	6 मई, 1991,	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	23
3.	पहली से तीसरी तक की कक्षाओं के लिए एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत विकसित अध्यापक/प्रशिक्षक पुस्तिका का पुनरीक्षण	13 से 17 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	2
4.	चौथी तथा पाँचवी कक्षा के लिए एम.एल.एल. का कार्यक्रम के अन्तर्गत विकसित अध्यापक/प्रशिक्षक पुस्तिका का पुनरीक्षण	27 से 31 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	27
5.	क्षे. शि.म./क्षेत्रीय कार्यालय में एम.एल.एल. का कार्यान्वयन	3 से 7 जून 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	20
6.	पहली, दूसरी तथा तीसरी कक्षा के लिए परीक्षण हेतु कार्य समूह की बैठक	8 से 17 जुलाई, 1991	रा.शै. अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
7.	पहली, दूसरी तथा तीसरी कक्षा के लिए इकाई परीक्षण तथा प्रवेश स्तर कैं परीक्षण को अन्तिम रूप देने हेतु कार्य समूह की बैठक	22 से 30 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
8.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत पहली,दूसरी तथा तीसरी कक्षा के लिए पुस्तिका को अन्तिम रूप देने हेतु कार्य समूह की बैठक	5 से 9 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8

1991-92

1	2	3	4	5
9.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत पहली, दूसरी तथा तीसरी कक्षा के लिए अध्यापकों हेतु पुस्तिका को अन्तिम रूप देने हेतु कार्य समूह की बैठक	10 से 11 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	3
10.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत पहली, दूसरी तथा तीसरी कक्षा के लिए अध्यापकों हेतु पुस्तिका को अन्तिम रूप देने हेतु कार्य समूह की बैठक	26 से 30 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	4
11.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरी कक्षा के लिए पुस्तिका का पुनरीक्षण	11 से 16 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	1
12.	एम.एल.एल.कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरी कक्षा की पुस्तिका का पुनरीक्षण	25 सितंबर से 3 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	3
13.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत दूसरी कक्षा की पुस्तिका का पुनरीक्षण	4 से 11 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	1
14.	चौथी कक्षा के अध्यापकों के लिए पुस्तिका को अन्तिम रूप देने हेतु कार्य समूह की बैठक	21 से 30 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
15.	चौथी कक्षा की पुस्तिका के ई.वी.एस. हिस्से को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यशाला	21 से 30 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
16.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अन्तर्गत चौथी कक्षा के लिए नियम पुस्तिका के गणित भाग को अंतिम रूप देना	13 से 17 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	-
17.	गणित में चौथी कक्षा की अध्यापक पुस्तिका को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यशाला	10 से 14 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
18.	चौथी पांचवीं कक्षाओं के लिए पुस्तिका को अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	17 से 28 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
19.	एम.एल.एल. कार्यक्रम के अंतर्गत पांचवीं कक्षा के लिए पुस्तिका के गणित भाग को अंतिम रूप देना	20 से 30 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	1
20.	खंड स्तर पर पहली तथा दूसरी कक्षाओं के लिए किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु एम.एल.एल. योजना के अंतर्गत प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	11 से 16 नवम्बर, 1991	नवाबगंज (उन्नाव)	18
21.	खंड स्तर पर पहली तथा दूसरी कक्षाओं के लिए किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु एम.एल.एल. योजना के अंतर्गत प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	5 से 10 दिसम्बर, 1991	विदिशा	25
22.	खंड स्तर पर पहली तथा दूसरी कक्षाओं के लिए किए गए प्रशिक्षण काग्रक्रमों हेतु एम.एल.एल. योजना के अंतर्गत प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	11 से 16 दिसम्बर, 1991	अजमेर	25
23.	अध्यापकों के लिए एम.एल.एल. प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 26 दिसंबर, 1991	नवाबगंज (उन्नाव)	150
24.	अध्यापकों के लिए एम.एल.एल. प्रशिक्षण कार्यक्रम	17 से 26 दिसंबर, 1991	विदिशा	196

1	2	3	4	5
25.	अध्यापकों के लिए एम.एल.एल. प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 12 जनवरी, 1992	पिसनगन (अजमेर)	176
26.	खंड स्तर पर पहली तथा दूसरी कक्षाओं के लिए किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रमों हेतु एम.एल.एल. योजना के अंतर्गत प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	29 जनवरी, से 3 फरवरी ,1992	मुजफ्फरपुर (बिहार)	15
27.	अध्यापकों के लिए एम.एल.एल. प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 19 फरवरी, 1992	मुजफ्फरपुर (बिहार)	17

4.3 अनौपचारिक शिक्षा

विद्यालयेतर अथवा प्रारंभ में विद्यालय छोड़ने वाले बच्चों और उन बच्चों के लिए जो विद्यालय नहीं गए, अनौपचारिक शिक्षा कार्यक्रम तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति के विद्यार्थियों की शिक्षा के संवर्धन हेतु कार्यक्रम और कार्यनीति बनाना रा.शै.अ.प्र.प. के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक है। अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी.) का प्रमुख कार्य ऐसे सरकारी तथा गैर-सरकारी अभिकरणों को तकनीकी तथा शैक्षिक सहायता प्रदान करना है, जो अनौपचारिक शिक्षा 1988 की योजना के कार्यान्वयन में लगी हुई है। डी.एन.एफ. ई.ई.एस.सी./एस.टी. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति की शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य करता है। डी.एन.एफ. ई.ई.एस.सी./एस.टी. द्वारा किए गए मुख्य कार्यक्रम और कार्यकलाप निम्नलिखित हैं:

4.3.2 *अनुसंधान और विकास*

डी.एन.एफ.ई.एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने पाठ्यचर्या एवं सामग्री के बीच संबंध स्थापित करने के लिए अनुसंधान किया ताकि पाठ्यचर्या में अपेक्षित विषयों को सीखनेवालों के लिए तैयार की जाने वाली सामग्री में शामिल किया जा सके। प्राथमिक शिक्षा के लिए न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) की पहचान के लिए डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. ने मूल्यांकन के क्षेत्र में अनुसंधान कार्यकलापों को बढ़ाने के लिए एम.एल.एल. का प्रयोग किया।

अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जन जातिविभाग के विभिन्न पहलुओं के परीक्षण के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय से अनुदान प्राप्त स्वैच्छिक अभिकरणों की सहायता से 1988-89 में आन्ध्र-प्रदेश, बिहार, राजस्थान तथा पश्चिमी बंगाल में चार क्षेत्रीय स्टेशन स्थापित किए गए। इन क्षेत्रीय स्टेशनों में वास्तविक जीवन की स्थितियों वाली प्रयोगशालाएं हैं, जहाँ डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. द्वारा तैयार विभिन्न सामग्री, कार्यप्रणालियों तथा कार्यनीतियों का प्रायोगिक परीक्षण किया जाता है। डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. ने इन क्षेत्रीय स्टेशनों को तकनीकी सहायता देना जारी रखा।

वर्ष 1991-92 में डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. का प्रमुख कार्य शिक्षण-अधिगम सामग्री तथा एम.एल.एल. विवरणों का इस्तेमाल करते हुए आदर्शसामग्री तैयार करना रहा। सेमेस्टर 3 के लिए शिक्षण अधिगम सामग्री (डी.एन.एफ.ई. एवं ई. एस.सी./एस. टी. द्वारा प्रकाशित श्रृखंला को प्रकाशन के लिए अंतिम रूप दिया गया।

1991-92 में बच्चों में सामाजिक, भावात्मक तथा राष्ट्रीय एकता उत्पन्न करने हेतु एन.एफ.ई. कार्यक्रमों को पूरा करने के लिए बच्चों के लिए तैयार पूरक सामग्री की एक सीरीज तैयार की गई। विभाग ने संबंधित राज्यों में प्रयोग के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री तथा प्रशिक्षण के विकास में अनेक राज्य अभिकरणों जैसे राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (एस.सी.ई.आर.टी.) तथा जिला प्रमुख इकाइयों (डी. आर.यू.) को सहायता दी।

1991-92

4.3.3 एन.एफ.ई. कार्मिकों के लिए अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 1988 में डी.एन.एफ. एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने अनौपचारिक शिक्षा की योजना की सफलता के लिए अनौ. शि. वि. ने कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण के लिए नामित कर अत्यंत महत्वपूर्ण योगदान दिया है। विभिन्न स्तरों पर एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं के साथ प्रशिक्षण पैकेज तैयार किया गया, उनका क्षेत्र-परीक्षण किया गया तथा उन्हें अन्तिम रूप दिया गया। कुछ समय से यह प्रशिक्षण पैकेज पूरे देश में विभिन्न स्तरों पर लगभग 3 लाख कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण हेतु प्रयोग में लाया जा रहा है। पैकेज का अनुवाद 12 क्षेत्रीय भाषाओं में किया गया है।

1991-92 में राज्य सरकारों तथा स्वैच्छिक अभिकरणों के अन्तर्गत एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का प्रथम चरण पूरा किया गया। दूसरे चरण के लिए अनेक कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण के मॉड्यूल तैयार करने हेतु डी.एन.एफ.ई.एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने अनेक राज्यों की सहायता की। इस संबंध में राज्य अभिकरणों को तैयार करने हेतु कई कार्यक्रम किए गए। इस वर्ष जिला स्तर पर विशेषरूप से जिला शिक्षा संस्थान एवं प्रशिक्षण तथा डी.आर.यू.में प्रशिक्षकों का एक संसाधन दल तैयार करने पर जोर दिया गया।

4.3.4 मूल्यांकन

पूरे देश में अनौपचारिक शिक्षा के कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के लिए मा.सं.वि.मं. से प्राप्त अनुदान से चलने वाले लगभग 400 स्वैच्छिक अभिकरणों को डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी. /एस.टी. ने तकनीकी सहायता प्रदान की। 1991-92 में इन स्वैच्छिक अभिकरणों का क्षेत्रवार वर्गीकरण किया गया तथा आवधिक रूप से (हर तिमाही में) प्रशिक्षण दिया गया। मा. सं.वि.मं. के अनुरोध पर, डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस. टी. ने रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय सलाहकारों (एफ.ए.) के सहयोग से इन स्वैच्छिक अभिकरणों के मूल्यांकन प्रकाशित किए। मूल्यांकन के परिणामों का विश्लेषण किया जा रहा है।

4.3.5 विस्तार

डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने एक वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया जिसने सभी राज्य सरकारों के एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं तथा स्वैच्छिक अभिकरणों को उनके अनुभवों के आदान-प्रदान तथा भविष्य की योजनाओं पर विचार-विमर्श करने के लिए सुअवसर प्रदान किया।

राज्यों तथा स्वैच्छिक अभिकरणों की मांग पर डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस.टी. परामर्श भी देता है। वर्ष 1991-92 में लगभग 12 राज्यों तथा कई स्वैच्छिक अभिकरणों को परामर्श दिया गया।

4.3.6 राज्य रूपरेखा

डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने अनौपचारिक शिक्षा की योजना के कार्यान्वयन हेतु सभी राज्यों की एन.एफ.ई. रूपरेखा की तैयारी पर एक परियोजना प्रारंभ की। सर्वप्रथम सर्वेक्षण कार्य जम्मू एवं कश्मीर तथा राजस्थान में आरंभ किया गया।

1991-92 में डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी/एस.टी. ने अनेक कार्यशालाएं बैठकें, अभिविन्यास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आदि आयोजित किए इन कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 4.3 में दिया गया है।

तालिका 4.3

1991-92 में अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. द्वारा आयोजित कार्यशाला/कार्य समूह की बैठकें/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	अनु.जाति के उच्च व्यक्तियों पर उनकी जीवनी-संबंधी पठन सामग्री की तैयारी हेतु कार्यशाला	26 सितंबर, 1991	नई दिल्ली	3
2.	जम्मू तथा कश्मीर तथा आन्ध्र प्रदेश में अनौपचारिक शिक्षा की रूपरेखा	2 से 4 दिसम्बर,	नई दिल्ली	7
3.	एन.एफ.ई. प्रणाली-विज्ञान में प्रयोगों के लिए बिहार (बोध गया) में क्षेत्रीय स्टेशन	9 से 13 दिसंबर, 1991	बोध गया	13
4.	तीसरी-चौथी स्तर के एन.एफ.ई. बच्चों की उपलब्धियों के मूल्यांकन हेतु संयत्रों तथा तकनीकों का विकास	16 से 18 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	15
5.	एन.एफ.ई. प्रणाली-विज्ञान में प्रयोग के लिए मेमारी (पश्चिमी बंगाल) में क्षेत्रीय स्टेशन	23 से 27 दिसंबर, 1991	मेमारी (पश्चिमी बंगाल)	10
6.	राज्यों द्वारा प्रयोग में लाई जाने वाली शिक्षण-अधिगम सामग्री के एक विश्लेषणात्मक अध्ययन हेतु कार्यशाला	21 से 24 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	8
7.	एन.एफ.ई.प्रणाली-विज्ञान में प्रयोगों के लिए तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश) में क्षेत्रीय स्टेशन	20 से 24 जनवरी, 1992	तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)	5
8.	एन.एफ.ई. में सामग्री उत्पादन पर पाठ्यचर्या अपेक्षाओं का प्रभाव	17 से 19 फरवरी, 1992	तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)	15
9.	एन.एफ.ई. सामग्री के स्थानीय विशिष्ट पहलू	9 से 13 मार्च, 1992	लखनऊ	12
10.	एन.एफ.ई. प्रणाली विज्ञान में प्रयोग के लिए राजस्थान, पश्चिमी बंगाल तथा बिहार में क्षेत्रीय स्टेशन	25 से 27 मार्च, 1992	पुरी (उड़ीसा)	8
11.	गणित पुस्तक -3-सेमेस्टर-4 को अन्तिम रूप देने के लिए एन.एफ.ई. कार्यशाला हेतु अनुदेशी सामग्री का विकास	25 से 29 जून, 1991	बेगूसराय	12
12.	प्राथमिक तथा मिडिल स्तर पर एन.एफ.ई. बच्चों की उपलब्धि के मूल्यांकन हेतु एक मैनुअल का विकास	26 से 30 अगस्त, 1991	नई दिल्ली	18
13.	डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./एस.टी. की सलाहकार बोर्ड की बैठक	8 अक्टूबर,1991		
14.	राज्य स्तर के स्वैच्छिक अभिकरणों को सलाह	20 से 24 जनवरी, 1992	तिरूपति (आन्ध्र प्रदेश)	5
15.	पूरक पठन सामग्री का विकास	17 से 21 फरवरी, 1992	नई दिल्ली	13

1991-92

1	2	3	4	5
16.	एन.एफ.ई. केन्द्रों में प्रयोग की जा रही चयनित शिक्षण पद्धतियों तथा प्रभावी अभ्यासों पर पुस्तिका	27 से 28 फरवरी 1992	नई दिल्ली	11
17.	एन.एफ.ई. सामग्री के स्थानीय विशिष्ट पहलू	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	नरेन्द्रपुर	30
18.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण मैनुअलों के 16 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद का पुनरीक्षण	2 से 6 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	7
19.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	12 से 21 अगस्त, 1991	नई दिल्ली	7
20.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	26 से 30 अगस्त, 1991	नई दिल्ली	2
21.	हिन्दी में एन.एफ. ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	9 से 18 सितंबर, 1991	नई दिल्ली	9
22.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	27 सितंबर से 7 अक्टूबर, 1991	नई दिल्ली	9
23.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	28 अक्टूबर से 1 नवम्बर, 1991	नई दिल्ली	5
24.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	11 से 15 नवम्बर, 1991	नई दिल्ली	6
25.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	25 से 29 नवंबर, 1991	नई दिल्ली	8
26.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	16 से 20 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	8
27.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	13 से 17 जनवरी, 1992	नई दिल्ली	6
28.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	10 से 14 फरवरी, 1992	नई दिल्ली	4
29.	हिन्दी में एन.एफ.ई. के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	3 से 6 मार्च, 1992	नई दिल्ली	4
30.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	13 से 17 मई, 1991	जम्मू	18
31.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	15 से 19 जुलाई, 1991	उदयपुर	37
32.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं—एन.एफ.ई. के सहायक निदेशक का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	15 से 18 जुलाई, 1991	उदयपुर	11
33.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओ का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	5 से 6 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	26
34.	स्वैच्छिक अभिकरणों में विकास के उपाय	12 सितंबर, 1991	नई दिल्ली	4
35.	स्वैच्छिक अभिकरणों में विकास के उपाय	3 से 7 फरवरी, 1992	उदयपुर	25

1	2	3	4	5
36.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	10 से 14 फरवरी, 1992	नई दिल्ली	44
37.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	18 से 19 फरवरी, 1992	तिरुपति	20
38.	स्वैच्छिक अभिकरणों में संसाधन विकास	24 से 28 फरवरी, 1992	त्रिवेन्द्रम	26
39.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	2 से 6 मार्च, 1992	पोर्ट ब्लेयर	31
40.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का राष्ट्रीय प्रशिक्षण	9 से 13 मार्च, 1992	नई दिल्ली	18
41.	स्वैच्छिक अभिकरणों में संसाधन विकास	23 से 27 मार्च, 1992	नरेन्द्रपुर	30
42.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 7 फरवरी, 1992	उदयपुर	45
43.	राज्यों एवं स्वैच्छिक अभिकरणों को परामर्श	23 से 27 दिसम्बर, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	10
44.	राज्यों एवं स्वैच्छिक अभिकरणों को परामर्श	12 से 16 जनवरी, 1992	नई दिल्ली	3
45.	एन.एफ.ई. कार्यकर्ताओं का वार्षिक सम्मेलन	27 से 28 जनवरी, 1992	नई दिल्ली	28
46.	राजस्थान से एन.एफ.ई. संकाय की योजना बैठक	19 से 20 नवंबर, 1991	नई दिल्ली	5
47.	उ. प्र. से एन.एफ.ई. संकाय की योजना बैठक	12 से 13 दिसंबर, 1991	नई दिल्ली	1
48.	बिहार से एन.एफ.ई. संकाय की योजना बैठक	2 से 3 जनवरी, 1992	नई दिल्ली	5
49.	एन.एफ.ई. के लिए संयुक्त मूल्यांकन टीम की बैठक	6 से 7 जनवरी, 1992	नई दिल्ली	24

4.4. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की शिक्षा

1991-92 में विभाग ने हिमालय प्रदेश में प्रयोग में लाई जा रही पाठ्यपुस्तकों में से ऐसी सामग्री को निकालने की दृष्टि से जो अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के हित में हानिकारक हैं, का मूल्यांकन किया। यह एक चालू परियोजना है, जिसके अन्तर्गत सभी राज्यों की शिक्षण-अधिगम सामग्री का मूल्यांकन किया जाता है।

डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस.टी. ने विशेष रूप से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की शिक्षा के संदर्भ में शिक्षा पर डा. बी.आर. अम्बेडकर के जीवन उद्धरणों को एकत्र कर प्रकाशित किया। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के नेताओं की जीवनी को एकत्र एवं तैयार कर श्रेष्ठ शिक्षाविदों तथा लेखकों की एक योजना बैठक आयोजित की गई। उनकी जीवनियाँ बच्चों के लिए पूरक पठन सामग्री के रूप में प्रकाशित की जाएंगी।

डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस.सी./एस.टी. केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर के सहयोग से पहली तथा दूसरी कक्षाओं के लिए जनजातीय भाषा में शिक्षण-अधिगम सामग्री के विकास के लिए कुछ समय से कार्य करता रहा है। लगभग 8 जनजातीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री को पहले ही तैयार किया जा चुका है। आजकल अरुणाचल प्रदेश की जनजातीय भाषा में सामग्री तैयार की जा रही है। डी.एन.एफ.ई. एंड ई.एस. सी./एस.टी. को 4 जनजातीय भाषाओं में शिक्षण-अधिगम सामग्री के विकास हेतु मणिपुर से अनुरोध प्राप्त हुए।

4.5 विकलांगों की एकीकृत शिक्षा

4.5.1 रा.शि.नी. (1986) में शारीरिक व बौद्धिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए समान शिक्षा का प्रावधान तथा रा. शि.यो. के ऐक्शन-कार्यक्रम में प्राथमिक स्तर पर सुविधाविहीन बच्चों सहित शिक्षा के सार्वजनीकरण का लक्ष्य रखा गया है। एनसीईआरटी ने कंपोजिट एरिया एप्रोच का इस्तेमाल करके क्षेत्र प्रदर्शन आयोजित किया जिसमें ऐसे बच्चों को अधिकाधिक

1991-92

संख्या में लाने की कोशिश की गई, जिन्हें विद्यालय प्रणाली में अपनी कम समझ या विशेष आवश्यकता की वजह से या तो विद्यालय से निकाल दिया गया या उन्होंने स्वयं विद्यालय छोड़ दिया। विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा की केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत यूनिसेफ तथा मा.सं.वि.मं. के सहयोग से देश के विभिन्न भागों की कठिन परिस्थितियों वाले ऐसे 10 प्रदर्शन स्थलों को तैयार किया गया। इस वर्ष गैर परियोजना क्षेत्रों में विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा की योजना को लागू करने के लिए मिले-जुले क्षेत्रों के दृष्टिकोण का यह प्रयोग कर शिक्षा देने की जानकारी के आदान-प्रदान पर विशेष बल दिया गया। प्रभावी शिक्षण के लिए विद्यालयों तथा कक्षाओं के चलाने में नवाचारी अनुसंधान तथा प्रयोग कार्यकलाप प्रारम्भ किए गए। विकलांग बच्चों के माता-पिता एवं अध्यापकों तक पहुंचना, विद्यालय कार्यक्रमों में पाक्षिक प्रसारण के प्रावधान वाला टेलीविद्यालय भी आरंभ किया गया। कम बुद्धि वाले या सीखने में जिन्हें परेशानी हो, ऐसे बच्चों के लिए हिन्दी में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तैयार किए गए। विलांगों की संगठित शिक्षा के अन्तर्गत महत्वपूर्ण कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की विशिष्टताओं का विवरण नीचे दिया गया है :

4.5.2 अनुसंधान और मूल्यांकन

4.5.2.1 शिक्षण-अधिगम तथा कक्षा उपलब्धि के लिए अध्यापक तथा छात्र की अभिवृत्ति के संबंध में अध्यापक शिक्षा संसाधन पैक की प्रभावोत्पादकता पर आधारित प्रशिक्षण कार्यनीतियाँ–एक बहुस्थानीय सहयोगी कार्य अनुसधान परियोजना

सभी बच्चों की शैक्षिक आवश्यकताओं विशेषकर विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने पर विद्यालयों तथा कक्षाओं में 3 दिसंबर, 1991 में बहुस्थानीय कार्य अनुसंधान परियोजना आरंभ की गई। 22 संस्थाओं (डी.आई.ई.टी.) शिक्षा महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों के विभागों, विद्यालयी शिक्षा में कार्यरत विद्यालय तथा गैर-सरकारी संगठनों के समन्वयकों की कक्षा में व्यक्तिगत आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु शिक्षा शास्त्र का प्रयोग करने पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण की रूपरेखा तथा प्रशिक्षण प्रभावों को व्यवहार में लाने के लिए इन अध्ययनों की रूपरेखा के संबंध में मार्गदर्शन दिया गया। इस परियोजना के लिए रा.शै.अ.प्र.प. तकनीकी तथा नाममात्र की वित्तीय सहायता दे रही है। प्रशिक्षण का प्रथम चरण तथा अध्ययन की रूपरेखा पूरी की गई। अध्ययन मार्च 1993 तक पूरा हो जायेगा

4.5.2.2 विकलांग बच्चों की शिक्षा के बारे में शैक्षिक प्रशासकों तथा अध्यापकों के विचार

अध्ययन 11 राज्यों में चलाया जा रहा है जिसमें 47 विद्यालय, 59 प्रशासक, 48 संस्थाओं के अध्यक्ष, 37 प्रमुख अध्यापक तथा 96 सामान्य अध्यापक शामिल हैं। अध्ययन से पता चलता है कि उन प्रशासकों तथा अध्यापकों को जिन्हें मार्गदर्शन दिया गया था तथा जो यूनिसेफ सहायता प्राप्त पी.आई.ई.डी. या केन्द्र प्रायोजित आई.ई.डी.सी. योजना का कार्यान्वियन कर रहे हैं, विकलांग बच्चों की सामान्य विद्यालयों में ही शिक्षा के पक्ष में थे। इसमें सुझाव दिया गया है कि पी.आई.ई.डी. के अन्तर्गत क्षेत्रीय निदर्शन से प्राप्त कार्यान्वियन एवं इस प्रणाली को अपना रहे आई.ई.डी.सी. के कार्यान्वियन की प्रक्रिया की योजना के कार्यान्वियन के प्रसार हेतु प्रयोग किया जा सकता है।

4.5.2.3 प्रारंभिक पहचान और मध्यस्थता में आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण कार्यक्रम की उपयुक्तता

विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा योजना (पी.आई.ई.डी.) को बढ़ावा देने के लिए आँगनवाड़ी कार्यकर्ताओं हेतु चार सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूपरेखा बनाई गई। अध्ययन से प्रकट होता है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकलांग बच्चों की सेवा करने में कार्यात्मक मूल्यांकन से बहुत फायदा हुआ। पी.आई.ई.डी. परियोजना की सहायता से वे उन बच्चों का पता लगा सकते हैं तथा प्राथमिक विद्यालयों में उनके एकीकरण के लिए सहायता कर सकते हैं। उन्होंने बच्चों की प्रारंभिक मध्यस्थता दक्षता को और अधिक उन्नत करने की इच्छा व्यक्त की।

4.5.3 विकास

4.5.3.1 हिन्दी में कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर का विकास

1991-92 के दौरान आई.ई.डी. कार्यक्रम के अन्तर्गत गैर मुद्रित सामग्री की एक सीरीज बनाई गई इसमें अन्य बातों के साथ-साथ इलैक्ट्रॉनिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित प्रौद्योगिकी विकास परियोजना के अन्तर्गत हिन्दी में कम्प्यूटर सहायता प्राप्त शिक्षण-अधिगम के लिए सॉफ्टवेयर का विकास भी शामिल है। चूंकि आलेखिकी (ग्राफिक्स) के बारे में कोई भी उपकरण हिन्दी में उपलब्ध नहीं थे, जो शैक्षिक सॉफ्टवेयर के निर्माण में बहुत महत्वपूर्ण हैं, 'शब्द चित्र' नामक उपकरण 'टर्बो पासकल' में विकसित किया गया। 1990-91 के दौरान बच्चों की विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने के कार्यक्रमों के लिए पाण्डुलिपियाँ तैयार की गईं इन्हें टर्बोपास्कल के कार्यक्रमों में परिवर्तित कर दिया गया है। लिखने वाली भाषा में त्रुटि, स्थापनापत्ति आदि पर अभ्यास दिए गए हैं।

4.5.3.2 विशेष आवश्यकताओं पर वीडियो कार्यक्रमों का विकास

वर्ष 1991-92 में कार्यक्रमों के दो सेट तैयार किए गए। निदर्शन परियोजना का प्रलेखन शुरू किया गया। 'सफल प्रयास' नामक शीर्षक के अन्तर्गत मिजोरम में पी.आई.ई.डी. के कार्यान्वियन और प्रक्रिया का प्रलेखन पूरा किया गया। हरियाणा के बारे में प्रलेखन को सम्पादित किया जाना है। 'नाच मन मेरे' कार्यक्रम में उत्कृष्टता प्राप्त कर रही मानसिक रूप से विकलांग दो बालिकाओं की सफलता की कहानी को प्रलेखित किया गया है तथा दूसरी कहानी मिजोरम के मानसिक रूप से विकलांग एक बालक एवं एक बालिका की सफलता की है, जिसे सम्पादित किया जाना हैं।

कार्यक्रमों की दूसरी सीरीज विद्यालय परियोजना के अन्तर्गत मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के अभिभावकों तथा अध्यापकों के लिए, एन.सी.ई.आर.टी. में प्रयोजन मूलक शिक्षा पर कार्यक्रम बनाए जा रहे हैं। इस गतिविधि के अंतर्गत 1991-92 के दौरान दो कार्यक्रम बनाए गए।

4.5.3.3 अध्यापक शिक्षा पर यूनेस्को संसाधन पैक का भारतीय अनुकूलन

कक्षा में विशेष आवश्यकताओं को पूरा करने पर एन.सी.ई.आर.टी. की टीम तथा सात अन्य देशों के साथ मिलकर तैयार किया गया यूनेस्को संसाधन पैक का क्षेत्र परीक्षण तथा भारतीय संस्कृति के संदर्भ में उनका अनुकूलन किया गया। यह सामग्री सीखने के लिए सक्रिय तरीकों को अपनाने वाली बाल केन्द्रित शिक्षा तथा उन्हें सीखने में स्वयं को जिम्मेवार बनाने के लिए बहुत फायदेमंद है। इस सामग्री के साथ ही 'कोर्स लीडर्स गाइड विद सक्जेम्पलर्स ऑफ ट्रेनिंग मैथडोलौजी' तथा 'लर्निंग टूगैदर' शीर्षक एक वीडियो कार्यक्रम भी तैयार किया गया। विकासात्मक कार्यक्रमों का विवरण तालिका 4.5 में दिया गया है।

4.5.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम

विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कुछ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। डी.आई.ई.टी. तथा सी.टी.ई.एस. के अध्यापक प्रशिक्षकों, विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभाग के अध्यापक प्रशिक्षण के अतिरिक्त अन्य अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के लिए भी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए गए। अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं तथा शैक्षिक विभागों आदि में विशेष शिक्षा संकायों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण तालिका 4.5 में दिया गया है।

4.5.5 समर्थन

सामान्य रूप से विकलांग बच्चों के लिए एकीकृत शिक्षा को अध्यापक शिक्षा में नवाचारी अभ्यासों को समुन्नत करने तथा विद्यालय शिक्षा पर भविष्य के परिप्रेक्ष्य तथा विशेष रूप से अध्यापक शिक्षा के क्षेत्र में अनेक समर्थन कार्यक्रम आयोजित किए गए। पुस्तकों तथा रिपोर्टों का शैक्षिक प्रशासकों, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाओं, अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों, शिक्षा में उच्च अध्ययन की संस्थाओं, शिक्षा महा विद्यालयों/विभागों तथा एस.सी.ई.आर.टी. में प्रचार किया गया। 1991-92 के दौरान आई.ई.डी. के अन्तर्गत आयोजित कार्यकलापों का विवरण तालिका 4.5 में दिया गया है।

1991-92

4.5.6 आई.ई.डी. पर गैर सरकारी संगठनों का सम्मेलन

राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संस्तुतियों के अनुसार विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा के लिए गै.स.सं. के कार्यों को बढ़ाने हेतु अध्यक्षों एवं सचिवों का एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कई गैर सरकारी संगठन विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा के कार्यक्रमों को समर्थन के लिए राज्य सरकारों एवं मा.सं.वि.मं. को प्रस्तुत करने के लिए आगे आए। अनेक संगठन इस क्षेत्र में पहले से ही कार्य शुरू कर चुके हैं।

4.5.7 परामर्श और समर्थन

रा.शै.अ.प्र.प. ने अध्यापक शिक्षा तथा विशेष शिक्षा के लिए अनेकों अभिकरणों तथा संगठनों को परामर्श व समर्थन प्रदान किया जैसे—नीपा, अली यावर जंग नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर हियरिंग हैंडीकेप्ड, बंबई, नेशनल इन्स्टीटयूट फॉर दी विजुअली हैंडीकेप्ड, देहरादून, नेशनल इन्स्टीट्यूट फॉर दी मेन्टली हैंडीकेप्ड सिकन्दराबाद पुनर्वास परिषद, नई दिल्ली, अमर ज्योति चैरीटेबल ट्रस्ट नई दिल्ली एंड ग्वालियर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग, कुरूक्षेत्र, बनारस, एस.एन.डी.टी., अविनाशीलिंगम इन्स्टीट्यूट ऑफ होम साइंस, कोयम्बटूर, सभी एस.सी.ई.आर.टी., म्यूनिसिपल कारपोरेशन ऑफ दिल्ली ऐंड बड़ौदा, निपको, दिल्ली ठाकुर हरि प्रसाद इन्स्टीट्यूट ऑफ रिहेब्लिटेशन, हैदराबाद, नेशनल एशोसिएशन फॉर ब्लाइन्ड, दिल्ली, कल्याण मंत्रालय नई दिल्ली, यूनेस्को तथा यूनिसेफ।

4.5.8 प्रकाशन

राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों, संगठनों तथा व्यक्तियों के लिए निम्नलिखित प्रकाशनों तथा रिपोर्टों का प्रचार किया गया :

मुद्रित

1. एजुकेशन ऑफ चिल्ड्रन विद सीईंग प्रॉबलम : फोकस ऑन सिमेनिंग साइट।
2. रिकमन्डेशन ऑफ एन.जी.डी. कान्फ्रेन्स ऑफ आई.ई.डी.
3. मल्टीसाइट एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट ऑन टीचर एजुकेशन ऑन स्पेशल एजुकेशन टू मीट स्पेशल नीड ऑफ डिसएडवान्टेज्ड चिल्ड्रन।
4. रिपोर्ट ऑफ दी ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑफ डी.आई.टी. फैकल्टी ऑन स्पेशल नीड्स इन दी क्लासरूम
5. रिपोर्ट ऑफ मिड टर्म रिव्यू ऑफ पी.आई.ई.डी.
6. रिव्यू ऑफ प्लानिंग मीटिंग ऑफ पी.ओ.ए.
7. इम्पैक्ट ऑफ ट्रेनिंग ऑफ आँगनवाड़ी वर्क्स ऑन फॉर अर्ली आइडैन्टिफिकेशन एंड सिम्यूलेशन ऑफ चिल्ड्रन विद लर्निंग डिसएब्लिटीज इन मिजोरम।
8. ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन स्पेशल एजुकेशन फॉर टीचर एजुकेटर्स ऑफ डी.आई.ई.टी
9. इफेक्टिवनेस ऑफ रिसोर्स पैक बेस्ड टीचर ट्रेनिंग स्टडीज इन टर्म्स ऑफ टीचर एंड प्यूपिल एटीट्यूड टू लर्निंग टीचिंग ऐंड क्लास एचीवमैंट-ए मल्टीसाइट कोलेबोरेटिव एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट
10. रिपोर्ट ऑफ यूनेस्को स्पोनसर्ड सब-रीजनल वर्कशॉप ऐंड सेमिनार ऑन स्पेशल नीड्स इन्न दि क्लासरूम।

गैर-मुद्रित

11. टेलीकास्ट ऑफ सिक्स वीडियो प्रोग्राम्स इन हिन्दी, गुजराती, मराठी, उड़िया ऐंड तेलगू लैंग्वेजिज फॉर पैरेन्ट्स एंड टीचर्स
12. टेलीकास्ट ऑफ फाइव वीडियो प्रोग्राम्स ऑन टीचर ट्रेनिंग :
    लर्निंग टूगैदर कॉपरेटिव बेस्ड एप्रोच एट इन्टरनेशनल लेवल थ्रू यूनेस्को।

1991-92

तालिका 4.5

1991-92 में डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. द्वारा आयोजित कार्यशालाएं/संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
विकास				
1.	विकलांग बच्चों के विकास हेतु सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर सहायता प्राप्त अधिगम-शिक्षण पर कार्यशाला	8 से 17 जुलाई, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	5
2.	कक्षा में विशेष आवश्यकताओं के लिए वीडियो कार्यक्रमों का विकास (विशेषज्ञ दल बैठक-8)	अप्रैल, 1991 से मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	—
प्रशिक्षण				
3.	विशेष शिक्षा में डी आई ई टी संकाय के अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 17 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	46
4.	आई.ई.डी. के क्षेत्र में मणिपुर के अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 27 सितम्बर, 1991	नई दिल्ली	34
5.	विशेष आवश्यकताओं पर बहुस्थानीय कार्य अनुसंधान के समन्वयकों का प्रशिक्षण	27 नवम्बर, से 4 दिसम्बर, 1991	आई.सी.ई. मैसूर	39
6.	कक्षा में विशेष आवश्यकताओं पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला तथा संगोष्ठी	18 से 25 नवंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	17
	समर्थन एवं प्रसारण			
7.	विद्यालयी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	18 से 19 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	85
8.	संगोष्ठी पठन कार्यक्रम	2 से 4 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	1
9.	विकलांग बच्चों की एकीकृत शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु गै.स.सं. की राष्ट्रीय कार्यशाला	3 से 5 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	25
10.	शैक्षिक प्रशासकों की राज्यवार बैठक	6 से 7 दिसंबर, 1991	उदयपुर	32
11.	स्थान पर ही अनुभवों के आदान-प्रदान पर अंतर्राज्यीय परियोजना	3 से 4 सितंबर, 1991	भिवानी	30

1991-92

4.6 महिला समानता के लिए शिक्षा

4.6.1 रा.शै.अ.प्र.प. 'पाठ्यचर्या एवं अध्यापक' शिक्षा में उपयुक्त परिवर्तन करके बालिकाओं की शिक्षा की प्रोन्नति एवं लड़के तथा लड़की में भेद को मिटाने के लिए कटिबद्ध है। महिला अध्ययन विभाग लड़कियों की शिक्षा के लिए विकासात्मक नीतियों के कार्यान्वयन तथा विशेष कार्यक्रमों में केन्द्र एवं राज्यों की सहायता करता है।

4.6.2 1991 में शिशु बालिका के 'सार्क दशक' के लिए कार्य शुरू किए गए। रा.शै.अ.प्र.प. के महिला अध्ययन विभाग को सार्क कार्यकलापों की रूप रेखा के अंतर्गत भारत में महिला शिक्षा के लिए नोडल बिन्दु के रूप में निर्दिष्ट किया गया। इसने 1991-2000 के दशक के लिए लक्ष्य, प्राथमिकताएँ, कार्यनीतियाँ एवं कार्यक्रम बनाने के लिए एक नया संदर्श प्रदान किया।

4.6.3 म.अ.वि. के अनुसंधान, विकास, प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्यकलापों का लक्ष्य सर्वप्रथम लड़कियों की प्रारंभिक शिक्षा का सार्वजनीकरण; शांति और विकास के ढाँचे में लड़के-लड़की के भेद को मिटाना; लड़कियों में आत्मविश्वास पैदा करना; लड़कियों में नेतृत्व एवं निर्णय लेने की क्षमता उत्पन्न करना तथा गैर-पारंपरिक एवं व्यावसायिक रोजगारों में लड़कियों की भागीदारी को बढ़ाना है। इससे संबंधित कार्यनीतियों में जागरूकता पैदा करना; पाठ्यचर्या की रूपरेखा पुनः तैयार करना, अध्यापक शिक्षा में योगदान देना; पाठ्यचर्या तैयार करने वालों तथा पाठ्यपुस्तक लेखकों का मार्गदर्शन व प्रशिक्षण; नीति बनाने तथा कार्यान्वियन के लिए डाटा बेस व अनुसंधान की सुविधाएँ देना; मीडिया के साथ संपर्क करना; राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों, विश्वविद्यालयों, शिक्षा विभागों, स्वैच्छिक संगठनों के साथ नेटवर्क कायम करना एवं राष्ट्रीय संसाधन केन्द्र के रूप में काम करना शामिल है।

4.6.4 महिला अध्ययन विभाग ने सरकारी तथा गैर-सरकारी संगठनों के राज्य शिक्षा सचिवों, शिक्षा निदेशकों जैसे मा.सं.वि.मं., योजना आयोग, नीपा, निपकोड, विश्वबैंक, यूनिसेफ, यू.एन.डी.पी., संयुक्त महिला कार्यक्रम तथा विश्वविद्यालयों से परामर्श करके शिशु बालिका के 'सार्क दशक' के लिए एक विस्तृत कार्य योजना तैयार की। अन्य बातों के साथ-साथ कार्य योजना में नीति निर्माण एवं प्रबंधन भी शामिल हैं। परामर्श बैठकों में यह सिफारिश भी की गई कि ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिए अलग से धन की व्यवस्था की जाए, विशेषतः उन राज्यों में जहाँ लड़कियों की शिक्षा में पिछड़ापन है।

4.6.5 विभाग ने ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने पर यूनेस्को प्रायोजित राष्ट्रीय अध्ययन पूरा किया। इस अध्ययन में जिला स्तर पर विभिन्न शैक्षिक एवं संबद्ध संकेतकों का विश्लेषण किया गया एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों की शिक्षा के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गई। अध्ययन में बालिकाओं की शिक्षा के बारे में स्थिति की वास्तविक तस्वीर उजागर की गई है विशेष रूप से उन ग्रामीण क्षेत्रों की जो वंचित समूहों से संबंधित हैं तथा दूरस्थ क्षेत्रों में रह रहे हैं। इस अध्ययन में लड़कियों तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में सुविधाविहीन समूहों की प्राथमिक शिक्षा की उन्नति के लिए योजना बैठक से संबंधित 'कंट्री पेपर' तैयार करने का आधार भी मिला। यह पेपर 30 जुलाई से 8 अगस्त 1991 तक चियांगमाई, थाईलैंड में हुई योजना बैठक में प्रस्तुत किया गया। इस योजना बैठक में तीन वर्ष की एक परियोजना

तैयार की गई जिसे यूनेस्को, क्षेत्रीय कार्यालय, बैंकॉक द्वारा धन प्रदान किया गया।

4.6.6 मा.सं.वि.मं. के अनुरोध पर, महिला अध्ययन विभाग ने प्रारंभिक शिक्षा में बालिकाओं की निरन्तरता अथवा अनिरन्तरता के कारणों का पता लगाने पर एक प्रमुख अनुसंधान अध्ययन चलाया। अध्ययन चार क्षेत्रों– दिल्ली, बंबई, राजस्थान तथा उड़ीसा में चलाया गया जिसमें शहरी गंदी बस्तियों तथा गरीब ग्रामीण समूहों के लगभग 4000 परिवारों तथा 10,000 से अधिक बालिकाओं को शामिल किया गया। यह अध्ययन निर्धन समूहों की न केवल शैक्षिक तथा सामाजिक वंचितता का एक रेखाचित्र प्रस्तुत करता है अपितु इन समूहों की बालिकाओं में शिक्षा की निरंतरता हेतु सहयोगी सकारात्मक तथ्यों को भी प्रकट करता है।

4.6.7 वर्तमान शताब्दी में सन् 1991 तक की जनगणना में महिला कल्याण एवं महिलाओं के संवर्धन से जुड़े लोगों को यह जानकर अत्यंत आघात पहुँचा कि पुरुषों के अनुपात में महिलाओं की संख्या न्यूनतम है। विभाग ने इसकी प्रतिक्रिया स्वरूप एक दिन की एक संगोष्ठी आयोजित की जिसमें शिक्षा और मीडिया के लिए इस तथ्य में निहितार्थ पर विचार करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों के 80 विशेषज्ञों ने भाग लिया। यह देखा गया है कि लिंग अनुपात तथा साक्षरता दर दोनों का अवश्य ही एक दूसरे से संबंध है, इस प्रकार, बालिका तथा महिला शिक्षा के लिए भविष्य में सहायता प्रदान करने की आवश्यकता है। संगोष्ठी में लिंग का पता लगाने के लिए परीक्षणों पर रोक लगाने के अतिरिक्त वर्तमान स्थिति में सुधार के लिए जन्म, मृत्यु तथा शादी के अनिवार्य पंजीकरण की भी सिफारिश की गई।

4.6.8 विभाग ने आरंभ में राज्यों के प्रमुख स्तर के कर्मचारियों को प्रशिक्षण देने हेतु महिला शिक्षा की प्रविधि पर सात सप्ताह का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के कुछ मुख्य परिणाम हैं :

महिला शिक्षा एवं विकास पर अवस्थिति-पत्र तैयार करना, पाठ्य-पुस्तकों से लिंग संबंधी भेद-भाव दूर करने के लिए पाठ्यपुस्तक-लेखकों के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विकास; लिंग संबंधी भेदभाव को हटाने के विचार से प्राथमिक स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन तथा प्रतिभागियों द्वारा महिला शिक्षा एवं विकास पर कार्य आधारित परियोजना की तैयारी है।

4.6.9 विभाग ने बंचित समूहों, ग्रामीण गरीबों तथा शहरी गंदी बस्तियों को ध्यान में रखकर बालिका शिक्षा एवं विकास के लिए डाटा बेस को बढ़ाना जारी रखा। मुख्य शैक्षिक तथा सामाजिक कारणों का समावेश कर भारत में बालिका-शिक्षा पर एक तथ्य-प्रपत्र भी तैयार किया गया तथा व्यापक रूप से इसका प्रचार किया गया।

4.6.10 अध्यापक शिक्षा में उपयुक्त योगदान देने के लिए महिला अध्ययन विभाग ने देवी अहिल्या बाई विश्वविद्यालय, इन्दौर की शिक्षा के उच्च शिक्षा संस्थान के सहयोग से मध्य प्रदेश में अध्यापक शिक्षकों के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला मे विषयों तथा शैक्षिक सिद्धान्तों के शिक्षण माध्यम से लड़के-लड़कियों में समानता व जीवन-मूल्यों को शामिल करने की भी सिफारिश की गई।

1991-92

4.6.11 विभाग ने दो मुख्य श्रेणियों—'मानसी परिचय माला' तथा 'नारी की विकास यात्रा' के अन्तर्गत महिला समानता के लिए शिक्षा हेतु निदर्शनात्मक सामग्री का विकास किया।

4.6.12 म.अ.वि. ने बालिकाओं की आकांक्षा के स्तर एवं उनकी शिक्षा तथा लिंग भेद को दूर करने से संबंधित दृष्य-श्रृव्य कार्यक्रमों में भाग लिया। इसमें अन्य बातों के साथ-साथ बालिकाओं की आकांक्षा के स्तर को बढ़ाने एवं वंचित समूहों की बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनीकरण से संबंधित अन्य विषयों पर 12 रेडियो कार्यक्रम शामिल हैं।

उपरोक्त दर्शाए कार्यक्रमों/कार्यकलापों के अतिरिक्त महिला अध्ययन विभाग के संकाय ने दिनांक 12-13 मार्च, 1992 को रा.शै.अ.प्र.प. परिसर में यूनिसेफ, के सहयोग से 'महिला समानता के लिए शिक्षा' पर विशेष प्रदर्शनी के आयोजन सहित कुछ अन्य बैठकों तथा कार्यक्रमों में भाग लिया।

4.6.13 ***प्रकाशन***

1. दृष्टि और दिशा
2. मैथिलीशरण गुप्त के काव्य में नारी की संवेदना
3. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी की छवि (भारतेन्दु से लेकर स्वतंत्रता-पूर्व तक)
4. आधुनिक हिन्दी काव्य में नारी का बिम्ब
5. इमेज ऑफ वूमैन इन तमिल फिक्शन
6. इमेज ऑफ वूमैन इन उड़िया शॉर्ट स्टोरीज
7. इमेज टू वूमैन इन उर्दू लिट्रेचर
8. वूमैन इन साइंस, टैक्नोलॉजी ऐंड मेडीसिन
9. इंडियन वूमैन इन स्पोर्ट्स ऐंड गेम्स
10. रिपोर्ट ऑफ द यूनेस्को स्पौंसर्ड स्ट्डी ऑन यूनीवर्सलाइजेशन ऑफ प्राइमरी एजुकेशन ऑफ रूरल गर्ल्स इन इंडिया
11. ड्राफ्ट रिपोर्ट ऑन दी स्टडी ऑफ फैक्टर्स फॉर कन्टीन्यूएन्स ऐंड डिकन्टीन्यूएन्स फॉर गर्ल्स इन एलीमैन्ट्री स्कूलिंग

1991-92 के दौरान महिला अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित कार्यशाला, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रमों आदि का विवरण तालिका 4.6 में दिया गया है।

तालिका 4.6

1991-92 के दौरान महिला अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1.	**बालिका शिक्षा के विकास के लिए नीतियों का कार्यान्वयन**			
1.	लिंग अनुपात के ह्रास पर संगोष्ठी	6 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	80
2.	राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों, स्वैच्छिक संगठनों में सहयोगी कार्यक्रम, महिला अध्ययन केन्द्र (हिमाचल प्रदेश में बालिका शिक्षा के विकास हेतु सरकारी तथा गैरसरकारी	17 से 19 जून, 1991	शिमला	25

1		2	3	4	5
		संगठनों के बीच विकसित सहयोग)			
	3.	सार्कदशक 1991-92 के दौरान शिशु बालिका की शिक्षा तथा विकास के लिए राज्य तथा जिला स्तर की कार्य योजना की तैयारी पर परामर्श-बैठक	23 से 24 दिसंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	65
2.		**प्रारंभिक शिक्षा में बालिकाओं की निरन्तरता अथवा अनिरन्तरता के कारणों का अध्ययन**			
	1.	सभी सत्रों से प्राप्त विचारों पर प्रश्नावली को अन्तिम रूप देने हेतु बैठक	7 से 8 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
	2.	समन्वयकों की बैठक	23 से 24 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
	3.	कनिष्ठ परियोजना अध्येता वृत्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	25 से 30 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	19
	4.	समन्वयकों की बैठक	4 से 5 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	4
	5.	अध्ययन के आँकड़ों तथा प्रारंभिक उपलब्धियों के विश्लेषण के लिए बैठक	31 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
3.		**महिला शिक्षा तथा विकास के वर्गीकरण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम**	15 जुलाई से 5 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	20
4.		**अध्यापक शिक्षा में योगदान के विकास पर कार्यशाला**	27 से 29 फरवरी, 1992	इन्दौर	40

1991-92

पाँच

माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा का संवर्धन

5.1 विज्ञान और गणित शिक्षा

5.1.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (रा.शि.नी.) - 1986 में विज्ञान शिक्षा कार्यक्रमों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर बल दिया गया है। ताकि बच्चों में निहित क्षमताओं एवं मूल्यों का सुदृढ़ विकास हो सके तथा समस्याओं को सुलझाने का निर्णय करने की क्षमता उत्पन्न हो सके और वे स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग और दैनिक जीवन के अन्य पहलुओं के साथ विज्ञान के संबंध को समझ सकें। बच्चों को प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित करना तथा उनमें वैज्ञानिक प्रवृत्ति का विकास करना रा. शि. नी. की कोर पाठ्यचर्या का एक विषय है।

रा.शै.अ.प्र.प. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 तथा रा.शि.नी. के संदर्भ में कार्यान्वियन की कार्य योजना (पी.ओ.ए.) को ध्यान में रखकर विज्ञान शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा वैज्ञानिक प्रवृत्ति के विकास हेतु सतत् प्रयास कर रहा है। अन्य बातों के साथ-साथ इसमें अनुदेशी एवं गणित से संबंधित सामग्री का विकास, अध्यापकों के प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए संबंधित विद्वानों/प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास/प्रशिक्षण तथा विस्तार सेवाएँ एवं विद्यालय-स्तर पर विज्ञान व गणित शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न अनुसंधान कार्यकलाप शामिल हैं। रा.शै.अ.प्र.प. राष्ट्रीय स्तर पर विद्यालयों में "कम्प्यूटर-साक्षरता और अध्ययन क्लास" तथा मा.सं. वि.मं. द्वारा प्रयोजित "विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा के विकास की योजना" के कार्यान्वियन हेतु नीडल अभिकरण के रूप में कार्य कर रहा है।

कक्षा 6 से 12 तक के लिए अनुदेशी सामग्री विशेष रूप से विज्ञान एवं गणित में पाठ्य-पुस्ताकों के विकास के बाद 1991-92 में विद्यालयों में उच्च प्राथमिक स्तर (6-12), माध्यमिक (9-10) तथा वरिष्ठ माध्यमिक (11-12) स्तरों पर विज्ञान शिक्षण के सुदृढ़ीकरण की दिशा में प्रयास किए गए। विज्ञान उपकरणों के कुछ प्रोटोटाइप तथा कम कीमत के साधनों की रूपरेखा के विकास से संबंधित कार्य भी किया गया।

5.1.2 अनुसंधान और विकास

1991-92 के दौरान पिछले वर्षों में कक्षा 6 से 12 के लिए विज्ञान के विषय विश्लेषण पर गहन अध्ययन किया गया। अध्यापकों, कुछ विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से प्राप्त प्रतिक्रियाओं का भी संकलन तथा विश्लेषण किया जा रहा है। वर्ष के दौरान दूसरा अध्ययन पाठ्यचर्या पैकेज के एक हिस्से के रूप में विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर प्रभावशाली पाठ्यचर्या संपादन के लिए शिक्षक संदर्शिका तैयार करने, परीक्षण मदें तैयार करने, प्रयोगशाला मैनुअल तथा दृश्य-श्रव्य साधन तैयार

करने से संबंधित था जैसे कम लागत के साधन, नमूने तथा चार्ट इत्यादि।

1991-92 के दौरान विज्ञान और गणित शिक्षा के क्षेत्र में जो अन्य महत्वपूर्ण अनुसंधान और विकास कार्यकलाप कार्यान्वित किए गए, वे इस प्रकार हैं : लक्ष्य-आधारित परीक्षण मदों, प्रश्न बैंक, डाटा डिस्क, +2 स्तर पर अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रयोग हेतु भौतिकी तथा रसायन में मार्गदर्शी सामग्री, उच्चतर माध्यमिक स्तरों हेतु बहु-उद्देशीय विज्ञान प्रयोगशाला नमूनों, विज्ञान शिक्षण के लिए माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयों को दी जाने वाली न्यूनतम प्रारंभिक सुविधाओं के लिए मानक, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में निदर्शन अनुभवों तथा नमूने, भौतिक विज्ञान तथा जीवन विज्ञान संबंधी विज्ञान में विधि प्रयोगशाला के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्त, +2 स्तर के लिए रसायन विज्ञान में परीक्षण मदों, गणित में "अभिकलन" पर पूरक सामग्री, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के लिए एकीकृत साफ्टवेयर पैकेजों तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 के अनुसार तैयार की गई नई पाठ्यपुस्तकों के प्रभावी कार्य सम्पादन के लिए विज्ञान में पूरक पठन सामग्री का विकास, विज्ञान और गणित सीखने की रुचि पैदा करने एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न करने के लिए लोकप्रिय विज्ञान सामग्री तथा विज्ञान में "रीडिंग टू लर्न" पुस्तकों का विकास एवं शिक्षण क्षमता को बढ़ाने के उद्देश्य से माध्यमिक स्तर पर शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों के अध्यापकों के लिए गणित में प्रशिक्षण सामग्री का विकास।

1991-92 के दौरान विज्ञान और गणित में विभिन्न सामग्री के विकास हेतु अनेक कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ बैठकें तथा सम्मेलन आयोजित किए गए। इन कार्यशालाओं तथा संगोष्ठियों आदि में रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न संघटकों से संबंधित संकाय सदस्यों के अतिरिक्त उच्च प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों के कक्षा अध्यापकों, महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के अध्यापकों, राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थानों के अध्यापक प्रशिक्षकों, पाठ्यचर्या-विशेषज्ञों, संबंधित विद्वानों तथा राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के मुख्य व्यक्तियों ने भाग लिया। कुछ कार्यक्रमों में वैज्ञानिकों, कृषि वैज्ञानिकों, पत्रकारों, लोकप्रिय विज्ञान के लेखकों, निजी कार्य करने वाले डॉक्टरों तथा राज्य अधिकारियों सहित बहुत से अन्य व्यवसायों में लगे अधिकारियों ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। विज्ञान और गणित में सामग्री विकास के संबंध में आयोजित कार्यशालाओं/संगोष्ठियों बैठकों आदि का विवरण तालिका 5.1 में दिया गया है।

5.1.3 विज्ञान और गणित अध्यापकों का प्रशिक्षण

रा.शै.अ.प्र.प. विद्यालय स्तर पर विज्ञान और गणित के अध्यापकों के लिए राज्य तथा केन्द्रीय दोनों स्तरों के अनेक अभिकरणों जैसे राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, नवोदय विद्यालय समिति, रेलवे विद्यालयों, परमाणु शक्ति केन्द्रीय विद्यालय अभिकरण, विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों से संबंधित विद्यालयों तथा कुछ प्रमुख सार्वजनिक एवं सरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग देती है। अन्य बातों के साथ-साथ यह कार्यक्रम विशेष शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत अनेक राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों के उन अध्यापकों तथा अध्यापक-प्रशिक्षकों के लिए हैं जो विकलांग बच्चों के शिक्षण में माइक्रो कम्प्यूटरों का प्रयोग करते हैं। उच्चतर माध्यमिक स्तर के गणित के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधित विद्वानों के अभिविन्यास के लिए भी एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण तालिका 5.1 में दिया गया है।

5.1.4 विस्तार

बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी नवंबर, 1991 में कोच्चि में आयोजित की गई। इससे पहले भी कुछ राज्यों तथा संघशासित क्षेत्रों में राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनियाँ आयोजित की गईं। केन्द्रीय विद्यालय संगठन तथा नवोदय विद्यालय समिति ने अपने क्षेत्रों में राज्य स्तर की विज्ञान प्रदर्शनियाँ आयोजित कीं।

देश के सोलह केन्द्रों में जहाँ विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं पर कई विशिष्ट कार्य किए जा रहे हैं, "बच्चों की वैज्ञानिकों से भेंट" नामक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान लगभग एक हजार सात सौ

1991-92

बच्चे विभिन्न विज्ञान प्रयोगशालाओं में गए तथा वैज्ञानिकों से बातचीत की।

वर्ष 1991-92 के दौरान विज्ञान में अधिसंख्य विद्यालयेत्तर कार्यकलापों का आयोजन किया गया। वर्ष के दौरान समय-समय पर विद्यालयों से बच्चों को विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग, रा.शै.अ.प्र.प. के विज्ञान केन्द्र पर आने के लिए आमंत्रित किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. ने अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे होने पर समारोह के दौरान विज्ञान के संबंध में विशेष 'खुला सदन' कार्यकलाप आयोजित किया। इस 'खुला सदन' कार्यकलाप में बच्चों को पाठ्यचर्या तथा पाठ्यपुस्तक विकास की अनेक प्रक्रियाओं से अवगत कराया गया तथा उन्हें स्वयं अपने हाथों से कार्यानुभव का भी मौका दिया गया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अन्तर्गत विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार के मूल्यांकन से संबंधित कार्य किए। इस योजना के मूल्यांकन के लिए पहले कदम के रूप में ब्यौरेवार उपकरण तैयार किए गए। संकाय सदस्यों ने विज्ञान तथा गणित से संबंधित शोध-निबन्धों, शोध-प्रबंधों, लेखों तथा पुस्तकों आदि से संबंधित कार्य किए।

संकाय सदस्यों ने विभिन्न व्यावसायिक समितियों द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/बैठकों में भी भाग लिया तथा विविध क्षेत्रों जैसे विज्ञान और गणित, कम्प्यूटर शिक्षा का भविष्य, महिला शिक्षा से संबंधित विभिन्न आयाम जैसे लिंग अनुपात में कमी तथा विद्यालयी पाठ्यचर्या से लिंग-भेद को हटाना, पर्यावरण, परिस्थिति-विज्ञान एवं विकलांगों की शिक्षा से संबंधित पत्र प्रस्तुत किए।

5.1.5 परामर्श तथा प्रचार-प्रसार

विज्ञान और गणित विभाग के संकायों ने अनेक क्षेत्रों जैसे पाठ्यचर्या विकास तथा विज्ञान में पाठ्यचर्या का निर्माण तथा मूल्यांकन सामग्री जिसमें पाठ्यपुस्तकों, अध्यापक प्रशिक्षण सामग्री का मूल्यांकन, निर्माण प्रयोगशाला की रूपरेखा उनकी व्यवस्था तथा अनुरक्षण उपकरणों की सूची, ग्लासवेयर, शिक्षा के उच्च प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर विज्ञान शिक्षण के लिए रासायनिक तथा विविध मदें तथा विज्ञान कक्षों की व्यवस्था, अन्वेषणात्मक परियोजनाओं का संचालन, रिपोर्ट लिखना तथा कम लागत के नवाचारी विज्ञान उपकरणों का विकास, नए प्रयोगों का परीक्षण, विज्ञान-नमूनों का मूल्यांकन, नमूना प्रश्न-पत्रों का विकास, यूनिट परीक्षणों तथा परीक्षा मदों, मानव परिस्थिति-विज्ञान के बारे में जागरूकता उत्पन्न करना, पर्यावरण, पर्यावरण-विकास तथा प्रबन्ध, पर्यावरण-शिक्षा के लिए प्रशिक्षण सामग्री का निर्माण, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर तथा दूरस्थ शिक्षा सामग्री का निर्माण, प्रकाशन हेतु उपयुक्तता की जाँच करने के लिए पाण्डुलिपियों की समीक्षा, बालिकाओं की शिक्षा तथा विकास एवं अधिसंख्या अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय अभिकरणों को पर्यावरण शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर परामर्श सेवाएं प्रदान कीं। इसके साथ-साथ यूनेस्को, एपीड, सार्क, राष्ट्रमंडल मानव परिस्थिति-विज्ञान परिषद्, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, नवोदय विद्यालय समिति, रेलवे विद्यालयों, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, विभिन्न राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, जिला शिक्षा तथा प्रशिक्षण संस्थान, राष्ट्रीय खुला विद्यालय, दिल्ली दूरदर्शन के विद्यालय टेलीविजन, गैर-सरकारी संगठनों जैसे-हमदर्द शिक्षा समिति, आई.ए.पी.टी.ए. तथा दिल्ली विज्ञान अध्यापक मंच एवं स्वैच्छिक अभिकरण, कुछ विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के भौतिक-विज्ञान, रसायन विज्ञान, प्राणि-विज्ञान, वनस्पति-विज्ञान तथा गणित के विभाग, संघ लोक सेवा आयोग तथा राज्य लोक सेवा आयोग भी हैं। अनेक क्षेत्रों में बहुत सी अन्य संस्थाओं को भी परामर्श दिया गया। विज्ञान और गणित शिक्षा के लिए तैयार सामग्री का विभिन्न क्षेत्रों में लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कई तरह से प्रचार-प्रसार किया गया।

राष्ट्रीय बाल विज्ञान प्रदर्शनी में प्रचार-प्रसार के लिए तैयार की गई सामग्री का वितरण प्रदर्शनी में भाग लेने वाले बच्चों तथा अध्यापकों, जिन संस्थाओं के विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में भाग लिया तथा उन आगन्तुकों के बीच किया गया जिन्होंने इन प्रकाशनों के अवलोकन में रुचि दिखाई। कुछ सामग्री का वितरण प्रशिक्षण कार्यक्रमों/संगोष्ठियों/बैठकों/सम्मेलनों आदि में भी किया गया।

5.1.6 राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी

1991-92 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. ने 24 राज्यों तथा 6 संघशासित

क्षेत्रों में राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए शैक्षिक मार्गदर्शन और वित्तीय सहायता प्रदान की। राज्य स्तर पर विज्ञान प्रदर्शनी का मूल विषय '2001 ए.डी. में विज्ञान' था। अपने-अपने विद्यालयों में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन करने के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन तथा नवोदय विद्यालय समिति को भी शैक्षिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

5.1.7 बच्चों की वैज्ञानिकों से भेंट

1989-90 में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी हेतु सलाहकार समिति की सिफारिशों पर 'बच्चों की वैज्ञानिकों से भेंट' कार्यक्रम शुरू किया गया। कुछ प्रमुख अनुसंधान संस्थाओं में आयोजित इस एक-दिवसीय कार्यक्रम का उद्देश्य था, बच्चों को वैज्ञानिकों के आमने-सामने लाना तथा भारत में हो रहे अनुसंधानों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त कराना, ऐसी परिस्थिति उत्पन्न करना कि विद्यार्थियों में जिज्ञासा एवं रुचि पैदा हो सके ताकि वे विज्ञान में उच्च अध्ययन की आवश्यकता महसूस कर सकें एवं यदि उनके मन में कोई परियोजना या विचार है तो उसके बारे में वैज्ञानिकों से विचार-विमर्श कर सकें।

1991-92 के दौरान, 'बच्चों की वैज्ञानिकों से भेंट' नामक कार्यक्रम का आयोजन देश के 16 केन्द्रों पर किया गया। जिन प्रमुख संस्थानों में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, वे हैं—केन्द्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर; प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान, सेठ जी.एस. मेडिकल कालेज, पारले, बम्बई, केन्द्रीय भवन अनुसंधान, रुड़की; केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान, पिलानी; राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान, गोवा; केन्द्रीय चावल अनुसंधान संस्थान, कटक; जीव विज्ञान एवं जलचर मछली विभाग, त्रिवेन्द्रम; केन्द्रीय आलू अनुसंधान संस्थान, शिमला तथा केन्द्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान मद्रास। माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक कक्षाओं में विज्ञान का अध्ययन कर रहे लगभग 1700 विद्यार्थियों ने इन कार्यक्रमों से लाभ उठाया।

5.1.8 बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी

बच्चों के लिए कोच्चि में दिनांक 7 से 14 नवंबर, 1991 तक 20वीं जवाहर लाल नेहरू राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजित की गई। प्रदर्शनी की कुछ विशिष्टताएँ, जिनके विषय 'विज्ञान और गाँव' पर केन्द्रित थे निम्न प्रकार हैं :

1. राज्य/संघशासित क्षेत्र — 31
2. शहरी विद्यालयों की संख्या — 77
3. ग्रामीण विद्यालयों की संख्या — 73
4. लड़कों/पुरुष अध्यापकों की संख्या — 228
5. लड़कियों/महिला अध्यापकों की संख्या — 84
6. प्रतिभागियों की संख्या — 312
7. प्रदर्शित वस्तुओं की संख्या — 165

बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी में लड़कियों/महिला अध्यापिकाओं तथा ग्रामीण विद्यालयों की प्रतिभागिता धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है।

प्रदर्शनी में लगभग 1.75 लाख विद्यालयों के बच्चे तथा सभी क्षेत्रों के लोग आए।

5.1.9 1991-92 के दौरान विज्ञान और गणित में विकसित/प्रकाशित/अनुलेखित सामग्री

क्रम सं.	शीर्षक	लक्ष्य समूह
1.	टैस्ट आइटम्स इन कैमिस्ट्री	वरिष्ठ माध्यमिक अध्यापक (कक्षा 11)
2.	टैस्ट आइटम्स इन कैमिस्ट्री (अनुलेखित)	वरिष्ठ माध्यमिक अध्यापक (कक्षा 12)
3.	ट्रेनिंग मैटीरियल्स ऑन दि पीरिओडिक टेबल ग्रुप 12 एंड 13 (अनुलेखित)	वरिष्ठ माध्यमिक अध्यापक
4.	ट्रेनिंग मैनुअल फॉर **'क्लास'**	विद्यालय अध्यापक
5.	स्ट्रक्चरल एंड वर्किंग ऑफ साइंस माडल्स	विज्ञान प्रदर्शनियों में बच्चों की प्रतिभागिता तथा विज्ञान प्रदर्शनियों हेतु आगन्तुक

6.	फोल्डर ऑन दि हाइलाइट्स ऑफ नेशनल साइंस एक्जीबिशन फॉर चिल्ड्रेन, 1991	बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी हेतु आगन्तुक
7.	लिस्ट ऑफ एक्जीबिट्स ऑफ नेशनल साइंस एक्जीबिशन फॉर चिल्ड्रेन, 1991	बच्चों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी हेतु आगन्तुक
8.	स्टेट्स ऑफ साइंस एजुकेशन इन इंडिया (सैकेन्ड्री स्टेज अनुलेखित रिपोर्ट)	सामान्य
9.	चार्ट कन्टेनिंग सिक्स मल्टीपरपज साइंस लेबोरेटरी डिजाइन फॉर अपर प्राइमरी एंड सैकेन्ड्री स्टेजेस	प्रयोगशाला अभिकल्पक
10.	चार्ट कन्टेनिंग सिक्स मल्टीपरपज केमिस्ट्री लेबोरेटरी डिजाइन फॉर सीनियर सैकेन्ड्री स्टेज	प्रयोगशाला अभिकल्पक
11.	ट्रेनिंग मैटीरियल्स ऑन कैमीकल इक्विलिब्रियम कैमीकल काइनेटिक्स नॉन-मेटल्स ऐंड इनवेस्टीगेटरी प्रोजेक्ट्स इन केमिस्ट्री (अनुलेखित)	वरिष्ठ माध्यमिक अध्यापक
12.	कक्षा 8 के लिए प्रोबलम बुक इन मैथमैटिक्स	कक्षा 8 के विद्यार्थी
13.	स्क्रिप्ट्स फॉर वीडियों फिल्म्स ऑन शेयर एंड डिबैन्चर, एंगिल ऐंड इट्स प्रोपर्टीज, मैजरमैन्ट	उच्चतर प्राथमिक
14.	कम्प्यूटर प्रोग्राम टाइटिल्ड 'लैक्टोस आपरॉन'	वरिष्ठ माध्यमिक
15.	कम्प्यूटर प्रोग्राम टाइटिल्ड 'न्यूट्रीशन'	वरिष्ठ माध्यमिक
16.	कम्प्यूटर प्रोग्राम टाइटिल्ड 'मिकी'	प्राथमिक

1991-92 के दौरान, डी.ई.एस.एम. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों आदि का विवरण तालिका 5.1 में दिया गया है।।

तालिका 5.1

1991-92 के दौरान डी.ई.एस.एम. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/ सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
अनुसंधान और विकास				
1.	कम्प्यूटर में रा.शै.अ.प्र.प. संकायों को प्रशिक्षण	18 अप्रैल से 8 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
2.	कक्षा 11, चरण-2 के लिए भौतिकी में अनुदेशी सामग्री का विकास : रिव्यू ऐंड एनफोर्समैन्ट	24 से 29 अप्रैल, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
3.	कक्षा 6 से 12 तक के लिए गणित में पाठ्यचर्या सामग्री का गहन अध्ययन	8 से 10 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10

1991-92

1	2	3	4	5
4.	बी.बी.सी./एस.सी. एल. माइक्रो पर आलेख तैयार करने पर प्रशिक्षण (क्लास परियोजना)	3 से 12 जून, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
5.	भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीवविज्ञान तथा गणित के उच्चतर माध्यमिक अध्यापकों का प्रशिक्षण	3 से 13 जून, 1991	थियोग (जिला शिमला) हिमालच प्रदेश	4
6.	+2 स्तर पर गणित के प्रमुख क्षेत्रों में प्रशिक्षण सामग्री का विकास और इन क्षेत्रों में संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	17 से 21 जून, 1991	उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय दार्जलिंग (पश्चिमी बंगाल)	26
7.	भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों का प्रशिक्षण	17 से 26 जून, 1991	रंगारेड्डी, हैदराबाद	2
8.	अन्तर्राष्ट्रीय गणितीय ओलिम्पियाड् (आई.एम.ओ.) में भारतीय टीम की प्रतिभागिता	10 से 14 जुलाई, 1991 तथा 24 से 25 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
9.	माध्यमिक विज्ञान पाठ्यपुस्तक का गहन अध्ययन कक्षा-7	5 से 8 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
10.	आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान गणित शिक्षा के विकास की कार्य योजना को अन्तिम रूप देने हेतु कार्यनीति	9 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	12
11.	प्रश्न बैंक डाटा डिस्क का विकास (कक्षा-10 विज्ञान)	19 से 23 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	16
12.	उच्चतर माध्यमिक स्तर हेतु मूल्यांकन सामग्री (परीक्षण मद) का विकास (कक्षा-12)	19 से 23 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17
13.	कक्षा-11 के लिए गणित में प्रश्न पुस्तिका को अन्तिम रूप देना	5 से 9 सितंबर, 1991	एटोमिक एनर्जी जूनियर कॉलेज, बम्बई	21
14.	गणित में माध्यमिक स्तर पर संबंधित विद्वानों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन	9 से 13 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	15
15.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर गणित के नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में संबंधित विद्वानों के प्रशिक्षण हेतु संवर्धन	23 से 27 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	23
16.	भौतिकी की कक्षा में सॉफ्टवेयर की बी.बी.सी. माइक्रों पर स्थानान्तरणीयता	9 से 11 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5
17.	कम्प्यूटर में रा.शै.अ.प्र.प. संकायों को प्रशिक्षण	16 से 30 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6

1991-92

1	2	3	4	5
18.	माध्यमिक विद्यालयों के लिए विज्ञान में प्रशिक्षण सामग्री का विकास	9 से 13 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	22
19.	विद्यालय-पाठ्यचर्या में पर्यावरण-शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्यनीतियों का पता लगाने हेतु कार्यशाला	24 से 25 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	14
20.	माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में निदर्शनात्मक अनुभवों का विकास	10 से 14 अक्टूबर, 1991	इलाहाबाद	19
21.	विज्ञान शिक्षण के लिए उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक विद्यालयों को दी जाने वाली न्यूनतम सुविधाओं के लिए मानकों की तैयारी	30 सितंबर से 4 अक्टूबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	20
22.	गणित शिक्षा पर विशेषज्ञ समिति की बैठक	27 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	2
23.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में प्रमुख/संबंधित विद्वानों का प्रशिक्षण	23 से 30 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
24.	माध्यमिक स्तर पर गणित में अध्यापक प्रशिक्षण सामग्री का विकास (संदर्शिका)	21 से 28 अक्टूबर, 1991	कोरू कांडा आन्ध्र प्रदेश	19
25.	+2 स्तर पर भौतिकी में नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु अभिविन्यास-एवं-संवर्धन पाठ्यक्रम	21 से 30 अक्टूबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	25
26.	उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित में संबंधित विद्वानों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम (दूसरा चरण)	11 से 15 नवंबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	20
27.	कक्षा-11 के लिए रसायन विज्ञान में प्रश्न बैंक डाटा डिस्क का विकास	11 से 15 नवंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
28.	विद्यालय स्तर पर विज्ञान तथा गणित में विषय और प्रक्रिया के पुनः अभिविन्यास के लिए कार्यशाला	20 से 22 नवबंर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	45
29.	+2 स्तर पर भौतिकी में नए महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण हेतु अभिविन्यास एवं-संवर्धन पाठ्यक्रम	21 से 30 अक्टूबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	25
30.	भौतिकी की कक्षा में बी.बी.सी. माइक्रों पर सॉफ्टवेयर की स्थानान्तरणीयता	10 से 12 दिसम्बर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
31.	+2 स्तर के गणित के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रशिक्षण सामग्री का विकास तथा इन क्षेत्रों में संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	3 से 8 जनवरी, 1992	ए.सी. ट्रेनिंग कॉलेज जलपैगुरी (पश्चिम बंगाल)	24

1991-92

1	2	3	4	5
32.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए भौतिकी की पाठ्यपुस्तकों का गहन अध्ययन	26 से 30 दिसंबर, 1991	दार्जिलिंग	15
33.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान में प्रमुख संबंधित विद्वानों का प्रशिक्षण	6 से 10 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	14
34.	रसायन विज्ञान तथा जीव-विज्ञान, जीव-रसायन के अंतरापृष्ठ पर मॉड्यूलों का विकास	13 से 17 जनवरी, 1992	दिल्ली विश्वविद्यालय	10
35.	उच्च प्राथमिक चरण-1 पर संबंधित विद्वानों के प्रशिक्षण के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 10 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	15
36.	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में संबंधित विद्वानों के लिए प्रशिक्षण सामग्री (मुद्रित तथा गैर मुद्रित) का विकास	6 से 10 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	21
37.	शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों/क्षेत्रों के माध्यमिक अध्यापकों हेतु गणित में ग्रीष्मकालीन संस्थान	3 से 17 जनवरी, 1992	कोटद्वार (उत्तर प्रदेश)	20
38.	उच्च प्राथमिकस्तर के लिए गणित किट का विकास तथा मैनुअलों सहित प्रोटोटाइप का विकास	20 से 24 जनवरी, 1992	बैंगलूर	19
39.	शैक्षिक रूप से पिछड़े राज्यों/क्षेत्रों के उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों हेतु गणित में ग्रीष्मकालीन संस्थान	22 से 27 जनवरी, 1992	नार्थ बंगाल यूनिवर्सिटी	24
40.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विकास	27 से 31 जनवरी, 1992	आगरा	25
41.	कक्षा 6 से 12 तक की गणित पाठ्यचर्या, पाठ्यपुस्तकों का गहन अध्ययन	27 से 30 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17
42.	विशेष शिक्षा में कम्प्यूटर के प्रयोग हेतु संबंधित विद्वानों का प्रशिक्षण	3 से 10 फरवरी, 1992	ग्वालियर	11
43.	'क्लास' परियोजना अध्यापकों के लिए बी.बी.सी. माइक्रो पर कम्प्यूटर शिक्षा में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण	10 से 26 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	20
44.	भारतीय जनसांख्यिकी में क्लोज डाटा बेस तैयार करना	27 से 28 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
45.	माध्यमिक स्तर पर गणित में संबंधित विद्वानों का प्रशिक्षण	17 से 21 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17
46.	केन्द्रीय तिब्बती विद्यालय संगठन के विज्ञान से संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	24 से 28 फरवरी, 1992	सैन्ट्रल तिब्बतियन स्कूल, मंसूरी	20
47.	रसायन विज्ञान एवं उद्योगों का अंतरापृष्ठ-रासायनिक उद्योगों से संबंधित रसायन विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर मॉड्यूलों का विकास	24 से 28 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17

1991-92

1	2	3	4	5
48.	विद्यालय से बाहर के कार्यकलाप विज्ञान क्लब तथा विज्ञान क्लब कार्यकलापों के संगठन के लिए मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विकास	2 से 6 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15
49.	मूल भाषा में प्रशिक्षण	2 से 20 मार्च, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. गुडगांव (हरियाणा)	12
50.	विद्यालय विज्ञान में प्रकाशनों के लिए चुनिंदा क्षेत्रों में सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	9 से 13 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
51.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के रसायन विज्ञान के लिए कार्यविधि उपागम आधारित शिक्षण-अधिगम सामग्री का विकास	2 से 6 मार्च, 1992	इलाहाबाद	15
52.	विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने पर मा.सं.वि. मं. द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं के मूल्यांकन हेतु योजना बैठक	4 से 6 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
53.	कक्षा-11 के रसायन विज्ञान में प्रश्न बैंक, डाटा डिस्क का विकास	9 से 13 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	8
54.	बी.बी.सी./एस.सी.एल. माइक्रो पर ध्वनि उत्पन्न करने की सुविधाओं पर मॉड्यूल का विकास	12 से 13 मार्च, 1992	डी.आई.ई.टी., दिल्ली	3
55.	+2 स्तर के लिए रसायन विज्ञान की पाठ्यचर्या तथा पाठ्यचर्या सामग्री का गहन अध्ययन	23 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	20
56.	माध्यमिक स्तर के लिए विज्ञान में प्रश्न बैंक, डाटा डिस्क का विकास	23 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	15
57.	विज्ञान की उच्च प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों का गहन अध्ययन	23 से 27 मार्च, 1992	आर.सी.ई., भोपाल	13
58.	माध्यमिक स्तर के लिए विज्ञान में पाठ्यचर्या सामग्री का गहन अध्ययन	24 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	16
59.	गणित शिक्षा से संबंधित राज्य स्तर के कार्यकर्त्ताओं का वार्षिक सम्मेलन	30 मार्च से 1 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	22
60.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए भौतिकी में पुस्तिका का विकास	26 मार्च से 1 अप्रैल, 1992	केन्द्रीय विद्यालय संख्या-1	23
61.	आंध्र-प्रदेश के विज्ञान क्लब के लिए अभिविन्यास एवं मूल्यांकन कार्यशाला	31 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. आन्ध्र प्रदेश	29
62.	उच्चतर माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान में निदर्शन प्रयोगों का विकास	31 मार्च से 1 अप्रैल, 1992	आर.सी.ई., भुवनेश्वर	12
63.	माध्यमिक स्तर पर विज्ञान में प्रमुख संबंधित विद्वानों का प्रशिक्षण	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13

5.2 सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा

5.2.1 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक महत्वपूर्ण कार्य विद्यालय शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान और मानविकी में शिक्षण सामग्री विकसित करना है। विद्यालय स्तर पर शिक्षा की विषय-वस्तु और प्रक्रिया के नवीनीकरण के प्रयासों के एक अंश के रूप में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान का सामाजिक विज्ञान एवं मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) पाठ्यचर्या तथा शिक्षण सामग्री के विकास, अध्यापकों और अध्यापक प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण/मार्गदर्शन, राज्य शिक्षा प्राधिकरणों को पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री के विकास और मूल्यांकन में राज्य के शैक्षणिक प्राधिकरणों को शैक्षिक सहायता प्रदान करने, भाषा तथा सामाजिक विज्ञान में सर्वेक्षण अध्ययन करने के विकास में लगा हुआ है। डी.ई.एस.एस.एच. राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.) के कार्यान्वयन हेतु केन्द्रीय तकनीकी समन्वयन तथा अनुवीक्षण अभिकरण के रूप में भी कार्य करता है।

5.2.2 पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री का विकास

5.2.2.1 भाषाएँ

1991-92 के दौरान जिस प्रमुख क्षेत्र में कार्य प्रारम्भ किया गया वह था—"हिन्दी तथा उर्दू एल-2 तथा एल-3 तथा अंगेजी एल-3 में पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री तैयार करना"। 1991-92 के दौरान हिन्दी में (एल-2 तथा एल-3) सभी संबंधित कक्षाओं के लिए तथा उर्दू में कक्षा 9 तक पाठ्यपुस्तकों पर कार्य पूरा किया गया।

1991-92 के दौरान हिन्दी एल-1 मातृभाषा जिसमें कक्षा 1 से 12 तक के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करने के अतिरिक्त अन्य अनुदेशी सामग्री व शिक्षक संदर्शिका भी तैयार की गई। इसमें माध्यमिक स्तर पर हिन्दी व्याकरण तथा रचना की पुस्तक का प्रकाशन, प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों के लिए पूरक तथा अतिरिक्त पुस्तकें तैयार करना तथा उच्च प्राथमिक स्तर के लिए अध्यापक संदर्शिका तैयार करना शामिल है।

अंग्रेजी एल-1 के शिक्षण हेतु कक्षा-3 की पाठ्यपुस्तक की पाण्डुलिपि को अन्तिम रूप दिया गया। 1991-92 के दौरान नवोदय विद्यालयों के कक्षा 8 की हिन्दी पाठ्यपुस्तक प्रकाशित की गई तथा पूरक पुस्तकें तैयार करने का कार्य प्रारम्भ किया गया। कक्षा-4 के लिए 'न्यू डॉन' सीरीज के अंतर्गत अंग्रेजी पाठ्यपुस्तक को अन्तिम रूप दिया गया। (अरुणाचल प्रदेश हेतु)

हिन्दी, उर्दू, अंग्रेजी तथा संस्कृत सभी भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों के संशोधन का कार्य प्रारम्भ किया गया।

5.2.2.2 सामाजिक अध्ययन

देश और पूरे विश्व में पिछले दो वर्षों में हुए परिवर्तनों के परिणामस्वरुप इतिहास, भूगोल, नागरिकशास्त्र एवं राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र तथा सामाजिक विज्ञान की पुस्तकों में अपेक्षित संशोधन अनिवार्य हो गया था। चूँकि वर्ष 1992-93 में व्यापक संशोधन किए जाएँगे। अतः जिन अनुदेशी सामग्री में तत्काल संशोधन अनिवार्य है, उनके मूल्यांकन का कार्य किया गया। साथ ही जो विद्यालय एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकें प्रयोग करते हैं, उन्हें शीघ्र ही कक्षा 12 की सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक का पूरक उपलब्ध कराया जाएगा। इस पूरक में शिक्षकों को कुछ नए विशिष्ट विकासों, परिवर्तनों की जानकारी दी गई है, जिसका ध्यान उन्हें रखना है।

माध्यमिक विद्यालयों के लिए अर्थशास्त्र (हिन्दी और अंग्रेजी) में नई पाठ्यपुस्तक प्रकाशित की गई। 1990-91 में आरंभ अध्यापक संदर्शिकाओं, शिक्षण एककों तथा सामाजिक विषय की पुस्तिकाओं की तैयारी का कार्य जारी रखा गया। माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के इतिहास अध्यापकों के लिए एक पुस्तिका की तैयारी पर भी कार्य प्रारम्भ किया गया।

डी.ई.एस.एस.एच. सामाजिक विज्ञान में शब्दों और संकल्पनाओं की एक शब्दावली तैयार कर रहा है। यह शब्दावली माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तरों पर सामाजिक विज्ञान के अध्ययन हेतु लाभकारी होगी।

दूसरे क्षेत्र जिसमें विभाग ने कार्य आरंभ किया वह "पाठ" तैयार करने से संबंधित था, जो शिक्षकों को उनके संबंधित विषयों तथा शिक्षाशास्त्र में हुए हाल के विकास से परिचित कराएगा।

1991-92

5.2.2.3 कला शिक्षा

डी.ई.एस.एस.एच. ने कला शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुलेख के प्रारूप तैयार किए। उच्चतर माध्यमिक स्तर हेतु विभिन्न क्षेत्रों के लिए कक्षा शिक्षा के पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप दिया गया।

5.2.2.4 शारीरिक शिक्षा

उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए शारीरिक शिक्षा में पाठ्यक्रम का प्रारूप बनाया गया तथा शारीरिक शिक्षा के अध्यापकों के लिए एक पुस्तिका को अन्तिम रूप दिया जा रहा है, योग से संबंधित अनेक संगठनों के परामर्श से पाठ्यक्रम को अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

5.2.2.5 वाणिज्य

वाणिज्य में दो पाठ्यपुस्तकें—एक लेखा-परीक्षा पर तथा दूसरी फैक्टरी संगठनों पर पूरी होने वाली है।

5.2.2.6 सामान्य अध्ययन

विभाग ने सामान्य अध्ययन में नमूना अनुदेशी सामग्री तैयार करने पर कार्य जारी रखा।

5.2.3 मूल्यांकन

5.2.3.1 रा.शै.अ.प्र.प. की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन और संशोधन

1991-92 के दौरान डी.ई.एस.एस.एच. ने 1986 से विभिन्न विषयों में बनाई गई पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन और संशोधन से संबंधित कार्य प्रारम्भ किया। कार्य अगले 3 वर्षों तक जारी रहने की संभावना है।

5.2.3.2 राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन

रा.शै.अ.प्र.प. पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों के मूल्यांकन हेतु कार्यक्रम आयोजित करती रही है। इस समय इस कार्यक्रम का केन्द्र बिन्दु राज्य पाठ्यपुस्तक अभिकरणों तथा निजी प्रकाशकों द्वारा 1986 के बाद प्रकाशित पाठ्यपुस्तकें हैं।

1991-92 के दौरान उत्तर प्रदेश, राजस्थान, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल, आन्ध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, असम, मणिपुर और त्रिपुरा की पाठ्यपुस्तकों का नमूना मूल्यांकन आरंभ किया गया। मूल्यांकन के इस प्रयास में राष्ट्रीय एकता के अतिरिक्त कई अन्य उद्देश्य भी शामिल हैं।

5.2.4 पूरक पुस्तकें

अन्य पूरक पुस्तकों के निर्माण के अतिरिक्त विभाग ने युवा पाठकों के लिए 'पढ़ें और सीखें' तथा 'लोटस' नामक सीरीज पूरक पुस्तकों के निर्माण पर दो कार्यक्रम आरंभ किए। इन कार्यक्रमों का पुनरीक्षण किया गया। नई सलाहकार समिति ने 'लोटस' सीरीज को बन्द करने तथा 'पढ़ें और सीखें' सीरीज की रूपरेखा पुनः तैयार करने हेतु निर्णय लिया। इसी बीच युवा पाठकों के लिए ***'दि कान्स्टीट्यूशन ऑफ इंडिया'*** नामक पूरक पुस्तक तैयार की गई।

5.2.5 प्रशिक्षण कार्यक्रम

डी.ई.एस.एस.एच. ने अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, राजस्थान राज्यों के अनुरोध पर भाषाओं में संबंधित प्रमुख व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने की सहमति दी। ये राज्य अपने अनुवर्ती प्रशिक्षण कार्यक्रमों में इन प्रशिक्षित प्रमुख व्यक्तियों का लाभ उठा सकते हैं।

विभाग ने कला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कला अध्यापकों हेतु शिविर का आयोजन किया, जो विद्यालय पाठ्यचर्या का अपेक्षाकृत नया अनिवार्य क्षेत्र है। डी.ई.एस.एस.एच. ने भाषा तथा सामाजिक विज्ञान के अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अनेक राज्यों तथा संगठनों को अपनी सहायता तथा सहयोग दिया।

डी.ई एस.एस. एच. ने विभिन्न विषयों में अध्यापक प्रशिक्षण सामग्री की तैयारी हेतु योजना बनाई। वर्ष 1991-92 के दौरान, उच्च प्राथमिक स्तर के लिए हिन्दी (मातृ-भाषा) में अध्यापक प्रशिक्षण सामग्री के विकास पर कार्य प्रारम्भ किया गया।

5.2.6 सेमीनार रीडिंग तथा निबन्ध प्रतियोगिता

1991-92 में एक संगोष्ठी का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम को 1992-93 से बन्द करना प्रस्तावित है और नवाचारों की प्रोन्नति एवं प्रचार के लिए वैकल्पिक, कार्यनीति बनाने पर विचार किया जाएगा।

विभाग ने डा.बी.आर. अम्बेडकर की जन्म शताब्दी के संबंध में विद्यालय विद्यार्थियों के लिए एक निबन्ध, प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के जवाब में 15,000 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। राज्य स्तर तथा राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के परिणाम घोषित किए गए तथा पुरस्कार दिए गए।

5.2.7 यूनेस्को कार्यक्रम

"अन्तर्राष्ट्रीय समझ, सहयोग, शान्ति तथा मानव अधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता से संबंधित शिक्षा की 1974 की सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए गहन अध्ययन की तैयारी" शीर्षक यूनेस्को सहायता प्राप्त कार्यक्रम पूरा किया गया तथा अध्ययन की रिपोर्ट यूनेस्को को भेजी गई। डी.ई.एस.एस.एच. ने ए. एस.पी. विद्यालयों के विद्यार्थियों की सहायता से यूनेस्को की "कम विजिट माई कन्ट्री" सीरीज के अन्तर्गत भारत में पाण्डुलिपि की तैयारी पर भी कार्य किया। भारत पर पाण्डुलिपि सुझावों तथा मत प्रकट करने के लिए स्वीडन भेजी गई। उस देश ने बदले में एन.सी.ई.आर.टी. के मत/सुझावों के लिए स्वीडन पर पाण्डुलिपि भेजी। भारत पर पाण्डुलिपि अन्य देशों के बच्चों को प्रयोगार्थ यूनेस्को द्वारा प्रकाशित किया जाना प्रस्तावित है। यह पुस्तक भारत की प्रामाणिक एवं गैर रूढ़िबद्ध दृष्टिकोण के विकास में सहायता करती है।

5.2.8 मा.सं.वि.मं. कार्यक्रम

डी.ई.एस.एस.एच. ने समकालीन भारत तथा पाठ्यचर्या बोझ पर मा.सं.वि.मं. द्वारा स्थापित दो राष्ट्रीय सलाहकार समितियों को शैक्षिक तथा अन्य सहायता प्रदान की।

अन्य बातों के साथ-साथ विभाग ने जापान के दौरे के लिए "युवक विभाग" द्वारा चयनित विद्यालय के शिक्षकों के लिए सात दिनों का एक कार्यक्रम आयोजित किया।

5.2.9 प्रकाशन

1991-92 के दौरान, डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा तैयार किए गए प्रकाशनों तथा पाण्डुलिपियों के नाम निम्नलिखित हैं :

पुस्तकों की सूची

1. मानसी भाग-1 द्वितीय भाषा के रूप में कक्षा 9 की सहायक पाठ्यपुस्तक
2. संचयिका भाग-1 द्वितीय भाषा के रूप में कक्षा 9 की सहायक पाठ्यपुस्तक
3. हिन्दी व्याकरण और रचना कक्षा 6 से 8 तक के लिए
4. मानक हिन्दी व्याकरण और रचना कक्षा 9-10 के लिए
5. व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण उच्च प्राथमिक कक्षाओं के अध्यापकों के लिए
6. शिक्षण संदर्शिका किशोर भारती भाग-1 के लिए
7. दी स्माइलिंग फ्लावर-रीडिंग टू लर्न सीरीज (इंग्लिश)
8. दी स्माइलिंग फ्लावर-रीडिंग टू लर्न सीरीज (हिन्दी)
9. हाउ इट हैपेंड-रीडिंग टू लर्न सीरीज (हिन्दी)
10. हाउ इट हैपेंड-रीडिंग टू लर्न सीरीज (इंग्लिश)
11. अवर इकोनॉमी-ऐन इन्ट्रोडक्शनः कक्षा 9-10 की पाठ्यपुस्तक
12. कक्षा 12 की उर्दू की नई किताब
13. अरुण भारती भाग-5
14. अरुण भारती भाग-5 की अभ्यासपुस्तिका

पाण्डुलिपियों की सूची

1. ऑफिस ऐडमिनिस्ट्रेशन कक्षा 12 की पाठ्यपुस्तक
2. किशोर भारती भाग-2 शिक्षण संदर्शिका
3. अध्यापकों के लिए हिन्दी भाषा शिक्षण दर्शिका
4. लाइफ एंड वर्क ऑफ डा.बी.आर.अंबेडकर सप्लीमैंट्री रीडर (हिन्दी)

5. कक्षा 3 के लिए "न्यू डॉन रीडर्स" : सप्लीमैंट्री रीडर्स इन इंग्लिश
6. कक्षा 3 के लिए "न्यू डॉन रीडर्स, : वर्कबुक इन इंग्लिश
7. उर्दू की नई किताब कक्षा 2 के लिए
8. कक्षा 9 उर्दू एल-2 पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि
9. कक्षा 9 उर्दू एल-3 पाठ्यपुस्तक की पांडुलिपि
10. कक्षा 8 उर्दू की एल-3 पाठ्यपुस्तक
11. हिन्दी भारती भाग-2 शिक्षण के लिए कक्षा-7 की पाठ्यपुस्तक
12. कथा भारती एल-3 के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए कक्षा-9 की पाठ्यपुस्तक
13. हिन्दी भारती भाग-4 एल-3 के रूप में हिन्दी शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक
14. भारत की खोज जवाहरलाल नेहरू की डिस्कवरी ऑफ इंडिया पर आधारित संक्षिप्त छात्र संस्करण
15. राम प्रसाद बिस्मिल की आत्म कथा
16. देहाती दुनिया
17. साहित्यकारों के पत्र
18. हमारी हिन्दी भाग-3, नवोदय विद्यालय कक्षा-8 के लिए
19. हमारा गुजरात, नवोदय विद्यालय कक्षा-8 के लिए ए कोर्स
20. हजारों टापू एक देश (फिलिप्पीन्स) पढ़े और सीखें योजना

1991-92 के दौरान डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा संगोष्ठियों का विवरण तालिका 5.2.1 में दिया गया है।

5.2.10 राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना (एन.पी.ई.पी.)

5.2.10.1 1991-92 के दौरान इस परियोजना के कार्यक्रम और पाठ्यचर्या से संबंधित सामग्री के निर्माण प्रशिक्षण/अभिविन्यास, अनुसंधान और मूल्यांकन सह-पाठ्यचर्या कार्यकलापों का आयोजन तथा विभिन्न अभिकरणों हेतु जनसंख्या शिक्षा से संबंधित जानकारी के प्रसार पर केन्द्रित रही।

5.2.10.2 पाठ्यचर्या और अनुदेशी सामग्री का विकास

1. अनुदेशी सामग्री तथा प्रशिक्षण सामग्री की विभिन्न किस्मों के प्रोटोटाइप तैयार किए गए। इस सामग्री का उपयोग विद्यार्थियों एवं अध्यापकों ने जनसंख्या से संबंधित कठिनाइयों एवं मुद्दों के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए किया।
2. मनोरंजक कहानियों के रूप में पूरक पठन सामग्री तैयार की गई, उसका परीक्षण किया गया तथा कक्षा में प्रयोग हेतु एवं विद्यार्थियों द्वारा स्वयं अध्ययन किए जाने के लिए इसे बहुत उपयोगी पाया गया।
3. डी.ई.एस.एस.एच. ने राष्ट्रीय खुला विद्यालय के सहयोग से राष्ट्रीय खुला विद्यालय के माध्यमिक स्तर के लिए अर्थशास्त्र, भूगोल तथा विज्ञान हेतु जनसंख्या शिक्षा पर नमूने तैयार करने का कार्य किया।
4. जनसंख्या से संबंधित तीन प्रसंगों पर वीडियो कार्यक्रम बनाए गए तथा राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठों में इनका प्रचार किया गया। इन कार्यक्रमों को राज्य स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रमों में बड़े ही प्रभावकारी ढंग से प्रयोग में लाया जा रहा है तथा इससे अध्यापकों एवं अध्यापक-प्रशिक्षकों में बड़ी जागरूकता पैदा हुई है।
5. श्रेष्ठ कलाकारों द्वारा 7 पोस्टरों का एक सेट तथा दो मनोरंजक स्ट्रिप तैयार किए गए। कोलम्बो, श्रीलंका में आयोजित यूनेस्को उप-क्षेत्रीय विशेषज्ञ समूह की बैठक में इस सेट का पुनरीक्षण किया गया तथा उसे अन्तिम रूप दिया गया। इस सामग्री को उपयोगी पाया गया तथा एशिया एवं प्रशान्त देशों में प्रयोग के लिए इसका विस्तार किया जाएगा।

5.2.10.3 अध्यापक प्रशिक्षण

1. जनसंख्या शिक्षा एकक, डी.ई.एस.एस.एच. ने राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठों में नए नियुक्त परियोजना

कार्मिकों के लिए एक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

2. विशेषज्ञों की सहायता से जनसंख्या शिक्षा में एक अल्पावधि पाठ्यक्रम तैयार किया गया तथा उसे अन्तिम रूप दिया गया। पाठ्यक्रम शैक्षिक वर्ष 1992 से शुरू हुआ।
3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों तथा राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठों ने भी जनसंख्या शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत कार्मिकों की विभिन्न श्रेणियों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम चलाए।
4. डी.ई.एस.एस.एच. के जनसंख्या शिक्षा एकक ने डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस., एन.सी.ई.आर.टी. के सहयोग से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थाओं (डी.आई.ई.टी) के प्राचार्यों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
5. फरवरी, 1992 में सोलन में ब्लॉक अधिकारियों तथा अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

5.2.10.4 अनुसंधान और मूल्यांकन

डी.ई.एस.एस.एच. ने जनसंख्या शिक्षा एकक के शोधकर्ताओं तथा श्रेष्ठ विद्वानों के सहयोग से कुछ महत्वपूर्ण अनुसंधान योग्य क्षेत्रों का पता लगाया।

5.2.10.5 सह-पाठ्यचर्या कार्यकलाप

जनसंख्या शिक्षा सप्ताह विश्व जनसंख्या शिक्षा दिवस (11 जुलाई, 1991) को पूरे देश में बड़े ही उल्लास के साथ मनाया गया। जनसंख्या शिक्षा सप्ताह आयोजन के मार्गदर्शी सिद्धान्तों पर एक पुस्तिका मुद्रित की गई तथा राज्यों में प्रचार के लिए भेजी गई।

5.2.10.6 स्वास्थ्य और जनसंख्या शिक्षा से संबंधित सामग्री

यू.एन.एफ.पी.ए. द्वारा वित्त पोषित परिवार कल्याण क्षेत्र परियोजना के लिए स्वास्थ्य और जनसंख्या शिक्षा से संबंधित सामग्री की समीक्षा तथा विकास हेतु फरवरी, 1992 में एक कार्यशाला आयोजित की गई। विभिन्न अभिकरणों द्वारा विकसित सामग्री की समीक्षा की गई तथा उपयुक्त सामग्री ग्रहण/अनुकूलन के लिए चुनी गई।

5.2.10.7 परामर्श सेवाएँ

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के संकाय सदस्यों ने यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रमों में भाग लिया तथा परामर्श दिया। कार्यक्रम यूनेस्को के क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा सार्क देशों के लिए उप-क्षेत्रीय आधार पर आयोजित किए गए।

5.2.10.8 तकनीकी आदान-प्रदान कार्यक्रम तथा उच्च प्रतिनिधि स्तरीय मंडल

1. जनसंख्या शिक्षा के अन्तर्गत दक्षिणी एशियाई देशों के लिए 25 अगस्त से 5 सितम्बर, 1991 तक तकनीकी आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। सार्क देशों के प्रतिनिधियों ने अपने-अपने देशों में चल रहे अनेक जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों पर अपने अनुभवों तथा विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रतिनिधियों ने उन निकटवर्ती राज्यों तथा दिल्ली की संस्थाओं का दौरा किया जहाँ जनसंख्या शिक्षा परियोजना कार्यान्वित की गई है।
2. जनसंख्या शिक्षा एकक (डी.ई.एस.एस.एच.) ने 15 से 21 सितंबर, 1991 तक चीन जन गणराज्य के 8 शिक्षकों का एक अध्ययन द्वौरा आयोजित किया। उन्हें भारत में एन.पी.ई.पी. तथा राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ द्वारा तैयार की गई पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकों तथा अन्य अनुदेशी और प्रशिक्षण सामग्री के क्षेत्र में विकसित नवीनतम सामग्री के बारे में बताया गया। आपस में सूचना तथा विचारों के आदान-प्रदान से दोनों पक्षों को फायदा हुआ।
3. मा.सं.वि.मं. के अनुरोध पर राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एकक, डी.ई.एस.एस.एच. ने ई.डी.सी.आई.एल. के सहयोग

से इथियोपिया के शिक्षकों हेतु दो सप्ताह का संयोजन कार्यक्रम आयोजित किया।

4. मार्च, 1992 में आई.आई.पी.एस. बम्बई में जनसंख्या अध्ययन में प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे एशियाई देशों के विद्यार्थियों का एक अध्ययन दौरा एन.सी.ई.आर.टी. में आयोजित किया गया।

5.2.10.9 परियोजना प्रगति सर्वेक्षण (पी.पी.आर.) बैठकें

1991 में आयोजित पी.पी.आर. की दो बैठकों में राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठों तथा राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एककों के कार्यकलापों की प्रगति के बारे में चर्चा की गई तथा वर्ष 1992 के लिए बजट आकलन सहित कार्य योजना तैयार की गई तथा उसे अंतिम रूप दिया गया।

5.2.10.10 त्रिपक्षीय परियोजना मूल्यांकन (टी.पी.आर.)

टी.पी.आर. की बैठकों में वर्ष 1992 की कार्य योजना तथा एन.पी.ई.पी. एवं एस.पी.ई.सी. के लिए बजट आकलन अनुमोदित किया गया। बैठक में कंट्री डायरेक्टर, यू.एन.एफ.पी.ए., क्षेत्रीय सलाहकार, क्षेत्रीय कार्यालय यूनेस्को, बैंकॉक, कार्यक्रम अधिकारी यू.एन.एफ.पी.ए., स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारी, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधिकारी तथा एन.पी.ई.यू., डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी. के संकायों ने भाग लिया।

5.2.10.11 अनुवीक्षण दौरे

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के संकायों ने परियोजना कार्यकलापों की जाँच के लिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों का दौरा किया। संकायों ने राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठों द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भी भाग लिया।

5.2.10.12 राज्य स्तर पर परियोजना कार्यकलाप

राज्य जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ ने 29 राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में स्थित एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. में विद्यालय पाठ्यचर्या तथा पाठ्यपुस्तकों आदि में जनसंख्या शिक्षा तत्वों के प्रभावी एकीकरण पर गंभीरता पूर्वक कार्य किया। राज्य जनसंख्या प्रकोष्ठ तथा क्षे.शि.म. ने अध्यापक प्रशिक्षकों तथा अन्य कार्यकर्ताओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम/अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए।

5.2.10.13 अन्तर्राज्यीय दौरे

राज्यों के परियोजना अधिकारियों के ज्ञानबर्धन एवं जनसंख्या शिक्षा परियोजना के कार्यान्वयन विभिन्न कार्यनीतियों की जानकारी दिलाने के लिए जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश एवं तमिलनाडु के परियोजना अधिकारियों के लिए अंतर्राज्यीय दौरे आयोजित किए गए।

राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा एकक, डी.ई.एस.एस.एच, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं/बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों आदि का विवरण तालिका 5.2.2 में दिया गया है।

तालिका 5.2.1

1991-92 के दौरान डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/प्रशिक्षण/सम्मेलन/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1.	बाल साहित्य के लिए 26वीं राष्ट्रीय पुरस्कार प्रतियोगिता	9 अप्रैल, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	40
2.	कला शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	2 से 5 अप्रैल, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10

1991-92

1	2	3	4	5
3.	कला शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	—	—	13
4.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन	19 से 20 अप्रैल, 1991	त्रिवेन्द्रम	7
5.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन	26 से 30 अप्रैल, 1991	पुणे	6
6.	प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी में विद्यालयी शिक्षा के अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए सामग्री का विकास	6 से 10 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
7.	हिन्दी एल-3 हेतु कक्षा 8-9 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना	12 से 18 मई, 1991	गोवा	12
8.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू के शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करना।	13 से 18 मई, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	20
9.	हिन्दी एल-2 के लिए कक्षा 7 तथा 10 हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना।	17 से 24 जून, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	24
10.	हिन्दी एल-3 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना	29 जून से 5 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
11.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करना	4 से 9 जुलाई, 1991	उर्दू अकादमी	16
12.	संस्कृत में कविता-पाठ के नमूने हेतु अतिरिक्त पठन सामग्री तथा टेप तैयार करना	8 से 12 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13
13.	अरुण भारती पाठ्यपुस्तक का संशोधन तथा उसे अंतिम रूप देना (अभ्यास पुस्तिका भाग 1 व 2)	19 से 24 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
14.	हिन्दी एल-3 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना	17 जुलाई से 2 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	12
15.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करना	5 से 10 अगस्त, 1991	हैदराबाद	16
16.	सामाजिक विज्ञान में पाठ्यचर्या का अवस्थिति अध्ययन	26 से 30 अगस्त, 1991	क्षे.शि.म. भोपाल	23
17.	सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन	20 अगस्त 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	19
18.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए बाल भारती सीरीज भाग-4 हेतु अध्यापक संदर्शिका का विकास	26 से 30 अगस्त, 1991	टी.टी.आई., दरियागंज	16
19.	किशोर भारती भाग-2 के लिए अध्यापक संदर्शिका तैयार करना	10 से 17 अगस्त, 1991	लिटरेसी हाउस लखनऊ	11

1991-92

1	2	3	4	5
20.	हिन्दी एल-2 के लिए कक्षा 7, कक्षा 10 हेतु पाठ्यचर्या-सामग्री तैयार करना	26 सितंबर से 1 अक्टूबर, 1991	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	21
21.	हिन्दी एल-3 के शिक्षण हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना	17 से 23 अगस्त, 1991	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	12
22.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तक तैयार करना	5 से 9 सितंबर, 1991	राजकीय अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान, कालीकट	22
23.	अंग्रेजी एल-3 के लिए कक्षा 7 तथा 9 हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना	28 से 30 अगस्त, 1991	लखनऊ	8
24.	योग में अनुदेशी सामग्री का विकास	19 से 21 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
25.	कक्षा 12 के लिए लेखा-परीक्षा में पाठ्यपुस्तक का विकास	19 से 20 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	3
26.	कक्षा 12 के लिए फैक्टरी संगठन में पाठ्यपुस्तक का विकास	19 से 20 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	3
27.	'हमारी हिन्दी' भाग-3 पाठ्यपुस्तक के आधार पर ऑडियो कैसेटों के लिए आलेख तैयार करना	6 से 13 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
28.	माध्यमिक स्तर पर इतिहास के अध्यापकों हेतु पुस्तिका	23 से 24 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
29.	छोटे पाठकों के लिए भारत का सचित्र संविधान	23 से 27 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5
30.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए बाल भारती सीरीज के साथ की पूरक सामग्री तैयार करना	7 से 11 अक्टूबर, 1991	कला अकादमी	13
31.	कक्षा 9 तथा 11 के लिए हिन्दी पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन तथा पुनरीक्षण	23 से 30 सितंबर, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	13
32.	हिन्दी एल-2 के लिए कक्षा 7 तथा 10 हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना	7 से 11 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	13
33.	हिन्दी एल-3 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना	9 से 16 अक्टूबर, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	12
34.	कक्षा 5 से 8 तक के लिए संस्कृत की पाठ्यपुस्तकों/अध्यापक संदर्शिकाओं का संशोधन (कार्य समूह की बैठक)	30 सितंबर से 4 अक्टूर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
35.	विद्यालय पाठ्यचर्या में शारीरिक शिक्षा का अवस्थिति अध्ययन	24 से 26 सितंबर, 1991	नई दिल्ली	11
36.	योग (अध्यापक पुस्तिका) में अनुदेशी सामग्री का विकास	14 से 15 अक्टूबर, 1991	नई दिल्ली	2
37.	प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी में अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के प्रयोग हेतु सामग्री का विकास	12 से 18 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8

1991-92

1	*2*	*3*	*4*	*5*
38.	कक्षा 10 तथा 12 के लिए संस्कृत में अनुदेशी सामग्री का संशोधन/विकास	21 से 25 अक्टूबर, 1991	मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर	9
39.	कला समूह में नवोदय विद्यालय के कला अध्यापकों का अभिविन्यास	24 से 31 अक्टूबर, 1991	गन्टूर ट्रेनिंग सैन्टर	27
40.	प्रारंभिक स्तर के प्रमुख व्यक्तियों हेतु अभिविन्यास	14 से 21 नवंबर, 1991	पारीघाट, अरुणाचल प्रदेश	25
41.	सामाजिक विज्ञान में शब्दावली तथा संकल्पनाएं तैयार करना	18 से 20 नवंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
42.	राजस्थान राज्य के लिए हिन्दी तथा अंग्रेजी के प्रमुख व्यक्तियों हेतु अभिविन्यास पाठ्यक्रम	18 से 22 नवंबर, 1991	एस.आई.ई.आर.टी. उदयपुर	59
43.	कक्षा 11 के लिए फैक्टरी संगठन में पाठ्यपुस्तक का विकास	25, 26, 28 नवंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
44.	कक्षा 12 के लिए लेखा-परीक्षा में पाठ्यपुस्तक का विकास	25, 26 तथा 28 नववंर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
45.	माध्यमिक स्तर पर कक्षा 9 तथा 10 के लिए उर्दू पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन (मातृभाषा)	25 से 29 नवंबर, 1991	जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	(एन. एल. 4+20 लोकल)
46.	अंग्रेजी के अध्यापकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	2 से 7 दिसंबर, 1991	मणिपुर कृषि महाविद्यालय इम्फाल	13
47.	हिन्दी एल-3 के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करना	7 से 12 दिसंबर, 1991	भारतीय भाषा परिषद् कलकत्ता	10
48.	कक्षा 9 तथा 10 के लिए हिन्दी में अतिरिक्त पठन पुस्तकें तैयार करना	16 से 20 दिसंबर, 1991	पांडिचेरी विश्वविद्यालय	10
49.	कोर पाठ्यचर्या क्षेत्र में सामग्री का विकास	23 से 27 दिसंबर, 1991	जयपुर	12
50.	नवोदय विद्यालय कला अध्यापकों का अभिविन्यास	23 से 30 दिसंबर, 1991	गोवा	43
51.	किशोर भारती भाग-2 के लिए अध्यापक संदर्शिका तैयार करना	26 दिसंबर, 1991 से 22 जनवरी, 1992	आगरा	9+3
52.	प्राथमिक कक्षाओं के लिए बाल भारती सीरीज हिन्दी पाठ्यपुस्तक का व्यापक मूल्यांकन	6 से 10 जनवरी, 1991	डी.आई.ई.टी., राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली	28
53.	सामाजिक विज्ञान में पाठ्यचर्या का अवस्थिति अध्ययन	7 से 10 जनवरी, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	8
54.	माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान में सामाजिक विज्ञान की शब्दावली एवं संकल्पना के लिए शब्दों व संकल्पनाओं का पता लगाना।	28 से 31 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	51

1991-92

1	2	3	4	5
55.	+2 स्तर पर राजनीति विज्ञान में शब्दावली तथा संकल्पनाओं की समीक्षा तथा उसे अन्तिम रूप देना	10 से 14 फरवरी, 1992	—	16
56.	अर्थशास्त्र में शिक्षण एकक तैयार करना	20 से 24 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17
57.	बाल भारती सीरीज के साथ संलग्न की जाने वाली पूरक सामग्री तैयार करना	17 से 22 जनवरी, 1992	एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर	13
58.	प्रेमचन्द साहित्य से चुनी गई कहानी की पाँच पुस्तकों को अन्तिम रूप देना	28 जनवरी से 3 फरवरी, 1992	वाराणसी	13
59.	हिन्दी एल-2 के लिए कक्षा 8 तथा 10 हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना	28 जनवरी से 4 फरवरी, 1992	हरिद्वार	17
60.	हिन्दी एल-3 के लिए अनुदेशी सामग्री तैयार करना	1 से 7 फरवरी, 1992	पोरबंदर	12
61.	अरुण भारती सीरीज के साथ की पूरक सामग्री तैयार करना	27 से 31 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
62.	माध्यमिक स्तर पर कक्षा 9 तथा 10 के लिए उर्दू पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन (मातृ-भाषा)	13 से 17 जनवरी, 1992	दिल्ली विश्वविद्यालय	14
63.	विद्यार्थी संस्कृत शब्दकोश तैयार करना	3 से 7 फरवरी, 1992	पुरी	17
64.	नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 तथा 7 के लिए हिन्दी में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	17 से 24 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	17
65.	संस्कृत साहित्य से कहानी की पुस्तकें तैयार करना	13 से 17 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	10
66.	कक्षा 12 के लिए फैक्टरी संगठन में पाठ्यपुस्तक का विकास	27 से 30 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	6
67.	नवोदय विद्यालय की कक्षा 6 और 7 के लिए हिन्दी में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	14 से 21 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15
68.	कला अध्यापक शिविर का आयोजन	15 से 23 फरवरी, 1992	डी.आई.ई.टी., गोनेर, जयपुर	50
69.	अरुणाचल प्रदेश के प्राथमिक विद्यालय के हिन्दी अध्यापकों हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	18 से 24 फरवरी, 1992	एस.आई.ई. चंगलॉंग अरुणाचल प्रदेश	25
70.	फैक्टरी संगठन में पाठ्यपुस्तक का विकास	22 से 24 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
71.	संस्कृत में कविता पाठ के नमूने हेतु अतिरिक्त पठन सामग्री तैयार करना	18 से 24 फरवरी, 1992	मुजफ्फरपुर, बिहार	14
72.	विद्यालयों में संगोष्ठी पठन नवाचारों पर प्रतियोगिता	24 से 27 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	30
73.	संस्कृत साहित्य में शिक्षा	24 से 28 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	30

1991-92

1	2	3	4	5
74.	हिन्दी-2 के लिए कक्षा 8 तथा 10 हेतु अनुदेशी सामग्री तैयार करना	28 फरवरी से 6 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
75.	प्रारंभिक स्तर पर हिन्दी शिक्षण के लिए प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास पाठ्यक्रम	2 से 7 मार्च, 1992	एस.आई.ई, जम्मू	32
76.	अरुणाचल प्रदेश के लिए अंग्रेजी में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	4 से 6 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	16
77.	अरुण भारती सीरीज के साथ लगाई जाने वाली पूरक पठन सामग्री तैयार करना	6 से 11 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
78.	संस्कृत साहित्य से कहानी की पुस्तकें तैयार करना	9 से 13 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	9
79.	कक्षा 12 के लिए लेखा-परीक्षा में पाठ्यपुस्तकों का विकास	11 से 13 मार्च, 1992	इम्फाल विश्वविद्यालय, मणिपुर	7
80.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के हिन्दी अध्यापकों के लिए पुस्तिका तैयार करना।	11 से 16 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9
81.	राष्ट्रीय एकता की दृष्टि से पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन	12 से 16 मार्च, 1992	उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय दार्जिलिंग	15
82.	किशोर भारती भाग-2 हिन्दी पाठ्यपुस्तक का मूल्यांकन	18 से 25 मार्च, 1992	पुणे विश्वविद्यालय, पुणे	18
83.	कक्षा 6 तथा 7 के लिए गैर-हिन्दी भाषी राज्यों के नवोदय विद्यालयों के लिए हिन्दी में अनुदेशी सामग्री तैयार करना	20 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	19
84.	1986 के बाद डी.ई.एस एस.एच. द्वारा तैयार की गई सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन तथा समीक्षा	23 से 26 मार्च, 1992	हैदराबाद	18
85.	कक्षा 10-12 के लिए संस्कृत में अनुदेशी सामग्री की समीक्षा का विकास	23 से 27 मार्च, 1992	नई दिल्ली	17
86.	विद्यालयों में दूसरी और तीसरी भाषा के रूप में उर्दू शिक्षण के लिए पाठ्यपुस्तकें तैयार करना	23 से 27 मार्च, 1992	मद्रास	18
87.	सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान) में पाठ्यपुस्तकों का मूल्यांकन/समीक्षा	23 से 26 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12
88.	उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के लिए दर्शन-शास्त्र में पाठ्यचर्या का विकास	23 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
89.	विद्यार्थी हिन्दी साहित्य कोश तैयार-करना	26 मार्च से 9 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	14

1991-92

1	2	3	4	5
90.	हिन्दी एल-2 के लिए कक्षा 7 तथा 10 की अनुदेशी सामग्री तैयार करना	27 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	गोवा विश्वविद्यालय	21
91.	विद्यालय पाठ्यचर्या (सर्वेक्षण) में कला शिक्षा के कार्यान्वयन का अवस्थिति अध्ययन	28 से 30 मार्च, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	14
92.	कक्षा-3 के लिए (हंसी-हंसी में सीखें) पाठ्यपुस्तक को अंतिम रूप देना	31 मार्च से 2 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
93.	उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए शारीरिक शिक्षा के पाठ्यविवरणों का विकास	31 मार्च से 2 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
94.	कक्षा 10-11 के लिए संस्कृत में अनुदेशी सामग्री की समीक्षा/विकास	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	नई दिल्ली	10
95.	उच्च प्राथमिक तथा माध्यमिक अध्यापकों के लिए कला शिक्षा पर अनुलेख तैयार करना	31 मार्च से 5 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	12

तालिका 5.2.2

1991-92 के दौरान राष्ट्रीय जनसंख्या शिक्षा परियोजना के अंतर्गत डी.ई.एस.एस.एच. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1.	आठवीं पंचवर्षीय योजना के लिए राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के प्रस्तावों के विकास हेतु उच्च स्तरीय बैठक	8 से 13 अप्रैल, 1991	भोपाल	33
2.	पी.ओ.पी.ई.डी. में प्रशिक्षण कार्यनीति का लागत प्रभाव अध्ययन के साधनों की समीक्षा तथा विकास	3 से 5 जून, 1991	दिल्ली	8
3.	जनसंख्या शिक्षा में अनुसंधान योग्य क्षेत्रों का पता लगाना	16 जून, 1991	दिल्ली	10
4.	जनसंख्या शिक्षा में अन्तर्राज्यीय अध्ययन का दौरा	5 से 10 अगस्त, 1991	भुवनेश्वर	10
5.	जनसंख्या शिक्षा में नियुक्त परियोजना कार्मिकों के लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम	5 से 14 अगस्त, 1991	दिल्ली	18

1	2	3	4	5
6.	माध्यमिक अध्यापक शिक्षा स्तर पर विशेषज्ञों की कार्यकारी समूह की बैठक के लिए जनसंख्या में अनुदेशी सामग्री का विकास	21 से 23 अगस्त, 1991	दिल्ली	7
7.	जनसंख्या शिक्षा में अन्तर्राज्यीय अध्ययन का दौरा	16 से 21 सितंबर, 1991	पुणे	6
8.	जनसंख्या शिक्षा में परियोजना प्रगति समीक्षा की उच्चस्तरीय बैठक	18 से 23 नवंबर, 1991	इलाहाबाद	27
9.	जनसंख्या शिक्षा में उच्च स्तर की परियोजना प्रगति समीक्षा बैठक	26 से 30 नवंबर, 1991	दिल्ली	36
10.	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के लिए जनसंख्या शिक्षा पर कार्यकारी समूह की बैठक	17 से 19 दिसंबर, 1991	दिल्ली	12
11.	राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय के लिए विभिन्न विषयों में जनसंख्या शिक्षा पर नमूनों का विकास	3 से 4 फरवरी, 1992	दिल्ली	10
12.	जनसंख्या शिक्षा से संबंधित सामग्री की समीक्षा तथा विकास हेतु कार्यशाला	24 से 26 फरवरी, 1992	दिल्ली	20
अन्तर्राष्ट्रीय अभिकरणों के लिए चलाए गए कार्यक्रम				
1.	इथियोपिया से श्री अबीबी का दो सप्ताह का दौरा अध्ययन	6 से 17 मई, 1991	दिल्ली	1
2.	दक्षिण एशियाई देशों के प्रतिनिधियों के लिए जनसंख्या शिक्षा तकनीकी विनिमय कार्यक्रम	25 अगस्त से 5 सितंबर, 1991	दिल्ली	5
3.	भूटान के पाठ्यचर्या लेखकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	16 से 26 सितंबर, 1991	दिल्ली	10
4.	चीन गणराज्य से आठ शिक्षाविदों का अध्ययन दौरा (यूनेस्को कार्यक्रम)	15 से 21 दिसंबर, 1991	दिल्ली	8
5.	एशिया के देशों से जनसंख्या शिक्षा में प्रमाण-पत्र कोर्स हेतु अध्ययन दौरा	10 मार्च, 1991	दिल्ली	20

5.3 परीक्षा सुधार

5.3.1 रा.शै.अ.प्र.प. मापन, मूल्यांकन और प्रतिभा खोज संबंधी अनेक कार्यकलाप करती है। 1991-92 में राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान के मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) के कुछ मुख्य कार्यकलाप ये थे— शैक्षिक मूल्यांकन के लिए नवाचार कार्यनीतियों का विकास, शिक्षा के विद्यालयी स्तर पर परीक्षा में सुधार के लिए अनुसंधान और विकास कार्य, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा का आयोजन, जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु विद्यार्थियों का चयन। विभाग अपने विभिन्न कार्यकलाप राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों, शिक्षा विभागों/निदेशालयों के सहयोग से चला रहा है।

5.3.2 मूल्यांकन शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया का अनिवार्य भाग है। मूल्यांकन का मूलभूत उद्देश्य शिक्षा में गुणात्मक

1991-92

सुधार लाना है। अतः बच्चों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास के लिए मूल्यांकन एक सुदृढ़ तन्त्र है। इसके लिए यह आवश्यक है कि मूल्यांकन को निरन्तर और व्यापक बनाया जाए। उपरोक्त ढाँचे को ध्यान में रखते हुए डी.एम.ई.एस.डी.पी. ने आलोच्य वर्ष में परीक्षा सुधार और मूल्यांकन पद्धतियों के उन्नयन संबंधी विभिन्न कार्यकलाप किए। 1991-92 के दौरान विभाग द्वारा किए गए मुख्य कार्यकलाप निम्न प्रकार हैं :

1. विद्यालय स्तर पर पाठ्यचर्या क्षेत्रों से संबंधित शिक्षण परिणामों के मूल्यांकन के लिए विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान में यूनिट-परीक्षण का विकास।
2. +2 स्तर के प्रथम वर्ष में कम्प्यूटर विज्ञान में वस्तुपरक आधारित परीक्षण मदों का विकास।
3. बच्चों की कमजोरियों का पता लगाने तथा सीखने में सुधार लाने हेतु कक्षा 1 और 3 के लिए अंकगणित और हिन्दी में नैदानिक परीक्षण तैयार किए गए।
4. बोलचाल की अंग्रेजी सिखाने में अध्यापकों की सहायता करने के लिए उच्च प्राथमिक स्तर पर अंगेजी में मौखिक अभ्यासों का विकास किया गया। विभिन्न विद्यालयों में इन अभ्यासों का प्रयोग किया गया; अध्यापकों द्वारा अंग्रेजी के व्यापक प्रयोग हेतु इसे मुद्रित किया जाएगा।
5. "विद्यालयों में निरन्तर व्यापक मूल्यांकन", पर संस्तुतियों का एक सेट एस.सी.ई.आर.टी., राज्य शिक्षा विभागों, माध्यमिक शिक्षा बोर्डों तथा देश में विभिन्न अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालयों को भेजा गया। परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति पर एक पैकेज परीक्षाओं से संबंधित विभिन्न अभिकरणों को भी परिचालित किया गया।
6. विभाग ने प्रत्येक वर्ष आस्ट्रेलिया में आयोजित सरल अंग्रेजी बोलने की प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक अभ्यर्थी का चयन करने हेतु एक चयन परीक्षा आयोजित की। चयन उन विद्यार्थियों में से किया गया जो देश में विभिन्न माध्यमिक शिक्षा बोर्डों द्वारा प्रतिनियुक्त किए गए थे।
7. रा.शै.अ.प्र.प. परिसर नई दिल्ली में 3 से 27 फरवरी, 1992 तक मॉरीशस परीक्षा अभिषद् (एम.ई.एस) मॉरीशस ने 5 अनुसंधान और विकास अधिकारियों के लिए एक चार सप्ताह का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में जो निदेशक, एम.ई.एस. मारीशस तथा अधिकारियों से प्राप्त अनुरोधों पर आयोजित किया गया था अधिकारियों को शैक्षिक परीक्षण, मूल्यांकन तथा अनुसंधान प्रविधि के क्षेत्र में पूर्णरूप से अभिविन्यस्त किया गया।

5.3.3 कार्यशालाएँ/बैठकें

1991-92 के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. ने विद्यालयों में परीक्षा सुधार और मूल्यांकन अभ्यासों के विकास पर निर्दिष्ट विकासात्मक कार्यकलापों के एक भाग के रूप में कुछ कार्यशालाएँ/ बैठकें/ अभिविन्यास प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किए।

परीक्षा में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धति पर प्रमुख व्यक्तियों के लिए 22 से 29 अक्टूबर, 1991 तक एक आठ दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान इस विषय पर परीक्षा के विभिन्न पहलुओं को शामिल कर 10 अध्यायों का एक पैकेज परिचालित किया गया। माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डो, एस.सी.ई.आर.टी. आन्ध्र प्रदेश, असम, मणिपुर, हरियाणा, जम्मू तथा कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, उड़ीसा, कर्नाटक, मेघालय महाराष्ट्र, तमिलनाडु, दिल्ली, एंड चंडीगढ़ के प्रशिक्षण महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों/शिक्षा विभागों से 25 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। इस अवसर पर अन्य बातों के अलावा परीक्षा को इसकी संपूर्णता में लेने की आवश्यकता पर बल दिया गया। अक्टूबर, 1991 में डी.एम.ई.एस.डी.पी. द्वारा "इतिहास में वस्तुपरक आधारित परीक्षा से संबंधित मुद्दो" पर दिल्ली में एक सप्ताह का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य अध्यापक प्रशिक्षकों को गहन प्रशिक्षण देना था, जिससे वे सेवा-पूर्व अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में छात्र अध्यापक प्रशिक्षकों को मूल्यांकन और इससे संबंधित समस्याओं का निवारण कर सकें।

2 से 4 दिसंबर, 1991 तक तीन दिवसीय बैठक में सभी विद्यालयों में निरन्तर व्यापक मूल्यांकन (सी.सी.ई.) को

शीघ्र आरम्भ करने की आवश्यकता पर बल दिया गया। इससे शिक्षण अधिगम कार्यनीतियों में सुधार हेतु शिक्षुओं के संपूर्ण व्यक्तित्व और उनकी उपलब्धि का मूल्यांकन करने में सहायता मिलती है। इसकी संस्तुति राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.पी.ई.) 1986 में निहित उद्देश्यों के अनुरूप है। बैठक में बताया गया कि निरन्तर व्यापक शिक्षा में केवल शैक्षिक उपलब्धि ही शामिल नहीं है बल्कि कार्यानुभव, शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा तथा कला शिक्षा भी है। मूल्यांकन पूरे वर्ष में आवधिक रूप से किया जाना चाहिए। अंकों के बारे में यह संस्तुति की गई कि बन्द-पुस्तिका लिखित परीक्षा के लिए 50% अंक होंगे तथा खुली-पुस्तक परीक्षा 20% अंकों की होगी तथा 20% अंक परियोजना/सौंपे गए कार्य के लिए निर्धारित किए जाने चाहिए। इस पर भी बल दिया गया कि 10% अंक मौखिक परीक्षा के लिए होंगे।

डी.एम.ई.एस.डी.पी. ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मणिपुर तथा मध्य-प्रदेश शिक्षा बोर्ड को अपने कार्मिकों को प्रश्न पत्र बनाने में प्रशिक्षण कार्यक्रम को चलाने में तकनीकी सहायता प्रदान की।

5.3.4 *अनुसंधान कार्यकलाप*

डी.एम.ई.एस.डी.पी. की अनुसंधान परियोजना "देश के विभिन्न राज्यों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि" पर भी कार्य हो रहा है। इस अनुसंधान अध्ययन का उद्देश्य निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तरों का पता लगाना है :

- क्या छात्र संतोषजनक स्तर तक सीखते हैं और कक्षा 4 के अंत तक प्रथम भाषा एवं गणित में उनसे क्या सीखने की अपेक्षा की जाती है ?
- क्या सभी-राज्यों में सीखने के स्तर में एकरूपता है ?
- विद्यालय, घर एवं छात्रों से संबंधित वे कौन से परिवर्तन हैं जो उनके सीखने पर प्रभाव डालते हैं ?

अध्ययन में 22 राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्र दिल्ली को लिया गया। अध्ययन की रिपोर्ट संभवतः जुलाई, 1992 तक तैयार होगी।

5.3.5 *प्रकाशन*

1991-92 के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. ने परीक्षा सुधार से संबंधित कार्यों से जुड़े कार्मिकों के प्रयोगार्थ निम्नलिखित प्रकाशन प्रकाशित किए :

1. एनालाइजिंग ऑफ बॉयोलॉजी क्वेश्चन पेपर
2. ऑबजैक्टिव बेस्ड क्वेश्चन इन साइंस फॉर क्लास-6
3. ओपन बुक एवैल्युएशन इन साइंस
4. यूनिट टैस्ट इन साइंस (बॉयोलॉजी) फॉर क्लास-8
5. इन्स्ट्रक्शनल ऑबजैक्टिव्स इन बायोलॉजी
6. पैकेज ऑन आल्टरनेटिव एवैल्युएशन प्रोसिजर्स इन एक्जामिनेशन
7. डेवलपमैन्ट ऑफ ऑबजैक्टिव बेस्ड क्वेश्चन टेस्टिंग डिफरेन्ट स्पेसिफिकेशन्स इन फिजिक्स
8. कम्यूनिकेटिव टैस्ट फॉर रीडिंग ऐंड राइटिंग इन इंग्लिश
9. यूनिट टैस्ट्स इन पोलिटिकल साइंस फॉर क्लास-11

1991-92 के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों आदि का विवरण तालिका 5.3 में दिया गया है।

1991-92

तालिका 5.3

1991-92 के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
परीक्षा सुधार				
	विकास कार्यक्रम			
1.	विज्ञान में माध्यमिक कक्षाओं के लिए मूल्यांकन पैकेज के नमूना परीक्षणों का विकास	19 से 23 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	21
2.	प्राथमिक स्तर पर निदान परीक्षणों तथा पद्धतियों का विकास	19 से 23 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	11
3.	कक्षा 8 के लिए मौखिक अभ्यासों का विकास	27 से 28 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5
4.	कक्षा-6, 7, 8 के लिए विज्ञान में मानक संदर्भित परीक्षण	7 से 11 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
5.	कक्षा-12 के लिए राजनीति-विज्ञान में यूनिट-परीक्षणों का विकास	21 से 25 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	7
6.	कक्षा-12 के लिए भौतिकी में यूनिट परीक्षणों का विकास	9 से 12 दिसंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	13
7.	कक्षा-10-12 की लोक परीक्षाओं के सामाजिक विज्ञान के प्रश्न पत्रों का अवस्थिति अध्ययन	20 से 24 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	21
8.	मौखिक अभ्यासों का विकास (परीक्षणों के अनुभवों का समेकन)	27 से 29 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	5
9.	विषयों और कक्षाओं के संदर्भ में विभिन्न राज्यों/संघशासित क्षेत्रों के विद्यालयों के पाठ्यक्रम का विश्लेषण	3 से 6 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	19
10.	कक्षा-8 के लिए मौखिक अभ्यासों के विकास हेतु जाँच कार्यशाला	9 से 13 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
11.	कक्षा 10-12 की लोक परीक्षाओं के विज्ञान से संबंधित प्रश्न पत्रों का अवस्थिति अध्ययन	9 से 13 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	19
12.	प्राथमिक स्तर पर नैदानिक परीक्षणों तथा कार्यविधियों के विकास हेतु जाँच कार्यशाला	23 से 27 मार्च, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
13.	+2 स्तर पर कम्प्यूटर विज्ञान के प्रथम वर्ष के लिए वस्तु परक परीक्षण मदों का विकास	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	15

1	2	3	4	5
14.	कक्षा-7 के लिए विज्ञान में मानक संदर्भित परीक्षणों पर जाँच कार्यशाला	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
15.	कक्षा-12 के लिए राजनीति-विज्ञान में यूनिट-परीक्षणों के विकास पर जाँच कार्यशाला	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	21
परीक्षा सुधार		***प्रशिक्षण और विस्तार कार्यक्रम***		
1.	कक्षा-12 के विद्यार्थियों में से सरल अंग्रेजी बोलने पर पुरस्कार के लिए चयन हेतु चयन परीक्षा-उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए आस्ट्रेलिया में आयोजित एक वार्षिक प्रतियोगिता	30 जुलाई से 1 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	7
2.	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मणिपुर के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला	18 से 25 सितंबर, 1991	इम्फाल, मणिपुर	45
3.	इतिहास में वस्तु परक परीक्षण से संबंधित मुद्दे	3 से 9 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	14
4.	परीक्षाओं में वैकल्पिक मूल्यांकन पद्धतियों पर प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास	22 से 29 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	25
5.	विद्यालयों में व्यापक मूल्यांकन पर बोर्ड अधिकारियों का अभिविन्यास	2 से 4 दिसंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	21
6.	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, मध्य-प्रदेश के लिए शैक्षिक मूल्यांकन में प्रशिक्षण हेतु कार्यशाला	15 से 21 जनवरी, 1992	जबलपुर मध्य-प्रदेश	48
7.	मॉरीशस अधिकारियों के लिए शैक्षिक परीक्षण तथा मूल्यांकन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3 से 27 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5

5.4 शिक्षा का व्यावसायीकरण

5.4.1 विद्यालय शिक्षा के सभी स्तरों पर कार्य शिक्षा में सुधार करना रा.शै.अ.प्र.प. का एक मुख्य कार्य रहा है। शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) का एक महत्वपूर्ण कार्य उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबद्ध कार्यक्रमों का विकास और कार्यान्वियन करना है। डी.वी.ई. सामान्य शिक्षा के एक अभिन्न अंग के रूप में कार्यानुभव के माध्यम से देश की कार्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने में भी लगा हुआ है।

5.4.2 उच्चतर माध्यमिक स्तर पर शिक्षा का व्यावसायीकरण

विभाग ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वियन को सरल बनाने के लिए अनेक कार्यक्रम किए। इन कार्यक्रमों को शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित क्षेत्रों में कार्य कर रहे व्यावसायिक, निजी, स्वैच्छिक और विशिष्ट संस्थानों सहित विभिन्न अभिकरणों के सहयोग से चलाया गया। वर्ष के दौरान विभाग द्वारा किए गए कुछ मुख्य कार्यकलाप इस प्रकार हैं : पाठ्यचर्या, बहु-माध्यम पैकेज सहित अनुदेशी

सामग्री, मार्गदर्शी सिद्धान्त का विकास, व्यावसायिक अध्यापक प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण, +2 स्तर पर व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सेवारत समन्वयकों और कार्मिकों का प्रशिक्षण, व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की प्रबन्ध सूचना प्रणाली में राज्य कार्मिकों को प्रशिक्षण, राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के सहयोग से शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधित विस्तार और प्रचार-प्रसार के कार्यकलापों का आयोजन करना, केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन संबंधी अध्ययन, शिक्षा के व्यावसायीकरण पर सूचना एकत्र करने के लिए राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन करना और उच्चतर माध्यमिक स्तर के व्यावसायीकरण कार्यक्रम का निर्माण और कार्यान्वयन करना।

5.4.3 पाठ्यचर्या, अनुदेशी सामग्री और प्रचार सामग्री का विकास

डी.वी.ई. ने वस्त्र डिजाइन, इलैक्ट्रोनिक्स, पर्यावरण शिक्षा, वैद्युत मोटर, अन्तर्देशीय मछली-पालन, कथक, हिन्दी आशुलिपि और मोटर मरम्मत तथा अनुरक्षण, भारतीय संगीत स्वागती, वाणिज्य कला और प्लास्टिक एवं पॉलीमर प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में पाठ्यचर्या आधारित सक्षमता के विकास के लिए कई कार्यशालाएँ आयोजित की।

विभाग ने 32 पाठ्यक्रमों के लिए लोकप्रियता फोल्डर भी तैयार किए। शिक्षा व्यावसायीकरण के 10 क्षेत्रों में पाठ्यचर्या के संशोधन और पुनर्गठन हेतु भी उपाय किए गए। अनुदेशी सामग्री के विकास हेतु 1991-92 के दौरान की गई कार्यशालाओं का विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

5.4.4 प्रमुख व्यक्तियों का अभिविन्यास

विभाग ने राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के प्रमुख व्यक्तियों के लिए उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण पर विभिन्न अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों (राज्य क्षेत्रीय स्तर के अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/शिक्षा अधिकारियों) को शिक्षा के व्यावसायीकरण से संबंधी जानकारी देना था। संक्षिप्त निम्नलिखित अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- शिक्षा के व्यावसायीकरण के तीन सामान्य अभिविन्यास कार्यक्रम-दो पटना तथा एक त्रिवेंद्रम में
- लखनऊ तथा पुणे में व्यावसायिक अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने वाले समन्वयकों के लिए दो अभिविन्यास कार्यक्रम
- चार चरणों में से प्रथम चरण में अठारह अधिकारियों के लिए रा.शि.सं. परिसर, नई दिल्ली में राज्य स्तर के कार्यकर्ताओं के लिए शिक्षा के व्यावसायीकरण में एक अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम के शेष तीनों चरण 48 अधिकारियों के लिए उच्चतर माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की प्रबन्ध सूचना प्रणाली के बारे में चलाए गए। डी.वी.ई. द्वारा आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रमों का विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

5.4.5 बैठकें तथा संगोष्ठियाँ

परिषद् ने इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के उप-कुलपति प्रोफेसर वी.सी. कुलन्दास्वामी की अध्यक्षता में शिक्षा के व्यावसायीकरण पर 15 प्रमुख शिक्षाविदों का एक पैनल बनाया।

1991-92 के दौरान डी.वी.ई. ने शिक्षा के व्यावसायीकरण के लिए कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु कार्यनीतियाँ बनाने के लिए पैनल की बैठकों का आयोजन किया। विभाग ने राज्यों तथा संघ शासित क्षेत्रों से 45 अधिकारियों की प्रतिभागिता सहित शिक्षा के व्यावसायीकरण पर एक राष्ट्रीय पुनरीक्षण संगोष्ठी भी आयोजित की। डी.वी.ई. का एक महत्वपूर्ण कार्यकलाप राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 पर समीक्षा बैठक की रिपोर्ट का विश्लेषण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 1986 की सी.ए.बी.ई. समिति को योगदान देना था। 1991-92 के दौरान डी.वी.ई. द्वारा आयोजित बैठकों और संगोष्ठियों आदि का विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

5.4.6 कार्यानुभव शिक्षा

विभाग ने 21 से 29 मई, 1991 तक क्षे.शि.म. मैसूर में शिक्षा और उत्पादक कार्य के बीच उन्नत संबंध पर मूल्यांकन समीक्षा पर एक यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की।

जिसमें 25 राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने मूल्यों को आत्मसात करने एवं चरित्र निर्माण तथा समाज सेवा के लिए विद्यालय स्तर पर कार्यानुभव कार्यक्रम की संरचना तैयार करने के लिए 15 विशेषज्ञों का एक पैनल बनाया। डी.वी.ई. ने कार्यानुभव पर पैनल बनाया तथा इस पर एक बैठक आयोजित की।

डी.वी.ई. ने प्रमुख व्यक्तियों के लिए कार्यानुभव पर तीन अभिविन्यास कार्यक्रम, दो कुमारबाग (बिहार) तथा एक रेहड़ा (पश्चिम बंगाल) में आयोजित किए जिनमें 160 अध्यापकों/विशेषज्ञों/अधिकारियों ने भाग लिया।

विभान ने एस.आर.आई. राँची, में स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से विद्यालयों में कार्यरत अध्यापकों के लिए कार्यानुभव पर एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किया जिसमें 36 अध्यापकों/क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यानुभव पर मित्रा निकेतन, वेलेनाड त्रिवेन्द्रम में एक राष्ट्रीय पुनरीक्षण संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों/स्वैच्छिक संगठनों के 26 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रमों का विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

5.4.7 परामर्श सेवाएँ

शिक्षा के व्यावसायीकरण पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) तथा केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन के लिए रा.शै.अ.प्र.प. शिक्षा के व्यावसायीकरण में लगे हुए अभिकरणों को व्यावसायिक शिक्षा के बारे में सूचना के प्रचार-प्रसार के लिए नोडल अभिकरण के रूप में कार्य करती है। डी.वी.ई. के संकायों ने विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय बैठकों/संगोष्ठियों, अध्ययन दौरों और शिक्षा के व्यावसायीकरण की योजना को बढ़ावा देने के लिए परामर्श-सेवाएँ देने में सक्रिय भूमिका निभाई।

देश में शिक्षा के व्यावसायीकरण और कार्यानुभव को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रमों में विभाग की विशेषज्ञता का उपयोग केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सी.बी.एस.ई.) राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (एन.ओ.एस.), केन्द्रीय विद्यालयों, नवोदय विद्यालयों, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी.), इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, स्वैच्छिक संगठनों आदि द्वारा अक्सर किया जाता है।

डी.वी.ई. ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता के लिए राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों तथा स्वैच्छिक संगठनों द्वारा प्रस्तुत सुझावों के मूल्यांकन में मा.सं.वि.मं. को सहायता दी तथा सहायक अनुदान समिति की बैठक में भाग लिया। विभाग ने राज्यों में व्यावसायिक शिक्षा कार्यक्रमों की योजना के लिए व्यावसायिक शिक्षा निदेशक, कर्नाटक, आयुक्त, सार्वजनिक शिक्षा, कर्नाटक, व्यावसायिक शिक्षा निदेशक, केरल, तथा मा.सं.वि. मं. बिहार के साथ सलाह मशविरा किया। विभाग ने रेलवे व्यावसायिक पाठ्यक्रम पर पाठ्यपुस्तकों के विकास में रेल मंत्रालय और के.मा.शि.बोर्ड को भी सहायता प्रदान की।

5.4.8 मूल्यांकन अध्ययन

डी.वी.ई. कार्यक्रम के प्रारंभ से ही राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा आरंभ किए जा रहे शिक्षा व्यावसायीकरण कार्यक्रमों की संख्या और त्रुटियों का पता लगाने के लिए तत्काल-अध्ययन का कार्य कर रहा है। इस कार्यकलाप के क्रम में विभाग ने माध्यमिक शिक्षा के व्यावसायीकरण की केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना के कार्यान्वयन का केरल में 30 सितंबर, से 16 अक्टूबर, 1991 तक और आंध्र-प्रदेश में 18 से 30 नवंबर, 1991 तक तत्काल-गहन अध्ययन किया।

1991-92 के दौरान विभाग ने कर्नाटक राज्य के लिए तत्काल गहन अध्ययन की एक रिपोर्ट प्रकाशित की। इस रिपोर्ट को संबंधित सरकारों, योजना आयोग और मा.सं.वि.मं. के विभागों को उनके अवलोकन तथा शिक्षा व्यावसायीकरण कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए उचित उपाय करने हेतु भेजा गया।

1991-92 के दौरान. डी.वी.ई. के संकाय सदस्यों ने अनेक सरकारी शिक्षा विभागों, परीक्षा बोर्डों तथा शैक्षिक संस्थानों द्वारा विभिन्न स्थानों पर आयोजित बैठकों में भाग लिया।

5.4.9 प्रकाशन

प्रकाशित

1. कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन इन्सट्रयूमेन्टल म्यूजिक (तबला)

2. कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन वेटरीनरी फार्मेसिस्ट-कम आर्टिफिसियल इनसेमीनेशन असिस्टैन्ट
3. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन एग्रो बेस्ड इन्डस्ट्रीज (एनीमल बेस्ड)
4. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन एग्रो बेस्ड फूड इन्डस्ट्रीज (एनीमल बेस्ड)
5. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन फिशरी टैक्नोलॉजी
6. कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन रूरल कन्सट्रक्शन टैक्नोलॉजी
7. कॉम्पीटेन्सी बेसूड करीकुलम ऑन रिपेयर एंड मैन्टेनेन्स ऑफ पावर (ड्राइवेन फार्म मशीनरी)
8. ऑन द स्पॉट स्टडी ऑफ द इम्पलीमेन्टेशन ऑफ वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन प्रोग्राम इन द स्टेट ऑफ केरल
9. ए टेक्स्ट बुक ऑन मार्केटिंग एंड सेल्समैनशिप (वाल्यूम-2) एलीमेन्ट्स ऑफ सेल्समैनशिप
10. ऑन द स्पाट स्टडी ऑफ द इम्पलीमेन्टेशन ऑफ बोकेशलन एजुकेशन प्रोग्राम इन, द स्टेट ऐट कर्नाटक
11. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन मैन्टेनेन्स ऐंड रिपेयर ऑफ इलैक्ट्रिकल डोमेस्टिक एप्लाएंसेज
12. रिपोर्ट ऑफ द ऑरियेन्टेशन वर्कशाप ऑन वोकेशनलाइजेशन ऑफ एजुकेशन (मैसूर)
13. कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन रिसैप्सिनिस्ट
14. ए टेक्स्ट बुक आन मार्केटिंग एंड सेल्समैनशिप (वाल्यूम-1) एलीमेंट्स ऑफ सेल्समैनशिप
15. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन रिपेयर, मैन्टेनेन्स एंड रिवाइन्डिंग ऑफ इलैक्ट्रिकल मोटर
16. वोकेशनल कॉम्पीटेन्सी बेस्ड करीकुलम ऑन लाइनमैन
17. लर्निंग बाई डुइंग-द रिपोर्ट ऑफ द नेशनल रिव्यू सेमिनार ऑन वर्क एक्सपीरियन्स

5.4.10 *प्रकाशन के लिए प्रस्तुत पाण्डुलिपियाँ*

1. मैनुअल ऑन प्रैक्टिकल इलैक्ट्रोनिक्स
2. एलीमेन्ट्स ऑफ इलैक्ट्रिकल टैक्नोलॉजी (फोर रिपेयर मैन्टेनेन्स एंड रिवाईडिंग ऑफ इलैक्ट्रिकल मोटर कक्षा-11)

1991-1992 के दौरान डी.वी.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, बैठकों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संगोष्ठियों आदि का विवरण तालिका 5.4 में दिया गया है।

तालिका 5.4

1991-92 के दौरान डी.वी.ई. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/ सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
विकासात्मक कार्यक्रम				
1.	वैद्युत व्यावसायिक पाठ्यक्रम में स्व-अधिगम के लिए बहु-माध्यम पैकेजों का विकास (चरण-1)	7 से 11 अक्टूबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	4
2.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम-वस्त्र डिजाइन में स्व-अधिगम के लिए बहु-माध्यम पैकेजों का विकास (चरण-1)	4 से 6 जून, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	3
3.	भारतीय संगीत पर +2 स्तर के लिए पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं की रूपरेखा	13 से 17 अप्रैल, 1991	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	9

1	2	3	4	5
4.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम-स्वागती के लिए पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं की रूपरेखा	11 से 15 जुलाई, 1991	एम.ई.एस. उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वास्कोडिगामा, गोवा	12
5.	व्यावसायिक स्टीम-प्लास्टिक और पॉलीमर प्रौद्योगिकी के लिए पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं की रूपरेखा	28 से 30 जनवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	8
6.	व्यावसायिक पाठ्यचर्या-वाणिज्य कला के लिए पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं की रूपरेखा	16 से 20 सितंबर, 1991	लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ (उ.प्र.)	9
7.	तकनीकी क्षेत्र में व्यावसायिक पाठ्यचर्या आधारित क्षमता में संशोधन और पुनर्गठन	11 से 16 जुलाई, 1991	पांडिचेरी इंजीनियरिंग महाविद्यालय, पांडिचेरी	18
8.	व्यावसायिक पाठ्यचर्या आधारित वाणिज्य का संशोधन एवं पुनर्गठन (चरण-1)	7 से 11 जनवरी, 1992	क्षे.शि.म., मैसूर	12
9.	व्यावसायिक पाठ्यचर्या आधारित वाणिज्य का संशोधन एवं पुनर्गठन (चरण-2)	3 से 7 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	15
10.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम पर लोकप्रिय पुस्तकों के विकास हेतु कार्यशाला	24 से 28 अक्टूबर, 1991	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड एलटेबोटिन, गोवा	23
11.	हिन्दी आशुलिपि में नमूना प्रश्न पत्र बनाने के लिए कार्यशाला	18से 24 फरवरी, 1991	शांति कुंज, हरिद्वारा	11
12.	अंतः स्थलीय मत्स्य-क्षेत्र पर संदर्भ पुस्तिका के विकास हेतु कार्यशाला	22 से 27 जनवरी 1992	सी.आई.एफ.ई., बंबई	12
13.	कृषि क्षेत्र में व्यावसायिक पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं का संशोधन एवं पुनर्गठन	26 फरवरी से 2 मार्च, 1991	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, गोवा	31
14.	कक्षा-12 के लिए विद्युत मोटरों की मरम्मत रख-रखाव तथा रिवाइंडिंग के लिए अनुदेशी एवं प्रयोगात्मक मैनुअलों का विकास (दो चरणों में)	18 से 24 सितंबर, 1991	आई.टी.आई., औंध, पुणे	18
15.	व्यावसायिक छात्रों के लिए इलैक्ट्रॉनिक्स में अनुदेशी सामग्री का विकास (ग्रेड-12 दो चरणों में)	1 से 5 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	5
16.	व्यावसायिक पाठ्यक्रमों, इलैक्ट्रॉनिक्स में स्व अधिगम के लिए बहु-माध्यम पैकेजों का विकास (चरण-2)	3 से 7 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	4
17.	सामान्य मूल आधार पाठ्यक्रम के लिए पर्यावरण शिक्षा और ग्रामीण विकास हेतु पाठ्यपुस्तक (चरण-2)	31 मार्च से 5 अप्रैल, 1992	एस.आर.आई., बरियातू, रांची (बिहार)	14
18.	मोटर मरम्मत पर नमूना प्रश्न पत्र	25 से 28 फरवरी, 1992	बैंगलूर	10

1991-92

1	2	3	4	5
19.	कक्षा-11 के लिए कथक नृत्य के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यपुस्तक का विकास (चरण-2)	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	
20.	कक्षा-11 के लिए कथक नृत्य के व्यावसायिक पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यपुस्तक का विकास (चरण-1)	17 से 19 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	
21.	सामान्य मूल आधार पाठ्यक्रम के लिए पर्यावरण शिक्षा और ग्रामीण विकास हेतु पाठ्यपुस्तक (चरण-1)	24 सितंबर, 1991	एस.आर.आई., बरियातू रांची (बिहार)	7
22.	भारतीय गायन पर +2 स्तर के लिए पाठ्यचर्या आधारित क्षमताओं की रूपरेखा (चरण-2)	4 से 6 सितंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
23.	व्यावसायिक पाठ्यक्रमः वस्त्र डिजाइन में स्व-अधिगम के लिए बहु-माध्यम पैकेजों का विकास (चरण-2)	12 से 14 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	7
विस्तार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम				
24.	व्यावसायिक शिक्षा में राज्यों के प्रमुख कार्यकताओं का अल्प अवधि का प्रशिक्षण (चार चरणों में)	2 से 3 दिसंबर, 5 से 6 दिसंबर, 13 से 14 दिसंबर, 17 से 27 दिसंबर,	रा.शै.अ.प्र.प. रा.शै.अ.प्र.प. रा.शै.अ.प्र.प. रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	18 20 10 18
25	राज्यों के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित कर व्यावसायिक अध्यापकों के लिए आयोजित सेवा कालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम हेतु समन्वयकों का अभिविन्यास	17 से 20 सितंबर, 1991	महाराजा अग्रसेन इन्टर कालिज, लखनऊ (उ.प्र.)	54
26.	राज्यों द्वारा नामित व्यावसायिक अध्यापकों के लिए आयोजित सेवा-कालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने हेतु समन्वयकों का अभिविन्यास	28 से 31 जनवरी, 1992	आई.टी.आई., औंध, पुणे	45
27.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	26 से 27 सितंबर, 1991	ए.एन.सिन्हा संस्थान, पटना, बिहार	46
28.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य अधिकारियों/प्रधानाचार्यों/शिक्षा अधिकारियों और अन्य के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	12 से 15 फरवरी, 1992	त्रिवेन्द्रम, केरल	25
29.	शिक्षा व्यावसायीकरण में राज्य कर्मचारियों/प्रधानाचार्यों/शिक्षा अधिकारियों तथा अन्य के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	4 से 6 मार्च, 1992	एच.आर.डी.विभाग पटना, बिहार	33
बैठकें तथा संगोष्ठियाँ				
30.	शिक्षा व्यावसायीकरण के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए कार्यनीति विकसित करने हेतु पैनल की चौथी बैठक	20 दिसंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	9

1	2	3	4	5
31.	शिक्षा व्यावसायीकरण पर राष्ट्रीय पुनरीक्षण संगोष्ठी	13 से 15 नवंबर, 1991	रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली	45
कार्यानुभव कार्यक्रम				
32.	शिक्षा और उत्पादक कार्य के बीच उन्नत संबंध पर समीक्षा एवं यूनेस्को क्षेत्रीय कार्यशाला	24 से 29 मई, 1991	आर.सी.ई., मैसूर	25
33.	स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से विद्यालयों में कार्यरत कार्यानुभव अध्यापकों का प्रशिक्षण	1 से 8 अगस्त, 1991	एस.आर.आई. बरियातु, राँची, बिहार	36
34.	कार्यानुभव में प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (चरण-1)	20 अक्टूबर, 1991	कुमारबाग, चनपटिया ब्लॉक, जिला पश्चिमी चंपारन, बिहार	51
35.	कार्यानुभव में प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	20 से 23 नवंबर, 1991	ब्रह्मानंद, पी.जी.बी.टी. कालिज, एस. 24 परगना पश्चिमी बंगाल	54
36.	कार्यानुभव पर बनाई गई रा.शै.अ.प्र.प. पैनल की बैठक	8 दिसंबर, 1991	मित्रानिकेतन वैलेनॉड, त्रिवेन्द्रम त्रिवेन्द्रम	4
37.	कार्यानुभव में राष्ट्रीय समीक्षा संगोष्ठी	9 से 11 दिसंबर, 1991	मित्रानिकेतन, वैलेनॉड, त्रिवेन्द्रम	26
38.	कार्यानुभव में प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम (चरण-2)	23 से 26 मार्च, 1992	कुमारबाग, चनपटिया ब्लॉक, जिला पश्चिमी चंपारन, बिहार	55

5.5 प्रतिभा खोज

5.5.1 रा.शै.अ.प्र.प. अपनी राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष 750 छात्रवृत्तियाँ देती है, जिनमें से 70 छात्रवृत्तियाँ अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के अभ्यर्थियों को दी जाती है। इस योजना का उद्देश्य कक्षा-10 के बाद प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का पता लगाना और उन्हें उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए वित्तीय सहायता देना है, ताकि उनकी प्रतिभा का विकास हो सके और वे अपने चयनित विषय में अपनी गुणवत्ता बढ़ाकर देश की बेहतर सेवा कर सकें।

राष्ट्रीय प्रतिभा खोज योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ देने के लिए दो स्तरों का चयन किया जाता है। प्रथम स्तर पर चयन राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों द्वारा अक्टूबर, 1990 से जनवरी, 1991 तक की अवधि में लिखित परीक्षा के माध्यम से किया गया जिसके आधार पर दूसरे स्तर की परीक्षा के लिए एन.सी.ई.आर.टी. से निर्धारित अभ्यर्थियों की सिफारिश की गई। दूसरे स्तर की परीक्षा अभ्यर्थियों की अपेक्षित संख्या में चयन करने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा 12 मई, 1991 को आयोजित की गई। परीक्षा पूरे देश में 32 केन्द्रों पर आयोजित की गई।

5.5.2 1991 के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा दी गई राष्ट्रीय प्रतिभा खोज (एन.टी.एस.) छात्र वृत्तियों की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है :

1991-92

क्र.सं.	राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों का नाम	आबंटित कोटा	उन विद्यार्थियों की संख्या जो दूसरी बार परीक्षा में बैठे	पुरस्कार के रूप में छात्रवृत्तियों की संख्या (सामान्य)	अनु.जाति/अनु.जनजाति को पुरस्कार के रूप में दी गई आरक्षित छात्रवृत्तियाँ
1	2	3	4	5	6
1.	आंध्र प्रदेश	225	221	43	5
2.	अरुणाचल प्रदेश	25	21	—	
3.	असम	75	75	11	—
4.	बिहार	190	188	61	6
5.	गोवा	25	24	3	—
6.	गुजरात	150	137	14	—
7.	हरियाणा	65	63	15	—
8.	हिमाचल प्रदेश	30	30	7	1
9.	जम्मू और कश्मीर	45	39	—	—
10.	कर्नाटक	150	148	26	5
11.	केरल	180	179	37	6
12.	मध्य प्रदेश	175.	171	26	2
13.	महाराष्ट्र	315	314	130	17
14.	मणिपुर	25	25	—	—
15.	मेघालय	25	24	2	—
16.	मिजोरम	25	19	—	—
17.	नागालैंड	25	22	—	—
18.	उड़ीसा	140	135	18	4
19.	पंजाब	80	80	16	2
20.	राजस्थान	140	140	40	3
21.	सिक्किम	25	18	—	—
22.	तमिलनाडु	215	213	41	8
23.	त्रिपुरा	25	25	3	1
24.	उत्तर प्रदेश	500	493	79	2

1	2	3	4	5	6
25.	पश्चिमी बंगाल	245	239	63	7
26.	अंडमान और निकोबार दीप समूह	10	10	—	—
27.	चंडीगढ़	10	10	7	—
28.	दादर और नागर हवेली	10	3	—	—
29.	दिल्ली	50	49	37	—
30.	दमन, दीव	10	2	—	—
31.	लक्षदीप	10	2	—	—
32.	पांडिचेरी	10	10	1	1
33.	कुवैत	—	1	—	—
34.	मस्कट	—	11	—	—
	योग	3213	3160	680	70

1991-92 के दौरान पुरस्कार पाने वालों की कुल संख्या

+२ स्तर		
बारहवीं	746	
ग्यारहवीं	749	1495
स्नातक स्तर से नीचे		
बुनियादी विज्ञान		170
सामाजिक विज्ञानः बी.ए./बी.कॉम		63
इंजीनियरिंग		2078
मेडिसन		777
स्नातकोत्तर स्तर		
बुनियादी विज्ञान		19
सामाजिक विज्ञान		9
इंजीनियरिंग/एम.ई./एम.टैक		7
मेडिसन		104
एम.बी.ए.		55
एम.सी.ए.		7
पी.एच.डी.		7
योग		4791

1991-92 के दौरान राष्ट्रीय प्रतिमा. खोज के अंतर्गत खर्च

1.	छात्रवृत्ति पर खर्च	रु. 69,96,592.00
2.	ग्रीष्मकालीन विद्यालय/नियोजन	रु. 66,000.00
3.	परीक्षाओं का आयोजन	रु. 5,38,764.00
	योग	रु. 76,01,356.00

5.5.3 नवोदय विद्यालयों को तकनीकी सहायता

वर्ष 1986-87 से देश से जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए छात्रों का चयन करना भी रा.शै.अ.प्र.प. का एक महत्वपूर्ण प्रतिभा खोज कार्य रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान (एन.आई.ई.) का नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.) वर्तमान में मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.)

का एक भाग है, जो नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा तथा विद्यार्थियों के चयन संबंधी सभी कार्यकलापों का समन्वयन करता है। वर्ष 1991-92 के दौरान विभाग द्वारा किए गए प्रमुख कार्य इस प्रकार है: विवरणिका व आवेदन-प्रपत्र तैयार करना और वितरित करना, चयन परीक्षा के आयोजन से जुड़े नवोदय विद्यालयों के प्राचार्यों और अन्य अधिकारियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करना, चयन परीक्षाओं के लिए प्रश्न-पत्रों को बनवाना मुद्रित करवाना तथा नवोदय विद्यालयों की चयन परीक्षाएँ आयोजित करना।

5.5.3.1 विवरणिका व आवेदन-प्रपत्र तैयार तथा वितरित करना

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1991-92 के लिए विवरणिका व आवेदन-प्रपत्रों को 18 क्षेत्रीय भाषाओं (असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गारो, गुजराती, हिन्दी, कन्नड, खासी, मलयालम, मणिपुरी, मराठी, मिजो, उड़िया, पंजाबी, सिंधी, तमिल, तेलुगु और उर्दू) में तैयार कर मुद्रित करवाया गया। इन्हें रा.शै.अ.प्र.प. के क्षेत्रीय सलाहकारों के कार्यालयों, जिला शिक्षा अधिकारियों, खंड शिक्षा अधिकारियों आदि के माध्यम से बड़ी संख्या में वितरित करवाया गया। अभ्यर्थियों द्वारा पूर्णरूप से भरे हुए आवेदन-पत्र जिला शिक्षा अधिकारियों के कार्यालयों में प्राप्त किए गए। नवोदय विद्यालय के प्राचार्यों के कार्यालयों में आवेदन प्रपत्रों की जाँच की गई और उपयुक्त अभ्यर्थियों को जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा (जे.एन.वी.एस.टी.) में प्रवेश के लिए प्रवेश-पत्र जारी किए गए।

5.5.3.2 चयन परीक्षा की तैयारी

नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा की तैयार करने और उसे अन्तिम रूप देने के लिए कई बैठकें आयोजित की गईं। परीक्षा के छः प्रपत्र 18 क्षेत्रीय भाषाओं (19 अनुवाद) में तैयार करवाकर मुद्रित करवाए गए। परीक्षा में मानसिक योग्यता परीक्षा, भाषा परीक्षा और गणित परीक्षाएँ सम्मिलित हैं। मानसिक योग्यता परीक्षा में 60 प्रश्न और भाषा तथा गणित परीक्षा में प्रत्येक में 20-20 प्रश्न थे, मानसिक योग्यता परीक्षा में केवल गैर-मौखिक परीक्षा मदें थीं। ऐसा परीक्षा प्रक्रिया को यथा संभव संस्कृति-तटस्थ और पर्यावरणीय कारणों से होने वाले भेदभाव को न्यूनतम बनाए रखने के लिए किया गया। परीक्षा की सभी मदें वस्तुनिष्ठ थीं।

जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1991 के लिए लगभग 3,32,064 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए। परीक्षा में 2,91,277 अभ्यर्थी शामिल हुए। नवोदय विद्यालय योजना के अनुसार कम से कम 75% सीटें प्रत्येक जिले के ग्रामीण अभ्यर्थियों और 25% सीटें शहरी अभ्यर्थियों से भरी जाती है। योजना में 15% सीटें अनुसूचित जाति तथा 7.5% सीटें अनुसूचित जन जाति के लिए भी आरक्षित है। यह आरक्षण खुली प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्त अ.जा./अ.ज.जा. के अभ्यर्थियों के अतिरिक्त है।

छः अध्यापक शिक्षा की गुणवत्ता सुधारना

6.1 शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.)

शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन के सिद्धांतों की सहायता से विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाना एन.सी.ई.आर.टी. का एक मुख्य कार्य है। मार्गदर्शन और परामर्श से संबधित अनुसंधान, विकास एवं प्रशिक्षण कार्यकलाप, सृजनात्मकता, अधिगम, विकास, आचरण में सुधार, कक्षा 11 तथा 12 के लिए मनोविज्ञान की अनुदेशी सामग्री का विकास तथा अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण सामग्री तैयार करना डी.ई.पी.सी.जी. के प्रमुख कार्यकलापों में सम्मिलित है। विद्यार्थियों के सामर्थ्य तथा क्रियात्मकता के सभी पक्षों का अनुकूलतम विकास तथा उनकी स्वयं सिद्धि ही इस विभाग के कार्य का केन्द्र बिन्दु है।

6.1.2 अनुसंधान और सर्वेक्षण

डी.ई.पी.सी.जी. ने शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन में विभिन्न अनुसंधान/सर्वेक्षण किए। विभाग द्वारा किए गए मुख्य कार्यकलापों में निम्नलिखित शामिल हैं :

(1) सृजनशील लड़कियों के व्यावसायिक व्यवहार का एक अध्ययन

इस एरिक परियोजना का उद्देश्य भारतीय व्यवस्था में सृजनशील युवतियों के एक विशेष समूह को जीवन-वृत्ति की शिक्षा प्रदान करना है। वर्ष 1991 के दौरान, दूसरे चरण में, आँकड़ों के एकत्रीकरण के लिए साधनों/परीक्षणों को अंतिम रूप दिया गया। चयनित नमूनों की पहचान के लिए अन्वेषण योजना बनाई गई तथा आँकड़ों को कम्प्यूट्रीकृत किया गया।

(2) विद्यालय तथा कक्षा-व्यवस्था में विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रबंध के अभ्यास पर प्राथमिक अध्यापकों का एक प्रारंभिक सर्वेक्षण

प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों द्वारा प्रतिदिन कक्षा तथा विद्यालय के परस्पर कार्य प्रबंध हेतु अपनाई गई प्रचलित प्रणाली में वर्तमान स्थिति तथा उसमें परिवर्तन का अध्ययन करने के साथ-साथ कक्षा स्थिति एवं विद्यालय में प्रतिस्पर्धा, सहयोग तथा बच्चों के अन्य सामाजिक भावनात्मक तथा व्यावहारिक समायोजन के प्रबंध का अध्ययन भी इस एरिक परियोजना का उद्देश्य है। इस अध्ययन के निष्कर्षों से अध्यापक प्रशिक्षण के उन क्षेत्रों का पता चल सकेगा जिनमें विद्यालय व्यवस्था

1991-92

में अपेक्षित व्यावहारिक तकनीक का प्रबंध किया जा सकता है। दस सार्वजनिक विद्यालयों से आँकड़े एकत्र किए गए तथा हिन्दी व अंग्रेजी में एक प्रश्नावली तैयार की गई है

(3) **शहरी गंदी बस्तियों में प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की अधिगम समस्याओं का सर्वेक्षण**

इस परियोजना का उद्देश्य बच्चों की अधिगम समस्याओं का पता लगाना तथा समस्याओं से उबरने के लिए मध्यस्थता कार्यक्रमों का विकास कराने हेतु आधार तथा प्रतिपुष्टि उपलब्ध कराना है।

परिचय, संबंधित साहित्य की समीक्षा, परिवर्तनों, साधनों तथा नमूने सहित एक उपागम प्रपत्र तैयार किया गया तथा इस सर्वेक्षण की भावी कार्यवाही पर निर्णय लेने के लिए विशेषज्ञों से चर्चा की गई।

6.1.3 ***विकासात्मक कार्यकलाप***

1991-92 के दौरान शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श तथा मार्गदर्शन विभाग ने निम्नलिखित विकासात्मक कार्य किए:

(1) शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों का राष्ट्रीय पुस्तकालय (एन.एल.ई. एण्ड पी.टी.)

यह पुस्तकालय शैक्षिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के सदंर्भ पुस्तकालय तथा समीक्षक संस्था एवं परीक्षण और समीक्षा से संबंधित सूचना केन्द्र के रूप में सेवाएँ प्रदान करता है। बुद्धि, योग्यता, व्यक्तित्व, रुझान इत्यादि के क्षेत्र में प्रकाशित 1500 परीक्षण इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। 1991-92 में परीक्षणों की समीक्षा के लिए कुछ कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। व्यक्तित्व के क्षेत्र में अद्यतन भारतीय परीक्षण पुस्तकालय के लिए खरीदे गए। "बुद्धि और योग्यता पर पहली भारतीय मानसिक मापन पुस्तिका" भी पुस्तकालय में लाई गई।

(2) प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों के लिए अधिगम और विकास पर नियमावली तैयार करना

इस नियमावली का उद्देश्य प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों एवं सभी एस.आई.ई,एस.सी.ई.आर.टी. तथा डी.आई.ई.टी. कार्मिकों (अधिकारियों) में अधिगम तथा विकास की विषयवस्तु एवं तकनीक का प्रसार करना है।

(3) कक्षा 11 तथा कक्षा 12 के लिए मनोविज्ञान की पाठ्यपुस्तक का हिन्दी रूपांतरण

कक्षा 11 की "अंडरस्टैंडिंग साइकॉलोजी ऑफ ह्यूमन बिहेवियर" नामक पाठ्यपुस्तक तथा कक्षा 12 की "साइकॉलोजी फॉर बैटर लिविंग" नामक पाठ्यपुस्तक का हिन्दी रूपांतर तैयार किया गया।

(4) प्रारंभिक अध्यापक शिक्षकों और शिक्षकों के लिए कक्षा/विद्यालय स्थितियों में व्यवहार में परिवर्तन की एक नियमावली

यह नियमावली प्रकाशित कर ली गई है और देश के सभी एस.आई.ई., एस.सी.ई.आर.टी. एवं डी.आई.ई.टी. के प्रधानाचार्यों को वितरित की जा चुकी है।

(5) प्रारंभिक विद्यार्थियों की व्यावहारिक समस्याओं में परिवर्तन के लिए व्यावहारिक मध्यस्थता कार्यक्रमों का विकास

प्रारंभिक स्तर पर प्रचलित अठारह व्यावहारिक समस्याओं की प्राथमिकता सूची विकसित की गई है। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के समस्याग्रस्त व्यवहारों में सुधार के लिए मध्यस्थता कार्यक्रम के विकास की प्रक्रिया भी जारी है।

(6) प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावना के पोषण पर पुस्तिका

इसका उद्देश्य बच्चों में सृजनात्मक संभावनाओं के पोषण हेतु अध्यापकों को सक्षम बनाने में सहायता देने के लिए प्राथमिक अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के अध्यापक प्रशिक्षकों

के लिए स्रोत सामग्री का विकास करने संबधी पुस्तिका तैयार करना है। इस पुस्तिका की पांडुलिपि को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

(7) विकासात्मक तथा जीवनवृत्ति मार्गदर्शन पर "मल्टी मीडिया पैकेज" तैयार करना

अध्यापकों तथा अभिभावकों के लिए तैयार की जाने वाली इस अनुदेशी सामग्री का उद्देश्य , विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध शैक्षिक प्रौद्योगिकी के विषय में, आधारभूत शैक्षिक तथा व्यावसायिक मागदर्शन जुटाना है। दस श्रव्य कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। 'ये भी संभव है' तथा "श्रम ही पूजा है" नामक दो वीडियो कार्यक्रम भी तैयार किए गए हैं। "सेल्फ अंडर स्टैंडिंग एण्ड कैरियर अवेयरनेस" तथा "कैरियर अवेयरनेस" नामक खंड 1 तथा 2 के प्रकाशन को अंतिम रूप दिया गया है।

(8) व्यवहार परिवर्तन का अध्ययन

इस कार्यक्रम का उद्देश्य गुणात्मक शिक्षा में सुधार के क्षेत्र में सक्षमता प्राप्त करने के लिए प्रारंभिक अध्यापक प्रशिक्षकों की सहायता के लिए एक स्रोत पुस्तक के रूप में अनुदेशी सामग्री का विकास करना है।

पुस्तक की पाण्डुलिपि में शामिल प्रपत्रों/अध्यायों की समीक्षा की गई तथा एक कार्यशाला में इसे अंतिम रूप दिया गया।

(9) प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक श्रृंखला

इसका उद्देश्य ऐसी पुस्तिकाओं की श्रृंखला तैयार करना है जिसमें सरल रूप से मनोविज्ञान का प्रचलित ज्ञान शामिल हो ताकि अध्यापक तथा अभिभावक अपने बच्चों को अधिकाधिक दक्षता एवं सरलता से मार्गदर्शन दे सकें और उनके विकास एवं सीखने में सहायता कर सकें।

सोलह शीर्षकों में शामिल सामग्री का विवरण तथा अन्य मार्गदर्शन एक कार्यशाला में विकसित किए गए हैं।

(10) गुणात्मक शिक्षा के लिए अध्यापकों में मूल्यों का विकास करना

इसका उद्देश्य अध्यापक शिक्षकों के लिए एक प्रशिक्षण पैकेज तैयार करना है ताकि वे अपने आप में आत्म-बोध, सामाजिक, नैतिक एवं कार्य मूल्यों का विकास तथा बच्चों और शिक्षण व्यवसाय के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपना सकें। गहन पुस्तक संग्रह कार्य तथा संकाय सदस्यों के बीच हुई बातचीत एवं संबंधित साहित्य की समीक्षा करने के बाद, दो प्रपत्रों का विकास किया गया।

(11) मनोविज्ञान में +२ स्तर पर (नए पाठ्यक्रम पर आधारित) मद बैंक का विकास

ये मदें एक कार्यशाला में तैयार की गई हैं ।

(12) जिन बच्चों को सीखने में कठिनाई है उनके लिए अधिगम क्लीनिक की स्थापना करना

नमूना सर्वेक्षण के बाद कक्षा 2 स्तर पर निदान कार्य आरम्भ किया गया।

(13) भारत में बाल-मनोविज्ञान : वर्तमान रुख तथा भावी परिप्रेक्ष्य

इसका उद्देश्य वर्तमान अनुसंधान साहित्य के आधार पर भारतीय बच्चों के विकास की पद्धति की रूपरेखा तैयार करना है ताकि भारतीय बालक का एक संपूर्ण चित्र उभरकर सामने आ सके।

परामर्श बैठकों तथा विषयों को अंतिम रूप देने के पश्चात पुस्तक के विकास का कार्य चल रहा है।

(14) बाल तथा युवा मनोविज्ञान में हुए अनुसंधानों का अध्ययन

पुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार कर ली गई है तथा प्रकाशनार्थ भेजी जा चुकी है।

1991-92

(15) विद्यार्थियों में अधिकतम स्वतः पोषण तथा कार्योन्मुखता उत्पन्न करने के लिए प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों को मार्गदर्शन देना

आत्म-ज्ञान तथा व्यक्तिगत विकास से संबंधित इस अवधारणा का विकास किया गया है। जीवनवृत्ति सूचनाओं को पढ़ाए जाने वाले विषयों में समाहित किया गया है। विज्ञान, सामाजिक अध्ययन तथा भाषा से संबंधित कार्यकलापों के ढाँचे का विकास तथा परीक्षण किया गया।

(16) मार्गदर्शन प्रयोगशाला तथा व्यावसायिक सूचना का विकास

शैक्षिक तथा व्यावसायिक मार्गदर्शन के डिप्लोमा पाठ्यक्रम के प्रशिक्षुओं तथा मार्गदर्शन कार्यकलापों में कार्यरत संकाय सदस्यों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मार्गदर्शन प्रयोगशाला के लिए अपेक्षित सामग्री खरीदी गई।

(17) विद्यालय के विद्यार्थियों को समकक्ष परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास

विद्यार्थियों, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा प्रमुख व्यक्तियों के लिए सचित्र परामर्शदाता नियमपुस्तिका के तीन अध्याय लिखने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(18) माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन के लिए मापदण्डों का विकास

मापदण्ड तैयार करने का उद्देश्य माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्रों का अधिगम कौशल, अंतः व्यक्तिगत कौशल, जीवनवृत्ति विकास कौशल तथा कार्मिक प्रबंध कौशल के विकास में सुविधा प्रदान करने के लिए स्वतः अनुदेशी सामग्री उपलब्ध कराना है। एक कार्यशाला में आठ में से पाँच मापदण्डों का विकास किया गया।

(19) मार्गदर्शन परामर्शदाताओं के लिए नियमावली

यह नियमावली छात्रों, अध्यापकों तथा अन्य सामाजिक कार्यकर्ताओं को सहायता देने वाले मार्गदर्शन कार्मिकों के लिए स्रोत सामग्री के रूप में सहायक होगी।

6.1.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 1991-92 के दौरान डी.ई.पी.सी.जी. द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

(1) शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन में डिप्लोमा पाठ्यक्रम

डी.ई.पी.सी.जी. ने वर्ष 1991-92 के दौरान शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन के 31 वें डिप्लोमा पाठ्यक्रम का संचालन किया। आन्ध्र प्रदेश, बिहार, चण्डीगढ., दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र , मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान, और उत्तर प्रदेश से आए 28 प्रशिक्षुओं ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया। यह पाठ्यक्रम, माध्यमिक विद्यालयों में मार्गदर्शन ब्यूरो चलाने के लिए परामर्शदाताओं को प्रशिक्षित करने तथा राज्य मार्गदर्शन ब्यूरो, अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों, तथा विश्वविद्यालयों के शैक्षिक/मनोविज्ञान विभागों के कार्मिकों को प्रशिक्षित करने के लिए तैयार किया गया है।

(2) डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान तथा मार्गदर्शन का प्रशिक्षण कार्यक्रम

11 से 27 नवंबर, 1991 तक, नई दिल्ली में, डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान तथा मार्गदर्शन का दूसरा गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। आन्ध्र प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, केरल, मध्यप्रदेश, पंजाब, राजस्थान उत्तरप्रदेश से आए 37 प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

इस गहन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में प्राथमिक विद्यालय के बच्चे के विकासात्मक पक्ष, अधिगम, प्रेरणा, सोच-विचार, बौद्धिकता, व्यक्तित्व, व्यवहार में सुधार, सृजनात्मकता तथा मार्गदर्शन शामिल है। वास्तविक प्रशासन तथा परीक्षा परिणामों की व्याख्या एवं कुछ चुनिंदा क्षेत्रों में प्रतिवेदन तैयार करने के संबध में भी प्रशिक्षण दिया गया।

6.1.5 विस्तार कार्यकलाप

(1) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए मार्गदर्शन तथा परामर्श का अभिविन्यास कार्यक्रम

एस.सी.ई.आर.टी. पुणे में 10 से 12 दिसंबर, 1991 तक वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए मार्गदर्शन तथा परामर्श पर तीन दिवसीय अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पाश्चात्य क्षेत्रों के प्रधानाचार्यों, प्रशासकों तथा माध्यमिक स्तर के शैक्षिक प्रशासकों को, आधारभूत अवधारणाओं, दर्शन तथा मार्गदर्शन एवं परामर्श की विभिन्न तकनीकों के बारे में अवगत कराना है ताकि वे इस क्षेत्र के कार्यकर्त्ताओं को नेतृत्व उपलब्ध करा सकें।

(2) मार्गदर्शन कार्मिकों के लिए विद्यालयी बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावनाओं के मार्गदर्शन हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम

विद्यालयी बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावनाओं के मार्गदर्शन हेतु परामर्शदाताओं तथा मार्गदर्शन कार्मिकों के लिए नई दिल्ली में डी.ई.पी.सी.जी. द्वारा एक अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(3) राज्य शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन ब्यूरो के अध्यक्षों का अखिल भारतीय सम्मेलन

तिरूपति में 25 से 27 फरवरी, 1992 तक राज्य शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन ब्यूरो के अध्यक्षों का अखिल भारतीय सम्मेलन आयोजित किया गया। प्रतिनिधियों ने अपने-अपने राज्यों में मार्गदर्शन सेवाओं की स्थिति के साथ-साथ भावी कार्ययोजनाएँ भी प्रस्तुत कीं। इस सम्मेलन में बहुत सी सिफारिशें की गईं।

(4) 2001 में रोजगार सेवाओं की भूमिका पर त्रिपक्षीय कार्यशाला

डी.ई.पी.सी.जी. ने अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-रोजगार व प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा गोवा में आयोजित "2001 में रोजगार सेवाओं की भूमिका पर त्रिपक्षीय कार्यशाला" में भाग लिया तथा "भारत में शैक्षिक विकास के संदर्भ में व्यावसायिक मार्गदर्शन कार्यक्रम का रोजगार सेवा के संबध में भावी रूप", नामक प्रपत्र के माध्यम से योगदान दिया।

(5) परामर्श तथा प्रसार कार्यकलाप

उपरोक्त कार्यक्रमों और कार्यकलापों के अतिरिक्त डी.ई.पी.सी.जी. के संकाय सदस्यों ने बहुत सी बैठकों में भाग लिया तथा विभिन्न शैक्षिक संस्थाओं/संगठनों को परामर्श सेवाएँ उपलब्ध कराईं।

विभिन्न अनुसंधान तथा विकास कार्यकलापों एवं प्रशिक्षण/विस्तार कार्यक्रमों से संबंधित कार्य के एक भाग के रूप में, डी.ई.पी.सी.जी. ने अनेक कार्यशालाएँ, बैठकें, सम्मेलन इत्यादि आयोजित किए जिनका विवरण तालिका 6.1 में दिया जा रहा है।

तालिका 6.1

डी.ई.पी.सी.जी. द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम सं.	कार्यक्रम का विषय	दिनांक	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	राष्ट्रीय शैक्षिक एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षण पुस्तकालय के परीक्षणों की समीक्षा के लिए कार्यशाला	9-13 सितंबर, 1991 27 मार्च, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	15 7

1991-92

1	2	3	4	5
2.	शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन पर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	1 अगस्त, 1991 से 30 अप्रैल, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	28
3.	गुणात्मक शिक्षा के लिए अध्यापकों में मूल्यों का विकास	23 अगस्त, 1991	एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली	5
4.	प्रसिद्ध मनोविज्ञान श्रृंखला के विषय की रूपरेखा को अन्तिम रूप देने के लिए कार्यशाला	8–11 अक्टूबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	12
5.	प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में सृजनात्मक संभावनाओं के पोषण पर तैयार पुस्तिका के संपादन के लिए शैक्षिक बैठक	10–15 फरवरी, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	1
6.	मनोविज्ञान में +2 स्तर पर नए पाठ्यक्रम पर आधारित मद बैंक के विकास पर कार्यशाला	21–25 अक्टूबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	18
7.	भारत में बाल मनोविज्ञान : वर्तमान रुख और भावी परिप्रेक्ष्य : विषय निर्धारण के लिए सलाहकार समिति की बैठक	25–26 जुलाई, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	4
8.	विद्यालय के विद्यार्थियों को समकक्ष परामर्शदाता के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास करने हेतु कार्यशाला	28–30 अक्तूबर, 1991 21–23 मार्च, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	3 4
9.	माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के स्वतः मार्गदर्शन के लिए मापदण्डों का विकास करने हेतु कार्यशाला	3–5 अक्तूबर, 1991 25–27 फरवरी, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	4 6
10.	मार्गदर्शन के क्षेत्र में दूरस्थ शिक्षा के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	7–16 मई, 1991 19–26 अगस्त, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	11 12
11.	डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए शैक्षिक मनोविज्ञान तथा मार्गदर्शन का प्रशिक्षण कार्यक्रम	11–12 नवंबर, 91	एन.सी.ई.आर.टी.	37
12.	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों के लिए मार्ग-दर्शन तथा परामर्श का अभिविन्यास कार्यक्रम	10–12 दिसंबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी. पुणे	45
13.	मार्गदर्शन कार्मिकों के लिए विद्यालयी बच्चों के बीच सृजनात्मक संभावनाओं के मार्गदर्शन हेतु अभिविन्यास कार्यक्रम	31 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	40
14.	राज्य शैक्षिक एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन ब्यूरो के अध्यक्षों का अखिल भारतीय सम्मेलन	25–27 फरवरी, 1992	एस.वी. विश्वविद्यालय तिरूपति	27
15.	मनौवैज्ञानिक परीक्षणों के परिणामों तथा समस्याओं पर राष्ट्रीय संगाष्ठी	26–28 अगस्त, 1991 4–7 मार्च, 1992	एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली भारतीदासम विश्वविद्यालय, त्रिची	5 28
16.	व्यवहार परिवर्तन का अध्ययन : शैक्षिक बोर्ड की बैठक	23–27 सितंबर, 1991 28–31 जनवरी, 1992	डी.वी.यू. वाराणसी मद्रास विश्वविद्यालय	4 4
17.	अध्यापक शिक्षकों को आत्म ज्ञान तथा मूल्य अभिविन्यास में प्रशिक्षित करने के लिए एक 'पैकेज' के विकास हेतु कार्यशाला	23–27 मार्च, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. उदयपुर	11

1991-92

6.2 अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम

6.2.1 सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन अध्यापक शिक्षा के सुधार के कार्यक्रम, एन.सी.ई.आर.टी. की प्रमुख गतिविधियों में से एक हैं। इस पर बल देने की आवश्यकता नहीं है कि विद्यालयी शिक्षा में गुणात्मक सुधार लाने के लिए अध्यापक का विकास एक कठिन कार्य है। वर्ष 1991-92 के दौरान, विद्यार्थी अध्यापकों, सेवाकालीन अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों के लिए अध्यापक शिक्षा पाठ्यविवरण तथा विभिन्न पाठ्यविवरण क्षेत्रों में आदर्श अनुदेशी सामग्री के विकास सहित, प्राथमिक तथा माध्यमिक अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों में सुधार को ध्यान में रखते हुए, अनुसंधान तथा विकासात्मक कार्यकलापों पर विशेष बल दिया गया। प्रशिक्षण प्रभावों को वास्तविक कक्षा तक पहुँचाने के लिए बाल केन्द्रित-शिक्षा की अंतर्संरचना को उसकी अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए प्रशिक्षण प्रविधि का विकास किया गया। इसके अतिरिक्त, एन.सी.ई.आर.टी.राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् (एन.सी.टी.ई) को निरंतर शैक्षिक एवं प्रशासनिक सहायता उपलब्ध करा रही है।

6.2.2 अनुसंधान एवं मूल्यांकन

विषय के विकास तथा अध्यापक शिक्षा की प्रक्रिया में अनुसंधान कार्य में सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न अनुसंधान एवं मूल्यांकन अध्ययन चलाए गए। इन अध्ययनों की विशिष्टताएँ नीचे दी जा रही हैं :

6.2.2.1 एक/दो अध्यापकों वाले प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों की समस्याओं का पता लगाना

बिहार, मध्यप्रदेश तथा राजस्थान के 18 जिलों में चलाए जा रहे 642 एक/दो अध्यापक वाले प्राथमिक विद्यालयों में अध्ययन पूरा करने पर यह पता चला कि इन विद्यालयों में भवन, उपस्कर, पुस्तकालय सुविधा आदि अपर्याप्त हैं जो कि एक/दो अध्यापक वाले प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापन आयोजित करने के लिए अनिवार्य हैं। अध्यापकों ने श्रेणी बहुल अध्यापन में कठिनाई का सामना किया तथा श्रेणी बहुल स्थितियों में अध्यापन के लिए विशिष्ट अभिविन्यास की इच्छा व्यक्त की।

यह पाया गया कि 75% अध्यापक ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड सामग्री का उपयोग कर रहे थे तथा 90% से अधिक अध्यापकों ने यह महसूस किया कि यदि उन्हें सुविधाएँ उपलब्ध होतीं तथा प्रशिक्षण प्राप्त होता तो भाषा, गणित तथा पर्यावरण अध्ययन में न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) के उद्देश्य तक पहुँचा जा सकता था। अन्य बातों के साथ-साथ, अध्ययन के परिणाम स्वरूप, श्रेणी बहुल अध्यापक के लिए विद्यालयों तथा कक्षाओं के गठन में सुधार के लिए कार्यनीति की आवश्यकता दर्शायी गई।

6.2.2.2 माध्यमिक अध्यापक शिक्षा महाविद्यालयों में कार्य अनुभव कार्यक्रम का अध्ययन

अध्ययन के लिए 150 माध्यमिक अध्यापक शिक्षा संस्थानों से संपर्क किया गया जिनमें से केवल 50 संस्थानों ने ही उत्तर दिए। आधे से अधिक संस्थानों में अध्यापक प्रशिक्षण में कार्य अनुभव अनिवार्य अवयव नहीं है। मूल्यांकन भी संतोषजनक नहीं पाया गया। ढाँचागत सुविधाएँ जैसे उपस्कर, औजार, कर्मशालाएँ तथा कच्चे माल के लिए आवर्ती निधि इत्यादि भी अपर्याप्त हैं। कार्य अनुभव कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाने के लिए गंभीर प्रयास अपेक्षित हैं।

6.2.2.3 जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों का मूल्यांकन (डी. आई.ई.टी.)

प्रथम चरण में स्वीकृत राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा उड़ीसा राज्यों के जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डी.आई.ई.टी.) की कार्यप्रणाली का अध्ययन किया गया। अध्ययन से यह स्पष्ट हुआ कि प्रथम चरण में स्वीकृत जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थानों (डी.आई.ई.टीज.) ने 1989 तक कार्य आरम्भ कर दिया था। अध्ययन के अंतर्गत आने वाले सभी डी.आई.ई.टी. में संस्थानों के प्रधानाचार्य पदासीन थे लेकिन उड़ीसा तथा मध्यप्रदेश के डी. आई.ई.टी. में वरिष्ठ प्राध्यापकों के पद रिक्त थे। मा. सं. वि. मंत्रालय द्वारा उपलब्ध कराए गए भर्ती संबंधी मार्गनिर्देशों का पालन नहीं किया जा रहा। राजस्थन तथा मध्य प्रदेश के डी. आई.ई.टी. ने सेवा पूर्व अध्यापक शिक्षा के लिए 50 प्रशिक्षणार्थियों

के प्रवेश की निर्धारित सीमा को पार कर लिया। डी.आई.ई.टी., सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए, संसाधनों की कमी महसूस कर रहे हैं। कुछ क्षेत्रों में प्रशिक्षित तथा सुयोग्य संसाधन व्यक्तियों का अभाव भी एक बाधा है।

6.2.3 विकास

प्राथमिक और माध्यमिक अध्यापक शिक्षा के लिए विकसित किए गए पाठ्यक्रम तथा पाठ्यचर्या मार्गनिर्देशों के आधार पर, विभिन्न क्षेत्रों में, मुद्रित तथा गैर-मुद्रित दोनों प्रकार की, आदर्श साम्रगी के विकास पर ही कार्यकलाप केन्द्रित रहे। यह साम्रगी, केवल अध्यापक शिक्षा की केन्द्रकृत प्रायोजित योजना के अंतर्गत आने वाले संस्थानों में ही नहीं, बल्कि अन्य संस्थानों तथा विश्वविद्यालयों के शिक्षा विभागों में भी सेवा पूर्व तथा सेवाकालीन अध्यापन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में सुधार के लिए प्रयोग में लाई जाएगी।

अनुदेश सामग्री के लेखकों तथा लिखित साम्रगी की समीक्षा के लिए कार्यदल की बैठकें आयोजित की गईं। विद्यार्थी अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों के लिए मुद्रित तथा गैर-मुद्रित सामग्री के विकास हेतु आयोजित कार्यदल की बैठक संबंधी सूचना, तालिका 6.2 में दी गई है।

विज्ञान के अध्यापन, मातृभाषा के रूप में हिन्दी के अध्यापन, टीचर फंक्शन्स (अंग्रेजी रूपान्तर), टीचर फंक्शन्स (हिन्दी रूपान्तर), कार्यअनुभव का अध्यापन, श्रेणीबहुल अध्यापन पर पुस्तिका, तथा डी.आई.ई.टी. के प्रधानाचार्यों के प्रशिक्षण के लिए मापदण्ड इत्यादि पुस्तकों की पाण्डुलिपियाँ विकास की अलग अलग अवस्थाओं में हैं।

6.2.4 भारतीय शिक्षा विश्वकोश

विश्वकोश के लिए विषय निर्धारित कर लिए गए हैं तथा रचनाकारों की आरंभिक सूची तैयार की जा चुकी है। भारतीय शिक्षा के विश्वकोश के निर्माण के लिए संकाय सदस्यों की व्यवस्था हेतु एक प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

6.2.5 प्रशिक्षण

एन.सी.ई.आर.टी. अध्यापक शिक्षा की पुनर्संरचना की केन्द्रीय प्रायोजित योजना को तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के लिए उत्तरदायी है। जिला शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान (डी. आई.ई.टी.) तेजी से उभर रहे हैं। अध्यापक शिक्षा महाविद्यालय (सी.टी.ई.) तथा शिक्षा में उन्नत अध्ययन के संस्थान (आई. ए.एस.ई.) भी उभर रहे हैं। वर्ष 1991-92 के दौरान डी. आई.ई.टी. के संकाय सदस्यों तथा सी.टी.ई. एवं आई.ए.एस. ई. के प्रधानाचार्यों के प्रवेश प्रशिक्षण के कार्यक्रम आयोजित किए गए। डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान आयोजित प्रशिक्षण तथा अन्य कार्यक्रमों के विषय में सूचना तालिका 6.2 में दी गई है।

6.2.6 1990 में विद्यालयी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

''1990 में विद्यालयी शिक्षा : समस्याएँ और संदर्श'' पर 18 से 19 सितंबर 1991 तक एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। अनेक प्रबुद्ध शिक्षाविदों ने इन तीन विषयों को विशेष रूप से केन्द्रित करके विद्यालयी शिक्षा की समस्याओं पर विचार व्यक्त किए :

(1) प्राथमिक शिक्षा का सामान्यीकरण,
(2) माध्यमिक शिक्षा का गुणात्मक विस्तार तथा
(3) सुविधाविहीन समूहों की शिक्षा के विशेष संदर्भ में भारतीय समाज तथा शिक्षा।

6.2.7 प्रकाशन

मुद्रण

1. स्कूल एजूकेशन फॉर 1990
2. मॉडल्स ऑफ टीचिंग-रिपोर्ट ऑफ द थ्री फेज स्टडी-सी. ए.एम.तथा आई.टी.एम.
3. एलिमेन्ट्री टीचर एजूकेशन-गाइडलाइन एण्ड सिलेबी
4. सेकेन्ड्री, टीचर ऐजूकेशन - गाइडलाइन एण्ड सिलेबी
5. टीचर ऐजूकेशन इन इण्डिया - ए रिसोर्स बुक
6. एन.सी.टी.ई. बुलेटिन, वोल्युम-II, नं. 1
7. एन.सी.टी.ई. बुलेटिन, वोल्युम - II, नं. 2 एण्ड 3

अनुलिपित्र

8. इन्नोवेटिव थॉट्स एण्ड एक्सपेरिमेन्ट्स इन टीचर ऐजूकेशन

9. आईडेंटिफिकेशन ऑफ प्रॉबलम्स ऑफ टीचर्स इन सिंगल/टू टीचर्स प्राइमरी स्कूल्स
10. कोरिलेट्स ऑफ स्टूडेन्ट टीचर ऐचीवमेन्ट्स - ए ट्रेंड रिपोर्ट
11. मल्टीग्रेड टीचिंग - इनसर्विस ऐजूकेशन पैकेज
12. मल्टीग्रेड टीचिंग - ए टैक्स्ट बुक फॉर ऐलिमेन्ट्री टीचर ट्रेनिंग
13. डिस्ट्रिक्ट इन्स्टीट्यूट ऑफ ऐजूकेशन एण्ड ट्रेनिंग -- ए स्टडी ऑफ उड़ीसा
14. ऐप्रेजल ऑफ डी.आई.ई.टीज इन मध्यप्रदेश
15. ऐप्रेजल ऑफ डी.आई.ई.टीज इन राजस्थान
16. गाइडलाइन फॉर साइन्स लैबोरेट्रीज इन डी.आई.ई.टीज.
17. गाइडलाइन फॉर डिवलपमेंट ऑफ साइकॉलोजी लैबोरेट्री इन डी.आई.ई.टीज
18. यूज ऑफ कम्प्यूटर्स इन डी.आई.ई.टीज - गाइडलाइन्स
19. सैल्फ-लर्निंग मॉड्यूल्स (फॉर प्रिंसिपल्स ऑफ डी.आई.ई.टीज)
20. ए स्टडी ऑफ वर्क एक्सपीरिएन्स प्रोग्राम इन सैकेन्ड्री टीचर ऐजूकेशन कॉलेजिस।

तालिका 6.2

डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
विकासात्मक कार्यक्रम				
1.	मातृभाषा शिक्षण के लिए पठन सामग्री तैयार करने हेतु कार्यदल की बैठक	17 मई से 19 जून, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	6
2.	अध्यापकीय कार्य के क्षेत्र में पठन सामग्री तैयार करने के लिए कार्यदल की बैठक (अंग्रेजी रूपान्तर)	24 से 26 जून, 1991	शिमला	5
3.	कार्य अनुभव पर पठन सामग्री तैयार करने के लिए कार्यदल की बैठक	22–26 अगस्त, 1991	उदयपुर	4
4.	हिन्दी शिक्षण के क्षेत्र में अनुदेशी सामग्री का विकास करने के लिए दूसरे कार्यदल की बैठक	3–6 सितंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	5
5.	अध्यापकीय कार्य के क्षेत्र में अनुदेशी सामग्री के विकास के लिए कार्यदल की बैठक (हिन्दी रूपान्तर)		एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	5
6.	हिन्दी शिक्षण के क्षेत्र में अनुदेशी सामग्री के विकास हेतु कार्यदल की बैठक		एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	–
7.	मातृभाषा में अनुदेशी सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षात्मक बैठक	30 मार्च से 8 अप्रैल, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	5
8.	अध्यापकीय कार्यों पर अनुदेशी सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षा बैठक	23 से 27 मार्च, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	5

1991-92

1	2	3	4	5
9.	विज्ञान शिक्षण की पाठ्यचर्या के विकास के लिए कार्यदल की बैठक	3–4 अक्तूबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	3
10.	उदीयमान भारत में शिक्षा के क्षेत्र में पाठ्यचर्या सामग्री के विकास के लिए कार्यदल की बैठक	4–6 दिसंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	3
11.	विज्ञान के शिक्षण पर सामग्री को अंतिम रूप देने के लिए समीक्षात्मक बैठक	12–13 सितंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	6
12.	श्रेणीबहुल अध्यापन के लिए प्राथमिक अध्यापक शिक्षा हेतु पाठ्यपुस्तक की योजना तथा प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों के सेवाकालीन प्रशिक्षण हेतु मार्गनिर्देश तैयार करने के लिए कार्यशाला	9–16 सितंबर, 1991	अहमदाबाद	15
13.	दूरदराज क्षेत्रों में श्रेणीबहुल अध्यापन के प्रयोग के लिए मल्टीमीडिया किट की समीक्षा करने तथा अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	23–27 मार्च, 1992	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	7
14.	वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों की सेवाकालीन शिक्षा हेतु पाठ्यक्रम की रूपरेखा तथा मार्गनिर्देश के पैकेज को अंतिम रूप देना।	8–12 जनवरी, 1992	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय	22
15.	माध्यमिक अध्यापक शिक्षा में कार्य अनुभव कार्यक्रमों के सुधार हेतु कार्यनीति पर परामर्श दल की बैठक	30 सितंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	7
16.	डी.आई.ई.टी. संकाय सदस्यों के प्रशिक्षण के लिए कार्यनीति को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	27–28 मई, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	22
17.	डी.आई.ई.टी. की मनोविज्ञान प्रयोगशाला हेतु मार्गनिर्देशों के विकास के लिए कार्यशाला	3–4 जून, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	14
18.	प्रशिक्षण सामग्री की समीक्षा के लिए डी.आई.ई.टी. प्रधानाचार्यों की बैठक	23–27 मार्च, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. हरियाणा	5
	प्रशिक्षण कार्यक्रम			
19.	सी.टी.ई. तथा आई.ए.एस.ई. के प्रधानाचार्यों के लिए नियोजन तथा अभिविन्यास कार्यक्रम	8–10 जुलाई, 1991	क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल	31
20.	डी.आई.ई.टी. के प्रधानाचार्यों को मनोविज्ञान प्रयोगशाला के प्रयोग में प्रेरण प्रशिक्षण	17–18 जून, 1991	मंसूरी	14
21.	कम्प्यूटर के प्रयोग हेतु डी.आई.ई.टी. के प्रधानाचार्यों का प्रेरण प्रशिक्षण	13–14 जून, 1991	एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली	2
22.	डी.आई.ई.टी. प्रधानाचार्यों का प्रेरण प्रशिक्षण	3–10 फरवरी, 1992	एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली	42
23.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में डी.आई.ई.टी. संकाय सदस्यों का प्रशिक्षण	30 मार्च से 10 अप्रैल, 1992	दिल्ली	28

1	2	3	4	5
समर्थन, प्रचार-प्रसार				
24.	विद्यालयी शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	18—19 सितंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली	85
25.	संगोष्ठी : अध्ययन कार्यक्रम	2—4 अप्रैल, 1992	एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली	13

6.3 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय

सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा के नवाचार कार्यक्रमों का विकास एन.सी.ई.आर.टी. के प्रमुख कार्यों में से एक है। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पक्षों से संबंधित अनुसंधान अध्ययन, अध्यापक शिक्षकों, अध्यापकों तथा अध्यापक-प्रशिक्षुओं के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास, एवं विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधारों के लिए प्रशिक्षण तथा विस्तार कार्यकलापों में, कार्यरत हैं।

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अपने क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आने वाले राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं के लिए प्रबंध करता है। क्षे.शि.म. अजमेर, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-काश्मीर, पंजाब, राजस्थान तथा उत्तर प्रदेश - राज्यों तथा संघ शासित प्रदेश चण्डीगढ़ तथा दिल्ली की शैक्षिक आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। क्षे.शि.म. भोपाल, गोवा, गुजरात, मध्यप्रदेश, तथा महाराष्ट्र राज्यों एवं दादरा व नागर हवेली तथा दमण व दीव की शैक्षिक आवश्यकताओं का प्रबंध करता है। अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, नागालैण्ड, उड़ीसा, सिक्किम, त्रिपुरा तथा पश्चिम बंगाल - राज्यों, संघ शासित प्रदेश अंडमान -निकोबार द्वीप-समूह का शैक्षिक प्रबंध क्षे.शि.म. भुवनेश्वर के अंतर्गत आता है जबकि आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु-राज्यों तथा लक्षद्वीप एवं पाण्डिचेरी संघ शासित क्षेत्रों का प्रबंध क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा किया जाता है।

6.3.1 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर

6.3.1.1 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर, (1) बी.एस.सी. (आनर्स) बी.एड डिग्री, (2) बी.एस.सी. (पास) बी.एड डिग्री के लिए विज्ञान शिक्षा में चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम, विज्ञान/कृषि/वाणिज्य/भाषा (अंग्रेजी/हिन्दी/उर्दू) में विशेषज्ञता सहित तथा (3) विज्ञान/वाणिज्य/भाषा में विशेषज्ञता सहित एक वर्षीय एम.एड पाठ्यक्रम चलाता है। महाविद्यालय में जो कि अजमेर विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं, शिक्षा तथा विज्ञान में पी.एच.डी. के लिए प्रत्याशियों के पंजीयन की सुविधा भी है।

महाविद्यालय, उत्तरी क्षेत्र के (1) राजस्थान (2) उत्तरप्रदेश (3) हिमाचल प्रदेश (4) जम्मू-कश्मीर तथा पंजाब, हरियाणा व चण्डीगढ़ राज्यों के क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों (एन.सी.ई. आर.टी.) के प्रशासनिक कार्यों को भी देखता है।

6.3.1.2 नामांकन

क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा वर्ष 1991-92 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के नामांकन का ब्यौरा तालिका 6.3.1.1 तथा 6.3.1.2 में दिया गया है।

परीक्षा परिणाम

क्षे.शि.म., अजमेर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों के परीक्षाफल तालिका 6.3.1.3 में दिए गए हैं। बी.एड. पाठ्यक्रम का समग्र सफलता प्रतिशत 95.5% , एम.एड. पाठ्यक्रम का 100% तथा बी.एस.सी. (ऑनर्स/पास) बी.एड. के अंतिम वर्ष का 98%रहा।

6.3.1.3 क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान चलाए गए महत्वपूर्ण कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की कुछ मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं

1991-92

(1) "क्लास" परियोजना तथा कम्प्यूटर शिक्षा

क्षे.शि.म. , अजमेर, "क्लास" परियोजना के अंतर्गत आने वाले राजस्थान के 46 विद्यालयों को प्रचालन संबंधी सहायता प्रदान करता है। इनमें से 15 विद्यालयों को, बी.बी.सी. माइक्रो का हिन्दी में शब्द संसाधित्र के रूप में प्रयोग करने के लिए हिन्दी आर.ओ.एम. उपलब्ध कराए गए हैं। क्षे.शि.म. अजमेर इन विद्यालयों के अध्यापकों को कम्प्यूटर के प्रयोग का प्रशिक्षण देता है। बी.एस.सी. (आनर्स/पास) बी.एड. पाठ्यक्रम के चौथे वर्ष के विद्यार्थी अनुप्रयुक्त विज्ञान के रूप में कम्प्यूटर शिक्षा का प्रशिक्षण पा रहे हैं। उनके अतिरिक्त, महाविद्यालय में आगन्तुकों के लिए जागरूकता कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में, राजस्थान के विभिन्न विद्यालयों के लगभग 200 वरिष्ठ अध्यापकों तथा मुख्य अध्यापकों को शामिल किया गया।

(2) एम.एल.एल. कार्यक्रम

क्षे.शि.म., अजमेर ने न्यूनतम अधिगम स्तर (एम.एल.एल.) कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कुछ अन्य क्रियाकलापों का आयोजन किया।

(3) विज्ञान तथा गणित शिक्षा में सुधार (मा.सं.वि.मं. परियोजना)

इस परियोजना के अंतर्गत क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा, + 2 स्तर पर विज्ञान तथा गणित शिक्षण हेतु, अध्यापकों के लिए एक पुस्तिका का विकास किया जा रहा है।

(4) डी.आई.ई.टी. संकाय सदस्यों के लिए प्रेरण स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्षे.शि.म. अजमेर, राजस्थान राज्य के एस.सी.ई.आर.टी. तथा डी.आई.ई.टी. संस्थानों को डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों के प्रशिक्षण के आयोजन के लिए शैक्षिक सहायता उपलब्ध कराता है। डी.आई.ई.टी. संस्थानों के कार्य अनुभव अध्यापक शिक्षकों के लिए एक 15 दिवसीय प्रेरण स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में पृष्ठभूमि सामग्री का विकास भी किया गया।

(5) जनसंख्या शिक्षा

11 से 17 जुलाई, 1991 तक जिला स्तर पर जनसंख्या शिक्षा सप्ताह का आयोजन किया गया। डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों के लिए 9 से 12 अक्तूबर, 1991 तक एक अभिविन्यास कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

क्षे.शि.म. अजमेर का जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ "छोटा परिवार प्रतिमान न अपनाने के उत्तरदायी घटक" नामक एक परियोजना चला रहा है। इस परियोजना के नमूने के अंतर्गत राजस्थान राज्य के बहुत सी गंदी बस्तियों, ग्रामीण क्षेत्रों तथा परिवहन इलाकों को शामिल किया गया।

(6) शैक्षिक प्रौद्योगिकी

क्षे.शि.म. अजमेर ने सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ के सहयोग से सेवा-पूर्व तथा सेवाकालीन अध्यापकों को विभिन्न विषयों में अध्यापन हेतु संपूर्ण मूल्य शिक्षा देने के संबंध में अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल, भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा गणित के पाठों का वीडियो टेप तैयार किया है।

क्षे.शि.म. अजमेर में 13-23 मार्च, 1992 तक "विज्ञान तथा गणित शिक्षण के अभिनव तरीके" पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस कार्यशाला में "ऊर्जा" तथा "सरल बीज गणितीय समीकरण" इत्यादि पर वीडियो टेप तैयार किए गए।

(7) विशेष शिक्षा

क्षे.शि.म. अजमेर ने यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त परियोजना "विकलांगों की संपूर्ण शिक्षा" (पी.आई.ई.डी.) के अंतर्गत एक वर्षीय बहु-श्रेणी अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। राजस्थान राज्य तथा संघ शासित प्रदेश दिल्ली के 18 प्रतिभागियों को इसमें प्रशिक्षित किया गया।

(8) एम.एम.आर.ए. परियोजना

महाविद्यालय ने, ग्रामीण क्षेत्रों में विज्ञान शिक्षण के सुधार को ध्यान में रखते हुए, स्थानीय संसाधनों तथा लोगों के अनुभवों का प्रयोग करके, "एप्रोप्रिएट साइन्स फॉर रूरल एरियाज"

नामक पुस्तक का प्रायोगिक अंक प्रकाशित किया है। अन्य बातों के अतिरिक्त, मुख्य संसाधन व्यक्तियों को दिशा देने के लिए 6-11 जनवरी, 1992 तक एक छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

(9) बालिका परियोजना

क्षे.शि.म. अजमेर, एन.सी.ई.आर.टी. के महिला शिक्षा विभाग की "प्राथमिक विद्यालयों में बालिकाओं के पढ़ाई जारी रखने तथा जारी न रखने के कारण" नामक परियोजना के आयोजन में सहयोग दे रहा है। यह परियोजना राजस्थान के अजमेर तथा बनस्वारा जिलों में एक-एक ब्लॉक में चलाई जा रही है।

(10) प्रश्नपत्र विश्लेषण परियोजना

क्षे.शि.म. अजमेर ने माध्यमिक तथा वरिष्ठ माध्यमिक स्तर के वर्ष 1990 के प्रश्नपत्रों, (इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र/राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी तथा उत्तरी क्षेत्र के राज्य बोर्डों की राज्य भाषा), के विश्लेषण के लिए छः कार्यशालाएँ आयोजित कीं। समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, लोकतंत्र तथा राष्ट्रीय अखंडता के संवैधानिक सिद्धांतों के दृष्टिकोण से प्रश्नपत्रों का विश्लेषण किया गया। इस प्रकार के पूर्वाग्रहों को दूर करने के लिए उक्त विश्लेषण के आधार पर सुझाव दिए गए।

(11) संपूर्ण साक्षरता कार्यक्रम

क्षे.शि.म. अजमेर के विद्यार्थी, स्टाफ के सदस्य तथा महाविद्यालय से संबद्ध बहुउद्देशीय प्रदर्शन विद्यालय, कोटरा गाँव में माध्यमिक विद्यालय तथा स्वयंसेवी ऐजेंसियों द्वारा गाँव में तथा क्षे.शि.म. परिसर में 100% साक्षरता प्राप्त करने के उद्देश्य में, सहायता कर रहे हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शिक्षुओं को शिक्षण सामग्री (पुस्तकें तथा स्लेट) बाँटी गई। कुछ रैलियों तथा नुक्कड़ कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। क्षे.शि.म. अजमेर के विद्यार्थियों की सहायता से मार्च, 1992 के इन्टर्नशिप कार्यक्रम के बाद एक बार फिर गहन कार्यक्रम चलाया जाएगा।

(12) विस्तार सेवाएं

क्षे.शि.म. अजमेर के विस्तार सेवा विभाग ने महाविद्यालय से संबद्ध राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की आवश्यकताओं तथा माँगों को ध्यान में रखकर, विद्यालय शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कार्यशालाओं/बैठकों/संगोष्ठियों आदि का आयोजन किया। विभिन्न राज्यों के बहुत से स्थानों पर वर्ष 1991-92 के दौरान इस प्रकार के 15 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 6.3.1.4 में दिया गया है। क्षे.शि.म. अजमेर के विस्तार सेवा विभाग द्वारा आयुध फैक्टरी विद्यालय के अध्यापकों के लिए भी एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इनके अतिरिक्त, एन.आई.ई, सी.आई.ई.टी. नई दिल्ली सहित अन्य ऐजेंसियों को, कार्यक्रम आयोजित करने के लिए, स्थान तथा अन्य सुविधाएँ भी जुटाई गईं।

(13) प्रकाशन

अनुसंधान प्रतिवेदनों/विनिबन्धों तथा पत्रिकाओं के प्रकाशन के अतिरिक्त क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गए :

(1) ऐजूकेशनल ट्रेंड्स
(2) मूल्यों को सीखना सिखाना

अध्यापक शिक्षकों तथा माध्यमिक विद्यालय के अध्यापकों के लाभ के लिए मापदण्ड के रूप में (हिन्दी में) शिक्षण सामग्री का विकास भी क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा किया गया।

क्षे.शि.म. अजमेर के संकाय सदस्यों ने कुछ अन्य संगठनों/संस्थानों के कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों में भी भाग लिया। कुछ संकाय सदस्य अजमेर विश्वविद्यालय तथा मेरठ विश्वविद्यालय के अंतर्गत नामांकित कुछ पी.एच.डी. विद्यार्थियों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं।

(14) क्षे.शि.म. अजमेर ने वर्ष 1991-92 के दौरान बहुत सी कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 6.3.1.1में दिया गया है।

1991-92

6.3.2 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल

क्षे.शि.म. भोपाल ने वर्ष 1991-92 के दौरान निम्नलिखित पाठ्यक्रम जारी रखे :

(1) एम.एड. --- विज्ञान शिक्षा, अध्यापक शिक्षा, मार्गदर्शन तथा परामर्श, एवं प्राथमिक शिक्षा में विशेषता सहित।

(2) बी.एस.सी.बी.एड -- चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम।

(3) बी.ए.बी.एड. -- चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम।

(4) बी.एड. -- विज्ञान तथा वाणिज्य में एक वर्षीय पाठ्यक्रम।

(5) बी.एड. (ऐलि.) --- प्राथमिक शिक्षा में एक वर्षीय पाठ्यक्रम।

6.3.2.1 नामांकन

शिक्षा सत्र 1991-92 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में नामांकन तालिका 6.3.2.1 में दिया गया है।

6.3.2.2 परीक्षा परिणाम

शिक्षा सत्र 1991-92 के दौरान क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम तालिका 6.3.2.2 में दिए गए हैं।

6.3.2.3 क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान चलाए गए कुछ अन्य कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं :

(1) 26 जुलाई से 2 अगस्त 1991 तक जनसंख्या शिक्षा सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान, हिन्दी तथा अंग्रेजी दोनों में निबंध प्रतियोगिता तथा चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

(2) मध्यप्रदेश के डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों के लिए 11 से 30 सितंबर 1991 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल में जनसंख्या शिक्षा के अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की रोचक बात यह थी कि खेल, ऑडियो कैसेट, कहानी, पोस्टर, कार्ड (पेन्द्रा तथा कुण्डेश्वर ब्लॉक के डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों द्वारा) इत्यादि के रूप में विकसित स्व-शिक्षण सामग्री का प्रयोग स्वांग के रूप में किया गया ताकि प्रतिभागियों को यह महसूस हो कि पाठ्यचर्या तथा सह-पाठ्यचर्या कार्यकलापों के माध्यम से जनसंख्या शिक्षा के विषयों तथा संदेशों तक सोद्देश्य पहुँचा जा सकता है।

(3) जनसंख्या शिक्षा पर अनुदेशी सामग्री के विकास के लिए डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों के लिए 19 से 24 अगस्त, 1991 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य डी.आई.ई.टी. के अध्यापक शिक्षकों के प्रयोग के लिए जनसंख्या शिक्षा पर (हिन्दी में) एक पुस्तिका का विकास करना था। जनसंख्या शिक्षा की अवधारणा, जनसांख्यिक विश्लेषण, उत्तरदायी मातृ-पितृत्व विलंबित विवाह, स्थानांतरण तथा शहरीकरण आदि जैसे विषयों पर सामग्री का विकास किया गया। इस सामग्री का अध्यापक शिक्षकों के एक लघु नमूने पर परीक्षण किया जाएगा और व्यापक प्रयोग के लिए अंतिम रूप दिया जाएगा।

(4) युवाओं पर जनसंख्या शिक्षा का प्रभाव तथा उनके भावी पारिवारिक जीवन के बारे में अवबोधन का अध्ययन, मध्यप्रदेश के भोपाल तथा होशंगाबाद जिलों के 1200 उच्च माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के एक नमूने पर किया जा रहा है।

(5) क्षे.शि.म., भोपाल के शिक्षा व्यावसायीकरण प्रकोष्ठ ने 21 से 26 अक्तूबर 1991 तक व्यावसायिक वाणिज्य शिक्षा पर एक संगोष्ठी-कार्यशाला आयोजित की।

(6) आर.ए.के. कृषि महाविद्यालय, सेहोर के सहयोग से "फल एवं सब्जी परिरक्षण की कम लागत की तकनीक" पर 30 सितम्बर से 5 अक्तूबर 1991 तक एक अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मध्य प्रदेश, गुजरात तथा महाराष्ट्र राज्यों से 25 प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

(7) क्षे.शि.म., भोपाल के शिक्षा व्यावसायीकरण प्रकोष्ठ का कृषि अनुभाग (युनेस्को के) "कम्युनिटी ऐक्शन प्रोग्राम मैन्युअल" के उस अनुवाद कार्य के रूपांतरण

में मुख्य रूप से व्यस्त रहा, जो कृषि कार्य अनुभव के क्षेत्र में अनुदेशी सामग्री के रूप में प्रयुक्त होगा।

(8) क्षे.शि.म., भोपाल के शिक्षा व्यावसायीकरण प्रकोष्ठ के प्रौद्योगिकी अनुभाग ने डी.आई.ई.टी. कार्मिकों तथा विभिन्न राज्यों के कार्य-अनुभव अध्यापकों के लिए कार्यशाला आयोजित की।

(9) क्षे.शि.म., भोपाल में उपग्रह से सिगनल रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हिन्द महासागर पर 73 डिग्री पूर्व में स्थापित अमेरिकी तुल्यकाली उपग्रह फील्डसेट से किलोहर्ट्स पर सिगनल प्रेषित किए जा रहे हैं। इन सिगनलों का प्रयोग आयनमण्डल की रचना तथा गुणों के अध्ययन के लिए किया जाएगा। क्षे. शि.म., भोपाल का एक संकाय सदस्य सिगनलों की रिकॉर्डिंग में सहायता दे रहा है।

6.3.3 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर

6.3.3.1 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर निम्नलिखित सेवापूर्व पाठ्यक्रम चलाता है जो कि उत्कल विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है :

(1) बी.ए. तथा बी.एड. (चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम) (पास तथा ऑनर्स)
(2) बी.एस.सी. तथा बी.एड. (चार वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम) पास तथा ऑनर्स
(3) बी.एड. (माध्यमिक) कला तथा विज्ञान (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
(4) बी.एड. वाणिज्य (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
(5) एम.एड. (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
(6) बी.एस.सी. (जीव विज्ञान) एड. (दो वर्षीय पाठ्यक्रम)
(7) बी.एड (प्रारंभिक) कला तथा विज्ञान (एक वर्षीय पाठ्यक्रम)
(8) बहुश्रेणीय अध्यापकों का प्रशिक्षण (यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त आई.ई.डी. परियोजना)

6.3.3.2 चार-वर्षीय पाठ्यक्रमों में सामान्य, व्यावसायिक तथा विषय शिक्षा का समेकित अनुक्रम प्रस्तुत किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों की परिकल्पना विशेष रूप से विज्ञान तथा कला के क्षेत्र में सक्षम अध्यापक तैयार करने के लिए की गई है। विज्ञान में बी.एस.सी. तथा बी.एड के लिए अध्यापक शिक्षा के चार-वर्षीय समेकित पाठ्यक्रम में भौतिकी, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान, गणित में ऑनर्स तथा अनुप्रयुक्त विज्ञान में प्रशिक्षण का प्रावधान है। विद्यार्थी निम्नलिखित विषय समूहों में से कोई एक चुन सकते हैं — "शिक्षा" सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है :

(1) गणित ऑनर्स/भौतिकी तथा रसायन विज्ञान पास के साथ।
(2) भौतिकी ऑनर्स/गणित तथा रसायन विज्ञान पास के साथ।
(3) रसायन विज्ञान ऑनर्स/भौतिकी तथा गणित पास के साथ।
(4) प्राणी विज्ञान ऑनर्स/वनस्पति विज्ञान तथा रसायन विज्ञान पास के साथ।
(5) वनस्पति विज्ञान ऑनर्स/प्राणी विज्ञान तथा रसायन विज्ञान ऑनर्स के साथ।
(6) अंग्रेजी ऑनर्स/इतिहास, राजनीति शास्त्र, अर्थ शास्त्र तथा भाषा "पास" के साथ।

6.3.3.4 कला में बी.ए. तथा बी.एड. के अध्यापक शिक्षण के समेकित पाठ्यक्रम में, वाणिज्य के क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण सहित, अंग्रेजी में ऑनर्स का प्रावधान है। एक विद्यार्थी निम्नलिखित में से कोई दो विषय पास विषयों के रूप में ले सकता है।

इतिहास, राजनीति शास्त्र, भूगोल, अर्थशास्त्र, उड़िया, हिन्दी, बंगाली इसके अतिरिक्त, उसे अंग्रेजी, आधुनिक भारतीय भाषा (उड़िया/हिन्दी/बंगाली, वैकल्पिक अंग्रेजी) तथा "शिक्षा" अनिवार्य विषय के रूप में पढ़ने पडेंगे।

यद्यपि एम.एस.सी. (जीव विज्ञान) एड पाठ्यक्रम अखिल भारतीय पाठ्यक्रम है, क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा चलाए जाने वाले अन्य सभी पाठ्यक्रम पूर्वी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए

तैयार किए गए हैं। सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश, योग्यता तथा राज्य-वार कोटे तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, शारीरिक रूप से विकलांग प्रत्याशियों की सीटों के वैधानिक आरक्षण आदि के आधार पर किया जाता है।

6.3.3.5 नामांकन

वर्ष 1991-92 के दौरान महाविद्यालय के विभिन्न सेवापूर्व पाठ्यक्रमों का नामांकन तालिका 6.3.3.1 में दिया गया है।

6.3.3.6 परीक्षा परिणाम

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम तालिका 6.3.3.2 में दिए गए हैं।

6.3.3.7 बहुश्रेणी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम

वर्ष 1990-91 के दौरान क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा, समेकित विद्यालयों में कार्यरत तथा उड़ीसा, मिजोरम तथा नागालैण्ड राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए, एक वर्षीय बहु-श्रेणी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय ने वर्ष 1991-92 के वर्तमान सत्र के दौरान अध्यापकों के तीसरे दल के लिए बहु-श्रेणी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का भी आयोजन किया। ये पाठ्यक्रम यूनिसेफ द्वारा सहायता प्राप्त "विकलांगों की समेकित शिक्षा" की उस परियोजना के अंतर्गत आयोजित किए गए जो कि अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., द्वारा चलाई जा रही है। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के प्रमाण पत्र एन.सी.ई. आर.टी. द्वारा प्रदान किए जाते हैं।

6.3.3.8 अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ/संगोष्ठियाँ

नियमित रूप से सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के आयोजन के अतिरिक्त क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा पूर्वी क्षेत्र में प्राथमिक, माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शिक्षा से जुड़े हुए अध्यापक-शिक्षकों, अध्यापकों, पर्यवेक्षकों तथा प्रशासनिक कार्मिकों के लिए आवश्यकता पर आधारित सेवाकालीन शिक्षण, कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर द्वारा, विभिन्न अग्रगामी क्षेत्रों से संबंधित कार्यशालाओं संगोष्ठियों, सम्मेलनों इत्यादि का भी आयोजन किया गया। वर्ष 1991-92 के दौरान महाविद्यालय द्वारा चलाए गए कार्यक्रमों का विवरण तालिका 6.3.3.3. में दिया गया है।

6.3.3.9 विशेष कार्यक्रम/परियोजनाएँ

उपरोक्त कार्यक्रमों के अतिरिक्त, क्षे.शि.म., भुवनेश्वर ने कुछ अन्य कार्यक्रमों/कार्यकलापों का भी आयोजन किया। इन कार्यक्रमों/कार्यकलापों की कुछ विशेषताएँ नीचे दी गई हैं :

(1) डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण

प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण के दूसरे चरण में मणिपुर, असम, उड़ीसा तथा मध्यप्रदेश के डी.आई.ई.टी. कार्मिकों के लिए 18 नवंबर से 2 दिसंबर, 1991 तक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। 14 संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

डी.आई.ई.टी. की आई.एफ.आई.सी. शाखा के लिए प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण के तीसरे चरण के अंतर्गत 20 जनवरी से 4 फरवरी, 1992 तक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे उत्तर प्रदेश तथा राजस्थान के सात संकाय सदस्यों ने भाग लिया।

शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में डी.आई.ई.टी. संकाय सदस्यों के लिए एक प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम क्षे.शि.म., भुवनेश्वर में 20 जनवरी से 11 फरवरी, 1992 तक आयोजित किया गया। दिल्ली, उत्तरप्रदेश, पंजाब, मध्यप्रदेश, राजस्थान तथा असम के 17 डी. आई.ई.टी. संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। उपरोक्त कार्यक्रमों के संबंध में क्षे.शि.म., भुवनेश्वर के संकाय सदस्यों द्वारा आई.एफ.आई.सी. शाखा के लिए प्रशिक्षण पैकेज में संशोधन तथा शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में प्रशिक्षण पैकेज का विकास किया गया।

(2) प्रश्नपत्रों का मूल्यांकन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परियोजना के अंतर्गत क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर ने, इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, नागरिक/राजनीति शास्त्र, अंग्रेजी तथा राज्य भाषा आदि के विषय क्षेत्रों में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के 18 माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्डों के कक्षा 10 तथा 12 (सार्वजनिक परीक्षा, 1990) प्रश्नपत्रों के मूल्यांकन का कार्य, समाजवाद, धर्मनिर्पेक्षता, राष्ट्रीय अखंडता आदि अवधारणाओं को शामिल करने की दृष्टि से किया। कार्यक्रम की रिपोर्ट परिषद् मुख्यालय को भेजी जा चुकी है।

6.3.4 क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्षेशिम.) मैसूर, विज्ञान में (बी.एस.सी.बी.एड) तथा अंग्रेजी एवं सामाजिक विज्ञान (बी.ए.एड) का आठ सत्रीय समेकित अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम, भौतिकी, रसायन विज्ञान तथा गणित में चार सत्रीय स्नातकोत्तर एम.एस.सी.एड. समेकित अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम, विज्ञान में दो सत्रीय बी.एड पाठ्यक्रम, तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी एवं विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में विशेषज्ञता सहित दो सत्रीय स्नातकोत्तर एम.एड. पाठ्यक्रम चलाता है।

6.3.4.1 नामांकन

शैक्षिक सत्र 1991-92 के दौरान क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा चलाए जा रहे सेवापूर्व पाठ्यक्रमों का नामांकन तालिका 6.3.4.1 में दिया गया है।

6.3.4.2 परीक्षा परिणाम

वर्ष 1991-92 के दौरान क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम तालिका 6.3.4.2 में दिया गया है।

6.3.4.3 कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की विशेषताएँ

सेवाकालीन अध्यापक प्रशिक्षण :

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा अल्पावधि पाठ्यक्रम कार्यशालाओं, संगोष्ठियों तथा सम्मेलन के माध्यम से अध्यापक शिक्षकों, पाठ्यचर्या नियोजकों, शैक्षिक प्रशासकों तथा पर्यवेक्षकों आदि जैसे प्रमुख स्तर के व्यक्तियों के लिए वर्ष भर बहुत से शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। कार्यक्रमों का प्रतिपादन, एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्र सलाहकारों, क्षेत्र की राज्य समन्वय समितियों तथा क्षे.शि.म. की प्रबंध समिति आदि को शामिल कर, आवश्यकता निर्धारण के आधार पर किया जाता है। वर्ष 1991-92 के अंतर्गत, 900 शैक्षिक कार्मिकों को शामिल कर, कुल 43 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें से निम्नलिखित कार्यक्रम विशेष महत्व के थे :

(1) दक्षिण क्षेत्र में डी.आई.ई.टी. के आई.एफ.आई.सी. शाखाओं के संकाय सदस्यों के लिए प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम।
(2) राष्ट्रीय अखंडता के दृष्टिकोण से क्षेत्र के वरिष्ठ माध्यमिक बोर्डों के प्रश्न-पत्रों के विश्लेषण पर कार्यशाला।
(3) लक्षद्वीप के माध्यमिक विद्यालयों के विज्ञान के अध्यापक के लिए विषयवस्तु संवर्धन कार्यक्रम।
(4) मूल्य शिक्षा पर एक पुस्तिका को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला
(5) समेकित विज्ञान की संकल्पना के विकास हेतु कार्यकलापों के चयन तथा परीक्षण के लिए कार्यशाला।
(6) अंग्रेजी शिक्षण, कक्षा अध्यापन कौशल, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श तथा मार्गदर्शन एवं महिला समानता के क्षेत्रों में श्रव्य कार्यक्रमों को तैयार करने के लिए कार्यशाला।

उपरोक्त के अतिरिक्त, क्षे.शि.म., मैसूर ने क्षेत्र के एन.सी.ई.आर.टी. क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों के माध्यम से, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक विकास, पर्यावरण

अध्ययन के शिक्षण, पूर्व-व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण, भूगोल में अनुदेशी सामग्री के विकास आदि क्षेत्रों में, कार्यक्रम प्रायोजित किए। क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर ने एन.आई.ई. के विभिन्न विभागों के बारह सेवाकालीन 'कार्यक्रमों, नवोदय विद्यालय समिति, महाविद्यालय के शैक्षिक स्टॉफ, मैसूर विश्वविद्यालय, डी.एम.ई.आर.टी. इत्यादि के कार्यक्रमों के लिए शैक्षिक तथा भौतिक संसाधनों से सहायता की। क्षे.शि.म., मैसूर ने शिक्षा तथा उत्पादक कार्य पर युनेस्को ए.पी.ई.आई.डी. कार्यशाला का संचालन किया जिसमें युनेस्को विशेषज्ञों तथा एशिया एवं प्रशान्त महासागर के देशों से बारह प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बी.एस.सी.एड, बी.ए.एड तथा बी.एड विद्यार्थियों के शिक्षण में इन्टर्नशिप के संबंध में सहकारी विद्यालयों के मुख्य अध्यापकों तथा अध्यापकों के लिए पूर्व-इन्टर्नशिप सम्मेलनों का आयोजन भी क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा ही किया गया। वर्ष 1991-92 के दौरान महाविद्यालय द्वारा चलाए गए सेवाकालीन कार्यक्रमों की सूची तालिका 6.3.4.3 में दी गई है।

6.3.4.4 अनुदेशी सामग्री का विकास

वर्ष 1991-92 के दौरान निम्नलिखित सामग्री का विकास किया गया :

(1) उच्चतर माध्यमिक अध्यापकों के विषयवस्तु ज्ञान को आधुनिकतम बनाने के लिए रसायन विज्ञान तथा गणित में पत्राचार शिक्षण सामग्री
(2) क्षेत्र में नए स्थापित हुए डी.आई.ई.टी. की सेवाकालीन क्षेत्रीय प्रभाव तथा नवाचार समन्वय शाखा में कार्यरत संकाय के प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण के लिए नमूना प्रशिक्षण पैकेज
(3) अध्यापकों तथा अध्यापक शिक्षकों के लिए "मूल्यों में शिक्षा" पर एक संसाधन पुस्तक
(4) समेकित विज्ञान की संकल्पना के विकास के लिए कार्यकलाप
(5) भाषा अधिगम, लिंग औचित्य से संबंधित अध्यापकों तथा प्रशिक्षकों के प्रयोग के लिए तथा विज्ञान में उच्च प्रतिष्ठित व्यक्ति के जीवनी संबंधी रेखाचित्रों के लिए ऑडियो सॉफ्टवेयर
(6) विकलांगों की शिक्षा पर अनुदेशी मापदण्ड
(7) दो शैक्षिक सॉफ्टवेयर पैकेज मैट्रिसेज तथा मापन उपकरणों पर जो आई.बी.एम.पी.सी. कम्प्यूटर पर चलाए जाएँगे

6.3.4.5 अनुसंधान

क्षे.शि.म., मैसूर, मैसूर विश्वविद्यालय द्वारा जारी की जाने वाली पी.एच.डी. डिग्री के लिए, मान्यता प्राप्त शैक्षिक अनुसंधान केन्द्र है। महाविद्यालय के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन में एक दर्जन से अधिक शोध छात्र पी.एच.डी. डिग्री के लिए कार्य कर रहे हैं।

पी.एच.डी. अनुसंधान के अतिरिक्त, क्षे.शि. महाविद्यालय, मैसूर, के संकाय सदस्य निम्नलिखित ऐरिक प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाओं में कार्यरत हैं :

— निजी तथा सार्वजनिक विद्यालयों के बीच अन्तर का उनकी विद्यालयी उपलब्धि पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण
— विज्ञान में उच्च स्तरीय विचार
— सामाजिक रूप से पिछड़े वर्ग के 9 से 14 वर्ष के बच्चों में तार्किक विवेचना के विकास का प्रतिनिधिक अध्ययन
— विकलांगों के लिए प्राथमिक स्तर पर विकसित विज्ञान की अवधारणाओं के शिक्षण के लिए रूपान्तरित अनुदेशी सामग्री के प्रभावों के निर्धारण का एक अध्ययन
— प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के बीच जोर देना

6.3.4.6 राज्यों/विश्वविद्यालयों को परामर्श

अन्य बातों के साथ-साथ वर्ष 1991-92 के दौरान क्षे.शि.म. मैसूर ने निम्नलिखित परामर्श सेवाएँ उपलध कराईं :

(1) क्षे.शि.म. मैसूर, ने अविनाशलिंगम महिला गृह विज्ञान संस्थान, तमिलनाडु (एक मानित विश्वविद्यालय) को, चार वर्षीय समेकित अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए व्यावसायिक परामर्श उपलब्ध कराया। क्षे.शि.म. मैसूर ने इसी प्रकार की सेवा भारतीय विद्या भवन, हैदराबाद को भी उपलब्ध कराई जिसने चार वर्षीय

समेकित अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रावधान से अपना अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया है।

(2) केरल सरकार को अपने राज्य शिक्षा संस्थान की उन्नति पर संपूर्ण एस.सी.ई.आर.टी. में परिवर्तित करने संबंधी परियोजना के प्रस्ताव की तैयारी में सहायता दी।

(3) क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा निम्नलिखित को संसाधन सहायता उपलब्ध कराई गई :

- कुवेम्पु विश्वविद्यालय को अंग्रेजी भाषा शिक्षण के क्षेत्र में मैसूर विश्वविद्यालय के एकेडेमिक स्टॉफ कॉलेज को, विशेष शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम चलाने के लिए
- लक्षद्वीप प्रशासन को, पाठयचर्या विकास तथा मलयालम, जीव विज्ञान एवं गणित में अध्यापक प्रशिक्षण के क्षेत्र में
- कर्नाटक सरकार को, कम्प्यूटर ज्ञान तथा ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाने के लिए

6.3.4.7 प्रकाशन

(1) हैण्डबुक ऑन लर्निंग डिसेबिलिटीज-डा. एस.रामा

(2) हैण्डबुक ऑन स्टेटिस्टिक्स—टीचिंग मॉड्यूल्स—श्री डी. बासवैया

6.3.5 बहु-उद्देशीय प्रदर्शन विद्यालय

प्रत्येक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के साथ एक बहु-उद्देशीय प्रदर्शन विद्यालय संबद्ध है।

क्षे.शि. महाविद्यालयों द्वारा नामांकित विभिन्न अध्यापक शिक्षण पाठ्यक्रमों के अध्यापक-प्रशिक्षक इन बहुउद्देशीय प्रदर्शन विद्यालयों में प्रायोगिक प्रशिक्षण पाते हैं। ये विद्यालय, विद्यालय शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में नवीन प्रयोगों के परीक्षण की प्रयोगशाला के रूप में कार्य करते हैं।

6.3.5.1 नामांकन

शैक्षिक वर्ष 1991-92 के दौरान विभिन्न प्रदर्शन विद्यालयों, विद्यार्थियों के नामांकन तालिका 6.3.5.1.1, 6.3.5.1.2, 6.3.5.1.3 तथा 6.3.5.1.4 में दिए गए हैं।

6.3.5.2 परीक्षा परिणाम

शैक्षिक वर्ष 1990-91 की बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम तालिका 6.3.5.2.1, 6.3.5.2.2, 6.3.5.2.3 तथा 6.3.5.2.4 में दिए गए हैं।

तालिका 6.3.1.1

क्षे.शि.म. अजमेर में वर्ष 1991-92 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्य/संघ शासित प्रदेश-वार नामांकन

पाठ्यक्रम	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	हिमाचल प्रदेश	दिल्ली	जम्मू-कश्मीर	चण्डीगढ़	पंजाब	कुल
एम.एड									17
बी.एड (विज्ञान)	14	30	1	4	7	3	2	8	69
बी.एड (वाणिज्य)	07	13	2	2	3	-	-	2	29
बी.एड (कृषि)	05	24	1	-	-	-	-	-	30
बी.एड (अंग्रेजी)	06	10	2	4	02	-	1	3	28

1991-92

पाठ्यक्रम	राजस्थान	उत्तर प्रदेश	हरियाणा	हिमाचल प्रदेश	दिल्ली	जम्मू-कश्मीर	चण्डीगढ़	पंजाब	कुल
बी. एड (हिन्दी)	04	19	2	2	4	-	-	3	34
बी. एड (उर्दू)	10	14	-	-	-	-	-	-	24
प्रथम वर्ष बी.एससी. (एच/पी.) बी.एड	33	19	4	4	9	-	2	9	90
द्वितीय वर्ष बी.एससी. (एच.रुपी.) बी. एड	27	14	5	4	4	1	4	5	64
तृतीय वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी. एड	21	23	3	4	6	2	2	5	66
चतुर्थ वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी.एड.	18	16	2	4	8	-	2	3	53

तालिका 6.3.1.2

क्षे.शि.म. अजमेर में वर्ष 1991-92 के दौरान सेवा-पूर्व पाठ्यक्रम में समूह वार नामांकन का विवरण

पाठ्यक्रम	ग्रहण क्षमता	प्रवेश नामांकन			कुल
		अनु. जाति	अनु. जन जाति	सामान्य	
एम. एड	20	-	-	17	17
बी.एड. (विज्ञान)	80	18	01	50	69
बी. एड. (वाणिज्य)	30	07	-	22	29
बी. एड. (कृषि)	30	07	01	22	30
बी. एड. (हिन्दी)	40	10	-	24	34
बी. एड. (अंग्रेजी)	30	07	-	21	28
बी. एड (उर्दू)	30	-	-	24	24
प्रथम वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी.एड.	80	14	02	74	90
द्वितीय वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी.एड.	-	05	02	57	64
तृतीय वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी.एड.	-	02	02	02	66
चतुर्थ वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी.एड.	-	-	-	53	53

तालिका 6.3.1.3

क्षे.शि.म. अजमेर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम (1990-91)

(भाग "क")

पाठ्यक्रम का नाम	*(परीक्षा में) बैठे छात्र*	*पास श्रेणी*						*कुल*
		I,I	*I,II*	*I, पास*	*II,I*	*II,II*	*पास*	
बी. एड. (विज्ञान)	65	21	7	-	16	20	1	65
बी. एड. (कृषि)	28	12	8	-	2	6	-	28
बी. एड. (वाणिज्य)	26	9	2	-	6	9	-	26
बी. एड. (अंग्रेजी)	24	3	1	-	12	8	-	24
बी. एड. (हिन्दी)	34	-	3	-	9	22	-	34
बी. एड. (उर्दू)	29	1	-	-	10	18	-	29

(भाग "ख")

	बैठे छात्र	*I*	*II*	*कुल*
एम. एड.	11	5	6	11

(भाग "ग")

पाठ्यक्रम का नाम	*(परीक्षा में) बैठे छात्र*	*I, I*	*II, I*	*II, II*	*पी-I*	*सफल*	*अनुपूरक*	*असफल*	*कुल*
चतुर्थ वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी. एड.	48	22	24	1	1	-	-	-	48
तृतीय वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी. एड.	55	-	-	-	-	52	-	3	55
द्वितीय वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी. एड.	69	-	-	-	-	66	1	2	69
प्रथम वर्ष बी.एससी. (एच./पी.) बी. एड.	80	-	-	-	-	64	2	16	80

1991-92

तालिका 6.3.1.4

क्षे.शि. म. अजमेर द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियाँ/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1.	ज्ञानात्मक संवृद्धि के निर्धारण के लिए अनुदेशी सामग्री का विकास	19 से 23 अगस्त, 1991	क्षे.शि.म. अजमेर	12
2.	कार्यालय प्रबंध समूह के व्यावसायिक अध्यापकों के लिए प्रायोगिक परीक्षा की कार्ययोजना का विकास	26 से 31 अगस्त, 1991	विद्या भवन, उदयपुर	30
3.	सहकारी विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों/मुख्याध्यापकों का सम्मेलन	26 सितम्बर, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	8
4.	एस.सी.ई.आर.टी./प्रशिक्षण महाविद्यालयों के विस्तार समन्वयकों का प्रशिक्षण	19 से 22 नवबंर, 1991	शाह गोवर्धनलाल काबरा टी.टी. महाविद्यालय, जोधपुर	8
5.	मूल्य अभिमुख शिक्षा पर कार्यशाला	25 से 28 नवंबर, 1991	शान्तिकुज, हरिद्वार	30
6.	मूल्य अभिमुख शिक्षा कार्यशाला	9 से 14 दिसम्बर, 1991	टैगोर पब्लिक स्कूल जयपुर	21
7.	गणितीय उपकरणों में निदान परीक्षण का विकास	20 से 25 जनवरी, 1992	विद्या भवन, उदयपुर	10
8.	डी.आई.ई.टी. स्टाफ का दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सेवाकालीन प्रशिक्षण	28 से 30 जनवरी, 1992	आई.ए.एस.ई. बीकानेर	—
9.	सहकारी विद्यालयों के सहकारी अध्यापकों, प्रधानाध्यापकों/ मुख्याध्यापकों का सम्मेलन	29 से 31 जनवरी, 1992	क्षे.शि.म., अजमेर	21
10.	बनस्वारा में अनु.जा./ज.जा. बस्तियों/मोहल्लों के प्राथमिक विद्यालयों, आश्रम विद्यालयों में गणित के निदान-परीक्षण तथा उपचारात्मक शिक्षा पर कार्यशाला	3 से 12 फरवरी, 1992	डी.आई.ई.टी., गढ़ी, बनस्वारा	25
11.	लघु तथा वृहत समूह की अनुदेशात्मक तकनीकों पर संगोष्ठी-सह कार्यशाला	14 से 17 फरवरी, 1992	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ एजूकेशन, कुरुक्षेत्र	20
12.	प्रमुख संबंधित विद्वानों को अंग्रेजी में वाक कौशल दिलाने के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	17 से 22 फरवरी, 1992	क्षे.शि.म. अजमेर	20
13.	क्षेत्र के अध्यापकों के लिए सी.नी.एल. पैकेज के प्रयोग का प्रशिक्षण कार्यक्रम	10 से 17 मार्च. 1992	सरदार वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जोधपुर	13
14.	के.आर.पी. का उपस्करों के कामचलाऊ प्रबन्ध में प्रशिक्षण	24 से 29 मार्च, 1992	एस.सी.ई.आर.टी. गुड़गाँव, हरियाणा	30

1	2	3	4	5
15.	डी.आई.ई.टी. स्टाफ का दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से सेवाकालीन प्रशिक्षण	24 से 31 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., अजमेर	4
जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम				
16.	जिला स्तरीय जनसंख्या शिक्षा सप्ताह	11 से 17 जुलाई, 1991	—	100
17.	निर्णायक सक्षमता तथा प्रदर्शन	27 से 30 जुलाई, 1991	राजकीय ओसबाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, राजकीय टीकमचन्द जैन वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजकीय तोपदरा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सूचना केन्द्र (सभी अजमेर के)	9
18.	जिला स्तर के अधिकारियों को साप्ताहिक कार्यकलाप आयोजित करने के लिए एक दिवसीय बैठक	25 जून, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	5
19.	राजस्थान के डी.आई.ई.टी.के अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास	9 से 12 अक्तूबर, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	10
20.	उत्तर प्रदेश के माध्यमिक अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास	24 से 27 मार्च, 1992	गवर्नमेंट सी.पी.आई. इलाहाबाद	12

1991-92

तालिका 6.3.2.1

क्षे.शि.म., अजमेर में शैक्षिक सत्र 1991-92 के दौरान विभिन्न विषयों में राज्यवार नामांकन

क्रमांक पाठ्यक्रम	मध्य प्रदेश						महाराष्ट्र						गुजरात						गोवा						संघीय प्रदेश दमणदीव दादरानगर हवेली						कुल
	अ.जा.*		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.	
1. बी.एससी. बी.एड. 1	1	3	-	2	4	15	4	5	-	-	3	16	-	-	-	-	4	15	-	-	-	-	2	3	-	-	-	-	-	-	77
2. बी.एससी. बी.एड. 2	2	-	-	-	7	28	1	2	-	-	5	18	1	-	-	-	2	8	-	-	-	-	-	4	-	-	-	-	-	-	78
3. बी.एससी. बी.एड. 3	1	-	-	1	4	40	2	1	-	-	2	12	-	-	-	-	3	7	-	-	-	-	-	3	-	-	-	-	-	-	76
4. बी.एससी. बी.एड. 4	-	1	-	-	8	48	-	-	-	-	2	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	63
5. बी.ए. बी.एड. 1	5	1	-	-	-	6	-	4	-	-	3	6	1	-	-	-	-	8	1	-	-	-	1	3	-	-	-	-	-	-	49
6. बी.ए. बी.एड. 2	1	1	-	1	2	8	-	-	-	-	1	9	-	1	-	-	1	9	-	-	-	-	1	4	-	-	-	-	-	-	48
7. बी.ए. बी.एड. 3	-	1	1	-	-	10	-	-	-	-	1	8	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	29
8. बी.ए. बी.एड.4	1	-	-	-	-	18	-	1	-	-	1	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	31
9. बी.एड. (विज्ञान)	2	3	-	-	3	8	-	-	1	-	10	3	-	-	1	-	13	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	2	2	57
10. बी.एड. (वाणिज्य)	2	-	-	-	3	6	3	-	1	-	9	2	1	-	2	-	8	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	39
11. बी.एड. (प्रा.शि.)	2	-	-	1	2	6	1	1	-	-	8	-	3	-	2	-	5	-	-	-	-	-	-	2	-	-	3	-	3	1	40
12. एम.एड.	4	-	1	-	7	9	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	23
कुल	21	10	2	5	40	202	17	14	2	-	45	79	6	1	5	-	36	50	1	-	-	-	5	23	-	-	3	-	5	4	610

*इसमें उत्तरी क्षेत्र भी सम्मिलित है

उत्तरी क्षेत्र

	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य	
	पु.	म.	पु.	म.	पु.	म.
बी.ए.बी.एड. 1	-	2	-	-	-	8
बी.ए.बी.एड. 2	-	-	-	-	3	6
बी.ए.बी.एड. 3	-	1	-	-	1	5
बी.ए.बी.एड. 4	-	-	-	-	2	6
कुल	-	3	-	-	6	25

तालिका 6.3.2.2

क्षे.शि.म. भोपाल द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम (1991) सफल हुए

कक्षा	परीक्षा में बैठे			सफल हुए		
	छात्र	छात्राएं	कुल	छात्र	छात्राएं	कुल
बी.ए.बी.एड. 1	10	41	51	8	41	49
" " 2	3	27	30	3	26	29
" " 3	3	32	35	3	31	34
" " 4	6	18	24	6	18	24
बी.एस.सी.बी.एड 1	23	62	85	19	60	79
" " 2	13	63	76	13	62	75
" " 3	8	54	62	8	54	62
" " 4	12	39	51	12	39	51
बी.एड. (विज्ञान)	25	20	45	25	20	45
बी.एड. (वाणिज्य)	23	16	39	23	16	39
बी.एड. (प्राथमिक शिक्षा)	31	13	44	29	13	42
एम.एड.	6	13	19	4	12	16

तालिका 6.3.3.1

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर में शैक्षिक सत्र 1991-92 के दौरान विभिन्न पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रमांक	पाठ्यक्रम	कुल	उड़ीसा	बिहार	पश्चिम बंगाल	असम	अन्य राज्य/संघ शासित प्रदेश
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	एम.एससी. (एल.एस.) एड. भाग-1	20	8	1	2	-	9
2.	एम.एससी. (एल.एस.) एड. भाग-2	19	5	1	-	-	13
3.	एम.एड.	20	9	3	7	-	1
4.	बी.एड. मा. कला	60	25	19	15	-	1
5.	बी.एड.मा. विज्ञान	100	41	35	20	1	3
6.	बी.एड. वाणिज्य	19	7	11	1	-	-
7.	बी.एड. प्रा. कला	10	5	4	-	-	1

1991-92

1	2		3	4	5	6	7	8
8.	बी.एड. प्रा. विज्ञान		10	4	3	2	-	1
9.	बी.ए. बी.एड.	भाग 1	59	16	16	15	3	9
10.	" "	भाग 2	57	15	11	11	2	18
11.	" "	भाग 3	60	21	11	11	3	14
12.	" "	भाग 4	64	27	8	13	4	12
13.	बी.एससी.बी.एड.	भाग 1	81	17	16	25	4	19
14.	बी.एससी.बी.एड.	भाग 2	83	23	19	27	4	10
15.	" "	भाग 3	67	23	12	15	3	14
16.	" "	भाग 4	73	24	19	17	3	10
	कुल		802	270	189	181	27	135

तालिका 6.3.3.2

क्षे.शि.म. भुवनेश्वर द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम (1991)

क्रमांक	पाठ्यक्रम	परीक्षा में बैठे		उत्तीर्ण		सफलता %		कुल	परीक्षा में बैठे		उत्तीर्ण अनु.जा./जन.जा.	
		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	प्रतिशत	अनु.जा./अनु.ज.जा.		अ.ज.	जन.जाति
1.	बी.एससी. बी.एड.	20	58	17	56	85.00	96.50	96.58	8	5	7	4
	भाग 1	23	38	22	38	91.30	100.00	96.70	7	—	5	—
	भाग 2											
	भाग 3	28	48	25	47	89.28	97.90	94.52	6	1	6	1
	भाग 4	30	37	26	37	86.66	100	94.02	5	1	5	1
2.	बी.ए.बी.एड.											
	भाग-1	23	31	21	29	91.30	93.50	92.59	7	5	7	5
	भाग-2	13	46	11	44	84.61	95.65	93.22	4	2	4	2
	भाग-3	19	45	18	44	94.73	97.77	96.87	9	4	9	4
	भाग-4	29	31	28	31	96.55	100	98.33	4	4	4	4
3.	बी.एड.मा. (कला)	42.	21	38	21	98.48	100	93.65	6	8	5	7
	बी.एड.मा. (विज्ञान)	67	31	66	30	98.50	96.77	97.95	—	2	—	2

1	2	3	4	5	6	7	8	10	11	12	13	14
	बी.एड.प्रा. (कला)	6	3	6	3	100	100	100	1	1	1	1
	बी.एड.प्रा. (वि.)	6	4	6	4	100	100	100	1	—	1	—
	बी.एड. (वाणिज्य)	19	0	17	—	89.49	—	89.47	4	—	3	—
4.	एम.एससी.एड. भाग-1	5	14	5	14	100	100	100	1	—	1	—
	एम.एससी.एड. भाग-2	4	18	4	18	100	100	100	3	—	3	—
5.	एम.एड.	8	8	8	8	100	100	100	3	—	3	—

तालिका 6.3.3.3

वर्ष 1991-92 के दौरान क्षे.शि.म. भुवनेश्वर द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ, प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	प्राथमिक स्तर पर गणित में यूनिट परीक्षण के विकास के लिए प्राथमिक अध्यापक शिक्षकों की कार्यशाला	28 जून से 3 जुलाई, 1991	कॉटन कॉलेज, गुवाहाटी	21
2.	माध्यमिक स्तर पर कलात्मक तथा सुरुचिपूर्ण शिक्षा में मुख्य व्यक्तियों का अभिविन्यास	15 से 24 जुलाई, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	46
3.	माध्यमिक स्तर पर भूगोल शिक्षण के विषय-वस्तु वर्गीकरण में अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास	26 से 30 अगस्त, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	22
4.	अंग्रेजी शिक्षण के लिए संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास कार्यक्रम	4 से 10 सितम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	19
5.	वरिष्ठ माध्यमिक स्तर पर रसायन विज्ञान पढ़ाने के लिए विषय-वस्तु संवर्धन तथा वर्गीकरण	21 से 27 सितम्बर, 1991	इटानगर अरुणाचल प्रदेश	17
6.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पर्यावरण जीवविज्ञान में अनुदेशी सामग्री का विकास	23 से 28 सितम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	15
7.	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के लिए पर्यावरण जीव विज्ञान में अनुदेशी सामग्री का विकास	23 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	10
8.	मणिपुर राज्य के प्राथमिक तथा मिडिल स्तर के आई.ई.डी. अध्यापकों का अभिविन्यास	4 से 8 नवंबर, 1991	इम्फाल	40
9.	डी.आई.ई.टी. संकाय कार्यक्रम : आई.एफ.आई.सी. शाखा	18 नवंबर से 2 दिसम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	14

1991-92

1	2	3	4	5
10.	+2 स्तर पर जीव विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में विषय वस्तु तथा वर्गीकरण संवर्धन कार्यक्रम	21 से 27 नवंबर, 1991	इम्फाल	20
11.	माध्यमिक तथा उच्चतर माध्यमिक स्तर पर वाणिज्य विषय के शिक्षण में नई प्रवृत्तियाँ	3 से 7 दिसंबर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	10
12.	प्रारंभिक स्तर पर माध्यमिक शिक्षण की विषय वस्तु तथा वर्गीकरण पर अध्यापक–शिक्षकों का अभिविन्यास	9 से 14 दिसम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	41
13.	+2 स्तर पर गणित की अभ्यास पुस्तिका में विशेष विषयों पर स्वतः अधिगम सामग्री के विकास के लिए कार्यशाला	16 से 23 दिसम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	8
14.	सामाजिक विज्ञान विषय में अवस्थिति अध्ययन	7 से 1 जनवरी, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	10
15.	माध्यमिक स्तर के अध्यापक शिक्षकों के लिए मार्गदर्शन तथा परामर्श में पुनश्चर्या पाठ्यक्रम	10-14 जनवरी, 1992	,, ,,	8
16.	समेकित विद्यालयों में कार्यरत विषय-विशेषज्ञ अध्यापकों का अभिविन्यास	20 से 24 जनवरी, 1992	,, ,,	11
17.	आई.एफ.आई.सी. शाखा के डी.आई.ई.टी. संकाय कार्यक्रम	20 जनवरी से 4 फरवरी, 1992	,, ,,	7
18.	शारीरिक शिक्षा का डी.आई.ई.टी. संकाय कार्यक्रम	20 जनवरी से 11 फरवरी, 1992	,, ,,	15
19.	बिहार राज्य के प्राथमिक/मिडिल स्तर के आई.ई.डी. अध्यापकों के लिए अभिविन्यास	10–14 फरवरी, 1992	पटना	18
20.	पाठ्यपुस्तकों तथा पाठ्यचर्या सम्पादन से लैंगिक भेदभाव हटाने एवं प्राथमिक स्तर पर अ.जा./अ.ज.जातियों पर विशेष बल देते हुए, राज्य स्तर के संबंधित विद्वानों के अभिविन्यास के लिए कार्यशाला	25–29 फरवरी, 1992	अगरतला	14
21.	माध्यमिक स्तर पर उड़ीसा के जनजातीय जिलों के विद्यालयों में उड़िया भाषा के शिक्षण तथा अधिगम की समस्याओं की पहचान करने हेतु कार्यशाला	25 फरवरी, से 3 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	14
22.	माध्यमिक स्तर पर विशेष शिक्षा की विषयवस्तु वर्गीकरण शिक्षण में अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास	27 फरवरी से 22 मार्च, 1992	गुवाहाटी	20
23.	माध्यमिक स्तर पर शारीरिक विज्ञान में बच्चों की संकल्पना–अधिगम के परीक्षण के लिए परीक्षण सामग्री का विकास	9 से 18 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	19
24.	असम के प्रमुख व्यक्तियों के लिए उच्चतर माध्यमिक स्तर पर पर्यावरण विज्ञान में अभिविन्यास कार्यक्रम	12 से 18 मार्च, 1992	डी.आई.ई.टी., मिजा	18

1991-92

1	2	3	4	5
25.	+2 स्तर पर गणित में विशेष विषयों पर स्वतः अधिगम सामग्री के विकास के लिए कार्यशाला	23 से 28 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	3
26.	माध्यमिक +2 स्तर पर गणित के आधुनिक क्षेत्रों विषयवस्तु संवर्धन : राज्य के संबंधित विद्वानों के लिए अभिविन्यास पाठ्यक्रम	25 मार्च से 2 अप्रैल, 1992	इम्फाल	26
27.	रसायन विज्ञान में प्रदर्शन का विकास	30 मार्च से 3 अप्रैल, 1992	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	6
28.	प्राथमिक स्तर पर शिक्षण, अधिगम तथा मूल्यांकन पर उड़ीसा के अनु.जा./अनु.ज.जा. विषय-विशेषज्ञ अध्यापकों का अभिविन्यास	5 से 8 अगस्त, 1991	,, ,,	31
29.	अनु.जा./ज.जा. के बच्चों को पढ़ाने के लिए माध्यमिक स्तर के अध्यापक शिक्षकों का अभिविन्यास	4 से 13 मार्च, 1992	,, ,,	18
30.	अनौ. शिक्षा केन्द्रों में परीक्षण के लिए आवश्यकता पर आधारित पठन सामग्री तैयार करने हेतु कार्यशाला	26 अगस्त से 1 सितम्बर, 1991	एस.वी.एम. कॉलेज जगतसिंहपुर	16
31.	कम्प्यूटर शिक्षा पर अभिविन्यास पाठ्यक्रम के लिए प्रारंभिक बैठक	24 से 25 दिसम्बर, 1991	क्षे.शि.म., भुवनेश्वर	
32.	माध्यमिक स्तर पर आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के मुख्य व्यक्तियों का अभिविन्यास प्रशिक्षण कार्यक्रम	21 से 30 जनवरी, 1992	,, ,,	13

तालिका 6.3.4.1

क्षे.शि.म. मैसूर में वर्ष 1991-92 के दौरान सेवापूर्व पाठ्यक्रमों में राज्यवार नामांकन

क्रमांक पाठ्यक्रम		राज्य																
		आन्ध्र प्रदेश		तमिलनाडु		केरल		कर्नाटक		अन्य राज्य		अनु.जा.		अ.ज.जा.		कुल		कुल
		छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	जोड़
1. बी.एससी.एड.	1 वर्ष	8	12	5	16	1	9	3	11	1	-	1	6	1	-	18	48	66
"	2 वर्ष	10	9	5	10	3	3	2	11	-	-	1	4	1	-	20	33	53
"	3 वर्ष	9	9	-	19	2	10	4	11	1	-	-	2	-	-	16	49	65
"	4 वर्ष	8	7	1	10	-	6	1	12	3	2	1	1	3	2	13	37	50
2. बी.ए.एड.	1 वर्ष	3	7	1	8	-	5	3	6	-	-	1	5	-	-	7	26	33
"	2 वर्ष	2	8	-	8	1	3	1	6	-	1	1	1	-	1	4	26	30
"	3 वर्ष	3	8	-	11	2	5	2	7	-	-	1	5	-	-	7	31	38
"	4 वर्ष	5	6	2	10	1	6	2	6	-	1	2	3	1	1	10	29	39
3. बी.एड.	एक वर्षीय	9	5	6	15	3	9	1	12	-	7	4	2	2	-	19	42	61
4. एम.एड.	एक वर्षीय	3	-	1	-	1	2	4	6	-	1	-	-	1	-	9	9	18
5. एम.एससी.एड.	भौतिकी 1 वर्ष	5	-	2	2	4	3	5	2	-	-	2	-	-	-	16	7	23
"	2 वर्ष	24	-	4	3	2	1	1	2	3	1	-	-	-	-	14	7	21
	रसायन विज्ञान																	
	1 वर्ष	3	4	1	5	-	-	6	4	1	-	-	-	-	-	11	13	24
" "	2 वर्ष	4	3	2	3	-	-	3	1	2	2	-	-	-	-	11	9	20
"	गणित 1 वर्ष	5	3	5	-	1	2	3	3	-	-	-	-	-	-	14	8	22
	2 वर्ष	3	4	1	3	1	2	3	1	-	-	1	-	-	-	8	10	18
कुल जोड़		84	85	36	123	22	66	44	101	11	9	14	29	9	4	197	384	581

1991-92

तालिका 6.3.4.2

क्षे.शि.म. मैसूर द्वारा चलाए गए विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम (1991)

क्रमांक	पाठ्यक्रम		परीक्षा में बैठे छात्र	1 श्रेणी	2 श्रेणी	3 श्रेणी	कुल उत्तीर्ण	आर्डिनेन्स प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण प्रतिशत	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या				उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या			
										अ.जा.		ज.जा		अ.जा		ज.जा	
										छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं
1.	बी.एस.एड.	नि.	66	55	06	—	61	05	92.4	2	—	—	—	2	—	—	—
		प्रा.	11	03	02	—	05	06									
2.	बी.ए.एड.	नि.	27	10	13	02	25	02	92.59	1	2	—	—	1	2	—	—
		प्रा.	—	—	—	—	—	—									
3.	बी.एड.	नि.	53	48	05	—	53	—	100.00	3	3	1	1	3	3	1	1
		प्रा.	04	—	02	—	02	02									
4.	एम.एड.	नि.	19	11	07	01	19	02	100.00	1	1	—	—	4	1	—	—
		प्रा.	—	—	—	—	—	02									
5.	एम.एससी.एड.	नि.	14	02	06	—	08	06									
	(क) भौतिकी	प्रा.	06	—	03	—	03	03	57.14	—	—	—	—	—	—	—	—
	"(ख) रसायन विज्ञान	नि.	19	16	03	—	19	—									
		प्रा.	02	—	01	—	01	01	100.00	2	—	—	—	2	—	—	—
	"(ग) गणित	नि.	19	11	05	—	16	03	84.21	—	—	—	—	—	—	—	—
		प्रा.	01	—	—	—	—	01									

टिप्पणी 1. नि. = नियमित, 2. प्रा. = प्राइवेट

1991-92

तालिका 6.3.4

क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा वर्ष 1991-92 के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठियों/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
प्राथमिक शिक्षा, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड सहित				
1.	अ.जा./अ.ज. जातियों के शैक्षिक विकास की योजना के अंतर्गत महाविद्यालय द्वारा मैसूर शहर में अपनाए गए 11 प्राथमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए कन्नड़ में सप्ताहांत पाठ्यक्रम	24 से 26 अगस्त, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	28
2.	अध्यापकों और शैक्षिक कार्यकर्ताओं के लिए एम.एल.एल. की प्रशिक्षण सामग्री के विकास हेतु कार्यशाला	21 से 30 अक्तूबर, 1991	" "	12
3.	सौरमण्डलीय प्रयासों के माध्यम से विज्ञान शिक्षण में चयनित मुख्य व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	23 से 25 जनवरी, 1992	क्षेत्र सलाहकार कार्यालय, बैंगलूर	40
विद्यालय स्तर पर विषयवस्तु तथा शिक्षा की प्रक्रिया का पुनः अभिविन्यास				
4.	सहकारी विद्यालयों के अध्यापकों के लिए शिक्षण प्रक्रिया तथा माध्यमिक विद्यालयी गणित की तैयारी हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम	2 से 11 जुलाई, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	15
5.	आदि-द्रविड़ तथा जनजाति कल्याण महानिदेशालय के प्रबंध के अंतर्गत आने वाले उच्च/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए सामान्य विज्ञान तथा गणित में कार्यकलाप अनुपूति तथा चुने हुए विषयों के विषय वस्तु संवर्धन पर कार्यशाला मदुरै में आयोजित की गई।	6 से 10 जनवरी, 1992	मदुरै, तमिलनाडु	44
6.	आदि द्रविड़ तथा जनजाति कल्याण महानिदेशालय के प्रबंध के अन्तर्गत आने वाले उच्च/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए सामान्य विज्ञान तथा गणित में कार्यकलाप अनुपूति तथा चुने हुए विषयों के विषय वस्तु संवर्धन पर कार्यशाला	27 से 31 मार्च, 1992	कोयम्बतूर, तमिलनाडु	40
7.	चार दक्षिणी राज्यों आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु के पाठ्यक्रमों तथा केन्द्रीय पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा 9 तथा 10 के लिए भूगोल में संबंधित सामग्री की तैयारी के लिए प्रथम कार्यशाला	14 से 19 फरवरी, 1992	मदुरै, तमिलनाडु	23
8.	चार दक्षिणी राज्यों, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल तथा तमिलनाडु के पाठ्यक्रमों तथा केन्द्रीय पाठ्यक्रम पर आधारित कक्षा 9 तथा 10 के लिए भूगोल में संबंधित सामग्री तैयार करने हेतु दूसरी कार्यशाला	6 से 11 मार्च, 1992	मद्रास	23

1991-92

1	2	3	4	5
विज्ञान तथा गणित शिक्षा में सुधार (परिवर्तन)				
9.	समेकित विज्ञान की संकल्पना के विकास के लिए कार्यविधियों के चयन तथा परीक्षण हेतु कार्यशाला	20 से 29 जनवरी, 1992	क्षे.शि.म., मैसूर	17
10.	लक्षद्वीप के माध्यमिक विद्यालय के विज्ञान शिक्षकों के लिए विषयवस्तु संवर्धन कार्यक्रम	12 से 17 फरवरी, 1992	कवरत्ती, लक्षद्वीप	19
11.	+2 स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यचर्या का पालन करते हुए, गणित अध्यापकों के लिए पत्राचार-सह-संपर्क पाठ्यक्रम	शैक्षिक वर्ष 1991-92	क्षे.शि.म.,, मैसूर	22
12.	+2 स्तर पर एन.सी.ई.आर.टी. पाठ्यचर्या का पालन करते हुए, रसायन विज्ञान शिक्षकों के लिए पत्राचार-सह-संपर्क पाठ्यक्रम	शैक्षिक वर्ष 1991-92	क्षे.शि.म., मैसूर	17
परीक्षा सुधार				
13.	राष्ट्रीय अखंडता की दृष्टि से आन्ध्र प्रदेश, केरल तथा तमिलनाडु के वरिष्ठ माध्यमिक (+2) शिक्षा बोर्डों के प्रश्नपत्रों के विश्लेषण पर कार्यशाला	1 से 5 अप्रैल, 1991	क्षे.शि.म. मैसूर	14
शैक्षिक प्रौद्योगिकी				
14.	माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए वैज्ञानिकों पर विनिबन्धों तथा श्रव्य—आलेखों को अंतिम रूप देने के लिए कार्यशाला	29 जुलाई से 3 अगस्त, 1991	,, ,,	12
15.	अनुदेशी तथा अन्य संबंधित कौशलों पर श्रव्य कार्यक्रम तैयार करने हेतु कार्यशाला	27 जनवरी से 1 फरवरी, 1992	,, ,,	8
16.	महिलाओं की समानता के लिए शिक्षा पर श्रव्य सहायक सामग्री तैयार करने के लिए कार्यशाला	24 से 29 फरवरी, 1992	,, ,,	10
17.	नर्सरी की कविताओं पर आदर्श श्रव्य कैसेटों का विकास (केवल निर्माण)	23 से 30 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., मैसूर	17
18.	क्षे.शि.म., मैसूर द्वारा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में 1990 तक तैयार किए गए श्रव्य कार्यक्रमों का रूपान्तरण	29 मार्च, 1992	,, ,,	7
19.	शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श तथा मार्गदर्शन पर शिक्षकों के लिए श्रव्य कार्यक्रमों का विकास (केवल निर्माण)	25 से 29 फरवरी, 1992 9-11 मार्च, 1992 24-28 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., मैसूर	40
20.	नवोदय विद्यालयों के लिए श्रव्य कार्यक्रम (केवल निर्माण में नवोदय विद्यालयों को तकनीकी सहायता)	फरवरी, 1992		2

1991-92

1	2	3	4	5
अध्यापक शिक्षा				
21.	एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों में कार्यरत प्राध्यापकों के लिए जीवनवृत्ति उन्नयन पाठ्यक्रम	7 से 23 जून, 1991	,, ,,	28
22.	अध्यापक शिक्षकों के लिए मूल्य–शिक्षा पर पुस्तिका को अंतिम रूप देने हेतु कार्यशाला	24 से 29 जून, 1991	क्षे.शि.म. मैसूर	10
23.	4 बी.एस.सी.बी.एड. तथा बी.ए.एड. विद्यार्थियों के शिक्षण कार्यक्रमों में इन्टर्नशिप के लिए सहकारी विद्यालयों के मुख्याध्यापकों तथा अध्यापकों का पूर्वइन्टर्नशिप सम्मेलन	10 से 12 जुलाई, 1991	,, ,,	23
24.	बी.एड. (विज्ञान) के विद्यार्थियों के शिक्षण कार्यक्रम की इन्टर्नशिप में सम्मिलित सहकारी विद्यालयों के मुख्याध्यापकों तथा अध्यापकों का इन्टर्नशिप पूर्व सम्मेलन	23 से 25 अक्तूबर, 1991	क्षे.शि.म. मैसूर	30
25.	भौतिकी में स्नातकोत्तर अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के मूल्यांकन के लिए उपकरणों की बनावट हेतु कार्यशाला	25 से 29 नवंबर, 1991	"	8
26.	दक्षिणी क्षेत्र में डी.आई.ई.टी. की सेवाकालीन कार्यक्रम क्षेत्रीय प्रभाव तथा नवाचार समन्वय (आई. एफ. आई.सी.) शाखाओं से संबद्ध संकाय के लिए द्वितीय प्रवेश स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 17 फरवरी, 1992	"	43
शिक्षा का व्यावसायीकरण				
27.	केरल राज्य के प्रमुख व्यक्तियों के लिए कार्यानुभव/पूर्व व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रम	11 से 14 फरवरी, 1992	थ्रिसूर, केरल	32
जनसंख्या शिक्षा				
28.	कर्नाटक के बी.एड. महाविद्यालयों के अध्यापक शिक्षकों के लिए जनसंख्या शिक्षा में अभिविन्यास कार्यक्रम	27 से 31 अगस्त, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	30
"क्लास" परियोजना				
29.	मैसूर जिले के माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए "क्लास" परियोजना के अंतर्गत अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम	6 से 25 मई, 1991	,, ,,	30
क्षेत्रीय सेवाएँ तथा विस्तार समन्वयन				
30.	राज्य–स्तरीय सेवाकालीन शिक्षा की आवश्यकताओं पर विचार-विमर्श के लिए दक्षिणी क्षेत्र के क्षेत्र सलाहकारों की क्षेत्रीय समन्वय समिति की प्रथम बैठक	6 मई, 1991	,, ,,	10
31.	दक्षिण क्षेत्र के क्षेत्र सलाहकारों की क्षेत्रीय समन्वय समिति की द्वितीय बैठक	21 अक्तूबर, 1991	क्षे.शि.म., मैसूर	11

1991-92

तालिका 6.3.5.1.1

क्षे.शि.म., अजमेर से संबद्ध विद्यालय के 1991-92 के सत्र के दौरान नामांकन (कक्षावार)

कक्षा तथा अनुभाग	नामांकन						
				अ.जा.		अ.ज.जा.	
	छात्र	छात्राएँ	कुल	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ
1	26	12	38	5	-	1	2
2	34	05	39	3	-	1	-
3	35	07	42	04	-	-	-
4	25	16	41	-	-	2	1
5	38	11	49	4	1	1	-
6 अ तथा ब	69	18	87	2	2	4	1
7 अ तथा ब	74	17	91	3	-	-	-
8 अ, ब+स	81	18	99	-	-	-	-
9 अ, ब+स	85	12	97	2	-	1	-
10 अ ब स तथा द	93	12	105	4	-	-	-
11 अ ब स तथा द	102	20	122	2	-	1	-
12 अ ब स तथा द	88	20	108	1	-	1	-
कुल	750	168	918	30	03	12	4

तालिका 6.3.5.1.2

क्षे.शि.म., भोपाल से संबद्ध प्रदर्शन विद्यालय में 1991-92 के सत्र के दौरान (कक्षा वार) नामांकन

कक्षा	अनु.जाति		अ.ज.जा.		सामान्य		कुल योग
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	
1 अ	3	2	2	0	12	15	34
1 ब	1	3	1	3	18	11	37
2 अ	3	5	3	1	22	16	50
2 ब	2	2	2	1	26	11	42

1991-92

कक्षा	अनु.जाति		अ.ज.जा.		सामान्य		कुल योग
	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	छात्र	छात्राएँ	
3 अ	4	2	2	1	26	16	49
3 ब	6	0	2	1	24	18	51
4 अ	5	0	2	0	27	11	45
4 ब	5	1	4	1	24	14	49
5 अ	7	0	1	1	23	15	47
5 ब	4	3	1	0	22	16	46
6 अ	4	1	5	2	19	14	45
6 ब	3	2	1	0	23	08	37
7 अ	3	4	2	1	20	09	39
7 ब	6	0	2	1	18	10	37
8 अ	3	2	1	0	12	12	30
8 ब	6	2	1	2	13	5	29
9 अ	1	0	0	0	10	9	20
9 ब	2	3	2	0	17	10	34
10अ	2	1	0	0	17	14	34
10ब	2	2	1	0	11	15	30
11 (विज्ञान)	0	0	0	1	22	15	38
11 (वाणिज्य तथा कला)	1	1	0	1	19	12	34
11 (आशुलिपि)	1	0	0	0	07	04	12
11 (यांत्रिकी)	0	0	0	0	5	0	05
12 (विज्ञान)	1	0	0	0	14	2	17
12 (वाणिज्य)	1	0	0	0	10	4	15
12 (कला)	0	0	0	0	3	5	8
12 (आशुलिपि)	0	0	0	0	8	6	14
12 (यांत्रिकी)	0	0	0	0	10	0	10

तालिका 6.3.5.1.3

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर से संबद्ध प्रदर्शन विद्यालय में 1991-92 के दौरान विद्यार्थियों का नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन						कुल
	अ.जा.		अ.ज.जा.		सामान्य		
	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	छात्र	छात्राएं	
1	9	2	5	1	33	25	75
2	9	4	4	3	39	22	81
3	10	3	2	2	42	30	89
4	9	5	3	2	44	27	90
5	13	4	4	2	62	41	126
6	10	2	3	1	80	35	131
7	14	7	1	1	85	31	135
8	8	-	3	1	85	31	128
9	8	2	3	3	75	43	134
10	4	-	-	-	75	29	108
11	3	1	1	-	56	24	85
12	2	2	-	2	50	41	97

तालिका 6.3.5.1.4

क्षे.शि.म., मैसूर से संबद्ध प्रदर्शन विद्यालय में वर्ष 1991-92 के दौरान नामांकन (कक्षावार)

कक्षा	नामांकन				
	छात्र	छात्राएं	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
1	51	33	13	06	84
2	51	35	11	03	86
3	42	41	14	03	83
4	47	35	10	03	82
5	48	42	21	02	90

1991-92

कक्षा			नामांकन		
	छात्र	छात्राएं	अ.जा.	अ.ज.जा.	कुल
6	44	46	10	02	90
7	47	44	09	02	91
8	50	36	17	02	86
9	56	22	06	02	78
10	50	30	05	01	80
11 विज्ञान	20	17	-	-	37
11 ओ.एम.एस.पी.	08	12	-	-	20
11 मानविकी	01	10	-	-	21
12 विज्ञान	20	06	-	-	26
12 ओ.एम.एस.पी.	07	12	01	-	19
12 मानविकी	11	10	03	-	21
12 बीई.टी.	-	07	01	-	07

तालिका 6.3.5.2.1

वर्ष 1991 का परीक्षा परिणाम (प्र.मा.वि, अजमेर)

कक्षा	परीक्षा में बैठे	उत्तीर्ण हुए	पूरक परीक्षा में बैठे	पूरक परीक्षा में त्तीर्ण हुए	सफलता प्रतिशत
10	119	107	9	8	96.80
12 (विज्ञान)	45	38	5	2	88.80
12 (मानविकी	29	25	2	1	89.60
12 (वाणिज्य)	23	20	3	2	95.60
12 (व्यावसायिक)	3	03	-	-	100.00

1991-92

तालिका 6.3.5.2.2

वर्ष 1991 के परीक्षा परिणाम (प्र.मा.वि., भोपाल)

कक्षा	परीक्षा में बैठे विद्यार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या	पूरक परीक्षा के अंतर्गत विद्यार्थियों की संख्या	सफलता प्रतिशत
10	76	74	02	97.37
12 (विज्ञान)	23	21	02	91.30
12 (मानविकी)	06	-	-	100.00
12 (वाणिज्य)	10	-	-	83.30
12 (व्यावसायिक)				
(आशुलिपि)	14	13	-	92.80
(यांत्रिकी)	05	04	-	100.00

तालिका 6.3.5.2.3

वर्ष 1991 का परीक्षा परिणाम (प्र.मा.वि., भुवनेश्वर)

कक्षा	परीक्षा में बैठे	उत्तीर्ण हुए	पूरक सफलता प्रतिशत
10	120	105	95.82
12 (विज्ञान)	39	34	87.00
12 (मानविकी)	26	20	76.90
12 (वाणिज्य)	18	16	88.80
12 (व्यावसायिक)	16	07	43.70

तालिका 6.3.5.2.4

वर्ष 1991 का परीक्षा परिणाम (प्र.मा.वि., मैसूर)

कक्षा	परीक्षा में बैठे	उत्तीर्ण हुए	सफलता प्रतिशत
10	89	84	94.00
12 (विज्ञान)	20	20	100.00
12 (मानविकी)	13	11	85.00
12 (ओ.एम.एस.पी. (व्यावसायिक)	12	10	83.00

1991-92

6.4 क्षेत्रीय सेवाएँ तथा विस्तार समन्वयन

एन.सी.ई.आर.टी. ने राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों/शिक्षा महानिदेशालयों तथा अन्य विद्यालय शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा से संबंधित संस्थानों/संगठनों से संपर्क रखने के लिए पूरे देश में 17 क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों की स्थापना की है। ये क्षेत्र सलाहकार कार्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों के कार्यकलापों तथा कार्यक्रमों के बारे में, राज्यों को आवश्यक सूचना उपलब्ध कराते हैं।

ये कार्यालय अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की मुख्य आवश्यकताओं के विषय में सूचना एकत्र करते हैं तथा एन.सी.ई.आर.टी. व इसके संघटकों को सूचना प्रेषित करते हैं तथा एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों को प्रशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम आयोजित करने में सहायता देते हैं।

6.4.1. क्षेत्रीय कार्यालयों के समन्वय कार्यकलाप

क्षेत्रीय सेवाएँ तथा विस्तार समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.) मुख्यालय में एक नोडल विभाग है जो एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय स्तर के संघटकों (राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय तथा देश के चार क्षेत्रों में स्थित क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय) तथा मुख्यालय में एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों (सी.आई.ई.टी. तथा एन.आई.ई. विभागों) के बीच समन्वय स्थापित करता है तथा विद्यालयी शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक सुधार के लिए राज्यों/संघीय क्षेत्रों की आवश्यकताओं को प्रतिबिम्बित करते हुए कार्यक्रमों के कार्यान्वियन में सुविधा प्रदान करता है। डी.एफ.एस.ई.सी. परिषद् के सभी संघटकों को संपर्क सुविधा प्रदान करता है।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान डी.एफ.एस.ई.सी, विभाग, राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में स्थित एन,सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय कार्यालयों की, परिवर्तित भूमिका तथा कार्यों से संबंधित पद्धतियों के कार्यान्वयन में लगा रहा। राज्य समन्वय समितियों द्वारा क्षेत्रीय कार्यालयों की कार्यक्रम सलाहकार समिति औपचारिक रूप से बदलने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गई। अपने-अपने राज्यों में राज्य समन्वय समितियों के गठन के लिए सभी क्षेत्रीय कार्यालयों को प्रक्रियात्मक विवरण भेजा गया।

विभाग ने पूर्वी, दक्षिणी, पश्चिमी तथा उत्तरी क्षेत्र के लिए 3,6,8 मई तथा 20 जून को 1991 को हुई क्षेत्रीय समन्वय समितियों (आर.सी.सी.) की बैठकों में विचार विमर्श के लिए भाग लिया।

क्षे.शि.म., भुवनेश्वर, भोपाल तथा मैसूर की क्षेत्रीय समन्वय समितियों की दूसरे दौर की बैठकें क्रमशः 10 सितम्बर, 3 अक्तूबर तथा 21 अक्तूबर 1991 को हुई। आर.सी.सी. की बैठकों में वर्ष 1991-92 के लिए राज्य स्तरीय तथा क्षेत्र स्तरीय कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वियन के लिए पद्धातियों का परिकलन किया गया तथा 1992-93 के लिए राज्य की शैक्षिक अपेक्षाओं को प्रतिबिम्बित करते हुए क्षेत्र स्तरीय संघटकों के कार्यक्रमों को प्रतिपादित किया गया। क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा आयोजित राज्य समन्वय समितियों (एस.सी.सी.) की बैठकों के कार्यवृतों का डी.एफ.एस.ई.सी. द्वारा विश्लेषण किया गया तथा आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान, डी.एफ.एस.ई.सी ने 17 क्षेत्र सलाहकार कार्यालयों की राज्यों/संघ शासित प्रदेशों से संबंधित शैक्षिक/गतिविधियों तथा अन्य कार्यकलापों की, मासिक रिपोर्टों पर कार्य किया तथा इन कार्यालयों द्वारा किए गए कार्यकलापों का समेकित सारांश तैयार किया। एन.आई.ई. के विभागों या सी.आई.ई.टी. से शैक्षिक सहायता हेतु, राज्यों के अनुरोध, आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित संघटकों को भेजे गए।

6.4.2. शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक वर्गों की शिक्षा

शैक्षिक रूप से अल्पसंख्यक वर्गों की शिक्षा के लिए एन.सी.ई.आर.टी. की सहायता अनुदान योजना के अंतर्गत, उस्मानिया विश्वविद्यालय तथा अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को शैक्षिक रूप से पिछड़े वर्गों द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों के अध्यापकों की शिक्षण क्षमताओं को बढ़ाने के कार्यक्रमों के लिए अनुदान के संबंध में उक्त विश्वविद्यालयों के क्षेत्रीय संसाधन केन्द्रों से उपयोगिता प्रमाण पत्र लेने के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

दिसम्बर 1991 तक शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यकों के विद्यालयों में सुधार के लिए एन.सी.ई.आर.टी. के योगदान की अवस्थिति रिपोर्ट तैयार की गई तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय को, अल्पसंख्यक आयोग को प्रेषित करने के लिए भेज दी गई।

शैक्षिक रूप से पिछड़े अल्पसंख्यक वर्गों की योजना पर, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य सहित, कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में पाई गई कमियों तथा कार्यक्रमों के प्रतिफलों पर एक व्यापक स्वतः पूर्ण टिप्पणी भारत सरकार के अल्पसंख्यक आयोग को भेज दी गई।

6.4.3. एन.सी.ई.आर.टी. क्षेत्र सलाहकारों की राष्ट्रीय बैठकें

एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्र सलाहकारों की वार्षिक बैठक परिषद मुख्यालय में दिनांक 29, 30 अक्तूबर, 1991 को डी.एफ.एस.ई.सी. द्वारा आयोजित की गई ताकि एन.आई.ई. के विभाग, अपने कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के कार्यान्वयन हेतु अपेक्षित क्षेत्रीय स्तर की सहायता प्राप्त करने के लिए क्षेत्र सलाहकारों से आपसी विचार-विमर्श कर सकें। क्षेत्रीय कार्यालयों की समस्याओं पर भी बैठक में विचार विमर्श हुआ। क्षेत्रीय कार्यालयों की परिवर्तित भूमिका तथा उनके कार्यों के संबंध में कार्यप्रणाली की समीक्षा की गई। कुल मिलाकर क्षेत्रीय कार्यालयों के लिए अभिकल्पित, संशोधित क्रियाविधि की सराहना की गई।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अनुरोध पर विशेष रूप से राज्यों में एम.एच.आर.डी. की केन्द्रीकृत प्रायोजित योजनाओं के संदर्भ में, क्षेत्र सलाहकारों की विशेष राष्ट्रीय बैठक अप्रैल, 1992 के प्रथम सप्ताह में आयोजित करने के लिए डी.एफ.एस.ई.सी. ने विशेष कदम उठाए।

6.4.4. समूह गान योजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सलाह पर, डी.एफ.एस.ई.सी. ने, प्राथमिक तथा उच्च प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों में समूह गान को बढ़ावा देने के लिए संशोधित कार्यक्रम के कार्यान्वयन से संबंधित, कार्यकलापों का समन्वयन किया ताकि (1) एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा हाल ही में निकाली गई "लैट्स सिंग टुगेदर" नामक पुस्तक के किफायती अंक की एक-एक प्रति तथा जिन 3-4 राज्यों के कुछ जिलों में केन्द्रीकृत प्रायोजित शैक्षिक प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालयों में टू-इन-वन सेटों की आपूर्ति की गई है, उनमें पुस्तक में दिए गए गीतों की रिकॉर्डिंग उपलब्ध कराई जाए तथा (2) इन चीजों के विद्यालयों द्वारा किए जा रहे उपयोग का परिवीक्षण किया जाए।

समूह गान कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिए एक अस्थायी योजना तैयार की गई तथा आवश्यक अनुवर्ती कार्रवाई करने के लिए चारों क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के प्राचार्यों को प्रेषित की गई।

व्यापक स्तर पर संशोधित योजना के कार्यान्वयन से पूर्व, पैकेज का एक भाग यानी ऑडियो रिकार्डिंग तथा मुद्रित सामग्री की सहायता से क्षेत्रीय भाषा (किसी अन्य क्षेत्र की) में एक समूह गान के शिक्षण का दिल्ली के दो प्राथमिक विद्यालयों पर परीक्षण किया गया। इस परीक्षण का उद्देश्य यह जानना था कि (1) क्या उद्घाटन के दो सप्ताह के बाद ही इस सामग्री की सहायता से बच्चों को गीत सिखाया जाना चाहिए (2) अध्यापकों द्वारा क्या कोई राय/टिप्पणी व्यक्त की गई या कठिनाई महसूस की गई।

परीक्षणों के परिणाम तथा अध्यापकों एवं विशेषज्ञों की टिप्पणियों की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(1) यदि समूह गान को अपनी उचित भूमिका अदा करनी है तो इसे विद्यालयी पाठ्यचर्या का एक भाग होना चाहिए ताकि कार्यकलाप को उचित समय दिया जा सके।

(2) टेप रिकार्डों की मरम्मत तथा सैलों इत्यादि की खरीद के लिए उचित अवसंरचना के प्रावधान सहित, राज्य शिक्षा विभाग द्वारा कार्यक्रम की जाँच करने की आवश्यकता है।

(3) यदि समूह गान की रिकॉर्ड की हुई कैसेट दी जानी है तो निर्माण की रूपरेखा में परिवर्तन की आवश्यकता

है यानि रिकार्डिग में कविता का गद्य पाठ शामिल होना चाहिए तथा निर्माण पक्ष में और अधिक आंतरिक पुनरावृत्ति की आवश्यकता है।

(4) विभिन्न वर्गों के बच्चों को पढ़ाए जाने वाले समूह गानों की संख्या, अध्यापकों तथा संगीत विशेषज्ञों से परामर्श कर निर्धारित करनी चाहिए, जो ग्रामीण बच्चों के साथ-साथ शहरी बच्चों के साथ भी कार्य कर चुके हैं।

6.4.5. *क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा चलाए जाने वाले कार्यकलाप*

क्षेत्र सलाहकारों को, राज्य समन्वय समितियों (एस.सी.सी.) के रचनातन्त्र के माध्यम से राज्यों को शैक्षिक जरूरतों का पता लगाने का महत्वपूर्ण कार्य भी, अन्य कार्यों के साथ-साथ सौंपा गया है। यह औपचारिक रचनातन्त्र, व्यवस्थित ढंग से राज्यों की शैक्षिक आवश्यकताओं को, राज्य समन्वय समितियों की औपचारिक बैठकों के माध्यम से पता लगाने में क्षेत्र सलाहकारों के लिए सहायक सिद्ध होता है। राज्य समन्वय समितियों (एस.सी.सी.) द्वारा पता लगाई गई आवश्यकताओं पर क्षेत्रीय समन्वय समितियाँ (प्रत्येक क्षेत्र में क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय के स्तर पर) आगे विचार विमर्श करती हैं। अन्ततः राज्यों की आवश्यकताओं पर कार्यक्रम सलाहकार समिति में, एन.सी.ई.आर.टी. को विभिन्न संघटकों द्वारा उचित कार्रवाई करने हेतु, विचार किया जाता है।

वर्ष 1991-92 के दौरान, राज्यों/संघ शासित प्रदेशों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालयों ने, एन.आई.ई. के विभागों, क्षे.शि. महाविद्यालयों तथा सी.आई.ई.टी. को, राज्यों तथा संघ शासित प्रदेशों में अपने कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सहायता प्रदान की। क्षेत्रीय कार्यालयों ने भी एन.सी.ई.आर.टी. के विभिन्न संघटकों द्वारा चलाए जाने वाले कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के कार्यान्वियन से संबंधित बहुत से संपर्क कार्य किए जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं :

(1) जवाहर नवोदय विद्यालयों में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा के आयोजन से संबंधित राज्य/संघ शासित प्रदेश स्तरीय कार्यकलापों का समन्वय करना।

(2) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा के आयोजन के लिए राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को मार्गदर्शन तथा सहायता उपलब्ध कराना।

(3) अनौपचारिक शिक्षा केन्द्र चलाने के लिए, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से, अनुदान प्राप्त करने वाली विभिन्न स्वयंसेवी एजेंसियों के कार्यों की संयुक्त मूल्यांकन दल (जे.ई.टी.) के माध्यम से समीक्षा करना

(4) राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को राज्य स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनियाँ आयोजित करने के लिए सहायता प्रदान करना।

(5) राज्यों/संघ शासित प्रदेशों को विद्यालय पूर्व तथा प्रारंभिक विद्यालय अध्यापकों के स्तर पर खिलौना प्रतियोगिताएँ आयोजित करने में सहायता देना।

(6) डा.बी.आर.अम्बेडकर की जन्म शताब्दी के संदर्भ में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन।

(7) ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड योजना के तहत मूल्यांकन कार्य

(8) समाशोधन गृह की भाँति राज्य शिक्षा विभागों/संगठनों तथा एन.सी.ई.आर.टी./मा.सं.वि.मंत्रालय के बीच संपर्क का कार्य करना तथा शैक्षिक नवाचारों एवं शैक्षिक सूचना से संबंधित कार्यकलापों का प्रचार प्रसार करना।

(9) राज्यों/संघ शासित प्रदेशों की शैक्षिक आवश्यकताओं के निर्धारण के लिए राज्य समन्वय समितियों की बैठकों का आयोजन करना।

(10) राज्य शिक्षा विभागों तथा अन्य संस्थानों/संगठनों द्वारा आयोजित विविध शैक्षिक कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के लिए सहायता तथा परामर्श देना। अन्य बातों के साथ-साथ क्षेत्र सलाहकार अपने-अपने विशिष्ट क्षेत्रों में परामर्श सेवाएँ भी प्रदान करते हैं।

इन कार्यों तथा कार्यकलापों के अतिरिक्त, क्षेत्र सलाहकारों के कार्यालय, एन.सी.ई.आर.टी. के अग्रगामी क्षेत्रों से संबंधित, कुछ अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं का आयोजन भी करते हैं।

इन कार्यक्रमों का विवरण तालिका 6.4 में दिया गया है।

तालिका 6.4

एन.सी.ई.आर.टी. के क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा 1991-92 के दौरान आयोजित कार्यशालाएँ/ बैठकें/संगोष्ठियों/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
बेंगलूर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	पर्यावरण उपागम से विज्ञान शिक्षण में चुने हुए प्रमुख व्यक्तियों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	23 से 25 जनवरी, 1992	विजया हाई स्कूल, बेंगलूर	27
भोपाल स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	शिक्षण तथा अधिगम के नवाचार प्रयोगों में केन्द्रीय विद्यालय के प्राध्यापकों का अभिविन्यास शिक्षण तथा अधिगम का डा. ए.बी. सक्सेना, सहायक क्षे.स. द्वारा तैयार किया गया क्रियात्मक नमूना	7 से 9 मई, 1991	केन्द्रीय विद्यालय, भोपाल	50
2.	राज्य की शैक्षिक आवश्यकताओं का पता लगाना जिसमें डी.पी.आई. के अध्यापकों तथा जनजातीय विकास विभाग के आयुक्त शामिल हैं।	5 से 10 जून, 1991	एस.आई.ई., डी.पी.आई. तथा जनजातीय विकास विभाग	30
3.	डी.आई.ई.टी. विदिशा के अध्यापक शिक्षकों की शैक्षिक आवश्यक्ताओं का पता लगाना	8 अगस्त, 1991	डी.आई.ई.टी. विदिशा	25
4.	सेवाकालीन कार्यक्रमों तथा शैक्षिक अनुसंधान से संबंधित राज्य की प्राथमिकताओं का पता लगाना तथा उन्हें अन्तिम रूप देना	16 अगस्त से 6 दिसंबर, 1991	एस.आईई., एस.सी.ई.आर.टी. ई.एल.टी.आई., टी. डब्ल्यू डी. तथा जी.सी.ई., भोपाल	50
5.	शैक्षिक अनुसंधान के नियोजन तथा अनुसंधान परियोजना की तैयारी में एस.आई.एस.ई. तथा एस.आई.ई. सहित डी.आई.ई.टी. तथा शिक्षा महाविद्यालय के प्राध्यापकों का अभिविन्यास	23 से 24 अगस्त, 1991	एस.आई.ई., भोपाल	30
6.	संस्थागत योजना तथा प्रबंध में जनजातीय विशेष विद्यालयों, मॉडल विद्यालयों, गुरुकुल विद्यालयों, तथा कन्या शिक्षा परिषदों के प्रधानाध्यापकों का अभिविन्यास	18 से 21 सितंबर, 1991	जी.सी.ई., छतरपुर	15

1991-92

1	2	3	4	5
7.	जनजातीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों तथा प्राध्यापकों के लिए अनुदेशी सामग्री के विकास पर कार्यशाला	8 से 14 अक्तूबर,	मॉडल विद्यालय, फारसगांव (बस्तर)	30
8.	कक्षा 6 से 8 तक के गणित के पाठ्यक्रम की समीक्षा	23 से 26 अक्तूबर, 1991	एस.आई.ई. भोपाल	30
9.	अनौ. शि. केन्द्रों को प्रोत्साहन-सार्वजनिक अनुदेश आयुक्त, मध्य प्रदेश सरकार, की अध्यक्षता में समन्वय समिति	1 से 2 नवंबर, 1991	सी.पी.आई.	15
10.	न्यूनतम अधिगम स्तर-प्राध्यापकों का अभिविन्यास	26 से 29 नवंबर, 1991	डी.आई.ई.टी. भोपाल तथा रैसेन	50
11.	प्रभावकारी भाषा शिक्षण में हिन्दी में जनजातीय विद्यालयों के अध्यापकों का अभिविन्यास	9 से 14 मार्च, 1992	जी.सी.ई., ग्वालियर	48
भुवनेश्वर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	राज्य समन्वय समिति की बैठक	27 अगस्त, 1991	शिक्षा विभाग, उड़ीसा सरकार	16
2.	डा. बी.आर. अम्बेडकर के जन्मशताब्दी समारोह के अवसर पर निबन्धों का मूल्यांकन	9 अक्तूबर, 1991	क्षेत्र सलाहकार कार्यालय, (एन.सी.ई.आर.टी.) क्षे.शि.म. भुवनेश्वर	6
3.	खिलौना बनाने की प्रतियोगिता : खिलौनों का मूल्यांकन	29 नवंबर, 1991	"	3
4.	अनौ. शि. केन्द्रों के मूल्यांकन हेतु जे.ई.टी. के लिए केन्द्र सरकार द्वारा नामित व्यक्तियों की बैठक	20 फरवरी, 1992	"	5
कलकत्ता स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	विद्यालयों में रसायन विज्ञान प्रयोगशालाओं के अनुरक्षण तथा प्रबंध के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	14 से 17 अप्रैल, 1992	एन.सी.ई.आर.टी का क्षे.स. कार्यालय, कलकत्ता	8
2.	पश्चिमी बंगाल के स्वयंसेवी संगठनों द्वारा चलाए जा रहे ई.सी.ई. केन्द्रों के अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	21 से 25 अप्रैल, 1992	"	25

1	2	3	4	5
चण्डीगढ़ स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	जवाहर नवोदय विद्यालयों की चयन परीक्षा के संबंध में डी.एल.ओ. तथा डी.ई.ओ. का अभिविन्यास कार्यक्रम	24 अप्रैल, 1992	टी.टी.टी.आई चण्डीगढ़	40
2.	सामाजिक विज्ञान में शिक्षण सहायता के विकास तथा प्रयोग के लिए हरियाणा के के.आर.पी. का प्रशिक्षण कार्यक्रम	23 से 25 मार्च, 1992	क्षे.स. कार्यालय, चण्डीगढ़	3
3.	प्राथमिक विज्ञान किट, लघु औजार किट, तथा गणित किट के प्रयोग के विषय में पंजाब, हरियाणा तथा चण्डीगढ़ के के.आर.पी. के प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 28 मार्च, 1992	क्षे.स. कार्यालय, चण्डीगढ़	11
हैदराबाद स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा 1992 के संबंध में डी.ई.ओ./ए.सी.जी.ई. तथा जवाहर नवोदय विद्यालय के प्रधानाचार्यों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	16 दिसम्बर, 1991	नवोदय विद्यालय समिति का क्षेत्रीय कार्यालय, सिकन्दराबाद	48
जयपुर स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	क्षेत्रीय समन्वय समिति की बैठक	20 से 21 जून, 1991	क्षे.स. कार्यालय, जयपुर	
2.	वर्ष 1992-93 के कार्यक्रमों के अनुमोदन के लिए राज्य समन्वय समिति की बैठक	27 जनवरी, 1992	सचिवालय, जयपुर, राजस्थान	
जम्मू स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	राज्य समन्वय समिति की बैठक	23 दिसम्बर, 1991	नागरिक सचिवालय, जम्मू तवी	8
मद्रास स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	आदि-द्रविड़ तथा जनजातीय कल्याण महानिदेशालय तमिलनाडु सरकार, द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों में कार्य करने वाले, विज्ञान तथा गणित पढ़ाने वाले अनु.जा./अ.ज.जा. के अध्यापकों के लिए कार्यशाला	6-10 जनवरी, 1992	सर त्यागराजन कॉलेज ऑफ प्रिसेप्टर्स, मदुरई	44

1991-92

1	2	3	4	5
2.	आदि द्रविड़ तथा जनजाति कल्याण महानिदेशालय, तमिलनाडु सरकार, द्वारा चलाए जा रहे विद्यालयों में कार्य करने वाले विज्ञान तथा गणित पढ़ाने वाले अ.जा./अ.ज.जा. के अध्यापकों के लिए कार्यक्रम	27 से 31 मार्च, 1992	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ ऐजुकेशन, कोयम्बटूर	35
3.	ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड के अन्तर्गत दी गई सामग्री के प्रयोग के लिए डा. अम्बेडकर जिले के आरकोट तथा शोतिगढ़ खण्डों में कार्यरत प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	28 जनवरी से 1 फरवरी, 1992	डी.ए.यू.-वी.एच.ई.एल. विद्यालय, रानीपेट	188
4.	चार दक्षिणी राज्यों की पाठ्यपुस्तकें प्रयोग करने वाले कक्षा 9 तथा 10 के अध्यापकों के लिए भूगोल में स्रोत पुस्तक हेतु मसौदा सामग्री तैयार करने के लिए कार्यशाला	14 से 19 फरवरी, 1992	मदुराज-कामराज विश्वविद्यालय, मदुरई	20
5.	कक्षा 9-10 के अध्यापकों के लिए भूगोल की स्रोत पुस्तक हेतु मसौदा सामग्री को अंतिम रूप देने तथा संपादित करने के लिए कार्यशाला	6 से 11 मार्च, 1992	लेडी विलिंगडन प्रशिक्षण महाविद्यालय मद्रास	20
6.	सी.आई.एफ.ई. द्वारा तैयार की गई सामग्री के आधार पर लक्षद्वीप द्वीपसमूह के लिए कक्षा 10 के व्यावसायिक विषय हेतु मत्स्य विज्ञान में पाठ्यसामग्री के विकास के लिए कार्यशाला	24 फरवरी से 4 मार्च, 1992	केन्द्रीय मत्स्य, राष्ट्रीय इंजीनियरिंग तथा प्रशिक्षण संस्थान (सी.आई.एफ.एन.ई.टी.) कोचीन	15
7.	मत्स्य-उद्योग में पाठ्यसामग्री को अंतिम रूप देना	20 से 24 मार्च, 1992	सी.आई.एफ.एन.ई.टी., मद्रास	20
पुणे स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	महाराष्ट्र, गोवा, दमण व दीव के लिए एन.सी.ई.आर.टी., क्षेत्रीय एकक की राज्य समन्वय समिति की बैठक	5 सितम्बर, 1992	एस.सी.ई.आर.टी., पुणे	15
2.	श्रवण के न्यूनतम स्तरों पर वि.वि. में बी.एड. शिक्षा महाविद्यालय के मुख्य व्यक्तियों का अभिविन्यास	21 से 23 अक्टूबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी., पुणे	50
3.	महाराष्ट्र, गोवा, दमण व दीव के पूर्व प्राथमिक/प्राथमिक तथा बालवाड़ी अध्यापकों के लिए राज्य स्तर पर खिलौना बनाने की प्रतियोगिता	अक्टूबर, नवंबर, 1991	एन.सी.ई.आर.टी., क्षेत्रीय एकक, पुणे	87

1	2	3	4	5
4.	महाराष्ट्र तथा गोवा राज्यों के जे.एन.यू. तथा डी.ई.ओ. के 22 प्रधानाचार्यों का अभिविन्यास कार्यक्रम	24 दिसंबर, 1991	एस.सी.ई.आर.टी., पुणे	50
5.	महाराष्ट्र राज्य के वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों/मुख्याध्यापकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम	3 से 5 फरवरी, 1992	"	25
6.	महाराष्ट्र के सभी 30 जिलों के जिला व्यावसायिक तथा प्रशिक्षण कार्यालयों का अभिविन्यास कार्यक्रम	27 से 29 फरवरी, 1992	आई.टी.आई., औंध, पुणे	30
7.	व्यावसायीकरण में पाठ्यपुस्तक लेखकों का अभिविन्यास	23 से 25 मार्च, 1992	आई.टी.आई., औंध, पुणे	40
8.	शिक्षा व्यावसायीकरण में आधार के लिए मुख्य/संसाधन संबंधित विद्वानों का अभिविन्यास	26 से 28 मार्च, 1992	"	45
9.	बच्चों की वैज्ञानिकों से बातचीत	27 मार्च, 1992	ई.आर.डी.एल., पुणे	80
शिलांग स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	मेघालय, मिजोरम तथा त्रिपुरा के पर्यवेक्षकों व अध्यापकों के लिए अनौपचारिक शिक्षा पर कार्यशाला तथा अभिविन्यास	27 फरवरी, से 2 मार्च, 1992	पी.जी.टी. महाविद्यालय, शिलांग	28
त्रिवेन्द्रम स्थित क्षेत्रीय कार्यालय				
1.	कार्य अभ्यास/पूर्व-व्यावसायिक क्षेत्रों में मुख्य व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला	11 से 14 फरवरी, 1992	राजकीय बालिका मॉडल उच्च विद्यालय, त्रिचूर	

1991-92

सात

शैक्षिक अनुसंधान/नवाचार तथा प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहन

7.1 विद्यालयी शिक्षा और अध्यापक शिक्षा की सभी शाखाओं में अनुसंधान की प्रोन्नति एवं समन्वय करना परिषद् की प्रमुख गतिविधियाँ हैं। परिषद् अपने विभिन्न घटकों के अतिरिक्त, बाहरी संगठनों को भी शैक्षिक अनुसंधान हेतु वित्तीय सहायता देती रही है। यह कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता वृत्ति भी प्रदान करती है और अनुसंधान कार्य-प्रणाली पाठ्यक्रम आयोजित करती है, जिससे देश के विभिन्न भागों में सक्षम अनुसंधान कार्यकर्ताओं का एक दल स्थापित हो सके।

7.2 अनुसंधान और नवाचार

1974 में स्थापित परिषद् की शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) अनुसंधान को सहायता प्रदान करने वाली मुख्य इकाई है। विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों एवं संबद्ध विधाओं के प्रतिष्ठित अनुसंधानकर्ता, एस.आई.ई./एस.सी.ई.आर.टी. के प्रतिनिधि, एन.आई.ई. के सभी विभागों/ एककों के अध्यक्ष, एन.सी.ई.आर.टी. के सी.आई.ई.टी. तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) इस समिति के सदस्य हैं। इसके अतिरिक्त एन.आई.ई., सी.आई.ई.टी, और आर.सी.ई, के कुछ चुने हुए प्रोफेसर इस समिति के स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) शैक्षिक अनुसंधान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का पता लगाने में सहायता करती है और शिक्षा एवं सम्बद्ध विधाओं में अनुसंधान अध्ययन तथा नवाचार परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता देती है। शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) एन.सी.ई.आर.टी. संकाय के सह-निर्देशन में किए जा रहे पी.एच.डी. कार्य के लिए अध्येतावृत्ति देने के अतिरिक्त पी.एच.डी. शोध प्रबन्ध, शोध-पत्र और मोनोग्राफ (अनुलेखित) की छपाई के लिए भी अनुदान देती है। समय-समय पर शैक्षिक अनुसंधान पर सूचनाओं और विचारों के प्रचार-प्रसार के अतिरिक्त यह समिति शैक्षिक अनुसंधान पर सम्मेलन/बैठक/ संगोष्ठियाँ भी आयोजित करती है।

7.3 पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

वर्ष 1991-92 के दौरान शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति (एरिक) द्वारा संवर्द्धित 13 अनुसंधान परियोजनाएँ पूरी की गईं। इनमें सम्मिलित 3 परियोजनाओं पर परिषद् के विभिन्न घटकों ने तथा 10 परियोजनाओं पर बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने कार्य किया। इस वर्ष पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 7.1 में दिया गया है।

1991-92

तालिका 7.1

वर्ष 1991-92 के दौरान पूरी की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
	क. विभागीय परियोजनाएँ	
1.	भारत में चुने हुए माध्यमिक विद्यालयों द्वारा नैतिकता तथा नीतिपरक मूल्यों के विकास के लिए अपनाए गए तरीकों एवं इन विद्यालयों के कक्षा 9 के विद्यार्थियों के मूल्य निर्धारण के मापन का एक अध्ययन	प्रो. आर.सी. दास (सेवानिवृत्त) क्षे. शि. म., भुवनेश्वर
2.	विज्ञान में विद्यार्थियों की उपलब्धि बढ़ाने के लिए शिक्षण अधिगम कार्यनीति का विकास	प्रो. एन. वैद्य (सेवानिवृत्त) डी.पी.आर.पी. एण्ड पी. (ऐरिक), एन.सी.ई.आर.टी.
3.	सामाजिक व आर्थिक रूप से सुविधा विहीन वर्गों के उच्च और निम्न उपार्जकों की माताओं द्वारा बच्चों के पालन-पोषण का विस्तृत अध्ययन	डा. (श्रीमती) विनीता कौल तथा डा. (श्रीमती) चित्रा रामचन्द्रन, डी.ई.पी.सी. एण्ड जी., एन.सी.ई.आर.टी.
	बाहरी परियोजनाएँ	
1.	शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में नाटक का प्रयोग	डा. (श्रीमती) प्रभजोत कुलकर्णी, विवेकानन्द महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
2.	ग्रामीण महिलाओं की सोच-विचार प्रक्रियाओं तथा सृजनात्मकता का मूल्यांकन	डा. डी.वाई. पूरनकर, जे.पी.आई.पी., पुणे
3.	कक्षा 6 से 7 के लिए तमिल में पठन गति के मानक स्थापित करना	डा. टी.आर. सोन्दराज राव, कोयम्बटूर
4.	विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए द्रविड़ियन भाषाओं का श्रेणीबद्ध व्याकरण	डा. वी.आई. सुब्रमण्य, त्रिवेन्द्रम
5.	वंचित/गैर वंचित वातावरण में हिन्दी भाषी बच्चों के बीच भाषायी विकास के कुछ आयाम : एक मनोभाषा वैज्ञानिक अध्ययन	डा. बब्बन मिश्र, गोरखपुर
6.	कम सुनने वाले बच्चों के भाषायी विकास तथा समाजीकरण के लिए अनुपूरक शिक्षा कार्यक्रम (जो तैयार तथा कार्यान्वित किया जाना है) के प्रभाव का अध्ययन तथा अपने बच्चों की विकलांगता स्वीकार करने की जानकारी पर अभिभावक शिक्षा कार्यक्रम (जो तैयार तथा कार्यान्वित किया जाना है) के प्रभाव का अध्ययन	डा. लता एस. परांजये, पुणे
7.	सृजनात्मक प्रशिक्षण के साथ अनुदेशी सामग्री की संरचना का प्रभाव	डा. (कु.) सुदेश गाखर, चण्डीगढ़
8.	कठिनाई से सुनने वाले बच्चों की वाणी तथा भाषायी विकास पर एकल रूपात्मक उत्प्रेरण का प्रभाव	डा. (श्रीमती) कल्याणी एन. मांडके, पुणे
9.	भारत में सृजनात्मकता परीक्षणों का विकास तथा उपयोग	डा. मोहम्मद मियां, नई दिल्ली
10.	सामाजिक जागरूकता तथा मूल्य संघर्षों को हल करने की योग्यता के विकास पर शिक्षण की न्यायशास्त्रीय कार्यनीति के प्रभाव	डा. एस.के. पाल तथा डा. के.एस. मिश्र, इलाहाबाद

1991-92

7.4 चालू अनुसंधान परियोजनाएँ

इस वर्ष राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद् के विभिन्न घटकों ने आठ तथा बाहरी अनुसंधान संस्थानों ने 30 अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य जारी रखा। इन चालू अनुसंधान परियोजनाओं का ब्यौरा तालिका 7.2 में दिया गया है।

तालिका 7.2

वर्ष 1991-92 के दौरान चालू अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	*परियोजना का शीर्षक*	*मुख्य अन्वेषक*
	विभागीय परियोजनाएँ	
1.	प्राथमिक विद्यालय के बच्चों (उ.प्र.) के शैक्षिक विकास पर दूरदर्शन कार्यक्रम के प्रभाव का मार्गदर्शी अध्ययन	श्री एस. के. बत्रा, डी.पी.आर.पी. एण्ड पी. (ऐरिक) एन.सी.ई.आर.टी.
2.	विद्यालय तथा कक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों के व्यावहारिक प्रबंध के कुछ कार्यों पर अध्यापकों का प्रारंभिक सर्वेक्षण	डा. एस.पी. सिन्हा, डी.ई.पी.सी.जी., एन.सी.ई.,आर.टी.
3.	निजी तथा सार्वजनिक विद्यालयों में अंतर एवं विद्यालय उपलब्धि पर उनके प्रभाव का विश्लेषण	डा. एम.ए. खादर, क्षे. शि.म., मैसूर
4.	विज्ञान की सार्वजनिक समझ का एक अन्वेषण	प्रो. जे.के. सूद, क्षे.शि.म., मैसूर
5.	एकीकृत व्यवस्था में अपंगों हेतु सीखने की संकल्पना के लिए तैयार की गई और अपनाई गई, अनुदेशी सामग्री के प्रभाव का प्रयोगात्मक अध्ययन	डा. (श्रीमती) पी.एल. शर्मा, क्षे.शि.म., मैसू
6.	सृजनात्मक लड़कियों के व्यावसायिक व्यवहार का व्यापक अध्ययन	डा. (श्रीमती) आशा भटनागर तथा डा. (श्रीमती) सुषमा गुलाटी, डी.ई.पी.सी.जी. एन.सी.ई.आर.टी.
7.	9 से 14 वर्ष के सामाजिक रूप से सुविधाविहीन वर्गों के बच्चों में तर्कशक्ति विवेचन का व्यापक अध्ययन	डा. वी.डी. भट्ट डा. वी. के. जैन, क्षे.शि.म. मैसूर
8.	संस्कृत साहित्य में शिक्षा	डा. के.सी. त्रिपाठी, डी.ई.एस.एस.एच. एन.सी.ई.आर.टी.
	बाहरी अनुसंधान परियोजनाएँ	
1.	असमान अधूरापन : बिहार में महिलाओं के पिछड़ेपन के कारण उसकी प्रकृति तथा मात्रा	प्रो. आर.पी. सिंह, पटना
2.	विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए स्वायत्त सृजनात्मकता संवर्द्धन कार्यक्रम की तैयारी तथा कार्यक्रम की प्रभावात्मकता का मूल्यांकन करने के लिए एक अध्ययन	प्रो. जे.एम. मण्डल, कलकत्ता
3.	केरल में कार्यान्वित नवोदय विद्यालय योजना का आलोचनात्मक मूल्य निर्धारण	डा. हरि दास, त्रिवेन्द्रम
4.	भाषायी प्रवीणता तथा व्यावहारिक सूचना प्रक्रियनः एक विकासात्मक दृष्टि	श्रीमती मेघमाला राजगुरू, जे.पी.आई.पी., पुणे

1991-92

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
5.	अवसर की संकल्पना का विकास (विद्यालय जाने वाले विद्यार्थियों के बीच)	डा. बी.के. शर्मा, गोरखपुर विश्वविद्यालय
6.	कनिष्ठ मिडिल तथा वरिष्ठ विद्यालय के लिए अधिगम के एक आधार के रूप में पायजेट का सिद्धान्त—एक प्रायोगिक अध्ययन	डा. श्रीमती अनुपूनिया, उदयपुर, राजस्थान
7.	तमिलनाडु में प्राथमिक श्रेणियों के दृष्टिहीन बच्चों के संकल्पना विकास का एक अध्ययन	डा. एम.एन. मनी, कोयम्बदूर
8.	विकलांग बच्चों के लिए पाठ्यचर्या का विकास तथा निर्धारण	डा. (श्रीमती) प्रेरणा मोहिते, बड़ौदा
9.	गुजराती लिखाई में सुधार	डा. उस्मान ए. बिसनागरी, अहमदाबाद
10.	विद्यालय स्तर की अंग्रेजी भाषा की परीक्षा की तैयारी	डा. रामा मैथ्यू, हैदराबाद
11.	केरल राज्य के एर्नाकुलम जिले में संपूर्ण साक्षरता अभियान के मूल्यांकन के लिए प्रस्ताव	बी. एम.एम. मैनन, कोचीन
12.	सामाजिक पूछताछ मॉडल के माध्यम से विद्यार्थी अध्यापक प्रशिक्षण की शिक्षण क्षमता पर प्रशिक्षण कार्यनीति के प्रभाव	डा. एस. पी. मल्होत्रा, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
13.	पाठ्यचर्या नियोजन के माध्यम से किशोरों में नैतिक मूल्यों का विकास : एक नैतिक कार्यवाही मॉडल	डा. आर.पी. सिंह, उदयपुर
14.	अध्ययन के क्षेत्र के रूप में शिक्षा की प्रकृति का समन्वेषण	डा. एम.एस. यादव बड़ौदा
15.	अनु.जा./अ.ज.जा. के विद्यार्थियों की सुशिक्षित दुर्बलता से संघर्ष करना	डा. एफ.एम. साहू, भुवनेश्वर
16.	माध्यमिक विद्यालयों में अध्यापक शिक्षा का आधिकारिक विश्लेषण	डा. शिवगणेश भार्गव, भोपाल
17.	पश्चिम बंगाल में शिक्षण के माध्यमिक स्तर पर गणित शिक्षण में आधिपत्य अधिगम सादृष्य के प्रभाव का अध्ययन	प्रो. एम.एम. चेल, 24, परगना (दक्षिण) पश्चिम बंगाल
18.	साक्षरता प्राप्ति की प्रारंभिक प्रक्रिया का विकासात्मक अन्वेषण तथा स्थितियाँ : अनुदेशी प्रक्रिया के लिए इसकी विवक्षा	डा. प्रतिभा कारनाड, मैसूर
19.	पी.एम. जिले के हाई सकूल के विद्यार्थियों में गणित सीखते समय प्रश्न हल करने की कार्यनीति विकसित करना	डा. एस. मोहन, कारकुडी
20.	कश्मीर घाटी के गुज्जर लड़कों तथा लड़कियों में प्राथमिक स्तर पर विद्यालय छोड़ने की उच्च दर	डा. मोती लाल लिधू, श्रीनगर
21.	महाराष्ट्र राज्य के श्रेणीरहित एकल-अध्यापकीय तथा द्वि-अध्यापकीय विद्यालयों में मॉनीटरों तथा सदन नेताओं का एक प्रयोग	डा. एम. जी. माली, कोल्हापुर
22.	प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का पता लगाना तथा उन्हें शिक्षा देना। मद्रास शहर के विद्यालयों में प्रतिभाशाली तथा सक्षम प्राथमिक विद्यालयी विद्यार्थियों के लिए विद्यालय के बाद शनिवार के संवर्धन कार्यक्रम का प्रभाव (मार्गदर्शी अध्ययन)	डा. सुशीला श्रीवास्तव मद्रास
23.	विद्यालय अध्यापकों की स्रोत प्रतिक्रियाओं तथा नकल करने वाले साधनों पर बल का अध्ययन	डा. एस. ऊपाक्षी, तिरूपति

1991-92

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	मुख्य अन्वेषक
24.	मानसिक रूप से कमजोर बच्चों की शिक्षा तथा प्रबंध में अभिभावकों के शामिल होने के स्तर तथा कुछ आधारभूत कौशल प्राप्त करने में इसके संबंधों का अध्ययन	डा. मर्सी अब्राहम, त्रिवेन्द्रम
25.	गणित में उद्देश्यों के संबंध में अधिगम परिणामों का अध्ययन	डा. जे.पी. श्रीवास्तव, मेरठ
26.	सामाजिक रूप से सुविधाविहीन बच्चों का पता लगाने के साथ-साथ शैक्षिक कार्यक्रम तैयार करना	डा. सरोज सक्सैना, आगरा
27.	पहली पीढ़ी के शिक्षुओं में शिक्षा प्राप्ति के लिए आकांक्षा तथा तत्परता की स्वतः संकल्पना के स्तर का अध्ययन	डा.एन.एस. डोंगा, राजकोट
28.	प्राथमिक स्तर की मातृभाषा-पूर्व मराठी पाठ्यपुस्तक, कम सुनने वाले बच्चों में भाषा अधिगम समस्याओं का पता लगाने तथा अनुपूरक व्याख्यात्मक सामग्री की तैयारी का अध्ययन (उनके भाषा प्रयोग को सुधारने के लिए अनुदेशी सामग्री)	श्रीमती विजयन्ती डी. लेटे, नासिक
29.	विद्यालय-पूर्व बच्चों ($2\frac{1}{2}$ से $5\frac{1}{2}$) के लिए निर्धारण सूची का मानकीकरण	डा. वीणा मिस्त्री, बड़ौदा
30.	विद्यालय छोड़ने के पैमाने का निर्माण तथा मानकीकरण	डा. ए.आर. राठौर, श्रीनगर

7.5 पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

1991-92 के दौरान दो बाहरी अनुसंधान परियोजनाएँ पूर्ण हुईं। इन परियोजनाओं की सूची तालिका 7.3 में दी गई है।

तालिका 7.3

1991-92 के दौरान पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	परियोजना का शीर्षक	पूर्ण होने की तिथि	प्रमुख अन्वेषक
1.	अधिगम असमर्थताओं का पता लगाना : कुल व्यावहारिक अभिव्यक्तियाँ	16.9.1991	प्रो. एल.बी. त्रिपाठी गोरखपुर
2.	कुमाउँनी भाषाओं का संख्यात्मक विश्लेषण	10.6.91	डा. एच.एस. धामी अल्मोड़ा

7.6 पी.एच.डी. शोध प्रबंध/मोनोग्राफ विनिबन्धों का प्रकाशन

एरिक की सहायता से 1991-92 के दौरान प्रकाशित पी.एच.डी. शोध प्रबंध/विनिबन्धों का ब्यौरा तालिका 7.4 में दिया गया है।

1991-92

तालिका 7.4

1991-92 के दौरान पूर्ण की गई अनुसंधान परियोजनाएँ

क्रमांक	*शोध प्रबंध/विनिबन्ध का शीर्षक*	*लेखक*
1.	एजूकेशनल टेक्नॉलोजी फार डेवलपिंग टीचिंग कम्पीटेन्स	डा. दीपिका शाह, सूरत
2.	इफेक्ट्स ऑफ वेरिएशन इन एडवान्स ऑर्गेनाइजर्स ऑन द कॉगनिटिव एजम्पशन इन लाइफ साइंस	डा. सनत के घोष, हावड़ा
3.	क्रिएटिविटी ऐण्ड रिलेटेड फैक्टर्स	डा. कुसुम शर्मा, दिल्ली
4.	कैरियर मैच्युरिटी ऑफ इण्डियन स्कूल स्टूडेन्ट्स	डा. (श्रीमती) निर्मला गुप्ता, एन.सी.ई.आर.टी.
5.	इण्डियन पर्सनेलिटी इन इट्स डेवलपमेन्टल बैकग्राउण्ड	डा. इन्दु देव, उदयपुर
6.	नेशनल पैटर्न ऑफ ऐजुकेशन करीकुलम ऐण्ड ऑफ सोशल साइन्स	डा. उमेश चन्द्र राय, वाराणसी
7.	शंकराचार्य व समकालीन भारतीय शिक्षा दार्शनिकों की शैक्षिक विचारधारा	डा. कुसुमलता राठौर, सीतापुर
8.	ए. स्टडी ऑफ द इम्पैक्ट ऑफ सैल्फ इन्स्ट्रक्शनल मैटिरियल ऑन सैक्स एजुकेशन ऑन एडजस्टमेन्ट, न्यूरोटिसिज्म ऐण्ड एटीट्यूड टुवर्ड्स सैक्स ऑफ हाई स्कूल स्टूडेन्ट्स	डा. भाद्रयु वी., वछराजनी, राजकोट
9.	लिट्रेरी क्रिएटिविटी एमंग एडोलेसेन्ट्स	डा. (श्रीमती) सुषमा तलेसरा, उदयपुर
10.	डेवलपमेन्ट ऑफ एबिलिटी टू रीज़न इन स्कूल एजुकेशन	डा. के.सी. गर्ग, एन.सी.ई.आर.टी.

जिन पी.एच.डी. शोध प्रबंधों/विनिबंधों के प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता दी गई उनकी सूची तालिका 7.5 में दी गई है

तालिका 7.5

क्रमांक	*शोध प्रबंध/विनिबन्ध का शीर्षक*	*लेखक*
1.	ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ द सिस्टम ऑफ टीचर एजुकेशन ऐट सेकेन्डरी लेबल : महाराष्ट्र	डा. नागपुरे वसन्त आर. पुणे
2.	ए क्रिटिकल स्टडी ऑफ नॉन-फार्मल एजुकेशन प्रोग्राम (एज ग्रुप 9-—14) इन बाई डिफरेन्ट एजेन्सीज इन दैं स्टेट्स ऑफ मध्य प्रदेश	डा. (श्रीमती) दलजीत गुप्ता, एन.सी.ई.आर.टी.
3.	ए डिफरेंशियल स्टडी आफ साइंटिफिक एप्टीट्यूड्स ऑफ द ट्राइबल एण्ड नॉन-ट्राइबल प्यूपिल्स इन छत्तीसगढ़	डा. (श्रीमती) पुष्पलता शर्मा
4.	कन्सर्वेशन डेवलपमेन्ट इन ब्लाइन्ड चिल्ड्रन	डा. वीणा शर्मा बुलन्द शहर (उ.प्र.)
5.	ए स्टडी ऑफ कॉगनिटिव स्टाइल ऑफ हाई स्कूल स्टूडेन्ट्स ऑफ होम साइन्स इन रिलेशन टू एज ऐचिवमेन्ट, होम एन्वायरनमेन्ट इन सोशल क्लाश	डा. (श्रीमती) सरला पॉल आगरा

1991-92

7.7 एन.आई.ई. व्याख्यान माला

शैक्षिक अनुसंधान को प्रोत्साहन देने, प्रसारित करने और शैक्षिक अनुसंधान पर विचारों का आदान प्रदान करने के प्रयास के रूप में परिषद् अनुसंधान और शिक्षा में रुचि रखने वालों के लाभ के लिए विदेश और भारत के विख्यात शिक्षाविदों और अनुसंधान कर्ताओं की वार्ता/व्याख्यानों को एन.आई.ई. व्याख्यानमाला के अंतर्गत, आयोजित करती रही है। एन.आई.ई. व्याख्यान माला के अन्तर्गत विभिन्न विषयों पर वार्ता करने के लिए छः श्रेष्ठ शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया, जैसा कि तालिका 7.6 में दर्शाया गया है :

तालिका 7.6

1991-92 के दौरान एन.आई.ई. व्याख्यान माला के अंतर्गत दी गई वार्ताएं

क्रमांक	वक्ता का नाम	विषय	दिनांक
1.	डा. के.जे.एस. चतरथ, सचिव, एन.सी.ई.आर.टी.	भारत फ्रांस संबंध 1947 से 1988 तक	2.7.1991
2.	डा. पी.पी. गुप्ता, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, सी.एम.सी. लिमिटेड	शिक्षा तथा प्रशिक्षण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग	17.7.1991
3.	मेल एन्सकाओ, कैम्ब्रिज इन्स्टीट्यूट ऑफ ऐजुकेशन, इंग्लैण्ड	सबके लिए शिक्षा में सुधार करना	15.11.1991
4.	मि. फ्रैंक बायलिस्टॉक, इतिहास विभाग, यॉर्क यूनिवर्सिटी, ऑन्टारियो, कनाडा	उत्तरी अमेरिकी विद्यालयों में गैर पश्चिमी इतिहास शिक्षण	6.1.92
5.	मिस ऐलेन बायलिस्टॉक, मनोविज्ञान विभाग, यॉर्क यूनिवर्सिटी, ऑन्टारियों, कनाडा	द्वितीय भाषा संचार कार्यनीति	7.1.1992
6.	प्रो. जेरी पी. बैक, पाठ्यचर्या तथा अनुदेश विभाग, साउथर्न इलिनोइस यूनिवर्सिटी	गणित शिक्षा के व्यापक परिप्रेक्ष्य	31.1.1992

7.8 अनुसंधान प्रविधि पाठ्यक्रम

सरकारी अध्ययनों के अनुसंधान कर्ताओं, अनुसंधान पर्यवेक्षकों तथा मुख्य अन्वेषकों की अनुसंधान क्षमताओं में सुधार करने तथा उन्हें सुदृढ़ करने के उद्देश्य से, शैक्षिक अनुसंधान तथा नवाचार समिति (एरिक) ने, अनुसंधान कार्यविधि पाठ्यक्रमों के नए मॉडल के आधार पर निम्न लिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए :

(1) डी.आई.ई.टी. संकाय के लिए एस.सी.ई.आर.टी., उदयपुर में 3 से 12 जुलाई, 1991 तक अनुसंधान प्रविधि पाठ्यक्रम स्तर-1 बाईस प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

(2) सरदार पटेल विश्वविद्यालय, आणंद (गुजरात) के शिक्षा विभाग के पीएच.डी. शोधकर्ताओं तथा एम.फिल, विद्यार्थियों के लिए 16 से 26 दिसम्बर, 1991 तक अनुसंधान प्रविधि पाठ्यक्रम स्तर-1 तेईस प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

(3) सरकारी परियोजनाओं के पी.एच.डी. पर्यवेक्षकों तथा मुख्य अन्वेषकों के लिए एस.सी.ई.आर.टी. पुणे में 24 से 29 फरवरी, 1992 तक अनुसंधान प्रविधि पाठ्यक्रम स्तर-2 इक्कीस प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

(4) शैक्षिक अनुसंधान की प्राथमिकताओं पर एक राष्ट्रीय

संगोष्ठी क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल में 6 से 7 मार्च 1992 तक आयोजित की गई। पन्द्रह श्रेष्ठ शिक्षाविदों के साथ-साथ जाने माने अनुसंधानकर्ताओं ने संगोष्ठी में भाग लिया। शैक्षिक अनुसंधान के प्रोत्साहन तथा आयोजन से संबंधित विषयों, तथा शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्रों को अग्रगामी बनाने संबंधी चर्चा एवं भावी कार्यक्रमों के लिए दिशानिर्देश प्राप्त करने संबंधी विषय संगोष्ठी के दौरान, चर्चा के प्रमुख केन्द्र रहे।

7.9 जीवनवृत्ति उन्नयन पाठ्यक्रम

ज्ञान तथा कौशलों को आधुनिक बनाने, तथा शैक्षिक अनुसंधान में लाई गई अद्यतन तकनीकों को समझने और व्यावसायिक समृद्धि को बढ़ाने के लिए एरिक ने एन.सी.ई.आर.टी. के शैक्षिक स्टाफ के लिए वर्ष 1991-92 के दौरान दो जीवनवृत्ति उन्नयन पाठ्यक्रम आयोजित किए। क्षे.शि.म. मैसूर में दिनांक 7 से 23 जून 1991 तक आयोजित पहले पाठ्यक्रम में चारों क्षे. शि. महाविद्यालयों तथा एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय, नई दिल्ली के 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दोनों पाठ्यक्रमों के लिए विशेषज्ञ, एन.सी.ई.आर.टी. मुख्यालय, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा भारत के अन्य शिक्षा संस्थाओं से लिए गए। इन जीवनवृत्ति उन्नयन पाठ्यक्रमों की अंतिम रिपोर्ट तैयार की गई तथा प्रतिभागियों में वितरित की गई।

7.10 ऐरिक बैठकें

परिषद् के विभिन्न संघटकों तथा अन्य बाहरी संस्थानों से प्राप्त अनुसंधान प्रस्तावों का विशेषज्ञों द्वारा मूल्यांकन कराया गया तथा इसके बाद इन्हें एरिक की बैठक के समक्ष प्रस्तुत किया गया। वर्ष 1991-92 के दौरान, एरिक की बैठक 25 अक्तूबर, 1991 को हुई। एरिक की सिफारिशों पर, अनुसंधान परियोजनाओं को आर्थिक सहायता देने के लिए क्षेत्रों का पता लगाने हेतु एरिक की एक उप-समिति का गठन किया गया। इस समिति की बैठक 2 दिसम्बर, 1991 को हुई।

7.11 शैक्षिक अनुसंधान पर आंतरिक समूह बैठकें

एन.आई.ई. संकाय की आंतरिक समूह की बैठक के दौरान, एन.सी.ई.आर.टी. में अनुसंधान अभिवृद्धि तथा विकास मार्ग में आने वाली समस्याओं पर चर्चा की गई तथा स्थिति में सुधार के लिए रास्ते सुझाए गए।

7.12 अनुसंधान परिणामों का प्रचार-प्रसार

अनुसंधान परिणामों के प्रचार-प्रसार के कार्यक्रम के अन्तर्गत, एरिक ने "व्हाट रिसर्च सेज टू टीचर" शीर्षक से अनुसंधान मोनोग्राफ श्रृंखला तैयार करने का निर्णय लिया। इसी संदर्भ में, सितम्बर/अक्तूबर, में मैसूर विश्वविद्यालय तथा क्षे.शि.म., मैसूर के सहयोग से अनेक कार्यशालाओं तथा कार्यसमूहों की श्रृंखला में बैठकें आयोजित की गईं। "कॉगनिटिव प्रोसेसिज इन लर्निंग" नामक उप-शीर्षक से संबंधित प्रबन्ध की पाण्डुलिपि तैयार की गई। विनिबन्ध को अनुवीक्षण के बाद मुद्रित कराया जाएगा।

7.13 बाबा साहब अम्बेडेकर एवं भारतीय समाज में असमानता, (विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में) को दूर करने के लिए कार्यनीतियों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार के अनुरोध पर बाबा साहब अम्बेडकर के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में एन.सी.ई.आर.टी. नई दिल्ली में 18 से 19 दिसंबर, 1991 को बाबा साहब अम्बेडकर एवं भारतीय समाज में असमानता, विशेष रूप से शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने की कार्यनीतियों पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। 29 प्रबुद्ध विद्वानों, क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं, अम्बेडकर विचारधारा के कार्यकर्ताओं तथा एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया। संगोष्ठी में भारतीय समाज में असमानता, विशेष रूप में शिक्षा के क्षेत्र में, को दूर करने के लिए महत्वपूर्ण सिफारिशें की गईं। संगोष्ठी की रिपोर्ट भी तैयार की गई।

7.14 शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों का पाँचवाँ सर्वेक्षण

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों के पाँचवे सर्वेक्षण की परियोजना की स्थापना एन.सी.ई.आर.टी. में की गई तथा एरिक ने अनुसंधान

1991-92

और नवाचारों पर सूचना के एकत्रीकरण तथा संकलन तथा बाद में निरन्तर एवं नियमित गतिविधियों के रूप में सर्वेक्षणों के प्रकाशन की जिम्मेदारी ली।

सर्वेक्षण में जनवरी, 1988 से दिसम्बर, 1992 तक पाँच वर्ष का समय लगेगा। इसमें शिक्षा एवं संबद्ध/समकक्ष क्षेत्रों तथा मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, संचार, जनसंचार आदि के क्षेत्र में किए गए विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक प्रक्रिया से संबंधित देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा किए गए स्वतंत्र अनुसंधानों, पीएच.डी. शोध प्रबंध एवं नवाचारों के सारांश को शामिल किया जाएगा।

सर्वेक्षण के संपादकीय बोर्ड की सितम्बर 1991 को बुलाई गई बैठक में परियोजना पर हुई प्रगति तथा प्रवृत्ति रिपोर्ट लेखकों के नामों का पता लगाया गया।

इन प्रवृत्ति रिपोर्ट लेखकों को, प्रवृत्ति रिपोर्ट लिखने के लिए विस्तृत मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थाओं द्वारा किए गए अनुसंधानों के सारांश कुछ चुने हुए विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों एवं रीडरों, जो संस्थागत स्तर पर संपर्क व्यक्ति के रूप में कार्य करते हैं, द्वारा एकत्र किया जा रहा है। ऐसे लगभग 550 सारांश प्राप्त हो चुके हैं जिनकी विषयवस्तु का संपादन किया जा रहा है तथा बाद में जिन्हें वर्गीकृत किया जाएगा।

एक प्रबंध शीर्षक, "शैक्षिक अनुसंधान और नवाचारों का पाँचवां सर्वेक्षण : एक विस्तृत रूपरेखा", जिसमें परियोजना का ब्यौरा दिया गया है, प्रकाशित किया गया तथा इसे विभिन्न विश्वविद्यालयों तथा अनुसंधान संस्थानों को परिचालित किया गया।

7.15 शैक्षिक सर्वेक्षण

मापन, मूल्यांकन सर्वेक्षण तथा आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग द्वारा किए गए अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण (ए.आई.ई.एस.) से प्राप्त बहुमूल्य आँकड़ों द्वारा नीति प्रतिपादन तथा नियोजन को वैज्ञानिक आधार तक बढ़ाया गया। ए.आई.ई.एस. ने उन अद्यतन विश्वसनीय आधारभूत आँकड़ों की आवश्यकता को पूरा किया जो कि शैक्षिक नीतियों के प्रतिपादन, शैक्षिक सुविधाओं के नियोजन, शैक्षिक व्यवस्था के सुधार तथा शैक्षिक सेवाओं के प्रभावी प्रबंध, के लिए अत्यंत आवश्यक है।

ए.आई.ई.एस. द्वारा उपलब्ध कराए गए आँकड़ों का व्यापक रूप से प्रयोग केन्द्र तथा राज्य सरकारों द्वारा शैक्षिक विकास तथा प्रशासन के लिए किया गया है।

मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण तथा आधार सामग्री प्रक्रियन विभाग
यह विभाग अपने कार्यक्षेत्र के अंतर्गत बड़े और छोटे पैमाने के सर्वेक्षण, विस्तार, विकास तथा प्रशिक्षण चलाता रहा है।

शैक्षिक सर्वेक्षण से संबंधित कुछ कार्यक्रमों/कार्यकलापों की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं :

(1) पाँचवें अखिल भारतीय शैक्षिक सर्वेक्षण पर व्यापक राष्ट्रीय रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा चुका है तथा इसके प्रकाशन के लिए मुद्रण आदेश दे दिया गया है।

(2) "प्राथमिक तथा माध्यमिक स्तरों पर अध्यापक प्रशिक्षण संस्थानों के सर्वेक्षण" की प्रारूप अनुसूचियाँ तैयार कर ली गई हैं।

(3) "उत्तर प्रदेश में प्राथमिक विद्यालयों के भवनों के गहन सर्वेक्षण" के लिए 6,000 से अधिक विद्यालयों के नमूने से आँकड़ों के एकत्रीकरण का कार्य प्रगति पर है।

(4) राज्यवाद "अध्येतावृत्तियों तथा प्रोत्साहन योजनाओं के सर्वेक्षण" के अंतर्गत आँकड़े एकत्रित किए जा रहे हैं।

(5) डी.एम.ई.एस.डी.पी. ने बेंगलूर में 9 से 20 दिसम्बर, 1991 तक, शिक्षा के नमूना सर्वेक्षण प्रतिरूपों के विकास के लिए, 12 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के परिणामों पर अनुलेख रूप में प्रारूप रिपोर्ट तैयार की गई।

(6) प्रतिवेदनाधीन अवधि के दौरान डी.एम.ई.एस.डी.पी. के सर्वेक्षण संकाय द्वारा बहुत से संगठनों को परामर्श दिया गया।

7.16 आँकड़ा प्रक्रियन

एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों को, डी.एम.ई.एस.डी.पी. आँकड़ा प्रक्रियन में सहायता देता है। अन्य बातों के साथ-साथ, यह विभाग आई.ई.ए. अध्ययन (शिक्षा में कम्प्यूटर) से संबंधित कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों के लिए सेवाएँ उपलब्ध कराता है। विश्व के 20 अन्य देशों के साथ-साथ भारत भी इस अध्ययन में भाग ले रहा है। इस अध्ययन का प्रथम चरण पूरा हो चुका है। अध्ययन के द्वितीय चरण से संबंधित साधनों का अभिग्रहण तथा अनुवाद किया गया। चार राज्यों तथा एक संघ शासित प्रदेश में एक पथप्रदर्शक अभियान का निष्पादन किया गया तथा उसके आँकड़े आई.सी.सी.को भेजे गए। अध्ययन के द्वितीय चरण के अंतिम अभियान के लिए अंतिम साधनों का अभिग्रहण तथा अनुवाद किया जा रहा है।

कुछ अन्य कार्यक्रमों के लिए भी आँकड़ा संसाधन में सहायता दी गई जैसे (1) राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा (2) प्राथमिक विद्यालय के बच्चों की उपलब्धि (3) सृजनात्मक लड़कियों का व्यावसायिक व्यवहार, (4) कर्मशाला विभाग के प्रदर्शकों के वर्गीकरण के लिए एक सूचना व्यवस्था, (5) "क्लास" परियोजना का अनुवीक्षण तथा (6) शास्त्रीय उपलब्धि अध्ययन।

डी.एम.ई.एस.डी.पी. का आँकड़ा संसाधन विंग, एन.सी.ई.आर.टी. के पी.एच.डी. करने वाले संकाय सदस्यों को, कम्प्यूटर पर साधनों के विकास, आँकड़ों की प्रविष्टि तथा आँकड़ों के सांख्यिकीय विश्लेषण के लिए भी सहायता देता है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, कम्प्यूटर केन्द्र के संकाय सदस्य, एन.सी.ई.आर.टी. के कम्प्यूटर प्रयोग करने वाले संकाय सदस्यों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराते हैं तथा उन बाहरी एजेंसियों का कार्य भी करते हैं जो आँकड़ों के कम्प्यूटरीकरण तथा कम्प्यूटर खरीदने का कार्य करती हैं।

1991-92

आठ

शैक्षिक प्रौद्योगिकी

8.1 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का एक प्रमुख कार्य शिक्षा की वैकल्पिक-पद्धतियों के विकास तथा देश में शिक्षा के सुधार और प्रसारण के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी, विशेष रूप से जनसंचार के प्रयोग को बढ़ावा देना है। केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान श्रव्य और दृश्य कार्यक्रमों के लिए श्रव्य-दृश्य सामग्री, फिल्में चार्ट, टैप स्लाइड और कम लागत के साधनों का निर्माण करता है।, हिन्दी भाषी क्षेत्र में प्राथमिक स्तर के बच्चों और अध्यापकों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम का प्रसारण करता है। रा.शै.प्रौ.सं. और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यकर्ताओं को दृश्य श्रव्य निर्माण, तकनीकी प्रचालन और अनुरक्षण तथा अनुसंधान और मूल्यांकन में प्रशिक्षण देता है, डी. आई, ई.टी.,सी.टी.ई.,आई. ए.एस.ई.,एस.सी.ई.आर.,टी. आदि के अध्यापक-प्रशिक्षकों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी और कम लागत के शिक्षण साधनों पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित करता है, दृश्य-श्रव्य कार्यक्रमों और सामग्री का अनुसंधान और मूल्यांकन करता है, संबद्ध श्रोताओं पर पड़े प्रभाव की प्रतिपुष्टि और अध्ययन करता है, शैक्षिक प्रौद्योगिकी, श्रव्य-दृश्य स्टूडियो के विन्यास, उपकरणों की व्यवस्था की रूपरेखा और चयन में परामर्श देता है। मा.सं.वि.मं. के साथ शैक्षिक दूरदर्शन योजना के नियोजन और रूपरेखा बनाने के लिए तथा रा. शै.प्रौ.सं. के साथ प्रोग्रामिंग, तकनीकी प्रचालन, अनुसंधान और प्रशासनिक मामलों के लिए समन्वयन करता है तथा के. शै. प्रौ.सं. की सामग्री की आपूर्ति के लिए विपणन और विस्तार सेवाएँ उपलब्ध कराता है।

8.2 अनुसंधान/मूल्यांकन कार्यकलाप

कार्यक्रम की विषय-वस्तु, रूपरेखा और उपयोग को सुधारने की दृष्टि से सामग्री और कार्यक्रमों के परीक्षण, विषय-वस्तु के विश्लेषण और क्षेत्र से प्रासंगिक प्रमाण एकत्र करने पर विशेष बल दिया जाता है। वर्ष 1991-92 में निम्नलिखित गतिविधियाँ संपन्न की गई :

8.2.1 शैक्षिक दूरदर्शन

8.2.1.1 'ताई की चौपाल' ढाई 'सवाल' और 'आजादी की कहानी' श्रृखलाओं के अन्तर्गत निर्मित शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों का क्षेत्र परीक्षण किया गया। निर्माताओं/आलेख-लेखकों को श्रृंखलाओं के अनुवर्ती विकास के लिए क्षेत्र की प्रतिक्रियाओं से अवगत कराया गया।

8.2.1.2 विषय-वस्तु विश्लेषण अध्ययन

बच्चों के लिए शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के विश्लेषण के अंतर्गत संपन्न कार्य (1) कहानियाँ (2) वनस्पति जीवन, और अध्यापक प्रशिक्षण विशेषकर ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड की श्रृंखलाएँ हैं। इस विश्लेषण में ज्ञानवर्द्धक, भावात्मक और

मनोगत्यात्मक प्रभाव-क्षेत्र में शैक्षिक उद्देश्यों के विस्तार, एक कार्यक्रम से दूसरे कार्यक्रम में विषय वस्तु की पुनरावृत्ति, एक ही कार्यक्रम में अनुदेशात्मक विषयों की पुनरावृत्ति, प्रयोग किए गए साधनों, रूपरेखा के प्रस्तुतिकरण आदि के बारे में प्रमुख उपलब्धियों के विवरण दिए गए तथा उन पर चर्चाएँ की गई।

8.2.1.3 प्रसारण अनुसवीक्षण

बच्चों के लिए हिन्दी में शैक्षिक दूरदर्शन सेवा के प्रसारण का डायरेक्ट रिसेप्शन सेट पर नियमित रूप से अनुवीक्षण किया गया। अनुवीक्षण के दौरान सतर्क रहने का परिणाम यह हुआ कि कार्यक्रमों को सारणीबद्ध और संपुटित करने में सकारात्मक परिवर्तन सामने आए।

8.2.1.4 दर्शक प्रोफाइल

दर्शकों (प्राथमिक स्तर के बच्चों और प्राथमिक विद्यालय के अध्यापकों) विद्यालय तथा पर्यावरण पर एक दर्शक प्रोफाइल तैयार करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश के तीन इन्सेट जिलों में एक क्षेत्र-अध्ययन आरम्भ किया गया। अध्ययन की रिपोर्ट में स्थिर चित्र भी दिए गए हैं।

8.2.1.5 मीडिया का उपयोग

शैक्षिक दूरदर्शन सेवाओं के उपयोग के विस्तार और उससे प्रभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए मध्य-प्रदेश में एक अध्ययन किया गया।

8.2.2 शैक्षिक रेडियो

8.2.2.1 प्रतिपुष्टि अध्ययन

पंडित जवाहर लाल नेहरू द्वारा पिता के पत्र पुत्री के नाम (लेटर्स फ्राम फादर, टू डॉटर) श्रृंखला पर एक क्षेत्र अध्ययन किया गया। इसके परिणाम बहुत उत्साह-बर्धक रहे।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए एक श्रव्य कार्यक्रम का भी क्षेत्र अध्ययन किया गया और इन कार्यक्रमों में बच्चों तथा अध्यापकों की प्रतिक्रियाओं के अनुकूल संशोधन किया गया। कुल मिलाकर यह कार्यक्रम बहुत उपयोगी सिद्ध हुआ। प्रतिपुष्टि अध्ययन की एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार की गई।

मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए निर्मित कार्य-क्रमों पर एक प्रोटोटाइप अध्ययन किया गया। इस अध्ययन का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना था कि श्रव्य कार्यक्रमों में चित्र कार्डों के द्वारा विकलांग बच्चों की समझ को बढ़ाने और सिखाने में कहाँ तक सहायता की जा सकती है। बच्चे इन कार्यक्रमों को सुनने और चित्रों को देखने के बाद घटनाओं/संकल्पनाओं का बेहतर ढंग से वर्णन कर सकें।

8.2.3 मुख्य उपलब्धियाँ-होशंगाबाद ऑडियो कैसेट परियोजना

के.शै.प्रौ.सं.ने मध्य प्रदेश के होशंगाबाद जिले के 450 विद्यालयों में 'भाषा आनन्द' के अन्तर्गत अपने श्रव्य कार्यक्रमों के प्रयोग द्वारा प्राथमिक स्तर पर प्रथम भाषा के रूप में हिन्दी की अध्यापन परियोजना को दोहराया। यह परियोजना कार्य 1986-87 से 1990-91 तक जारी रहा। परियोजना के संचालन और प्रबन्धन का अध्ययन पूरा हो चुका है। इस अध्ययन से पता लगा है कि बच्चे गीतों और सरल रूप से सुनाई जाने वाली कहानियों पर आधारित कार्यक्रम पसन्द करते हैं। कार्यक्रमों को सुनने के बाद वे मानसिक कल्पनाएँ कर सकते हैं और घटनाओं का वर्णन कर सकते हैं। परियोजना को और अधिक प्रभावकारी बनाने के लिए शुरू में ही प्रबन्धन पहलुओं पर ध्यान देना जरूरी है जैसेः परियोजना के आरम्भ में विद्यालयों का चयन, सेटों का अनुरक्षण और मरम्मत, बिजली की आपूर्ति बैटरी सैलों को बदलना, अध्यापकों को प्रशिक्षण देना आदि।

परियोजना की रिपोर्ट में दी गई कुछ मुख्य सिफारिशें इस प्रकार हैं:

1. बच्चे उपयुक्त ढंग से तैयार किए गए कार्यक्रमों को आसानी से समझ सकते हैं। अध्यापकों द्वारा इन्हें कक्षा कार्यवाही के अभिन्न अंग के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। किन्तु अध्यापक को अधिगम सामग्री के रूप में श्रव्य कार्यक्रमों को प्रयोग करने की विधि में प्रशिक्षित होना चाहिए।

2. यद्यपि एक/दो अध्यापकों वाले बीमार विद्यालयों के लिए इलैक्ट्रानिक मीडिया रामबाण सिद्ध हो सकता है, किन्तु यह तभी संभव है जब इन उपकरणों का समुचित रखरखाव किया जाए अन्यथा मीडिया के माध्यम से शिक्षा का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा।
3. प्रशिक्षित मैकेनिक निर्धारित शिक्षा, जिलों का दौरा करें और उपकरणों में आई छोटी-मोटी खराबियों को दूर करें।

4. अधिगम के पक्ष

- बच्चे आसान लय के गीत सरलता से सीख सकते हैं। वे स्वयं गीत गाना पसन्द करते हैं। अतः विषय वस्तु भी आसान होनी चाहिए।
- बच्चे कहानियाँ बड़े चाव से सुनते हैं विशेष कर उन कहानियों को जिनमें ध्वनि संकेत अधिक होते हैं।
- बच्चों को सरल, सीधे स्पष्ट संवाद बहुत पसन्द आते हैं।
- उचित रूप से निर्मित कार्यक्रम से बच्चे इन कार्यक्रमों में निहित चरित्रों से प्रेरणा ग्रहण करते हैं, साथ ही इससे बच्चे में वर्णन करने की क्षमता के विकास में भी सहायता मिलती है।
- मीडिया की निष्क्रियता समाप्त करने के लिए कार्यक्रमों के निर्माण में प्रश्नोत्तरों को प्रोत्साहित करना और अभिनय आदि के साथ गीत गाने की प्रेरणा देने का प्रयास करना चाहिए।
- छोटे बच्चों के लिए बनाए जाने वाले श्रव्य कार्यक्रमों में नीरस वृतान्त बिल्कुल न हों और निर्माण में परस्पर हस्तक्षेप करने वाली विधि का प्रयोग किया जाए।

8.2.4 स्लाइड

'लैंड, पीपुल एण्ड मोनुमेन्ट्स आफ इंडिया' श्रृंखला के अन्तर्गत राजस्थान और हिमाचल प्रदेश की स्लाइडों के सेटों का मूल्यांकन करने के लिए डी.आई.ई.टी. के प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों और अध्यापक शिक्षकों के लिए एक कार्यगोष्ठी आयोजित की गई। इस कार्यगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य डी.आई.ई.टी. को प्रशिक्षण सामग्री के रूप में स्लाइडें प्रयोग करने के लिए देने से पहले इस सामग्री में आवश्यक सुधार करना था।

8.3 शैक्षिक सामग्री का निर्माण

के.शै.प्रौ.सं. ने शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों सहित शैक्षिक सॉफ्टवेयर, श्रव्य कार्यक्रमों, फिल्मों, चार्टों और स्लाइडों और कम लागत के साधनों का विकास करना निरन्तर जारी रखा।

8.3.1 शैक्षिक दूरदर्शन निर्माण

शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों में 5-8 और 9-11 आयु वर्ग के ग्रामीण क्षेत्रों के प्राथमिक विद्यालयों के बच्चों, और अध्यापक प्रशिक्षण पर विशेष बल दिया गया। इनसेट द्वारा प्रसारित करने के 95 शै. दू. कार्यक्रमों में से 70 कार्यक्रम बच्चों और अध्यापकों के लिए, 5 पूरक और 20 धारावाहिक कार्यक्रम तैयार किए गए। 12 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों को उड़िया और गुजराती में डब किया गया।

के.शै.प्रौ. सं. ने विद्यालय स्तर पर कार्यक्रम के उपयोग को सुधारने के लिए प्रसारण समय में संशोधन लाने हेतु राज्य शैक्षिक प्राधिकरणों और दूरदर्शन के साथ गहन परामर्श किया। बोधगम्यता व आकर्षण को बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रमों को कैप्सूल के रूप में प्रस्तुत किया गया जिनमें निरन्तरता है।, कार्यक्रमों को और अधिक सहभागी बनाने के लिए उनमें कार्यकलाप, पहेलियाँ और प्रश्नों जैसी नई सामग्री को शामिल किया गया है। इस उपागम का परीक्षण किया गया और इस वर्ष 20 धारावाहिकों का निर्माण किया गया।

8.3.2 वर्ष 1991-92 में शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों की कुछ महत्वपूर्ण श्रृंखलाएँ हैं

8.3.2.1 विकलांगों के लिए शिक्षा

के. शै.प्रौ.सं. ने मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के अन्तर्राष्ट्रीय वर्ष के उपलक्ष्य में अभिभावकों/अध्यापकों के

अभिविन्यास और प्रेरणा देने के लिए 9 शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रम निर्मित किए। इन कार्यक्रमों को उड़िया और गुजराती में डब किया गया और पाँच भाषा क्षेत्रों हिन्दी, मराठी, गुजराती, तेलुगू और उड़िया में इनका प्रसारण किया गया।

8.3.2.2 महिला समानता के लिए शिक्षा

'चुना है आकाश', 'सुबह हो रही है' और 'भविष्य की दस्तक' का निर्माण किया गया और इसे राष्ट्रीय नेटवर्क और दूरदर्शन के चेनल-2 पर प्रसारित किया गया।

8.3.2.3 रा.शै.अ.प्र.प. के लिए कार्यक्रम

रा. शै.अ.प्र.प. पर एक कार्यक्रम 'सफर जारी है' को रा.शै.अ.प्र.प. की 30वीं वर्षगाँठ के अवसर पर प्रसारित किया गया।

रा.शै.अ.प्र.प.के शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और निदर्शन विभाग के लिए दो कार्यक्रम 'श्रम ही पूजा' और 'यह भी संभव है' का निर्माण किया गया।

विज्ञान और गणित शिक्षा के सुधार हेतु नौ कार्यक्रम निर्मित किए गए। ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड पर श्रृंखलाओं को 9 भाषाओं में डब किया गया।

शैक्षिक कार्यक्रम योजना और लागत समिति ने व्यावसायिक शिक्षा के दस शीर्षकों पर बाहरी निर्माताओं से 'टर्न की' आधार पर कार्यक्रम तैयार करवाए।

8.3.2.4 शैक्षिक दूरदर्शन केप्सूलिंग

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान ने 45-45 मिनट के 700 केप्सूल टेप तैयार किए। इन्हें दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली को प्रातः कालीन शैक्षिक दूरदर्शन सेवा में हिन्दी क्षेत्रों में सैटेलाइट द्वारा प्रसारित करने के लिए भेजा गया।

8.3.2.5 शैक्षिक दूरदर्शन पाठ्यचर्या

पिछले अनुभवों के आधार पर एक ऐसी शैक्षिक दूरदर्शन पाठ्यचर्या तैयार करने का प्रयास किया गया जो दूरदर्शन कार्यक्रमों में सातत्य पर बल देते हुए बच्चों में स्थायी अधिगम उपलब्धि ला सके। रा.शि.सं. के संबंधित विभागों की सहभागिता से विज्ञान, गणित, भाषा और सामाजिक विज्ञान के विषय क्षेत्रों में 4 पाठ्यचर्या समूहों के शीर्षक और श्रृंखलाएँ तय की गई।

8.3.2.6 श्रव्य कार्यक्रम

कुल 85 श्रव्य कार्यक्रम निर्मित किए गए जिनमें 6-10 और 11-14 आयु वर्ग के बच्चों के लिए 'लिंग समानता' पर 15 विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए 25, नवोदय विद्यालय की कक्षा-7 के बच्चों के लिए हिन्दी और साहित्य को समझने के लिए 20 और के. मा. शि. बोर्ड के अनुरोध पर अंग्रेजी भाषा शिक्षण के लिए 15 श्रव्य कार्यक्रम निर्मित किए गए। 10 कार्यक्रम महान स्वतन्त्रता सेनानियों और समाज सुधारकों पर बनाए गए। कार्यक्रमों को सुधारने और संबद्ध श्रोताओं द्वारा पूर्ण रूप से समझने के लिए क्षेत्र परीक्षण पर विशेष बल दिया गया।

8.3.2.7 शैक्षिक फिल्में

16 मि.मी. की चार रंगीन फिल्में पूरी की गईं। ये हैं:

(1) अनौपचारिक शिक्षा भाग-2 पर "हरि सीख गया"
(2) राजस्थान पर- "बदलती हवाएँ" (चेंजिंग विंड्स)
(3) 'कोडगू' अर्थात एक शूरवीर और (4) 'दी लैंड ऑफ दी ब्रेव' पूरी की गई। इन फिल्मों से 'लैंड एण्ड पीपुल' श्रृंखला के अन्तर्गत फिल्मों की कुल संख्या 12 हो गई है।

इन फिल्मों से के. शै. प्रौ. सं. द्वारा शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में निर्मित शैक्षिक फिल्मों की संख्या 65 हो गई है। चार अन्य फिल्में कोरामण्डल कोस्ट भाग-1 अरावली रेंजेस भाग-2 लद्दाख और गढ़वाल का काम प्रगति पर है।

8.3.2.8 शैक्षिक चार्ट

कक्षा 10 और 12 के लिए जीव विज्ञान पर नए पाठ्यक्रम पर विज्ञान का चार्ट तैयार करने का कार्य आरम्भ हो चुका है। के.शै.प्रौ.सं. माध्यमिक विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान, भौतिकी और भूगोल पर 80 चार्ट पहले ही बना चुका है।

1991-92

8.3.2.9 सामग्री की प्राप्ति

केन्द्रीय फिल्म लायब्रेरी के लिए 13-13 एपिसोड की दो वीडियो-श्रृंखलाएँ एक 'भारत की छाप' दूसरी 'रेस टू सेब दी प्लैनेट' ली गई।

8.3.2.10 मुद्रित सामग्री

प्राथमिक स्तर के प्रयोगकर्ता अध्यापकों के लिए दो मैनुअल, एक कक्षा में टेलीविजन के प्रयोग पर और दूसरा रेडियो-एवं-कैसेट रिकार्डर के प्रयोग पर हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में तैयार किए गए। इन मैनुअलों को राज्यों के प्रयोगकर्ता विद्यालयों में वितरित करने के लिए 40 राज्य नोडल एजेन्सियों को इसकी लगभग 2 लाख प्रतियाँ भेजी गईं।

प्राथमिक कक्षाओं के लिए कम लागत के गणित शिक्षण साधनों पर एक मैनुअल प्रकाशित करवाया गया। यह मैनुअल जि.शै.प्रौ.सं. के लिए विशेष रूप से लाभदायक सिद्ध होगा।

8.4 प्रशिक्षण कार्यक्रम

के.शै.प्रौ.सं. ने 10 मार्गदर्शी पाठ्यक्रम आयोजित किए। इस वर्ष वीडियो/ऑडियो निर्माण हेतु उपकरणों के प्रचालन और अनुरक्षण के प्रशिक्षण पर जोर दिया गया। जिला शै.प्रौ.सं. और अन्य संस्थानों के अध्यापक-शिक्षकों के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में वीडियो निर्माण और आलेख-लेखन पर मार्गदर्शी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित किए गए।

8.5 प्रचार-प्रसार

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान ने रा.शै.अ.प्र.प. के संघटक एककों सहित विभिन्न संस्थानों/संगठनों में अपनी सामग्री का प्रचार-प्रसार जारी रखा। द्विपक्षीय सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों के अन्तर्गत मॉरिशस, त्रिनीदाद और इण्डोनेशिया को विभिन्न शैक्षिक प्रौद्योगिकी की सामग्री भेजी गई।

8.6 विस्तार कार्यक्रम

वर्ष 1991-92 में के.शै.प्रौ.सं. ने निम्नलिखित विस्तार कार्यक्रम आयोजित किए:

(1) ***शैक्षिक प्रदर्शनियाँ***

सी आई ई टी की सामग्री को निम्नलिखित विज्ञान प्रदर्शनियों में प्रदर्शित किया गया:

(क) तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली, 14 से 30 नवम्बर 1991,

(ख) कोच्चि में जवाहर लाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी, 7 से 15 नवम्बर 1991,

(ग) संसद भवन के उप-भवन में संसदीय राष्ट्रमण्डल के लिए शिक्षा का स्तर 18 से 30 सितम्बर 1990

(घ) रा.शै.अ.प्र.प. की 30वीं वर्षगाँठ के अवसर पर रा. शि.सं. परिसर में आयोजित प्रदर्शनी 18 से 25 सितम्बर, 1990,

(2) ***बाल उत्सव***

रा.शै.अ.प्र.प. की 30वीं वर्षगाँठ के अवसर पर 1 जून 1991 को बाल उत्सव का आयोजन किया गया। इस उत्सव में बच्चों को कम लागत के खिलौनों से खेलने, कठपुतली शो देखने, कला और शिल्प के कार्य करने, लोकगीत/लोक नृत्य तथा दूरदर्शन और ऑडियो कार्यक्रम का निर्माण देखने का अवसर मिला।

(3) ***वीडियो उत्सव***

दिनांक 8 से 11 अक्टूबर, 1991 तक के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ. प्र. प. में बच्चों के लिए तीसरा वीडियो उत्सव आयोजित किया गया। इस उत्सव में के.शै. प्रौ.सं. और छः रा.शै.प्रौ.संस्थानों के शैक्षिक दूरदर्शन के निर्माताओं, शोधकर्ताओं और लेखकों को अपने विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने तथा वीडियो निर्माण की गुणवत्ता को सुधारने के तरीकों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिला।

(4) के.शै.प्रौ.सं. ने राज्य शिक्षा विभाग के अनुरोध पर 3 से 27 फरवरी, 1992 तक आइजोल (मिजोरम) में कम-लागत के शिक्षण साधनों पर एक कार्यशाला आयोजित की।

(5) शैक्षिक फिल्मों का परिचालन

के.शै.प्रौ.सं. की केन्द्रीय फिल्म लायब्रेरी (सी एफ एल) में 4365 विद्यालयों/शैक्षिक संस्थानों की सदस्यता है तथा इसमें 8,000 शैक्षिक फिल्मों का स्टॉक है। वर्ष 1991-92 के दौरान लायब्रेरी की लगभग 1400 शैक्षिक फिल्में सदस्य-संस्थाओं को जारी की गई।

(6) परामर्श/व्याख्यान

के.शै.प्रौ.सं. के संकाय ने अन्य संस्थानों के आमन्त्रण पर उन्हें परामर्श (व्याख्यानों सहित) दिया। के.शै.प्रौ. सं. ने छः रा.शै.प्रौ.सं. की बैठकों में भाग लेकर, उनके कार्यक्रमों के समन्वयन, उनके कार्मिकों को प्रशिक्षण तथा उपकरणों की पहचान, चयन और आपूर्ति में सहयोग दिया।

(7) वर्ष 1991-92 के दौरान सी.आई.ई.टी. ने एन.सी.ई.आर.टी/मा.सं.वि.मं. के अन्य विभागों के 133 समारोहों/बैठकों का आयोजन अपने परिसर में किया तथा इसके लिए उन्हें अपेक्षित सुविधाएँ एवं कर्मचारी भी दिए।

8.7 पुरस्कार

सी.आई.ई.टी. ने अपने निर्माण के लिए निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किये :

(1) 'दी लैंड एण्ड दी पीपुल' श्रृंखला के अन्तर्गत वैलियन्ट वन्स' फिल्म को राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जूरी द्वारा वर्ष 1991 की नृविज्ञान और नृजातिवर्णन संबंधित सर्वश्रेष्ठ गैर-फीचर फिल्म का पुरस्कार मिला।

(2) वर्ष 1990-91 में के.शै.प्रौ.सं. द्वारा आयोजित तीसरे बाल शैक्षिक वीडियो उत्सव में भाषा-शिक्षण पर बच्चों की वीडियो फिल्म 'मियां गुमसुम और 'बत्तो रानी' को प्रथम पुरस्कार मिला।

(3) के.शै.प्रौ.सं. ने कनाडा, जर्मनी और इटली में आयोजित तीन अन्तर्राष्ट्रीय वीडियो प्रतियोगिताओं में अपनी वीडियो प्रविष्टियाँ भेजीं। वीडियो बार 1992 में प्रदर्शन के लिए नेशनल कमेटी ऑफ दि प्राइज जूनेस्सी इन्टरनेशलन, कनाड़ा ने 'ताइर की चौपाल' वीडियो फिल्म को चुना।

8.8 के.शै.प्रौ.सं. द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट/प्रकाशन

वर्ष 1991-92 में के.शै.प्रौ.सं. ने निम्नलिखित रिपोर्ट/प्रकाशन प्रकाशित किए:

(1) रिपोर्ट ऑफ दि रिसर्च स्टडी ऑन यूज ऑफ ई टी वी इन आन्ध्र प्रदेश

(2) रिपोर्ट ऑफ ऑडियो-कैसेट प्रोजेक्ट, होशंगाबाद (म. प्र.)-ए केस स्टडी ऑफ दि मैनेजमेंट प्रॉब्लम

(3) रिपोर्ट ऑन फीड-बैक ऑन ऑडियो प्रोग्राम्स फॉर दि चिल्ड्रेन विद स्पेशल नीड

(4) रिपोर्ट ऑन दि कन्टेंट एनालिसिस ऑफ ई टी वी प्रोग्राम्स फार दि चिल्ड्रेन बेस्ड ऑन (1) स्टोरीज एण्ड (2) एनवायरनमेंट-प्लान्ट लाइफ

(5) ए सेट ऑफ रिपोर्ट्ज ऑन मॉनीटरिंग ऑफ दि टेलीकॉस्ट ऑफ दि ई टी वी सर्विस ड्यूरिंग 1990-91

(6) ए सेट ऑफ रिपोर्ट्ज ऑन फील्ड टेस्टिंग ऑफ ई टी वी प्रोग्राम ड्यूरिंग 1990-91

(7) मैनुअल ऑन गाइडलाइन्स फॉर टीचर्स फॉर यूजिंग टेलीविजन इन दि क्लासरूम (अंग्रेजी और हिन्दी)

(8) मैनुअल ऑन गाइडलाइन्स फॉर टीचर्स फार यूजिंग रेडियो-कम-कैसेट प्लेयर इन दि क्लासरूम (अंग्रेजी और हिन्दी)

(9) मैनुअल ऑन प्रिपेयरिंग ऑफ मैथमेटिक्स लो कॉस्ट टीचिंग ऐड फॉर प्राइमरी स्कूल्स

(10) रिपोर्ट ऑन दि ओरियेन्टेशन कोर्स फॉर दि टीचर एजूकेटर्स इन एजूकेशनल टेक्नोलॉजी फ्रॉम अगस्त 5 टू 30, 1991

(11) मैनुअल फॉर मैनेजमेंट ऑफ दि एस आई ई टी

कार्यगोष्ठी, बैठक, संगोष्ठी, प्रशिक्षण और अभिविन्यास कार्यक्रमों आदि के विवरण तालिका 8 में दिए गए हैं।

1991-92

तालिका 8

वर्ष 1991-92 में के.शै.प्रौ.सं. द्वारा आयोजित कार्यगोष्ठी, अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यक्रम और बैठकें

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1	2	3	4	5
1.	विश्वविद्यालय अध्यापकों/एस.सी.ई.आर.टी./ प्रशिक्षण महाविद्यालय/आई ए एस ई/सी आई ई टी के लिए शैक्षिक प्रौद्योगिकी में अभिविन्यास कार्यक्रम	5 से 30 अगस्त, 1991	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	15
2.	वी ई एल बेंगलूर से भेजे गए कैमरा चेन कैमरों (के.सी. के—40) के प्रचालन और अनुरक्षण में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	26 से 30 अगस्त 1991	अहमदाबाद	10
3.	के सी एम— 125 कैमरा के प्रचालन और अनुरक्षण में तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	19 से 31 अगस्त 1991	बेंगलूर	3
4.	जी सी ई से भेजे गए वीडियो उपकरणों (हाई बैंड वी सी आर, इकागामी/ई एन जी कैमरा/कैरेक्टर जेनरेटर एण्ड ए डी ओ) पर तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	30 सितम्बर से 9 अक्टूबर, 1991	दिल्ली	10
5.	टेलीसिन सहित बी ई एल-बैंगलूर से भेजे गए टी वी स्टूडियो उपकरणों के प्रचालन और अनुरक्षण में तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	11 से 23 नवम्बर, 1991	बेंगलूर	10
6.	जि.शै.प्रौ.सं. के शैक्षिक प्रौद्योगिकी में व्याख्याताओं के लिए पाँचवां अभिविन्यास पाठ्यक्रम	11 से 20 नवम्बर, 1991	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	19
7.	बी ई एल द्वारा भेजे गए विजन मिक्सर के प्रचालन और अनुरक्षण पर तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2 से 11 दिसम्बर, 1991	बेंगलूर	10
8.	मेलट्रॉन द्वारा भेजे गए ऑडियो उपकरणों के प्रचालन में तकनीकी प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	2 से 10 दिसम्बर, 1991	मुंबई	10
9.	आलेख-लेखन और शैक्षिक प्रयोजन हेतु ऑडियो/वीडियो कार्यक्रमों के निर्माण के लिए एकीकृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	3 से 28 फरवरी, 1992	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	15
10.	जी.सी.ई. एल बड़ोदरा द्वारा भेजे गए वीडियो उपकरणों (लो बैंड पोर्टेबल/एडिट वी.सी.आर और सोनी/इकागामी कैमरा) पर तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	3 से 13 मार्च, 1992	दिल्ली	13
11.	दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम-प्रतिक्रिया शीट समनुदेशन को आयोजित करने की कार्यविधि के अनुसमर्थन और विस्तार के लिए कार्य गोष्ठी।	16 से 19 जुलाई, 1991	क्षे.शि.म., अजमेर	28

1	2	3	4	5
12.	कक्षा 11 और 12 के नये पाठ्य-विवरणों के अनुसार विज्ञान-चार्टों के विकास पर कार्यकारी समूह की बैठकें	15 मई, 1991 29 अगस्त, 1991 से 9 सितम्बर, 1991 25 से 26 और 31 मार्च, 1992	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	5-8
13.	के.शै.प्रौ.सं.–रा.शै.प्रौ.सं. की समन्वयन समिति की सोलहवीं बैठक	25 से 26 जुलाई, 1991		45
14.	गणित में ऑडियो कार्यक्रमों के विकास के लिए कार्यकारी समूह की बैठक	1 अगस्त, 1991	के.शै.प्रौ. सं. नई दिल्ली	12
15.	रा.शै.प्रौ.सं. के लिए ऑडियो पाठ्यचर्या के विकास के लिए बैठक	3 से 4 दिसम्बर, 1991	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	25
16.	जि.शै.प्रौ.सं. द्वारा अध्यापक प्रशिक्षण पर वीडियो और ऑडियो कार्यक्रमों की खोज और चयन पर कार्यशाला	17 से 29 फरवरी, 1992	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	
17.	के.शै.प्रौ.सं.–रा.शै.प्रौ.सं. की समन्वयन समिति की सत्रहवीं बैठक	27 से 28 फरवरी, 1992	के. शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	32
18.	लैंड, पीपल एण्ड मॉनुमेन्ट्स श्रृंखला के अन्तर्गत राजस्थान और हिमाचल प्रदेश पर स्लाइडों के मूल्यांकन पर कार्यशाला	3 से 5 मार्च, 1992	क्षे.शि.म., अजमेर	14
19.	शैक्षिक दूरदर्शन कार्यक्रमों के विवरणों को अद्यतन करने के लिए कार्यशाला	10 से 13 मार्च, 1992	के.शै.प्रौ.सं. नई दिल्ली	30

1991-92

नौ

प्रकाशन, सामग्री विकास और पुस्तकालय सेवाएँ

9.1 प्रकाशन

9.1.1 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् के कुछ मुख्य कार्यकलाप विद्यालय स्तर के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएँ, अध्यापक संदर्शिकाएँ तथा अध्यापकों के लिए अनुदेशी सामग्री, अनुसंधान मोनोग्राफ, शैक्षिक पत्रिकाएँ आदि का प्रकाशन है। रा.शै.अ.प्र.प. का प्रकाशन विभाग प्रकाशन कार्यक्रमों तथा प्रमुख सूचनाओं के प्रसारण को देखता है। प्रकाशनों की निम्नलिखित मुख्य श्रेणियाँ है–

1. विद्यालय के लिए पाठ्यपुस्तकें, अभ्यास पुस्तिकाएँ तथा निर्धारित सप्लीमेन्ट्री रीडर्स
2. अध्यापक संदर्शिकाएँ तथा अन्य अनुदेशी सामग्री
3. अनुसंधान रिपोर्ट और मोनोग्राफ
4. शैक्षिक पत्रिकाएँ

9.1.2 इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों के कुल 320 प्रकाशन प्रकाशित हुए, जिनका विवरण तालिका 9.1.1 में दिया गया है।

तालिका 9.1.1

1991-92 में प्रकाशित प्रकाशन

क्रम सं.	प्रकाशन श्रेणी	प्रकाशनों की संख्या
1.	पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित सप्लीमेन्ट्री रीडरों का प्रथम संस्करण	26
2.	पाठ्यपुस्तकों/अभ्यास पुस्तिकाओं/निर्धारित सप्लीमेन्ट्री रीडरों का पुनर्मुद्रण	163
3.	अन्य सरकारी अभिकरणों के लिए पाठ्यपुस्तकें/अभ्यास पुस्तिकाएँ	29
4.	अध्यापक संदर्शिकाएँ और अनुदेशी सामग्री	4
5.	सप्लीमेन्ट्री रीडर (निर्धारित सप्लीमेन्ट्री रीडरों के अतिरिक्त)	12
6.	व्यावसायिक पाठ्यक्रम पर पुस्तकें	10

क्रम सं.	प्रकाशन श्रेणी		प्रकाशनों की संख्या
7.	अनुसंधान मोनोग्राफ और अन्य प्रकाशन		12
8.	पत्रिकाएँ	(अंक)	32
9.	रा.शै.अ.प्र.प. न्यूज लैटर	"	10
10.	शैक्षिक दर्पण	"	9
11.	अमूल्यांकित प्रकाशन		13
		योग	320

9.1.3 अनुदेशी सामग्री आदि का प्रकाशन

1991-92 में रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित प्रकाशनों की एक सूची तालिका 9.1.2 में दी गई है।

तालिका 9.1.2

1991-92 में रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन विभाग द्वारा प्रकाशित प्रकाशन

क्रम सं.	शीर्षक	प्रकाशन की तारीख	मुद्रित प्रतियों की संख्या
1	2	3	4
पहली कक्षा			
1.	बाल भारती भाग-1	नवम्बर, 1991	3,00,000
2.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-1	जनवरी, 1992	1,90,000
3.	लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-1 (एस.एस.)	दिसम्बर,1991	2,80,000
4.	वर्क बुक फॉर लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-1	फरवरी, 1992	2,25,000
5.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-1	दिसम्बर, 1992	2,07,000
दूसरी कक्षा			
6.	बाल भारती भाग-2	अप्रैल 1991	2,75,000
7.	बाल भारती भाग-2	फरवरी, 1992	1,40,000
8.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-2	फरवरी, 1992	1,20,000
9.	लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-2	नवम्बर, 1991	3,20,000
10.	वर्क बुक फॉर लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-2 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	1,85,000
11.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-2	दिसम्बर, 1991	2,55,000

1	2	3	4
तीसरी कक्षा			
12.	बाल भारती भाग-3	जनवरी, 1992	1,70,000
13.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-3	नवम्बर, 1991	1,70,000
14.	लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-3 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	2,10,000
15.	वर्क बुक फॉर लैट्स लर्न इंग्लिश बुक-3 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	1,70,000
16.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-3	फरवरी, 1992	2,75,000
17.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-1	जनवरी, 1992	1,35,000
18.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट बुक-1	फ़रवरी, 1992	1,30,000
19.	परिवेश अन्वेषण भाग-1	अक्टूबर, 1991	10,000
चौथी कक्षा			
20.	बाल भारती भाग-4	अप्रैल, 1991	1,80,000
21.	बाल भारती भाग-4	जनवरी, 1992	1,10,000
22.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-4	जनवरी, 1992	1,10,000
23.	इंग्लिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	2,00,000
24.	वर्कबुक फॉर इंग्लिश रीडर बुक-1 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	1,60,000
25.	रीड फॉर प्लेजर-1	दिसम्बर, 1991	1,15,000
26.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-4	अप्रैल, 1991	1,70,000
27.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-4	दिसम्बर, 1991	2,15,000
28.	अवर कन्ट्री इंडिया	जनवरी, 1992	70,000
29.	हमारा देश भारत	फरवरी, 1992	70,000
30.	एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेन्ट बुक-2	जनवरी, 1992	1,20,000
पाँचवी कक्षा			
31.	बाल भारती भाग-5	फरवरी, 1992	1,15,000
32.	अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग-5	जनवरी, 1992	1,30,000
33.	इंग्लिश बुक-2 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	1,30,000
34.	वर्कबुक फॉर इंग्लिश रीडर बुक-2 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	1,60,000
35.	रीड फॉर प्लैजर-2	जनवरी, 1992	90,000
36.	लैट्स लर्न मैथमैटिक्स बुक-5	दिसम्बर, 1991	2,15,000

1	2	3	4
37.	अवर कन्ट्री एंड दी वर्ल्ड (सोशल स्टडीज)	फरवरी, 1992	75,000
38.	हमारा देश और संसार	जनवरी, 1992	65,000
छठी कक्षा			
39.	संक्षिप्त रामायण	जनवरी, 1992	80,000
40.	स्वस्ति भाग-2 (संस्कृत पाठ्यपुस्तक)	फरवरी, 1992	5,000
41.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-2	जनवरी, 1992	40,000
42.	इंग्लिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	जनवरी, 1992	90,000
43.	वर्कबुक फॉर इंग्लिश रीडर बुक-3 (एस.एस.)	दिसम्बर, 1991	70,000
44.	रीड फॉर प्लेजर-3	दिसम्बर, 1991	1,00,000
45.	मैथमैटिक्स बुक-1	दिसम्बर, 1991	1,95,000
46.	गणित भाग-1	सितम्बर, 1991	25,000
47.	ऐनसियेन्ट इंडिया	दिसम्बर, 1991	90,000
48.	प्राचीन भारत	मार्च, 1992	70,000
49.	लैण्ड्स एण्ड पीपुल पार्ट-1	दिसम्बर, 1991	1,25,000
50.	देश और उनके निवासी भाग-1	जनवरी, 1992	65,000
51.	हमारा नागरिक जीवन	फरवरी, 1992	65,000
52.	विज्ञान भाग-1	अक्टूबर, 1991	10,000
सातवीं कक्षा			
53.	किशोर भारती भाग-2	मई, 1991	1,10,000
54.	किशोर भारती भाग-2	जनवरी, 1992	90,000
55.	संक्षिप्त महाभारत	नवम्बर, 1991	70,000
56.	स्वस्ति भाग-3	जनवरी, 1992	70,000
57.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-3	मई, 1991	65,000
58.	अभ्यास पुस्तिका स्वस्ति भाग-3	जनवरी, 1992	50,000
59.	इंग्लिश रीडर बुक-4	दिसम्बर, 1991	1,25,000
60.	रीड फॉर प्लेजर-4	जनवरी, 1992	85,000
61.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-1	अप्रैल, 1991	2,30,000
62.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-1	जनवरी, 1992	1,70,000

1991-92

1	2	3	4
63.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-2	अप्रैल, 1991	2,50,000
64.	मैथमैटिक्स बुक-2 पार्ट-2	जनवरी, 1992	1,80,000
65.	हाउ वी गवर्न अवरसेल्व्स	जनवरी, 1992	1,05,000
66.	मेडीवल इंडिया	दिसम्बर, 1991	1,10,000
67.	मध्यकालीन भारत	जनवरी,1992	75,000
68.	लैंड्स एंड पीपुल पार्ट-2	अप्रैल , 1991	90,000
69.	साइंस बुक-2	दिसम्बर, 1991	2,10,000
आठवीं कक्षा			
70.	किशोर भारती भाग-3	फरवरी,1992	65,000
71.	त्रिविधा - हिन्दी सप्लीमेंट्री रीडर	मार्च,1992	70,000
72.	जीवन और विज्ञान	अप्रैल, 1991	45,000
73.	स्वस्ति भाग-4	अप्रैल, 1991	60,000
74.	इंग्लिश रीडर बुक-5	मार्च, 1992	1,00,000
75.	रीड फॉर प्लेजर-5	जनवरी, 1992	90,000
76.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-1	दिसम्बर, 1991	1,65,000
77.	मैथमैटिक्स बुक-3 पार्ट-2	अक्टूबर, 1991	1,45,000
78.	अवर कन्ट्री टुडे-प्रॉब्लम्स एण्ड चैलेंजेज	जनवरी, 1992	80,000
79.	मॉडर्न इंडिया	दिसम्बर, 1991	1,00,000
80.	लैण्ड्स एण्ड पीपुल पार्ट-3	दिसम्बर, 1991	1,15,000
81.	साइंस बुक-3	फरवरी, 1992	1,50,000
नवीं कक्षा			
82.	लैंग्वेज थ्रू लिट्रेचर इंग्लिश रीडर-1 ('बी' कोर्स)	अप्रैल, 1991	85,000
83.	पराग भाग-1 हिन्दी टैक्सट बुक ('ए' कोर्स प्रोज)	अप्रैल, 1991	1,90,000
84.	मानसी भाग-1	फरवरी, 1992	70,000
85.	संचयिका भाग-1 हिन्दी टैक्सट बुक ('बी' कोर्स)	फरवरी, 1992	70,000
86.	साइंस	अप्रैल, 1991	1,80,000
87.	साइंस	फरवरी, 1992	1,10,000
88.	मैथमैटिक्स	अप्रैल, 1991	1,80,000

1	2	3	4
89.	मैथमैटिक्स	मार्च, 1992	90,000
90.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-1	अप्रैल, 1991	1,25,000
91.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-1	फरवरी,1992	85,000
92.	अन्डरस्टैंडिंग एनवायरनमेंट	जनवरी, 1992	1,00,000
93.	ए न्यू इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकोनॉमी	फरवरी, 1992	1,50,000
94.	हमारी अर्थव्यवस्था का एक नवीन परिचय (अर्थशास्त्र)	फरवरी, 1992	2,00,000
95.	मानक हिन्दी व्याकरण और रचना हिन्दी ग्रामर	अक्टूबर, 1991	1,00,000
दसवीं कक्षा			
96.	लैंग्वेज थ्रू लिट्रेचर इंग्लिश रीडर-2 ('बी' कोर्स)	अप्रैल, 1991	95,000
97.	किसलय भाग-2 हिन्दी पाठ्यपुस्तक ('बी' कोर्स) प्रोज	मार्च, 1992	17,000
98.	साइंस	फरवरी, 1992	55,000
99.	मैथमैटिक्स	फरवरी, 1992	50,000
100.	विज्ञान भाग-2 खण्ड-1	मई, 1991	85,000
101.	द स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-2	जनवरी, 1992	55,000
102.	भारत-आर्थिक भूगोल	मई, 1991	1,50,000
103.	अवर गवर्नमेंट हाउ इट फंक्शन्स	मई, 1991	57,000
104.	अवर गवर्नमेंट हाउ इट फंक्शन्स	फरवरी, 1992	70,000
ग्यारहवीं कक्षा			
105.	नीहारिका भाग-1 हिन्दी पाठ्यपुस्तक कोर पोइट्री	अप्रैल, 1991	45,000
106.	पल्लव भाग-1 हिन्दी पाठ्यपुस्तक	फरवरी, 1992	11,000
107.	साहित्य का स्वरूप	अप्रैल, 1991	25,000
108.	आई दी पीपुल (इंग्लिश सप्लीमेंट्री (रीडर)	फरवरी, 1992	1,40,000
109.	स्टोरीज, प्लेज एण्ड टेल्स ऑफ एडवेंचर्स	जनवरी, 1992	1,40,000
110.	रंगचंचिका	फरवरी, 1992	5,000
111.	समाज, राज्य और सरकार	अप्रैल, 1991	8,000
112.	सरकार के अंग	जनवरी, 1992	13,000
113.	ऐन्सियंट इंडिया	अप्रैल, 1991	40,000
114.	ऐन्सियंट इंडिया	जनवरी, 1992	30,000

1991-92

1	2	3	4
115.	प्राचीन भारत	मई, 1991	25,000
116.	प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-1	मई, 1991	18,000
117.	प्रिंसिपल्स ऑफ जोगरफी पार्ट-1	जनवरी, 1992	20,000
118.	भूगोल के सिद्धांत भाग-1	जनवरी, 1992	11,000
119.	भूगोल के सिद्धांत भाग-2	जनवरी, 1992	8,000
120.	ऐन इंट्रोडक्शन टू सोशियोलॉजी	अप्रैल, 1991	16,000
121.	समाजशास्त्र—एक परिचय	फरवरी, 1992	2,05,000
122.	एलीमेंट्री स्टैटिस्टिक्स (इकोनॉमिक्स)	फरवरी, 1992	15,000
123.	प्रारंभिक सांख्यिकी	जनवरी, 1992	5,000
124.	भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास	जनवरी, 1992	70,000
125.	फील्डवर्क एण्ड लेबोरेट्री टैक्निक्स इन जोगरफी	फरवरी, 1992	4,000
126.	भूगोल के क्षेत्रीय कार्य एवं प्रयोगशाला प्रविधियां.	फरवरी, 1992	3,000
127.	अंडरस्टैंडिंग साइकोलॉजी आफ ह्यूमन बिहेवियर (न्यू बुक)	अक्टूबर, 1991	8,000
128.	एकाउंटिंग बुक-2	अप्रैल, 1991	12,000
129.	बिजनेस स्टडीज	अप्रैल 1991	12,000
130.	बिजिनेस स्टडीज	फरवरी, 1992	15,000
131.	फिजिक्स पार्ट-1	फरवरी, 1991	40,000
132.	भौतिकी भाग-2	नवम्बर, 1991	5,000
133.	कैमिस्ट्री पार्ट-2	फरवरी, 1992	49,000
134.	रसायन विज्ञान भाग-2	नवम्बर, 1991	5,000
135.	बायोलॉजी पार्ट-1	फरवरी, 1992	40,000
136.	गणित भाग-2	नवम्बर, 1991	5,000
बारहवीं कक्षा			
137.	मंदाकिनी भाग-2 (हिन्दी) पाठ्यपुस्तक	मई, 1991	5,000
138.	हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास	अप्रैल, 1991	12,000
139.	ए कोर्स इन राईटिंग इंगलिश (कोर)	दिसम्बर, 1991	85,000
140.	द वेव ऑफ अवर लाइफ	जनवरी, 1992	90,000
141.	मैथमैटिक्स पार्ट-2	मई, 1991	1,00,000

1	2	3	4
142.	बायोलॉजी पार्ट-1	फरवरी, 1992	35,000
143.	फिजिक्स लैबोरेट्री मैनुअल	अक्टूबर, 1991	52,000
144.	केमिस्ट्री पार्ट-1	अप्रैल, 1991	1,00,000
145.	आधुनिक भारत (इतिहास)	अप्रैल, 1991	20,000
146.	आधुनिक भारत (इतिहास)	फरवरी, 1992	12,000
147.	इंडिया-जनरल जोगरफी	मई, 1991	30,000
148.	इंडिया-जनरल जोगरफी	मार्च, 1992	13,000
149.	भारत-सामान्य भूगोल	मई, 1991	10,000
150.	भारत सामान्य भूगोल	जनवरी, 1992	7,000
151.	एकाउंटिंग बुक-1	जनवरी, 1992	20,000
152.	एकाउंटिंग बुक-2 फाइनेन्सियल स्टेटमेंट एनालिसिस	फरवरी, 1992	20,000
153.	बिजिनेस स्टडीज	नवम्बर, 1991	20,000
154.	नेशनल इनकम एकाउंटिग	फरवरी, 1992	17,000
155.	राष्ट्रीय आय लेखा पद्धति	जनवरी, 1992	7,000
156.	आर्थिक सिद्धांत का परिचय	जनवरी, 1992	10,000
157.	इंडियन सोसाइटी	जनवरी, 1992	7,000
158.	भारतीय समाज	जनवरी, 1992	2,05,000
159.	साइकॉलोजी फॉर बैटर लिविंग	अक्टूबर, 1991	8,000
160.	सोशल चेन्ज	जनवरी, 1992	5,000
उर्दू की पाठ्यपुस्तकें			
पहली कक्षा			
161.	आओ हिसाब सीखें बुक-1 (लेट्स लर्न मैथमैटिक्स)	मई 1991	7,000
162.	उर्दू की नई किताब	जनवरी, 1992	8,000
दूसरी कक्षा			
163.	आओ हिसाब सीखें बुक-2 (लेट्स लर्न मैथमैटिक्स)	मार्च, 1991	5,000
तीसरी कक्षा			
164.	उर्दू की नई किताब	फरवरी, 1992	5,000

1991-92

1	2	3	4
चौथी कक्षा			
165.	गिर्द-ओ-पेश का मुताला बुक-2 (एनवायरनमेन्टल स्टडीज)	मार्च,1991	5,000
166.	आओ हिसाब सीखें बुक-4 (लैट्स लर्न मैथमैटिक्स)	जुलाई, 1991	5,000
167.	हमारा देश भारत (अवर कन्ट्री इण्डिया)	जून, 1991	5,000
पाँचवीं कक्षा			
168.	गिर्द-ओ-पेश का मुताला बुक-3 (एनवायरनमेन्टल स्टडीज)	जुलाई, 1991	5,000
छठी कक्षा			
169.	हिसाब (मैथमैटिक्स)	मार्च, 1992	5,000
170.	साइंस	मार्च, 1991	5,000
171.	उर्दू की नई किताब	फरवरी, 1992	6,000
172.	कदीम हिंदुस्तान (ऐंसिएंट एंडिया)	फरवरी, 1992	5,000
सातवीं कक्षा			
173.	हिसाब पार्ट-1 (मैथमैटिक्स)	मार्च, 1991	5,000
174.	हिसाब पार्ट-2 (मैथमैटिक्स)	सितम्बर, 1991	5,000
175.	उर्दू की नई किताब	मार्च, 1992	5,000
176.	हिसाब पार्ट-2 (मैथमैटिक्स)	फरवरी, 1992	5,000
आठवीं कक्षा			
177.	हिसाब पार्ट-1 (मैथमैटिक्स)	अगस्त, 1991	5,000
178.	उर्दू की नई किताब	फरवरी, 1992	8,000
179.	आज का हिंदुस्तान (अवर कन्ट्री टुडे-प्रोबलम्स एंड चैलेन्जेज)	सितम्बर, 1991	5,000
नवीं कक्षा			
180.	उर्दू की नई किताब	मार्च, 1991	10,000
181.	हिसाब पार्ट-1 (मैथमैटिक्स)	जुलाई, 1991	2,000
182.	तहजीब की कहानी वाल्यूम-1 (स्टोरी आफ सिविलाइजेशन)	दिसम्बर, 1991	5,000
दसवीं कक्षा			
183.	उर्दू की नई किताब	मार्च, 1991	6,000

1	2	3	4
184.	रियाजी पार्ट-1 (मैथमैटिक्स)	जुलाई, 1991	2,000
185.	रियाजी पार्ट-2 (मैथमैटिक्स)	सितम्बर, 1991	2,000
186.	हमारी सरकार कैसे चलती है (अवर गवर्नमैन्ट - हाउ इट फँक्शन्स)	सितम्बर, 1991	2,000
ग्यारहवीं कक्षा			
187.	उर्दू की नई किताब	अप्रैल, 1991	5,000
व्याकरण की पुस्तकें			
188.	व्यावहारिक हिन्दी व्याकरण (उच्च प्राथमिक कक्षाएँ)	मार्च, 1990	5,000
189.	हिन्दी व्याकरण और रचना	जून, 1991	20,000
अरुणाचल प्रदेश के लिए पुस्तकें			
पहली कक्षा			
1.	न्यू डॉन रीडर बुक-1	फरवरी, 1991	25,000
2.	अरुण भारती भाग-1	जुलाई, 1991	25,000
3.	वर्कबुक टू न्यू डॉन रीडर	मार्च, 1991	30,000
4.	न्यू डॉन सप्लीमैन्ट्री रीडर-1	फरवरी, 1991	25,000
5.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-1	जनवरी, 1992	30,000
दूसरी कक्षा			
6.	अरुण भारती भाग-2	अगस्त, 1991	20,000
7.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-2	जुलाई, 1991	20,000
8.	वर्कबुक टू न्यू डॉन रीडर बुक-2	फरवरी, 1991	20,000
9.	न्यू डॉन रीडर बुक-2	जनवरी, 1991	25,000
10.	अरुण भारती भाग-2	जनवरी, 1992	25,000
11.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-2	फरवरी, 1992	20,000
तीसरी कक्षा			
12.	अभ्यास पुस्तिका अरुण भारती भाग-3	फरवरी, 1991	20,000
13.	न्यू डॉन रीडर बुक-3	मार्च, 1991	25,000
14.	अरुण भारती भाग-3	जुलाई, 1991	32,000

1991-92

1	2	3	4
पाँचवीं कक्षा			
15.	अरुण भारती भाग-5	सितम्बर, 1991	20,000
पश्चिमी बंगाल के लिए पुस्तकें			
1.	नवीं कक्षा के लिए काव्य भारती	जून, 1991	5,000
नवोदय विद्यालय के लिए पुस्तकें			
छठी कक्षा			
1.	माई फैमली एंड फ्रैन्ड्स-सप्लीमैन्ट्री रीडर	जुलाई, 1991	12,000
2.	माई फैमली एंड फ्रैन्ड्स-वर्कबुक	जून, 1991	10,000
3.	हमारी हिन्दी भाग-1	मई, 1991	6,000
4.	वर्कबुक टू हमारी हिन्दी भाग-1	जुलाई, 1991	7,000
5.	माई फैमिली एंड फ्रैन्ड्स (टैक्स्टबुक)	जुलाई, 1991	10,000
6.	अभ्यास पुस्तिका हमारी हिन्दी भाग-1	दिसम्बर, 1991	5,000
सातवीं कक्षा			
7.	माई स्माल वर्ल्ड -सप्लीमैन्ट्री रीडर	जुलाई, 1991	12,000
8.	माई स्मॉल वर्ल्ड-टैक्सटबुक	जुलाई, 1991	10,000
आठवीं कक्षा			
9.	दी वर्ल्ड अराउन्ड मी सप्लीमैंट्री रीडर	जुलाई, 1991	6,000
10.	हमारी हिन्दी भाग-3	सितम्बर, 1991	10,000
11.	दी वर्ल्ड अराउंड मी-टैक्स्टबुक	जुलाई, 1991	6,000
12.	दी ल्र्ड अराउंड मी-वर्कबुक	फरवरी, 1992	15,000
13.	दी वर्ल्ड अराउंड मी-सप्लीमैंट्री रीडर	फरवरी, 1992	12,000
अध्यापकों के लिए अनुदेशात्मक सामग्री			
1.	ए गाइड फॉर नर्सरी स्कूल टीचर्स	मार्च, 1991	10,000
2.	शिक्षक संदर्शिका किशोर भारती भाग-1	अक्तूबर, 1991	5,000
3.	शिक्षक पुस्तिका कक्षा-2 (प्राथमिक-स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम)	दिसम्बर, 1991	8,000
4.	शिक्षक पुस्तिका कक्षा-3 (प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर कार्यक्रम)	फरवरी, 1992	8,000

1	2	3	4
सप्लीमेन्ट्री रीडर्स			
1.	जाकिर हुसैन—लाइफ एंड थॉट	अगस्त, 1990	5,000
2.	दी स्टोरी ऑफ लिटिल रैड ड्रॉप	फरवरी, 1992	3,000
पढ़ें और सीखें माला के अंतर्गत पुस्तकें			
1.	एनी बेसेन्ट	मार्च, 1991	15,000
2.	अहिल्याबाई	मार्च, 1991	15,000
3.	ज्योतिबा फुले	अप्रैल, 1991	15,000
4.	हमारा गुजरात	जुलाई, 1991	15,000
5.	हजारों टापू-एक देश फिलिप्पीन्स	अगस्त, 1991	15,000
6.	हाउ इट हैपिन्ड	अगस्त, 1991	10,000
7.	दी स्माइलिंग फ्लॉवर	अगस्त, 1991	10,000
8.	मुस्कराते फूल	अगस्त, 1991	10,000
9.	यह क्या हुआ	अगस्त, 1991	10,000?
10.	गांधी जी के आश्रम में	जून, 1991	15,000
व्यावसायिक पाठ्यक्रमों पर पुस्तकें			
1.	डोमैस्टिक एप्लायन्सेस रिपेयरर वाल्यूम-3	अगस्त, 1990	5,000
2.	ब्लड बैंक आपरेशन्स (मेडिकल लेबोरेटरी-टैक्नीक्यूज (वाज्यूम-2)	मार्च, 1991	5,000
3.	माइक्रोबॉयोलॉजी	अक्टूबर, 1990	5,000
4.	डोमैस्टिक एप्लायन्सेस रिपेयरर वाल्यूम-5	जून, 1991	5,000
5.	डोमेस्टिक एप्लायंसेस रिपेयरर-वाल्यूम-1	जनवरी, 1991	5,000
6.	फोटोग्राफी कक्षा-10	अप्रैल, 1991	5,000
7.	डोमैस्टिक एप्लायन्सेस रिपेयरर वाल्यूम-6	अप्रैल, 1991	5,000
8.	माइक्रोबायोलोजी वाल्यूम-9	जनवरी, 1991	5,000
9.	मिल्क एंड इट्स प्रोडक्ट	अगस्त, 1991	5,000
10.	डोमैस्टिक एप्लायन्सेस रिपेयरर वाल्यूम-4	मार्च, 1991	5,000

1991-92

1	2	3	4
	अनुसंधान मोनोग्राफ एवं अन्य प्रकाशन		
1.	यूनिट टैस्ट इन इंग्लिश फॉर क्लास-10	जनवरी, 1991	2,000
2.	दी एन.सी.ई.आर.टी. गाइड	मई, 1991	
3.	उभरते भारतीय समाज में शिक्षक और शिक्षा	जनवरी, 1991	5,000
4.	मैनुअल ऑफ बिहेवियर मोडिफिकेशन्स फॉर एलीमैंट्री टीचर एजूकेटर्स एंड स्कूल टीचर्स	फरवरी, 1991	5,000
5.	ए हैन्डबुक ऑफ एवेल्यूएशन इन जोगरफी	फरवरी, 1990	5,000
6.	मैमोरेन्डम ऑफ एसोशिएशन एंड रूल्स	जून, 1991	5,000
7.	रेगुलेशन	जून, 1991	2,000
8.	टेलेंट इन पर्सपैक्टिव	मई, 1991	5,000
9.	प्राथमिक स्तर पर न्यूनतम अधिगम स्तर	अगस्त, 1991	20,000
10.	फोर्थ सर्वे ऑफ रिसर्च इन एजुकेशन 1983-88 वाल्यूम-1	अगस्त, 1991	3,000
11.	फोर्थ सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन 1983-88 वाल्यूम-2	अगस्त, 1991	3,000
12.	यूजिंग आर. सी. सी. पी. इन दी क्लासरूम	जुलाई, 1991	1,50,000
13.	कक्षा में आर. सी. सी. पी. का प्रयोग (हिन्दी)	जून, 1991	1,00,000
14.	कम्यूनिकेटिव टैस्ट्स ऑफ रीडिंग एंड राइटिंग इन इंग्लिश फॉर सैकेन्ड्री स्कूल्स	मार्च, 1991	5,000
15.	टॉक्स टू टीचर्स	जुलाई, 1991	3,000
16.	स्ट्रक्चर एंड बर्किंग ऑफ साइंस मॉडल 1991	नवम्बर, 1991	5,000
17.	बच्चों के लिए जवाहर लाल नेहरू विज्ञान प्रदर्शनी, कोचीन-1991	अक्टूबर, 1991	5,000
18.	साइंस एंड टैक्नोलॉजी थ्रू ऐग्जीबिशन्स	नवम्बर, 1991	5,000
19.	एन.सी.ई.आर.टी. टेलीफोन डायरेक्टरी, 1992	जनवरी, 1992	3,000
20.	चैक लिस्ट ऑफ एन.सी.ई.आर.टी. पब्लिकेशंस 1992	जनवरी, 1992	20,000
21.	इंडियन मैन्टल मैजरमैन्ट हैंडबुक	मई, 1991	5,000
22.	टैस्ट आइटम्स इन कैमिस्ट्री	सितम्बर, 1991	5,000
23.	मॉडल्स ऑफ टीचिंग-रिपोर्ट ऑफ 3 फेज स्टडी ऑफ सी,ए,एम. एन्ड आई.टी.एम.	दिसम्बर, 1991	3,000

1	2	3	4
24.	स्पीच ऑफ श्री अर्जुन सिंह, मिनिस्टर ऑफ एच.आर.डी.आन दी ओकेशन आफ 52 सैशन ऑफ दी इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस	फरवरी, 1992	1,000
पत्रिकाएं			
1.	इंडियन एजुकेशन रिव्यू	अक्टूबर, 1989, जुलाई,1990 अक्टूबर, 1990 जनवरी, 1991 अप्रैल, 1991, जुलाई, 1991	
2.	जनरल ऑफ इंडियन एजुकेशन	अक्टूबर, 1990 , जनवरी, 1991 मार्च, 1991 मई, 1991 जुलाई, 1991 सितम्बर, 1991 नवम्बर, 1991	
3.	भारतीय आधुनिक शिक्षा	जुलाई, 1990 जनवरी, 1991 अप्रैल, 1991 जुलाई, 1991	
4.	स्कूल साइंस	मार्च, 1990 जून, 1990 सितम्बर, 1990 दिसम्बर, 1990 मार्च, 1991 जून, 1991 सितम्बर, 1991 दिसम्बर, 1991	
5.	दी प्राइमरी टीचर	जनवरी, 1991 अप्रैल, 1991 जुलाई, 1991	
6.	प्राइमरी शिक्षक	जुलाई, 1990 जनवरी, 1991 अप्रैल, 1991 जुलाई, 1991	
7.	एन.सी.ई.आर.टी.न्यूज लैटर्स	10 अंक	
8.	शैक्षिक दर्पण	9 अंक	

9.1.4 बिक्री

वर्ष के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशनों से कुल रुपये 15,30,61,373.10 की प्राप्ति हुई, जो अपने में एक रिकार्ड है।

9.1.5 कॉपीराइट की अनुमति

राज्य स्तर के अनेक अभिकरणों ने रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित पुस्तकों में अपनी अभिरुचि दिखलाई है। तालिका 9.1.3 में उन अभिकरणों के नाम दिए गए हैं, जिन्हें वर्ष में रा.शै.अ.प्र.प. ने अपनी पुस्तकों को प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की अनुमति दी है।

1991-92

तालिका 9.1.3

1991-92 में रा.शै.अ.प्र.प. ने अपनी पाठ्यपुस्तकों को प्रकाशित करने के लिए स्वीकरण/अनुकूलन/अनुवाद करने की कॉपीराइट अनुमति दी।

1.	सचिव विद्यालय शिक्षा बोर्ड मेघालय, तुरा	पाँचवीं तथा आठवीं कक्षाओं के लिए निम्नलिखित स्वीकृत पाठ्यपुस्तकों के पुनर्मुद्रण हेतु कापीराइट अनुमति दी गई। **पाँचवीं कक्षा** 1. अवर कन्ट्री एंड दी वर्ल्ड 2. एक्सप्लोरिंग एनवायरनमेंट, बुक-3 3. लेट्स लर्न मैथमैटिक्स, बुक-5 **आठवीं कक्षा** 1. साइंस 2. मॉडर्न इंडिया 3. अवर कन्ट्री टूडे-प्रॉब्लम्स एंड चैलेंजेस 4. लैण्ड्स एंड पीपुल, पार्ट-3 5. मैथमैटिक्स पार्ट-1 6. मैथमैटिक्स पार्ट-2 छठी तथा नवीं कक्षाओं के लिए निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के स्वीकरण/तथा प्रकाशन हेतु कापीराइट अनुमति दी गई। **छठी कक्षा** 1. मैथमैटिक्स 2. ऐन्सिएन्ट इंडिया 3. साइंस 4. साइंस वर्कबुक 5. अवर सिविक लाइफ **नवीं कक्षा** 1. साइंस 2. अंडरस्टेडिंग एनवायरनमेंट 3. एन इन्ट्रोडक्शन टू अवर इकोनॉमी 4. दी स्टोरी ऑफ सिविलाइजेशन वाल्यूम-I 5. अवर गवर्नमेन्ट- हाउ इट फंक्शन्स

1991-92

2. सचिव
माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
हरियाणा, भिवानी

नवीं कक्षा के लिए निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के स्वीकरण हेतु कॉपीराइट अनुमति दी गई।

1. स्वाति, भाग-1
2. पराग, भाग-1
3. लैंग्वेज थ्रू लिट्रेचर-1, इंग्लिश रीडर
4. लैंग्वेज थ्रू लिट्रेचर-1, वर्कबुक टू इंग्लिश रीडर
5. लैंग्वेज थ्रू लिट्रेचर-1 सप्लीमैंट्री रीडर
6. गणित भाग-1
7. गणित भाग-2
8. विज्ञान भाग-1
9. विज्ञान भाग-2
10. पर्यावरण बोध (भूगोल)
11. हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय
12. सभ्यता की कहानी, भाग-1

3. सचिव
विद्यालय शिक्षा बोर्ड
हिमाचल प्रदेश
धर्मशाला

पहली से बारहवीं कक्षा के लिए निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के स्वीकरण हेतु कॉपीराइट अनुमति दी गई।

पहली कक्षा

1. बाल भारती, भाग-1

दूसरी कक्षा

1. बाल भारती- भाग-2
2. गणित, भाग-2

तीसरी कक्षा

1. बाल भारती, भाग-3
2. गणित, भाग-3
3. परिवेशीय अन्वेषण, भाग-1
4. हम और हमारा देश

चौथी कक्षा

1. बाल भारती, भाग-4
2. गणित, भाग-4
3. हमारा देश भारत

4. परिवेशीय अन्वेषण, भाग-2
5 इंग्लिश रीडर, (जी.एस.)

पाँचवीं कक्षा

1. बाल भारती, भाग-5
2. गणित, भाग-5
3. हमारा देश और संसार
4. परिवेश अन्वेषण, भाग-3

छठी कक्षा

1. किशोर भारती, भाग-1
2. संक्षिप्त रामायण
3. गणित, भाग-1
4. प्राचीन भारत
5. देश और उनके निवासी, भाग-1
6. हमारा नागरिक जीवन
7. विज्ञान, भाग-1
8. इंग्लिश रीडर-1 (जी.एस.)

सातवीं कक्षा

1. किशोर भारती, भाग-2
2. संक्षिप्त महाभारत
3. गणित, भाग-1 तथा 2
4. हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
5. मध्यकालीन भारत
6. देश और उनके निवासी भाग-2
7. विज्ञान भाग-2
8. इंग्लिश रीडर, बुक-2 (जी.एस.)

आठवीं कक्षा

1. किशोर भारती, भाग-3
2. त्रिविधा
3. जीवन और विज्ञान
4. गणित, भाग-1 तथा 2
5. हमारा भारत-आज की समस्याएँ और चुनौतियाँ

6. आधुनिक भारत
7. देश और उनके निवासी, भाग-3
8. विज्ञान, भाग-3
9. हिन्दी व्याकरण और रचना
10. इंग्लिश रीडर, बुक-3 (जी.एस.)

नवीं कक्षा

1. स्वाति, भाग-1
2. पराग, भाग-1
3. विज्ञान भाग-1 तथा 2
4. गणित भाग-1 तथा 2
5. सभ्यता की कहानी, भाग-1
6. पर्यावरण बोध
7. हमारी अर्थव्यवस्था का परिचय
8. हमारा शासन कैसे चलता है
9. सरल हिन्दी व्याकरण और रचना
10. इंग्लिश रीडर, बुक-4

दसवीं कक्षा

1. स्वाति, भाग-2
2. पराग, भाग-2
3. विज्ञान, भाग-1 तथा 2
4. गणित भाग-1 तथा 2
5. सभ्यता की कहानी, भाग-1
6. भारत - आर्थिक भूगोल
7. इंग्लिश रीडर, बुक-5

ग्यारहवीं कक्षा

1. मंदाकिनी, भाग-1
2. प्रवाल, भाग-1
3. साहित्य का स्वरूप

बारहवीं कक्षा

1. मंदीकिनी, भाग-2
2. प्रवाल, भाग-2
3. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

4. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
त्रिपुरा

निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के प्रकाशित बंगला संस्करणों के लिए कॉपीराइट अनुमति दी गई।

सातवीं कक्षा

1. लैंड्स एंड पीपुल, पार्ट-2
2. मेडीवल इंडिया
3. हाउ वी गवर्न अवरसैल्वस
4. साइंस
5. मैथमैटिक्स बुक-2, पार्ट-1 तथा 2

आठवीं कक्षा

6. साइंस
7. मैथमैटिक्स बुक-3, पार्ट-1 तथा 2
8. लैन्ड्स एंड पीपुल पार्ट-3
9. मॉडर्न इंडिया
10. अवर कन्ट्री टूडे-प्रोबलम्स एंड चैलेन्जेस

5. दिल्ली ब्यूरो ऑफ टैक्स्टबुक
दिल्ली

वर्ष 1991-92 में दिल्ली प्रशासन के विद्यालयों में प्रयोग हेतु कक्षा 1 से 8 तक के लिए दिल्ली ब्यूरो ऑफ टैक्स्टबुक को निम्नलिखित पाठ्यपुस्तकों के स्वीकरण तथा प्रयोग हेतु कॉपीराइट अनुमति जारी रही।

पहली कक्षा

1. बाल भारती, भाग-1
2. अभ्यास पुस्तिका, बाल भारती, भाग-1
3. गणित, भाग-1

दूसरी कक्षा

4. बाल भारती, भाग-2
5. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती, भाग-2
6. गणित, भाग-2

तीसरी कक्षा

7. बाल भारती, भाग-3
8. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती, भाग-3
9. गणित, भाग-3
10. हम और हमारा देश
11. परिवेशीय अन्वेषण, भाग-1

1991-92

चौथी कक्षा

12. बाल भारती, भाग-4
13. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती, भाग-4
14. गणित, भाग-4
15. हमारा देश भारत
16. परिवेशीय अन्वेषण, भाग-2

पाँचवीं कक्षा

17. बाल भारती, भाग-5
18. अभ्यास पुस्तिका बाल भारती, भाग-5
19. गणित भाग-5
20. हमारा देश और संसार
21. परिवेशीय अन्वेषण, भाग-3

छठी कक्षा

22. किशोर भारती, भाग-1
23. संक्षिप्त रामायण
24. गणित, भाग-1
25. प्राचीन भारत
26. देश और उनके निवासी, भाग-1
27. हमारा नागरिक जीवन
28. विज्ञान, भाग-1

सातवीं कक्षा

29. किशोर भारती, भाग-2
30. संक्षिप्त महाभारत
31. गणित पुस्तक-2, भाग-1 तथा 2
32. हम अपना शासन कैसे चलाते हैं
33. मध्यकालीन भारत
34. देश और उनके निवासी, भाग-2
35. विज्ञान, भाग-2

आठवीं कक्षा

36. किशोर भारती, भाग-3
37. त्रिविधा

1991-92

38. गणित पुस्तक-3, भाग-1
39. गणित पुस्तक-3 भाग-2
40. हमारा भारत-आज की समस्याएँ और चुनौतियाँ
41. आधुनिक भारत
42. देश और उनके निवासी, भाग-3
43. विज्ञान, भाग-3

9.1.5 पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में प्रतिभागिता

अपनी प्रचार सेवाओं से सम्बद्ध कार्य के रूप में रा.शै.अ.प्र.प. ने निम्नलिखित पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में अपने प्रकाशन प्रदर्शित किए:

1. मदुरै में 31 अगस्त से 3 सितम्बर, 1991 तक आयोजित मदुरै पुस्तक उत्सव।
2. कोच्चि में 7 से 15 नवम्बर, 1991 तक आयोजित बच्चों के लिए बीसवीं राष्ट्रीय जवाहर लाल नेहरू बाल विज्ञान प्रदर्शनी।
3. कलकत्ता में आयोजित 7 से 17 नवम्बर, 1991 तक बाल पुस्तक मेला।
4. तीन मूर्ति, नई दिल्ली में आयोजित 14 से 30 नवम्बर, 1991 तक पुस्तक प्रदर्शनी।
5. नई दिल्ली में आयोजित 28 दिसम्बर, 1991 से 5 जनवरी, 1992 तक बाल पुस्तक मेला।
6. नई दिल्ली में आयोजित 1 से 9 फरवरी, 1992 तक विश्व पुस्तक मेला।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन विभाग ने अपने परिसर में भी विदेशी प्रतिनिधि मंडलों के आगमन पर कई बार अपनी पुस्तकों का प्रदर्शन किया।

रा.शै.अ.प्र.प. ने अपने चुनिंदा प्रकाशन नेशनल बुक ट्रस्ट इंडिया के माध्यम से भेजकर निम्नलिखित अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों में भी भाग लिया:

1. अगस्त, 1991 में मलेशिया में आयोजित पुस्तक मेला
2. पुस्तकों का 23 वां अन्तर्राष्ट्रीय सिंगापुर उत्सव तथा 31 अगस्त से 8 सितम्बर, 1991 तक पुस्तक मेला
3. 3 से 9 सितम्बर, 1991 तक आठवाँ मास्को अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला
4. चीन में 29 मई से 16 जून 91 तक भारतीय पुस्तकों की प्रदर्शनी
5. बोलोगना में 4 से 7 अप्रैल, 1991 तक बाल पुस्तक मेला

9.1.7 कार्यशालाएँ एवं सम्मेलन

प्रकाशन विभाग द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट, इण्डिया तथा राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान, अहमदाबाद के सहयोग से रा.शै.अ.प्र.प. परिसर में 2 से 6 फरवरी, 1991 तक पाठ्यपुस्तक डिजाइन पर एक 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग तथा मुख्य व्यापार प्रबन्धक, रा.शै.अ.प्र.प. ने दिनांक 27 से 31 जनवरी, 1992 तक नई दिल्ली में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशक संघ की 24 वीं कांग्रेस में भाग लिया।

अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग ने नई दिल्ली में 8 से 9 फरवरी, 1992 तक आयोजित तीसरे ***अफ्रीका-एशिया प्रकाशन सम्मेलन में भी भाग लिया तथा अफ्रीका एवं एशिया में पुस्तक निर्माण को बढ़ावा देने पर*** सामग्री प्रस्तुत की।

मुद्रण में श्रेष्ठता के लिए पुरस्कार

पिछले वर्षों की भाँति, रा.शै.अ.प्र.प. ने इस वर्ष की पुस्तकों के मुद्रण तथा निर्माण में श्रेष्ठता के लिए पुरस्कार प्राप्त किए। वर्ष 1990 में रा.शै.अ.प्र.प. की कक्षा 4 के लिए ***उर्दू की नई किताब***नामक उर्दू की पाठ्यपुस्तक को राष्ट्रीय प्रकाशक संघ द्वारा मुद्रण में श्रेष्ठता के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया।

9.1.8 प्रकाशनों का वितरण

अपनी पाठ्यपुस्तकों के सहज वितरण के लिए रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा अहमदाबाद, बेंगलूर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, गुवाहाटी, जयपुर,जम्मू तथा विशाखापटनम में एक एक कुल 9 थोक बिक्री एजेन्टों की नियुक्ति की गई। वर्ष 1991-92 में इन 9 थोक बिक्री एजेन्टों ने परिषद् के प्रकाशनों की बिक्री तथा वितरण जारी रखा। उपरोक्त बताए 9 थोक बिक्री एजेन्टों के अतिरिक्त परिषद् ने अपने प्रकाशनों के वितरण के लिए हैदराबाद, पटना, राँची, अम्बाला, त्रिवेंद्रम, कालीकट, जबलपुर, नागपुर, जालंधर, मद्रास, लखनऊ, इलाहाबाद तथा कलकत्ता प्रत्येक में एक-एक कुल 13 थोक बिक्री एजेन्ट नियुक्त किए। दिल्ली संघ शासित क्षेत्र में रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशन परिषद् द्वारा नियुक्त 14 थोक बिक्री एजेन्टों के माध्यम से बेचे और वितरित किए गए। उर्दू के प्रकाशन उर्दू अकादमी, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली के माध्यम से बेचे और वितरित किए गए।

बिक्री और वितरण की ऊपर बताई गई व्यवस्था के अलावा रा.शै.अ.प्र.प. की पुस्तकों की आपूर्ति के लिए विद्यालयों तथा अन्य शैक्षिक संस्थाओं से सीधे आर्डर भी लिए गए तथा व्यक्तियों से प्राप्त बहुत सारे आर्डरों पर भी कार्रवाई की गई। रा.शै..अ.प्र.प. की पाठ्यपुस्तकों को खरीदने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान परिसर के बिक्री केन्द्र पर भी हजारों ग्राहक आए। इस वर्ष अनुमोदित सूची के अनुसार अनेक प्रकाशित शीर्षक डाक द्वारा भेजे गए। परिषद् के निःशुल्क प्रकाशनों के लिए अनेक संस्थाओं तथा शोधकर्ताओं की मांग की भी आपूर्ति की गई।

रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशनों की बिक्री निरन्तर बढ़ रही है। 38 थोक बिक्री एजेन्ट बिक्री एवं वितरण की पद्धति को कारगर बनाने में सहायता करते हैं। रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशनों की बिक्री के लिए अम्बेडकर खंड, रा.शै.अ.प्र.प. परिसर, नई दिल्ली में एक नया वातानुकूलित बिक्री काउन्टर खोला गया है। वर्ष के दौरान रा.शै.अ.प्र.प. के प्रकाशनों की बिक्री से कुल रुपये 15,30,61,373.11 की प्राप्ति हुई।

9.1.9 क्षेत्रीय निर्माण एवं वितरण केन्द्र

रा.शै.अ.प्र.प. की पुस्तकों के उत्पादन तथा वितरण के महत्व को ध्यान में रखकर उत्पादन तथा वितरण के शीघ्र विकेन्द्रीकरण के लिए अहमदाबाद, कलकत्ता तथा मद्रास प्रत्येक में एक-एक कुल तीन क्षेत्रीय निर्माण एवं वितरण केन्द्र स्थापित किए गए हैं। ये केन्द्र अपने-अपने पश्चिमी, पूर्वी तथा दक्षिणी क्षेत्रों की आवश्यकताओं की पूर्ति करने के लिए खोले गए हैं। उत्तरी क्षेत्रों की मांगें मुख्यालय, नई दिल्ली से पूरी की जाएँगी।

9.1.10 पत्रिकाओं का प्रकाशन तथा शैक्षिक सूचनाओं का प्रसार

शैक्षिक सूचनाओं के प्रसार के लिए रा.शै.अ.प्र.प. छः पत्रिकाएँ प्रकाशित करती है। पत्रिकाओं के प्रकाशन संबंधी कार्यकलापों को रा.शै.अ.प्र.प. का पत्रिका प्रकोष्ठ समन्वित करता है। रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा प्रकाशित पत्रिकाएँ निम्नलिखित हैं।

इंडियन एजुकेशनल रिव्यू (त्रैमासिक)

यह अनुसंधान परक पत्रिका है, जिसमें शोध लेख, शिक्षा और संबंधित विषयों में डाक्टोरल, पोस्ट डाक्टोरल तथा संस्थागत अध्ययन, अनुसंधान टिप्पणियाँ एवं पुस्तक समीक्षाएँ भी होती है।

जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन (द्विमासिक)

यह लक्ष्योन्मुख पत्रिका है जो माध्यमिक स्तर पर अध्यापकों तथा अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए है। इसमें नवाचारों की संभावनाओं को बढ़ावा देने तथा अच्छी शिक्षा के लिए लेख, प्रलेख-पुस्तक समीक्षाएँ एवं विशेष विषयों से संबंधित अंक भी समय-समय पर निकाले जाते हैं।

स्कूल साइंस (त्रैमासिक)

इसका उद्देश्य विद्यालय अध्यापकों के लिए लोकप्रिय विज्ञान से संबंधित लेखों के अतिरिक्त विद्यालयी विज्ञान में नवाचारों एवं प्रयोगों से संबंधित जानकारी का प्रसार करना है।

प्राइमरी टीचर (त्रैमासिक)

यह पूर्व-प्राथमिक, प्राथमिक तथा मिडिल स्कूल के अध्यापकों की पत्रिका है, जिससे उन्हें कक्षाओं से संबंधित समस्याओं

को हल करने, प्रयोगों की जाँच करने तथा अध्यापन में सुधार लाने में सहायता मिलती है।

प्राइमरी शिक्षक (हिन्दी त्रैमासिक)

इस पत्रिका में प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों की समस्याओं को दर्शाया गया है।

भारतीय आधुनिक शिक्षा (हिन्दी त्रैमासिक)

यह अनुसंधानकर्ताओं, अध्यापक प्रशिक्षकों तथा अध्यापकों की पत्रिका है। इसमें स्थायी स्तंभ के रूप में नवाचारों की शिक्षा दी जाती है। वर्ष 1991-92 में उपरोक्त दर्शाई गई पत्रिकाओं के निम्नलिखित अंक निकाले गए। इनमें कुछ पिछले अंक भी शामिल थे।

1. इंडियन एजुकेशनल रिव्यू — सात अंक
2. जर्नल ऑफ इंडियन एजुकेशन — आठ अंक
3. स्कूल सांइस — छह अंक
4. प्राइमरी टीचर — तीन अंक
5. प्राइमरी शिक्षक — तीन अंक
6. भारतीय आधुनिक शिक्षा — तीन अंक

इस वर्ष पत्रिका प्रकोष्ठ ने शैक्षिक पत्रकारिता पर दो कार्यशालाएँ आयोजित की जिनका ब्यौरा तालिका 9.1.4 में दिया गया है।

तालिका 9.1.4

1991-92 में पत्रिका प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ

क्रम संख्या	कार्यक्रम का शीर्षक	तारीख	स्थान	प्रतिभागियों की संख्या
1.	लेखकीय कार्यशाला	4 से 7 सितम्बर, 1991	गोरखपुर	34
2.	लेखकों/सम्पादकों के लिए कार्यशाला	31 मार्च से 2 अप्रैल 1992	लोनावाला	36

9.2 विज्ञान उपकरणों का विकास और निर्माण

9.2.1. रा.शै.अ.प्र.प. के कर्मशाला विभाग ने विज्ञान उपकरणों के प्रोटोटाइप के डिजाइन बनाने, विकास और उत्पादन, नए डिजाइनों पर अध्यापकों के प्रायोगिक परीक्षण तथा प्रशिक्षण संबंधी अपने कार्यकलापों को जारी रखा।

रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा विकसित विज्ञान किटें दो दशक पूर्व विद्यालय पद्धति में शामिल की गई थीं। इसे आगे जारी रखा गया और वर्तमान में इनके दो डिजाइनों-प्राइमरी विज्ञान किट (पी.एस.के.) तथा मिनी टूल किट (एम.टी.के.) को ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर के लिए अनिवार्य सुविधाओं की सूची में शामिल किया गया। रा.शै.अ.प्र.प. के कर्मशाला विभाग द्वारा विकसित समाकलित विज्ञान किट 'विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा का सुधार' केन्द्रीय रूप से प्रवर्तित योजना के अन्तर्गत उच्च प्राथमिक स्तर विज्ञान पाठ्यचर्या सामग्री का एक महत्वपूर्ण अंग है।

कर्मशाला विभाग ने नए विकसित पैकेज पर अनेक अध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए। अध्यापकों के लिए हैंड बुक के तीन वॉल्यूम, मैनुअल, चार्ट तथा रिपोर्ट आदि प्रकाशित किए गए। प्राथमिक विज्ञान किट, मिनी टूल किट तथा इन प्रकाशनों का प्रयोग ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड योजना के तहत शिक्षकों के सामूहिक अभिविन्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया गया। वर्ष 1991-92 में 200 प्राथमिक विज्ञान किट, 840 मिनी टूल किट तथा 149 समाकलित विज्ञान किटों का निर्माण किया गया तथा राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों में उनकी माँगों के अनुसार भेजा गया।

9.2.2 रा.शै.अ.प्र.प. का कर्मशाला विभाग 1986 से 1990 तक जर्मनी के सहयोग से एक द्विपक्षीय भारतीय-जर्मन परियोजना 'मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा में सुधार' के कार्यान्वयन में रत रहा। इस परियोजना के अंतर्गत इलाहाबाद तथा भोपाल में दो विज्ञान कर्मशालाएँ स्थापित की गई। रा.शै.अ.प्र.प. के कर्मशाला विभाग द्वारा विज्ञान किटों का निर्माण करने वाली इन कर्मशालाओं को परामर्श दिया गया तथा तकनीशियनों को प्रशिक्षित किया गया। ये कर्मशालाएँ रा.शै.अ.प्र.प. के कर्मशाला विभाग की शैली पर ही अपनी क्षमताओं को बढ़ा रही हैं।

9.2.3 1991 में, अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर के लिए मॉलिक्यूलर मॉडल किट, कम दृष्टि वाले तथा बहरे विद्यार्थियों के लिए ऑप्टिक्स किट, इलैक्ट्रॉनिक्स किट तथा विज्ञान उपकरण के विकास से संबंधित कार्यक्रम किए गए। साथ ही पुराने नमूने की मदों जैसे सर्किट बोर्ड, ट्राली बॉर लेन्स, सोलर ट्रे, आई,एस,के. बॉक्स आदि को संशोधित किया गया।

9.2.4 कर्मशाला विभाग ने अनेक विद्यालयों के अध्यापकों को उनके अनुरोध पर प्रशिक्षण की सुविधा देना जारी रखा। आई.टी.आई. प्रशिक्षुओं को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण की सुविधा देना कर्मशाला विभाग का एक नियमित कार्यक्रम है। आई.टी.आई. के विद्यार्थियों के कुछ समूहों को प्लास्टिक टैक्नोलॉजी में भी प्रशिक्षित किया गया।

9.2.5 भारत-जर्मन परियोजना के अन्तर्गत कर्मशाला विभाग ने कक्षा 3 से 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) पर पूर्व प्रकाशित अध्यापक दर्शिका के संशोधन का कार्य भी किया। समस्त देश की संबंधित शैक्षिक संस्थाओं से उनके विचार तथा सुझाव इकट्ठे किए गए ताकि इन पुस्तकों के कम लागत के संशोधित संस्करण प्रकाशित किए जा सकें। विभाग ने 'प्रदर्शनी के माध्यम से विज्ञान और प्रौद्योगिकी शिक्षा' नामक पुस्तक भी प्रकाशित की। इसका प्रकाशन नवम्बर 1991 में 'राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी' कोच्चि के अवसर पर किया गया।

9.2.6 वर्ष 1991-92 में कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाओं तथा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ब्यौरा तालिका 9.2 में दिया गया है।

तालिका 9.2

1991-92 में कर्मशाला विभाग द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1	*2*	*3*	*4*	*5*
1.	प्लास्टिक टैक्नोलॉजी में आई.टी.आई. खिचड़ीपुर के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण (प्रथम बैच)	22 अप्रैल 1991 से 3 मई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
2.	प्लास्टिक टैक्नोलॉजी में आई.टी.आई., खिचड़ीपुर के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण (द्वितीय बैच)	6 से 17 मई,1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
3.	प्लास्टिक टैक्नोलॉजी में आई.टी.आई., पूसा के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण (प्रथम बैच)	21 मई, 1991 से 6 जून, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10

1	2	3	4	5
4.	प्लास्टिक टैक्नोलॉजी में आई.टी.आई. पूसा के विद्यार्थियों का प्रशिक्षण (द्वितीय बैच)	7 से 20 जून, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	10
5.	व्यावसायिक शिक्षा विभाग के सहयोग से 10+2 कक्षाओं के लिए इलैक्ट्रोनिक पर व्यावसायिक कार्यशाला	1 जुलाई से 5 जुलाई, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	6
6.	कक्षा 3-5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) पर अध्यापक हैंड बुक के लिए रा.शि.सं. टीम की बैठक	25 जुलाई,1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	7
7.	विज्ञान किटों पर केन्द्रीय तिब्बत प्रशासन विद्यालय के प्राथमिक विद्यालय अध्यापकों का प्रशिक्षण	8 से 13 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	40
8.	एस.पी.—130 इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन पर विज्ञान किट निर्माणशाला, इलाहाबाद के टैक्नीकल व्यक्तियों का प्रशिक्षण	5 से 26 अगस्त, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	1
9.	कक्षा-3 तथा 5 के लिए पर्यावरण अध्ययन (विज्ञान) पर अध्यापक हैंडबुक एवं किट मैनुअल (तीन खंड) का संशोधन	9 से 13 सितम्बर 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	14
10.	माध्यमिक स्तर पर ऑर्गेनिक मॉलिक्यूल्स के लिए 3 डी. मॉडल्स का विकास	17 से 21 फरवरी, 1991	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	11
11.	विज्ञान किटों में वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय किरनडल (बस्तर) म.प्र. में बैडाडीला लौह कायस्क परियोजना के अध्यापकों का प्रशिक्षण	12 से 14 फरवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	3

9.3 पुस्तकालय एवं प्रलेखन सेवाएँ

9.3.1 पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी. आई.) ने रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न संघटक एककों को अनुसंधान और विकास से संबंधित कार्यकलापों में सहयोग देना जारी रखा। विभाग देश भर के अनुसंधानकर्ताओं की प्रलेखन और सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति भी करता है।

डी.एल.डी.आई. में विशेष रूप से सामान्य एवं विद्यालयी शिक्षा में शिक्षा के क्षेत्र की पुस्तिकाओं और पत्रिकाओं का बड़ा संग्रह है। यह मनोविज्ञान, सामाजिक विज्ञान, एवं मानविकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों से सम्बद्ध सामग्रियों की भी प्राप्ति करता है। पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग ने अन्तर्राष्ट्रीय तथा तुलनात्मक शिक्षा एवं जनसंख्या शिक्षा पर सूचनाओं के संग्रह तथा प्रसारण के लिए मुख्य रूप से निम्नलिखित केन्द्र स्थापित किए हैं:

1. अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक संसाधन और प्रलेखन केन्द्र (आई.ई.आर.डी.ओ.सी.)
2. जनसंख्या शिक्षा प्रलेखन केन्द्र (पी.ओ.पी.डी.ओ.सी.)

9.3.2 पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग विद्यालयों तथा अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रभावशाली पुस्तकालय सेवाओं के माध्यम से शिक्षा में सुधार के लिए संस्थाओं के पुस्तकालयाध्यक्षों/प्रभारी अध्यापकों के लिए सेवाकालीन प्रशिक्षण एवं अभिविन्यास कार्यक्रम तथा कार्यशालाएँ आयोजित करता है। यह विभाग शैक्षिक संस्थाओं की पुस्तकालय सेवाओं में सुधार लाने के लिए अनिवार्य आवश्यकताओं के व्यवहार परिवर्तन के बारे में विभिन्न राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों के शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिए सम्मेलनों का आयोजन भी करता है।

9.3.3 इस वर्ष पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग ने निम्नलिखित कार्यशालाएँ, सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम, बैठकें तथा सम्मेलन आदि आयोजित किए:

1. डी.एल.डी.आई.ने माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के सहयोग से उड़ीसा के माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के लिए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में 10 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
2. मित्रानिकेतन (केरल) में अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान तथा जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के पुस्तकालयों के विकास के लिए 5 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।
3. शिक्षा निदेशालय, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के अनुरोध पर डी.एल.डी.आई. ने पोर्ट ब्लेयर में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के माध्यमिक विद्यालयों तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों के लिए 5 दिवसीय सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर में केरल तथा कर्नाटक राज्यों के शैक्षिक योजनाकारों तथा प्रशासकों के लिए 2 दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य शैक्षिक संस्थाओं के लिए पुस्तकालय की महत्ता, इन पुस्तकालयों के संचयन विकास तरीकों के बारे में विचार विमर्श तथा शिक्षा के मानकों में गुणात्मक सुधार हेतु पुस्तकालय संसाधनों का अधिकतम उपयोग करना था।
5. क्षे.शि.म., भोपाल में पु.प्र. और सू.वि. के वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्षों तथा चारों क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के लिए 3 दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के मुख्य विषय थे:
   (क) पद्धतियों तथा अभ्यासों का मानकीकरण
   (ख) रा.शै.अ.प्र.प. के विभिन्न पुस्तकालयों के बीच नेटवर्क संबंध स्थापित करना और
   (ग) पुस्तकालय सेवाओं के सुधार हेतु उपायों का पता लगाना।

1991-92 में पु.प्र. और सू.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि का ब्यौरा तालिका 9.3 में दिया गया है।

9.3.4 पु.प्र. और सू.वि. के संग्रह प्रलेखन और रिप्रोग्राफिक सेवाओं आदि का विवरण नीचे दिया गया है।

संग्रह की स्थिति

(क)	31.3.1991 को पुस्तकों की कुल संख्या	128168
(ख)	1991-92 में बढ़ाई गई पुस्तकों की संख्या	
	1. खरीद	1620
	2. उपहार स्वरूप अथवा सम्मानार्थ	411
	3. बंधी हुई पत्रिकाओं का परिग्रहण	829
(ग)	हटाई गई पुस्तकें	523
(घ)	31.3.1992 तक कुल पुस्तकें (क+ख-ग)	130505
(ड.)	1991-92 में पुस्तकों पर खर्च	रु. 5,14,932.69

पत्रिका खंड

(क)	प्राप्त पत्र-पत्रिकाएं आदि	
	1. क्रय की गई	424
	2. उपहार स्वरूप प्राप्त	40
	3. क्रय किए गए समाचार पत्र	20
(ख)	पत्र/पत्रिकाओं पर कुल खर्च	रु. 8,09,015.62

प्रलेखन और रिप्रोग्राफिक सेवाएँ

(क)	परिग्रहण सूची	(त्रैमासिक)
(ख)	समसामयिक विषय	(मासिक)
(ग)	शिक्षा में समसामयिक व्याख्यान तालिका	(अर्द्ध, वार्षिक)

(घ) संदर्भ ग्रंथ-सूची
1. विवाह के समय आयु (पी.ओ.पी.डी.ओ.सी.सीरीज)
2. परिवार का आकार और परिवार कल्याण (पी.ओ.पी.डी.ओ.सी.सीरीज)
3. सार्क देशों में उच्चतर शिक्षा की संदर्भ ग्रंथ-सूची
4. दूरस्थ शिक्षा पर पठन सूची

(ड.) परिरक्षित समाचार कतरनें 546
(च) कार्यालयी/व्यक्तिगत मांग पर दी गई फोटो प्रतियाँ 63229

परिचालन सेवाएँ

(क) 31.3.1992 को सदस्यों की कुल संख्या 2812
(ख) पढ़ने की सुविधा प्राप्त करने वाले बाहरी आगन्तुक 2719
(ग) 1991-92 में जारी की गई पुस्तकों की कुल संख्या 16639
(घ) अंतर-पुस्तकालय ऋण पर जारी की गई पुस्तकें 278

9.3.5 अपने लक्ष्य-समूह के लिए पुस्तकालय संसाधनों तथा पुस्तकालय सेवाओं तथा क्षमता में वृद्धि हेतु पु.प्र. और सू. वि. ने दो अपने कम्प्यूटर पी.सी. 486 तथा पी.सी.286 हाल ही में प्राप्त किए हैं। पुस्तकालय सोमवार से शुक्रवार तक प्रातः 8.00 बजे से सायं 8.00 बजे तक खुला रहता है। पुस्तकालय शनिवार, रविवार तथा सभी राजपत्रित अवकाशों में बन्द रहता है।

तालिका 9.3

1991-92 में पू.प्र. और सू.वि. द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/बैठकें/संगोष्ठी/सम्मेलन/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रम संख्या	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*तारीख*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अनुरोध पर उड़ीसा के माध्यमिक विद्यालय अध्यापकों के लिए पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान पर सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम।	29 जून से 8 जुलाई 1991	भुवनेश्वर(उड़ीसा)	45
2.	अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय तथा तमिलनाडु की डी.आई.ई.टीज.पुस्तकालय के विकास हेतु कार्यशाला	16 से 20 सितम्बर 1991	त्रिचिरापल्ली (तमिलनाडु)	24
3.	अध्यापक प्रशिक्षण महाविद्यालय तथा केरल की डी.आई.ई. टीज. पुस्तकालय के विकास हेतु कार्यशाला	27 से 31 जनवरी, 1992	मित्रानिकेतन (केरल)	23
4.	शिक्षा निदेशालय,अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह के अनुरोध पर अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के माध्यमिक विद्यालयों तथा सार्वजनिक पुस्तकालयों के पुस्तकालयाध्यक्षों, पुस्तकालय प्रभारी अध्यापकों हेतु सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम।	9 से 13 मार्च, 1992	पोर्ट ब्लेयर	41
5.	विद्यालय अध्यापक प्रशिक्षण संस्थाओं तथा डी.आई.ई.टीज. के पुस्तकालयों के विकास के लिए केरल एवं कर्नाटक के शैक्षिक प्रशासकों तथा योजनाकारों के लिए संगोष्ठी।	30 अक्टूबर, 1991	मैसूर	15
6.	अभ्यासों के मानकीकृत स्थापित नेटवर्क संबंध तथा पुस्तकालय सेवाओं के सुधार हेतु तरीकों का पता लगाने के लिए पु.पु. और सू.वि. के वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्षों तथा चारों क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों की बैठक।	23 से 24 दिसम्बर 1991	क्षे.शि.म., भोपाल	13

1991-92

दस

अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

विधायल शिक्षा के क्षेत्र में भारत सरकार द्वारा अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के प्रावधानों के कार्यान्वयन के लिए एन.सी.ई.आर.टी. एक मुख्य अभिकरण के रूप में कार्य करती है। यह यूनेस्को/एपीड/यू.एन.डी.पी./यूनिसेफ द्वारा प्रायोजित परियोजनाओं/कार्यक्रमों पर कार्य कर रही है और विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में अन्य देशों के प्रतिनिधि मंडलों/विशेषज्ञों के विचारों तथा दृष्टिकोणों के आदान प्रदान के लिए बैठकों का आयोजन करती है। यह यूनेस्को/यू.एन.डी.पी./एपीड/यूनीसेफ आदि द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों/कार्यशालाओं/परिसंवादों/संगोष्ठियों/बैठकों/प्रशिक्षण कार्यक्रमों आदि में भाग लेने के लिए अपने संकाय सदस्यों को भी प्रायोजित करती है। एन.सी.ई.आर.टी. विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में यूनेस्को/यूनीसेफ/यू.एन.डी.पी./एपीड द्वारा प्रायोजित संयोजन कार्यक्रमों के अंतर्गत विदेशी नागरिकों के लिए अल्पकालीन सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करती है।

एन.सी.ई.आर.टी. का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक, एन.सी.ई.आर.टी. की उपरोक्त गतिविधियों/कार्यक्रमों के समन्वयन के लिए मुख्य रूप से उत्तरदायी है। यह एकक शैक्षिक नवाचारों के लिए राष्ट्रीय विकास दल (एन.डी.जी.) सचिवालय के रूप में तथा भारत के विद्यालयी शिक्षा पर विभिन्न देशों, संगठनों और अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों को सूचना देने तथा उनसे सूचना प्राप्त करने के लिए एक सूचना प्रसार केन्द्र के रूप में कार्य करता है।

एन.सी.ई.आर.टी. के विदेशी आगन्तुक

वर्ष 1991-92 के दौरान, एन.सी.ई.आर.टी. में विभिन्न देशों के निम्नलिखित शिक्षाविद् पधारे :

1. मालदीव गणराज्य के मि. हुसैन हलीम ने 15 अप्रैल से 30 मई 1991 तक अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा तथा विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली से प्राथमिक विद्यालय विज्ञान शिक्षण प्रविधि के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया।
2. इथियोपिया के मि. वुबशेर अबेब ने अनौपचारिक अंचल में जनसंख्या शिक्षण/पारिवारिक जीवन शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक विज्ञान तथा मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), एन.सी.ई.आर.टी. से दिनांक 6 मई से दो सप्ताह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
3. इथियोपिया के दो सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के अंतर्गत मि.यिगजा फोरेड तथा मि. क्रुम देस्ता ने 6 से 17 मई 1991 तक एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. तथा एन.सी.ई.आर.टी. के बहुत से विभागों के वरिष्ठ संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया।
4. नई दिल्ली स्थित चेकोस्लोवाकिया दूतावास के प्रथम सचिव डा.ओ. ह्रबनेक, एन.सी.ई.आर.टी. में 13 मई, 1991 को भारत—चेकोस्लोवाकी सांस्कृतिक आदान-प्रदान

1991-92

कार्यक्रम के कार्यान्वियन की प्रगति संबंधी सूचना प्राप्त करने के लिए पधारे।

5. 10 जून 1991 को विजिंग प्रेस के उप-मुख्य संपादक लि शिकाई के नेतृत्व में चीन के एक छः सदस्यीय प्रतिनिधिमण्डल ने एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया तथा एन.सी.ई.आर.टी. की पाठ्यपुस्तकों की तैयारी निर्माण तथा वितरण से संबंधित पहलुओं पर निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. तथा प्रकाशन विभाग के अधिकारियों से प्रतिनिधिमण्डल ने विचार विमर्श किया।
6. सी.आई.ई.टी. के लिए यूनेस्को परियोजना के भूतपूर्व सी.टी.ए. मि. सैलिगमैन एन.सी.ई.आर.टी. में 4 जुलाई 1991 को पधारे। उन्होंने सी.आई.ई.टी. में हाल ही में कम्प्यूटरीकृत परियोजनाओं की समीक्षा से संबंधित तथ्यों, चालू परियोजनाओं की स्थिति, भावी योजनाओं तथा सम्भावित परियोजना क्षेत्रों पर चर्चा की।
7. ईरान के शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा व्यावसायिक विद्यालयों के अनुदेशकों के एक 22 सदस्यीय दल ने 14 से 21 अगस्त, 1991 तक एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। आगन्तुक दल की विशेष रुचि भारत के औद्योगिक तथा व्यावसायिक संस्थानों के दौरे में रही। दिल्ली में उनके कार्यक्रम का समन्वयन शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा दिनांक 16 से 21 अगस्त, 1991 तक किया गया। अन्य बातों के साथ-साथ प्रतिनिधिमंडल ने एन.सी.ई.आर.टी. के संबंधित संकाय सदस्यों से विचार-विमर्श किया।
8. दो जापानी विशेषज्ञों, हिरोशिमा विश्वविद्यालय के भूगोल शिक्षा के सहायक प्रोफेसर डा. शुची नाकायमा तथा हिरोशिमा विश्वविद्यालय जापान के स्वास्थ्य तथा खेल शास्त्रों में शिक्षा के सहायक प्रोफेसर डा. शिगेनोबू मात्सुओका 3 से 8 अगस्त, 1991 तक के लिए भारत आए। दिल्ली में उनके दौरे का समन्वय एन.सी.ई.आर.टी. के अनौपचारिक शिक्षा और अनु.जा./ज.जा. शिक्षा विभाग ने किया। जापानी विशेषज्ञों की विशेष रुचि "भारत में प्राथमिक शिक्षा में साक्षरता बढ़ाने के लिए अधिगम सामग्री" के संबंध में थी जिसका उन्होंने क्षेत्रीय सर्वेक्षण किया।
9. 8 से 27 जुलाई, 1991 तक यूनेस्को संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत मालदीव के अध्यापक शिक्षा संस्थान की कु. फातिमथ नाजिमा एन.सी.ई.आर.टी. से संबद्ध रहीं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का एन.सी.ई.आर.टी. के विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने समन्वयन किया। "प्राथमिक स्तर पर गणित शिक्षण की शिक्षण प्रविधियाँ" एन.सी.ई.आर.टी. में उनके प्रशिक्षण का विशेष क्षेत्र रहा।
10. डी.ई.एस.एस.एच. विभाग, एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा दिनांक 25 अगस्त से 5 सितम्बर, 1991 तक आयोजित जनसंख्या शिक्षा के तकनीकी आदान-प्रदान कार्यक्रम में, 10 शिक्षाविदों—बंगलादेश, भूटान, मालदीव, श्रीलंका तथा पाकिस्तान से एक-एक तथा भारत व ईरान से दो-दो प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
11. 31 अक्तूबर, 1991 को एक चीनी प्रतिनिधिमंडल भारत आया। इस प्रतिनिधिमंडल ने निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. तथा अन्य कई संकाय सदस्यों से विचार विमर्श किया। इस प्रतिनिधि मंडल को एन.सी.ई.आर.टी. द्वारा शिक्षा व्यावसायीकरण, अनौपचारिक शिक्षा तथा प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्रों में हो रहे कार्यों, जिसमें भारत सरकार की वरीयताएँ तथा कार्यक्रम शामिल हैं, का परिचय दिया गया।
12. ईरान गणराज्य के शिक्षा मंत्री के सलाहकार मि. अहमद साफी, 22 नवंबर, 1991 को एन.सी.ई.आर.टी. में आए। उन्हें एन.सी.ई.आर.टी. के संघटकों के मुख्य कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों से अवगत कराया गया।
13. पूर्व सोवियत संघ का चार सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, यू.एस.एस.आर. की राज्य शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष, श्री.वी.डी. शाद्रिकोव के नेतृत्व में 12 दिसम्बर, 1991 को एन.सी.ई.आर.टी. में आया। इस प्रतिनिधिमंडल को भारत में विद्यालयी शिक्षा की पद्धति तथा विद्यालयी शिक्षा के कार्यान्वियन में, केन्द्र—राज्य संबंधों के बारे

में अवगत कराया गया। एन.सी.ई.आर.टी. के कुछ वरिष्ठ संकाय सदस्यों ने प्रतिनिधिमण्डल से विचार विमर्श किया तथा उन्हें एन.सी.ई.आर.टी. के मुख्य कार्यक्रमों एवं कार्यकलापों की जानकारी दी।

14. जर्मनी के संसद सदस्य मि. एनरो स्कमिट, 17 दिसम्बर, 1991 को एन.सी.ई.आर.टी. में आए। अन्य बातों के साथ-साथ उन्हें एन.सी.ई.आर.टी. की भूमिका तथा कार्यों और बहुत से प्रमुख कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों की जानकारी दी गई।

15. महात्मा गांधी संस्थान, मॉरीशस की श्रीमती एस. गुरुदयाल 16 दिसम्बर, 1991 को एन.सी.ई.आर.टी. में आई तथा उन्होंने पाठ्यचर्या सुधार, पाठ्यक्रम आदि के संबंध में डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी. में विचार विमर्श किया।

16. यूनेस्को द्वारा प्रायोजित संयोजन कार्यक्रम के अंतर्गत 15 से 21 दिसम्बर, 1991 तक जनसंख्या शिक्षा के क्षेत्र में चीन गणराज्य के आठ शिक्षाविदों, मि.वोई जाओबी, मि. यूआन युन्टिंग, मि. पान आईँगरा मि. लिउ शिरोन, मि. गुवान योजहॉग, मिसिज लिउ शुमेल, मि. जाओ यूआई तथा मि. वांग वई, ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का समन्वयन एन.सी.ई.आर.टी. के सामाजिक विज्ञान व मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) के जनसंख्या शिक्षा एकक ने किया।

17. फ्रांसीसी शिक्षा युवा मामलों तथा खेल मंत्रालय से संबद्ध राष्ट्रीय शैक्षिक प्रलेखन केन्द्र के प्रकाशन विभाग की निदेशक मिस सोलेंग एविनोजिक के नेतृत्व में तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल, एन.सी.ई.आर.टी. में 29 जनवरी, 1992 को आया। प्रतिनिधिमंडल ने परिषद के वरिष्ठ संकाय सदस्यों से विचार विमर्श किया।

18. चीन गणराज्य के दृश्य-श्रव्य विभाग, प्रेस तथा प्रकाशन, प्रशासन के निदेशक श्री ज़ी मिङकिङ के नेतृत्व में पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 17 जनवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल को एन.सी.ई.आर.टी. की भूमिका, कार्यों, कार्यक्रमों तथा कार्यकलापों से अवगत कराया गया।

19. नेपाल की राष्ट्रीय शिक्षा समिति के उपाध्यक्ष डा.टी. एन. उप्रेती के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल 7 फरवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. में आया। अन्य बातों के अतिरिक्त, प्रतिनिधिमंडल को भारत की शैक्षिक नीतियों तथा शिक्षा व्यवस्था की जानकारी दी गई।

20. अफगानिस्तान के शिक्षा उप मंत्री हिज एक्सीलेंसी डा. ए.एच. हिलाई ने 18 फरवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। उनके साथ अफगानिस्तान के डा.ए. वाफामल भी आए। प्रतिनिधिमंडल को विद्यालयी शिक्षा में एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों से अवगत कराया गया। आगन्तुकों ने भारत तथा अफगानिस्तान के बीच मिलते जुलते संस्थानों का तारतम्य बनाने में रुचि प्रकट की।

21. भूटान के विद्यालयी प्रधानाचार्यों का 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 20 फरवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. आया। आगन्तुक दल को एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई।

22. मि. विक्टर ओरडोनेज, निदेशक, मौलिक शिक्षा, यूनेस्को, पेरिस ने 27 फरवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। नई दिल्ली स्थित, यूनेस्को कार्यालय की श्रीमती एम.हुक भी उनके साथ आई। उन्हें "सबके लिए शिक्षा" के विशेष संदर्भ सहित एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों से अवगत कराया गया।

23. चीन गणराज्य के राज्य शिक्षा आयोग के मंत्री महामहिम श्री लि च्यांग के नेतृत्व में चीन सरकार के कुछ वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों ने 28 फरवरी, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. का दौरा किया। नई दिल्ली में चीन के राजदूत भी प्रतिनिधिमंडल के साथ एन.सी.ई.आर.टी. आए। प्रतिनिधिमंडल को एन.सी.ई.आर.टी.

के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों से अवगत कराया गया। चीनी गणराज्य के शिक्षा मंत्री महोदय ने यह इच्छा व्यक्त की कि एन.सी.ई.आर.टी. के, चीन के ऐसे ही संस्थानों के साथ, और अधिक निकट संबंध होने चाहिए।

24. यूनेस्को, पैरिस के सहायक महानिदेशक (शिक्षा) मि. कोलिन पॉवर, 13 मार्च, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. में आए। उन्हें एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों विशेषकर जनजातीय शिक्षा, विद्यालय पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा तथा अध्यापकों के प्रशिक्षण के बारे में अवगत कराया गया।
25. तेहरान विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मि. मोहम्मद अली करदान के नेतृत्व में एक पाँच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल 13 मार्च, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. में आया। प्रतिनिधिमंडल को शिक्षा व्यावसायीकरण तथा शैक्षिक प्रौद्योगिकी के विशेष संदर्भ सहित एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों तथा गतिविधियों से अवगत कराया गया।
26. 9 देशों—बोत्स्वाना, घाना, केन्या, मॉरीशस, रवांदा, तन्जानिया, यूँगांडा, वियतनाम तथा जाम्बिया के 13 प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय शैक्षिक योजना तथा प्रशासन संस्थान (नीपा) नई दिल्ली में आठवें अंतर्राष्ट्रीय डिप्लोमा में भाग लिया।

    उक्त प्रतिभागी 18 मार्च, 1992 को एन.सी.ई.आर.टी. में भी आए। उन्हें एन.सी.ई.आर.टी. के कार्यक्रमों से अवगत कराया गया।
27. सीरिया के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने, भारत—सीरियाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम 1991-92 के अंतर्गत, 23 फरवरी, 1992 को क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल का दौरा किया तथा अपने शैक्षिक मसलों पर महाविद्यालय के संकाय सदस्यों से विचार विमर्श किया।

10.4 एन.सी.ई.आर.टी. के संकाय सदस्यों की अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों में सहभागिता

1. डी.ई.एस.एम.,एन.सी.ई.आर.टी.के प्राध्यापक श्री के.बी. गुप्ता ने वेलेट्टा, माल्टा में 27 से 31 मई 1991 तक आयोजित, प्राथमिक विद्यालयों के लिए पर्यावरण शिक्षा की पाठ्यचर्या तैयार करने की अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण संगोष्ठी में भाग लिया।
2. महिला अध्ययन विभाग की प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डा. (श्रीमती) ऊषा नायर ने, चियांग माई, थाइलैंड में 30 जुलाई से 8 अगस्त, 1991 तक, लड़कियों तथा सुविधाविहीन समूहों के लिए प्राथमिक शिक्षा को बढ़ावा देने हेतु, एक बैठक में भाग लिया।
3. एन.सी.ई.आर.टी. के डी.ई.एस.एस.एच. में प्राध्यापक डा. (श्रीमती) के.के. सन्धू ने बंगलादेश में 18 अगस्त से 5 सितम्बर, 1991 तक तकनीकी आदान-प्रदान कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित, जनसंख्या शिक्षा पर हुई कार्यशाला में भाग लिया।
4. श्रीमती वीना कुमार, कलाकार ग्रेड-II, सी.आई.ई.टी, एन.सी.ई.आर.टी. ने टोकियो में 1 से 19 अक्तूबर, 1991 तक हुए एशिया और प्रशान्त में पुस्तक निर्माण के 24वें प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
5. प्रो. अर्जुन देव, अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी. ने, एशिया तथा प्रशान्त में माध्यमिक शिक्षा के लक्ष्यों, प्रयत्नों तथा उद्देश्यों पर एन.आई.ई.आर, टोकियो, जापान में 16 से 31 अक्तूबर तक आयोजित क्षेत्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
6. श्रीमती शुक्ला भट्टाचार्य, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी. ने, प्राथमिक विद्यालयों के लिए पाठ्यपुस्तक लेखन पर पेनांग, मलेशिया में 3 से 15 नवंबर 1991 तक आयोजित उप-क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
7. श्रीमती शुक्ला भट्टाचार्य, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई., एन.सी.ई.आर.टी. ने, विद्यालय स्वास्थ्य शिक्षा के व्यापक कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने हेतु कार्यनीतियों पर परामर्श के लिए जिनेवा में 25 से 29 नवंबर, 1991 तक आयोजित विश्व स्वास्थ्य संगठन की बैठक में भाग लिया।
8. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर के प्रोफेसर, डा.

एस.टी.वी.जी. आचार्युलू ने, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के संदर्भ में शिक्षण मूल्यों के लिए कार्यनीतियाँ तथा विधियाँ तैयार करने हेतु पेनांग, मलेशिया में 16 से 29 नवंबर, 1991 तक आयोजित यूनेस्को के क्षेत्रीय विशेषज्ञों की कार्यशाला में भाग लिया।

9. डी.ई.एस.एस.एच., एन.सी.ई.आर.टी. के जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम के राष्ट्रीय समन्वयक, प्रो. डी.एस. मुले तथा क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय मैसूर के रीडर, डा. एन. एन. प्रह्लाद ने, जनसंख्या शिक्षा में आदर्श सामग्री की समीक्षा के लिए कोलम्बो, श्रीलंका में 2 से 10 दिसंबर, 1991 तक आयोजित, विशेषज्ञों की बैठक में भाग लिया।

10. एन.सी.ई.आर.टी. के निदेशक डा.के. गोपालन ने, मॉरीशस एग्जामिनेशन सिंडीकेट में, परीक्षा विकास के प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के संबंध में, 6 से 12 दिसम्बर, 1991 तक मॉरीशस का दौरा किया।

11. प्रो. ए. के. शर्मा, संयुक्त निदेशक, एन.सी.ई.आर.टी. ने, विज्ञान शिक्षा की नई दिशाओं पर, एन.आई.ई.आर., टोकियो, जापान में 16 से 24 जनवरी 1992 तक हुई क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

12. डा. के.जे.एस. चतरथ, सचिव, एन.सी.ई.आर.टी. ने, फ्रांस सरकार से प्राप्त अध्येतावृत्ति के अंतर्गत, "इन्डिया इन द डिबेट्स ऑफ फ्रेंच पार्लियामेंट 1945-1988" पर अपने पोस्ट डॉक्टोरल अनुसंधान के लिए सामग्री एकत्र करने के लिए, 14 मई से 14 जून 1991 तक फ्रांस का दौरा किया।

13. डा. सी. शेषाद्रि, प्राचार्य, क्षे.शि.म. मैसूर ने, यूनेस्को, बैंकॉक में 20 जुलाई से 19 अगस्त, 1991 तक सहकारिता के लिए परामर्श निर्धारण आयोग में, भाग लिया।

14. प्रो. ओ.एस. देवल, प्राचार्य क्षे.शि.म., अजमेर ने, "शिक्षण की राष्ट्रमंडलीय विद्यार्थी सहायता सेवाओं पर गोल मेज सम्मेलन" में, कनाडा में, 29 अप्रैल से 3 मई 1991 तक, भाग लिया। उन्होंने लन्दन में 13 से 24 मई 1991 तक आयोजित "दूरस्थ शिक्षा पर कार्यशाला" में भी भाग लिया।

15. क्षे.शि.म. मैसूर में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर, डा. ए.सी. बैनर्जी ने, यॉर्क विश्वविद्यालय में 25 से 30 अगस्त, 1991 तक रसायन शिक्षा पर 11 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

16. डा. ए.सी. बैनर्जी, क्षे.शि.म. मैसूर में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर, को संयुक्त राज्य अमेरिका में, 2 सितम्बर से 31 दिसम्बर, 1991, वरिष्ठ फुलब्राईट से सम्मानित किया गया।

17. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर में शिक्षा के प्रोफेसर, डा. एस.टी.वी.जी. आचार्युलू, ने प्राथमिक शिक्षा के साधारणीकरण का अध्ययन करने के लिए, चीन तथा इन्डोनेशिया जाने वाले प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया।

18. क्षे.शि.म. अजमेर में भौतिकी के प्राध्यापक, श्री वी. पी. श्रीवास्तव ने योग्याकार्ता (इंडोनेशिया) का 30 से 31 जुलाई 1991 तक दौरा किया तथा "रिलेवेन्स ऑफ कूलम्बस् लॉ टू मॉडर्न फिजिक्स", नामक पत्र द्विशतवार्षिक "फेराडे" बैठक में प्रस्तुत किया।

19. क्षे.शि.म. भोपाल में उर्दू के रीडर, डा.एस.एस. हुसैन ने, मॉरीशस में विश्व उर्दू सम्मेलन में 9 से 12 दिसम्बर, 1991 तक भाग लिया।

20. क्षे.शि.म. भुवनेश्वर में जीव विज्ञान के प्राध्यापक डा. एम.के. सत्पथी, 1 अगस्त 1992 से 2 वर्ष की अवधि के लिए, पोस्ट डॉक्टोरल अनुसंधान अध्येतावृत्ति हेतु आर.आर.आई. फिलिपीन्स गए।

21. क्षे.शि.म. भोपाल में विशेष शिक्षा के प्राध्यापक, श्री आर.वी.एल. सोनी को विशेष शिक्षा में एम,.एड. पाठ्यक्रम का उत्तरदायित्व लेने के लिए 15 सितम्बर, 1991 से 30 सितंबर, 1992 तक, मैनचेस्टर विश्वविद्यालय, यूनाइटेड किंगडम द्वारा, ब्रिटिश तकनीकी सहयोग प्रशिक्षण कार्यक्रम 1991-92 के अन्तर्गत, अध्येतावृत्ति प्रदान की गई।

22. डी.पी.एस.ई.ई. में रीडर, डा. (श्रीमती) विनीता कौल ने, अंतर्राष्ट्रीय बाल विकास केन्द्र (इन्नोसेंट) द्वारा फ्लोरेंस, इटली में 4 से 5 नवंबर, 1991 तक आयोजित बाल विकास पर एक परामर्श कार्यक्रम में भाग लिया।
23. डा. (श्रीमती) आर. मुरलीधरन, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई. ने, नीदरलैंड कमीशन फॉर यूनेस्को द्वारा आयोजित "परिवार, विद्यालय तथा साक्षरता—विद्यालय पूर्व अवधि" पर पूर्व—सम्मेलन में, 22 से 24 मार्च, 1992 तक, नीदरलैंड में भाग लिया।
24. डी.पी.एस.ई.ई. की प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, डा. (श्रीमती) आर, मुरलीधरन ने जे.ए. कोनेनुइस की 400 वीं वर्षगाँठ पर दिनांक 25 से 27 मार्च, 1992 तक चेकोस्लोवाकिया में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन में भाग लिया।

10.5 यूनेस्को द्वारा प्रायोजित परियोजनाएँ/कार्यक्रम

एन.सी.ई.आर.टी., शैक्षिक नवाचारों के विकास से संबंधित एशिया एवं प्रशान्त कार्यक्रमों (एपीड) के माध्यम से तथा विद्यालयी शिक्षा एवं अध्यापक शिक्षा से संबंधित अध्ययन/ परियोजनाओं/ कार्यक्रमों का आयोजन करके यूनेस्को प्रायोजित कार्यक्रमों में भाग लेती रही है। वर्ष 1991-92 के दौरान, एन.सी.ई.आर.टी. ने निम्नलिखित परियोजनाओं पर कार्य करने के लिए यूनेस्को के साथ अनुबन्धों पर हस्ताक्षर किए :

क्रम संख्या	*शीर्षक*	*जिसे परियोजना सौंपी गई*
(1)	जनसंख्या शिक्षा में सामग्री के विकास पर विशेष दल की बैठक अनुबन्ध सं. 817, 4991 (91/23) (23)	सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी.
(2)	शिक्षा तथा निर्माण कार्य के बीच मूल्यांकन समीक्षा एवं सुधार में संबंध पर क्षेत्रीय कार्यशाला अनुबन्ध सं. 817.748.1(91/38) (38)	शिक्षा व्यावसायिक विभाग, एन.सी.ई.आर.टी.
(3)	कक्षा में विशेष आवश्यकताओं पर उप-क्षेत्रीय कार्यशाला तथा संगोष्ठी अनुबन्ध सं. 109.015.1	अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, एन.सी.ई.आर.टी.

10.6 द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

भारत सरकार द्वारा विभिन्न देशों के साथ किए गए द्विपक्षीय सांस्कृतिक आदान प्रदान कार्यक्रमों के अन्तर्गत, एन.सी.ई.आर.टी. ने कार्यान्वयन के लिए निर्दिष्ट मदों के तहत जाम्बिया, मॉरीशस, रूस, स्पेन, मिस्र-गणराज्य, सीरिया, इटली, नीदरलैंड, ट्यूनीशिया, कोलम्बिया, बैल्जियम, चीन, हंगरी, बंगलादेश तथा क्यूबा को शैक्षिक सामग्री भेजी। सांस्कृतिक आदान प्रदान की निर्दिष्ट मदों की प्राप्ति के अंतर्गत, जर्मन गणराज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, कोलम्बिया, सीरिया तथा मॉरीशस से, अलग-अलग देशों के दूतावासों के माध्यम से, शैक्षिक सामग्री/सूचना प्राप्त की गई।

10.7 विचारों तथा सूचना का आदान-प्रदान

एन.सी.ई.आर.टी. का अंतर्राष्ट्रीय संबंध एकक अन्य देशों में शैक्षिक कार्यक्रमों तथा गतिविधियों के लिए जाने वाले, संकाय सदस्यों के व्याख्यानों का आयोजन करता है। प्रतिवेदनाधीन वर्ष के दौरान, संकाय सदस्यों के आठ ऐसे व्याख्यान आयोजित किए गए।

ग्यारह

कल्याण, प्रशासन और वित्त

11.1 कल्याण कार्यकलाप

11.1.1 रा.शै.अ.प्र.प. की भवन एवं निर्माण-समिति ने 120 स्टाफ क्वार्टरों (32 क्वार्टर टाइप-1, 32 क्वार्टर टाइप-2, 40 क्वार्टर टाइप-3 और 16 क्वार्टर टाइप-4) के निर्माण का अनुमोदन किया और के.लो.नि.वि. से टाइप-1 के 16 क्वार्टरों के निर्माण कार्य को आरम्भ करने का अनुरोध किया।

11.1.2 दिल्ली विकास प्राधिकरण (डी.डी.ए.) ने द्वारका, फेज-1, पॉकेट-4, पपनकलाँ निकट पालम गाँव, नई दिल्ली में अतिरिक्त स्टाफ क्वार्टरों के निर्माण के लिए 2.5 एकड़ भूमि प्रदान करने का प्रस्ताव किया था। परिषद् डी.डी.ए. को इस संबंध में अपनी स्वीकृति दे चुकी है।

11.1.3 रा.शि.सं. परिसर में रहने वालों की सुविधाओं के लिए शॉपिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण-कार्य पूरा हो चुका है। इस कॉम्पलेक्स में नैफेड, केन्द्रीय भण्डार, मदर डेयरी और एन.एफ.एफ.सी. लिमिटेड को दुकाने आवंटित की जा चुकी हैं।

11.1.4 परिषद् में केन्द्रीय विद्यालय संगठन और आई.आई.टी. के सहयोग से कक्षा-5 तक एक केन्द्रीय विद्यालय चल रहा है। रा.शै.अ.प्र.प. अपने परिसर में इस केन्द्रीय विद्यालय को चलाने के लिए उपयुक्त अनुदान देती है। परिषद् आई.आई.टी, परिसर में नर्सरी स्कूल के वित्तपोषण में भी सहयोग देती है।

11.1.5 मृत्यु-सह-सेवानिवृत्ति राहत योजना के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प. ने राहत की राशि रु. 1000 से बढ़ाकर रु. 5000 कर दी है और दिवंगत कर्मचारी के परिवार के पुनर्वास के लिए 12 महीने तक दी जाने वाली मासिक राहत की राशि भी 150 रु. प्रति माह से बढ़ाकर 750 रु. प्रति माह कर दी है। सेवानिवृत्ति के मामले में दी जाने वाली प्रतीक सहायता की राशि 500 रु. से बढ़ाकर 2500 रु. कर दी गई है।

11.1.6. एन.सी.ई.आर.टी. के कर्मचारियों, जिसमें क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों और क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालयों में कार्यरत कर्मचारी भी शमिल हैं, की सुविधा के लिए रा.शै.अ.प्र.प. में 20 जनवरी, 1987 से जीवन बीमा निगम की सामूहिक बचत संबद्ध योजना लागू की गई है। जीवन बीमा निगम ने 20 जनवरी, 1992 के समूह "क" के मामले में मासिक किश्त और बीमे की राशि को बढ़ा दिया है। इस समय मासिक किश्त और बीमे की राशि निम्नानुसार है :

1991-92

वर्ग/ पदनाम		स्वीकृत बीमा राशि	मासिक किश्त
		रु.	रु.
क.	वरिष्ठ प्रबन्धक ग्रेड अधिकारी	1,20,000.00	120.00
ख.	मध्यम प्रबन्धक ग्रेड अधिकारी	60,000.00	60.00
ग.	गैर-अधिकारी ग्रेड के लिपिक और पर्यवेक्षीय कर्मचारी	30,000.00	30.00
घ.	अधीनस्थ कर्मचारी (उप-कर्मचारी कार्यकर्त्ता आदि)	15,000.00	15.00

इस योजना के अन्तर्गत 20 जनवरी, 1992 से 39 नये सदस्य सम्मिलित हुए हैं। परिषद् में मार्च 1992 तक हितभोगियों की कुल संख्या 2708 थी।

11.1.7 सी.जी.एच.एस. योजना के अन्तर्गत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार परिषद् के सेवानिवृत्त कर्मचारियों को लागत आधार पर चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करने के लिए सहमत हो गया है।

11.1.8 ग्यारहवीं अंतर-क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, रा.शि.सं. और के.शै.प्रौ.सं. स्टाफ की खेल प्रतियोगिता 26 से 29 दिसम्बर, 1991 तक क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल में आयोजित की गई।

11.1.9 भारतीय युवा छात्रावास संघ द्वारा प्रायोजित कार्यक्रम के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प. ने जून 1991 में कुल्लू मनाली और दिसम्बर 1991 में गोवा में ट्रेकिंग टीमें भेजीं।

11.2 प्रशासन

11.2.1 वर्गवार संस्वीकृत स्टाफ की 31.3.92 तक की स्थिति परिशिष्ट 'ग' में दी गई है।

11.2.2 हिन्दी का उन्नयन

11.2.2.1 वर्ष 1990-91 में कार्यालयी कार्य में हिन्दी को बढ़ावा देने के लिए रा.शै.अ.प्र.प. के हिन्दी प्रकोष्ठ ने अनेक कार्यकलाप किए। वर्ष के दौरान हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यकलाप निम्नलिखित हैं :

1. प्रतियोगिता

हिन्दी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी प्रकोष्ठ ने 31 अक्तूबर, 1991 से 1 नवंबर, 1991 तक हिन्दी सप्ताह के दौरान निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं :

(1) हिन्दी टंकण प्रतियोगिता
(2) हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण प्रतियोगिता
(3) हिन्दी अनुवाद प्रतियोगिता
(4) हिन्दी भाषण प्रतियोगिता
(5) हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
(6) हिन्दी कविता प्रतियोगिता
(7) हिन्दी आशुलिपि प्रतियोगिता

इन प्रतियोगिताओं में 10 प्रतिभागियों को प्रशंसा प्रमाण पत्रों सहित क्रमश 300 रु., 250 रु. और 200 रु. के नकद पुरस्कार दिए गए।

2. हिन्दी कार्यशालाएँ

वर्ष 1991-92 में हिन्दी प्रकोष्ठ ने निम्नलिखित अभिविन्यास/प्रशिक्षण कार्यशालाएँ आयोजित कीं :

(1) परिषद् मुख्यालय में कार्यरत अनुभाग अधिकारियों के लिए हिन्दी प्रशिक्षण कार्यशाला
(2) वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों (संयुक्त सचिव, उप-सचिव और अवर सचिव) के लिए हिन्दी कार्यशाला

(3) परिषद् मुख्यालय के उच्च श्रेणी लिपिकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला

(4) क्षे.शि.म. मैसूर के कर्मचारियों के लिए हिन्दी कार्यशाला

वर्ष 1991-92 में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाओं, अभिविन्यास/ प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विस्तृत ब्यौरा तालिका 11.2.2 में दिया गया है।

3. हिन्दी प्रकोष्ठ ने विभिन्न शैक्षिक/ प्रशासनिक दस्तावेजों का अनुवाद किया। इसके अतिरिक्त रा.शै.अ.प्र.प. की अंग्रेजी वार्षिक रिपोर्ट का हिन्दी में अनुवाद किया।

4. रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की दो बैठकें आयोजित की गईं जिनमें परिषद् में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग की प्रगति की समीक्षा की गई।

उपरोक्त कार्यकलापों के अतिरिक्त हिन्दी प्रकोष्ठ ने उन विभागों/अनुभागों को, जहाँ हिन्दी टाइप की सुविधा नहीं है, टाइपिंग की सेवाएँ प्रदान करना जारी रखा।

11.2.3 व्यावसायिक शैक्षिक संगठन के लिए दिया गया अनुदान

शिक्षा, विशेषतः विद्यालयी शिक्षा तथा अध्यापक शिक्षा में सुधार के लिए स्वैच्छिक प्रयासों को जारी रखने तथा उन्हें बढ़ावा देने के कार्यक्रम के अन्तर्गत रा.शै.अ.प्र.प. व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों (पी.ई.ओ.) को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना चला रही है। 1991-92 में आठ व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों की पत्रिकाओं के प्रकाशन के लिए तथा छः व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को संगोष्ठियों/सम्मेलनों/सभाओं के आयोजन के लिए अनुदान दिया गया। इन व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिए गए अनुदानों का विवरण तालिका 11.2.3.1 और 11.2.3.2 में दिया गया है।

तालिका 11.2.2

वर्ष 1991-92 में हिन्दी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित कार्यशालाएँ/प्रशिक्षण/अभिविन्यास कार्यक्रम

क्रमांक	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*दिनाँक*	*स्थान*	*प्रतिभागियों की संख्या*
1.	*2.*	*3.*	*4.*	*5.*
1.	परिषद के अनुभाग अधिकारियों को राजभाषा अधिनियम, नियम, आदेश, अनुदेश, और राजभाषा नीति के संबंध में जानकारी देने तथा हिन्दी टिप्पण, प्रारूपण पत्राचार और प्रशासनिक शब्दकोश आदि के बारे में दिशानिर्देश देने के लिए हिन्दी कार्यशाला	20 से 22 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	32
2.	वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों (संयुक्त सचिव, उप सचिव, अवर सचिव और प्रशासनिक अधिकारी) को राजभाषा नीति और नियमों से अवगत कराने तथा कार्यान्वयन संबंधी समस्याओं पर विचार-विमर्श करने के लिए हिन्दी कार्यशाला	29 जनवरी, 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	19
3.	क्षे. शि. म. मैसूर के कर्मचारियों और अधिकारियों को राजभाषा नीति, नियमों, हिन्दी वर्तनी का मानक रूप और प्रशासनिक शब्दकोश, टिप्पण, प्रारूपण, पत्राचार, सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी तथा हिन्दी के प्रयोग में गैर-हिन्दी भाषियों की समस्याओं पर विचार-विमर्श करने के लिए कार्यशाला	25 से 27 फरवरी, 1992	क्षे.शि.म., मैसूर	20

1991-92

1.	2.	3.	4.	5.
4.	परिषद् के उच्च श्रेणी लिपकों को टिप्पण, प्रारूपण और हिन्दी पत्राचार में प्रशिक्षित करने और प्रशासनिक शब्दकोश, सही वर्तनी, राजभाषा नीति और परिषद् में उसके कार्यान्वयन की जानकारी देने के लिए कार्यशाला	24 से 25 मार्च 1992	रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली	39

तालिका 11.2.3.1

वर्ष 1991-92 में पत्रिकाओं के लिए व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्रमांक	*संगठन का नाम*	*पत्रिकाओं का शीर्षक*	*स्वीकृत राशि*
1.	शैक्षिक अनुसंधान तथा विकास समिति 46 हरिनगर, गोत्री रोड़, बड़ोदरा-390007	पर्सपेक्टिव्स ऑफ एजुकेशन	रु. 8,000/-
2.	गणित अध्यापन सुधार संघ 25, फर्न रोड, कलकत्ता-700019	इंडियन जर्नल ऑफ मैथेमैटिक्स टीचिंग	रु. 4,000/-
3.	एस.आई.टी.यू. शैक्षिक अनुसंधान परिषद् 3 फर्स्ट ट्रस्ट लिंक स्ट्रीट मंडावेलीपक्कम, मद्रास-600028	एक्सपेरीमेंट इन एजुकेशन	रु. 5,000/-
4.	भारतीय भौतिक संघ द्वारा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च होमी भाभा रोड़, मुंबई-400005	फिजिक्स न्यूज	रु. 5,000/-
5.	अखिल भारतीय विज्ञान अध्यापक संघ 31, जंगपुरा रोड, नई दिल्ली-110014	विज्ञान शिक्षक	रु. 5,000/-
6.	विज्ञान शिक्षा विकास संघ 3 फर्स्ट लिंक स्ट्रीट मंडावेलीपक्कम, मद्रास-600028	जूनियर सांइटिस्ट	रु. 4,000/-
7.	भारतीय भौतिकी अध्यापक संघ भौतिकी विभाग, अमेरिकन कालेज, मदुरै-625002	फिजिक्स टीचर्स	रु. 5,000/-
8.	उत्तराखंड शोध संस्थान 124, सीतापुर, देवीरोड, कोटद्वार-246149 (गढ़वाल, उ.प्र.)	एजूकेशनल रिसर्च जर्नल	रु. 5,000/-

तालिका 11.2.3.2

वर्ष 1991-92 में वार्षिक सम्मेलनों/संगोष्ठियों/सभाओं के आयोजन हेतु व्यावसायिक शैक्षिक संगठनों को दिया गया अनुदान

क्रमांक	*आयोजक का नाम*	*कार्यक्रम का शीर्षक*	*स्वीकृत राशि*
1.	भारतीय खेल मनोविज्ञान संघ मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़		रु. 5,000/-
2.	अखिल भारतीय शैक्षिक अनुसंधान संघ चेम्बूर महाविद्यालय, चेम्बूर नाका, मुंबई-400071		रु. 5,000/-
3.	अखिल भारतीय विज्ञान अध्यापक संघ 31 जंगपुरा रोड, (निकट भोगल) नई दिल्ली-110014	ग्रामीण विज्ञान "क्यों और कैसे" पर तैंतीसवाँ सम्मेलन	रु. 5,000/-
4.	भारतीय सामाजिक विज्ञान अकादमी ईश्वर शरण डिग्री कालेज परिसर, इलाहाबाद		रु. 5,000/-
5.	भारतीय भौतिकी अध्यापक संघ भौतिकी विभाग, अमेरिकन कालेज, मदुरै-625002		रु. 5,000/-
6.	भारतीय प्रायोगिक अधिगम समिति पांडिचेरी विश्वविद्यालय पांडिचेरी-605006		रु. 5,000/-

वित्त

वर्ष 1991-92 के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद की प्राप्ति और भुगतान का समेकित लेखा तालिका 11-2-3-3 में दिया गया है।

तालिका 11.2.3.3

वर्ष 1991-92 का रा. शै. अ. प्र. प. की प्राप्ति और भुगतान का समेकित लेखा

प्राप्ति	*राशि (रु.)*		*भुगतान*			*राशि*
आदि शेष			**बचत खर्च**			
नगद और बैंक में बचत खाता	12,01,14,386		अधिकारियों के वेतन	गैर योजना	3,38,20,043	
खर्च की जा रही	1,50,000			योजना	28,784	3,38,48,827
टी-39 खाते में शेष	9,99,193	12,12,63,579	स्थापना का वेतन	गैर योजना	3,64,52,596	
बचत खर्च के लिए				योजना	4,60,399	3,69,12,995
मा स. वि. मं. से प्राप्त अनुदान						
गैर-योजना	20,12,78,000		भत्ते और मानदेय	गैर योजना	5,39,68,496	
योजना	2,18,72,000	22,31,50,000		योजना	3,98,347	5,43,66,843
			यात्रा भत्ते	गैर योजना	16,36,266	
				योजना	21,175	16,57,441

1991-92

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान			राशि
विशिष्ट परियोजनाओं का		5,68,20,725	अन्य प्रभार	गैर योजना	3,35,40,614	
अनुदान तथा वापसी (सूची सलंग्न है)				योजना	13,42,416	3,48,83,030
कुल		40,12,34,304	छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ			
				गैर योजना	10,49,794	
				योजना	3,59,880	14,09,674
			कार्यक्रम	गैर योजना	14,31,04,254	
				योजना	1,42,47,913	15,73,52,167
						32,04,30,977
परिषद की प्राप्ति		40,12,34,304				32,04,30,977
			उपस्कर और फर्नीचर	गैर योजना	21,70,595	
अनुभाग-5				योजना	9,72,509	31,43,104
परिषद भवनों का किराया	15,41,764		भूमि और भवन			
ऋण और अग्रिमों पर ब्याज	3,83,477			गैर योजना	1,10,28,846	
				योजना	79,71,450	1,90,00,296
टी डी आर पर ब्याज	55,34,293					
पी एफ निवेशों पर ब्याज	1,44,36,355					
अधिक भुगतान की वसूली	15,14,828		विशिष्ट परियोजनाओं			
विज्ञान किटों की बिक्री	10,80,599		पर भुगतान (सूची संलग्न)			4,47,30,136
शुल्क और प्रभार	5,32,474		अनुभाग-2			
पुस्तकों और प्रकाशनों की			**विविध भुगतान**			
बिक्री	15,30,61,813		सी जी एच एस		12,81,406	
अवकाश वेतन और पेंशन	1,59,878		अवकाश वेतन और पेंशन		47,145	
सी जी एच एस	55,964					
परिषद को यूनेस्को						
परियोजना के लिए जमा		1,71,273				
विविध प्राप्तियाँ	25,79,421	18,10,52,139	अ. भ. नि. ब्याज और			
			परिषद का अंश		4,93,093	
			सा. भ. नि. ब्याज		1,28,18,203	
			पेंशन और डी. सी.			
			आर. जी.		1,22,89,251	
			लेखा परीक्षा शुल्क		62,540	
			विज्ञापन		10,00,000	
			डी. एल. आई. एस.		58,172	
			विविध		10,39,382	2,90,89,192

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान		राशि
			ऋण जमा और प्रेषण		
ऋण और अग्रिम (ब्याज भार)			ऋण और अग्रिम (ब्याज भार)		
अनुभाग-4 (3) (1)					
मोटर कार/स्कूटर	18,08,827		मोटर कार/स्कूटर	16,05,110	
अन्य वाहन (साइकिल)	99,434		अन्य वाहन (साइकिल)	1,00,012	
भवन निर्माण अग्रिम	35,26,487		भवन निर्माण अग्रिम	19,18,857	
पंखा अग्रिम	12,955	54,47,703	पंखा अग्रिम	18,960	36,42,939
कुल		58,77,34,146			42,00,36,644
अनुभाग-4 (3) (2)			गैर-ब्याज भार		
त्यौहार	5,12,360		त्यौहार	5,55,550	
स्थानान्तरण पर यात्रा भत्ता/वेतन	12,614		स्थानान्तरण पर या. भ./वेतन	68,541	
विभागीय कैन्टीन	....शून्य	5,24,974	विभागीय कैन्टीन	1,07,217	7,31,308
अनुभाग-4 (5)					
विभागीय अग्रिम					
स्थायी अग्रिम	800		स्थायी अग्रिम	4,000	
विविध अग्रिम	15,04,065	15,04,865	विविध अग्रिम	13,82,059	13,86059
अनुभाग 4 (1) जमा					
सा. भ. नि.	3,36,97,281		सामान्य भ. नि. चालू खाता	1,46,15,711	
सा. भ. नि. पर ब्याज	1,28,18,203	4,65,15,484	स्टेट बैंक खाता	1,53,87,190	3,00,02,901
			अ. भ. नि. चालू खाता	4,55,249	
अंश भ. नि.	4,96,196		स्टेट बैंक खाता	2,46,392	7,01,641
ब्याज और परिषद का अंश	4,93,093	9,89,289			
चालू खाते से प्राप्त	3,30,00,000		स्टेट बैंक खाते में स्थानांतरित	3,30,00,000	3,30,00,000
श्री. शि. म. भुवनेश्वर से प्राप्त	7,50,000	3,37,50,000			
अनुभाग- 4 (4) निवेश					
भ. नि. निवेश (परिपक्व)	10,31,000		भ. नि. निवेश	2,60,43,219	
अल्पकालिक निवेश	12,58,00,000	12,68,31,000	अल्पकालिक निवेश	16,53,00,000	19,13,43,219
जमा-अनुभाग-4 (2)					
बयाना धन और प्रतिभूति जमा	3,61,988		बयाना धन और प्रतिभूतिजमा	5,55,696	
अवधान द्रव्य	1,16,410		अवधान द्रव्य	11,496	
अन्य	72,322	5,50,720	अन्य	1,67,562	7,34,754
कुल		79,84,00,478			67,79,36,526
अनुभाग 4 (7) : प्रेषित धन		79,84,00,478	प्रेषित धन		67,79,36,526
सा. भ. नि./अं. भ. नि.	2,68,155		सा. भ. नि./अं. भ. नि.	2,58,852	
पी एल आई/एल आई सी	1,12,175		पी एल आई/एल आई सी	98,322	
जी एल आई एस	19,79,775		जी एल आई एस	19,86,346	

1991-92

प्राप्ति	राशि (रु.)		भुगतान		राशि
आयकर	20,39,166		आयकर	22,33,614	
मृत्यु राहत निधि	1,40,223		मृत्यु राहत निधि	1,66,932	
टी. सी. एस.	5,70,571		टी. सी. एस.	5,22,850	
विविध	1,00,205	52,10,270	विविध	2,53,283	55,20,199
उप-कार्यालय प्रेषण	48,61,483	48,61,483	उप-कार्यालय प्रेषण	44,78,338	44,78,338
आवधिक प्रेषण	10,96,39,800	10,96,39,800	आवधिक प्रेषण		10,96,39,800
			अन्त शेष		
			नकद और बैंक में धन	10,64,87,143	
			हस्तान्तरण निधि	1,23,36,690	
			टी. 39 लेखा में शेष	17,13,335	12,05,37,168
	कुल योग	91,81,12,031		कुल योग	91,81,12,031

1991-92

परिशिष्ट 'क'

वर्ष 1991-92 के लिए रा.शै.अ.प्र.प. की समितियाँ

परिषद् के नियमों के नियम 3 के अन्तर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् का सामान्य निकाय (2-11-1993 तक मान्य)

1.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय अध्यक्ष पदेन	1.	श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन नई दिल्ली
2.	अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग पदेन	2.	श्री जी. राम रेड्डी अध्यक्ष, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग, नई दिल्ली
3.	सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) पदेन	3.	श्री अनिल बोर्डिया मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली
4.	भारत सरकार द्वारा नामित विश्वविद्यालयों के चार कुलपति (प्रत्येक क्षेत्र से एक)	4.	प्रो. इकबाल नारायण कुलपति उत्तर पूर्वी हिल विश्वविद्यालय शिलांग-793001
		5.	प्रो. रामलाल पारिख कुलपति गुजरात विद्यापीठ अहमदाबाद-380014
		6.	डा. अमर कुमार सिंह कुलपति राँची विश्वविद्यालय राँची-834008

1991-92

5. प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित क्षेत्र का एक-एक प्रतिनिधि विधायक जो राज्य/ संघ शासित क्षेत्र का शिक्षा मंत्री (या उसका प्रतिनिधि) होना चाहिए और दिल्ली के मामले में मुख्य कार्यकारी पार्षद (या उनका प्रतिनिधि)

7. प्रो. जाफर निजाम
   कुलपति का कातिया विश्वविद्यालय विधारनियापुरी
   वारंगल-506009

8. शिक्षा मंत्री
   आन्ध्र प्रदेश सरकार
   सचिवालय भवन
   हैदराबाद-500022
   (आन्ध्र पेदश)

9. शिक्षा मंत्री
   बिहार सरकार
   नया सचिवालय भवन
   पटना-500016
   (बिहार)

10. शिक्षा मंत्री
    असम सरकार
    सचिवालय भवन
    गुवाहाटी-781001
    (असम)

11. शिक्षा मंत्री
    गुजरात सरकार
    ब्लॉक नं. 1 सचिवालय
    गांधी नगर-382010
    (गुजरात)

12. शिक्षा मंत्री
    हरियाणा सरकार
    56/4 चंडीगढ़-160001
    हरियाणा सिविल सचिवालय
    चंडीगढ़-160001
    (हरियाणा)

13. शिक्षा मंत्री
    हिमाचल प्रदेश सरकार
    शिमला-170002
    (हिमाचल प्रदेश)

14. राज्यपाल के सलाहकार (शिक्षा)
    जम्मू और कश्मीर सरकार
    श्रीनगर-171002
    (जम्मू और कश्मीर)

15. शिक्षा मंत्री
केरल सरकार
अशोक, नंथनकूड
त्रिवेन्द्रम, केरल

16. शिक्षा मंत्री
मध्य प्रदेश सरकार
भोपाल,
(मध्य प्रदेश)

17. शिक्षा मंत्री
महाराष्ट्र सरकार
मुख्य मंत्रालय
बम्बई-400032
(महाराष्ट्र)

18. शिक्षा मंत्री
मेघालय सरकार
मेघालय सचिवालय
शिलांग-793001
(मेघालय)

19. शिक्षा मंत्री
मणिपुर सरकार
मणिपुर सचिवालय
इम्फाल-795001
(मणिपुर)

20. शिक्षा मंत्री
कर्नाटक सरकार
विधान सौध
बेंगलूर-560001
(कर्नाटक)

21. शिक्षा मंत्री
नागालैंड सरकार
कोहिमा-797001
(नागालैंड)

22. शिक्षा मंत्री
उड़ीसा सरकार
उड़ीसा सचिवालय
भुवनेश्वर-751001
(उड़ीसा)

23. शिक्षा मंत्री
पंजाब सरकार
चण्डीगढ़-160017
(पंजाब)

24. शिक्षा मंत्री
राजस्थान सरकार
सरकारी सचिवालय
जयपुर-302001
(राजस्थान)

25. शिक्षा मंत्री
तमिलनाडु सरकार
फोर्ट सेंट जार्ज
मद्रास-600009
(तमिलनाडु)

26. शिक्षा मंत्री
त्रिपुरा सरकार
सिविल सचिवालाय
अगरतला-799001
(त्रिपुरा)

27. शिक्षा मंत्री
सिक्किम सरकार
सिक्किम सचिवालय
ताशिलिंग गंगटोक-737101
(सिक्किम)

28. शिक्षा मंत्री
उत्तर प्रदेश सरकार
लखनऊ 226001
(उत्तर प्रदेश)

29. शिक्षा मंत्री
पश्चिम बंगाल सरकार
राइटर्स बिल्डिंग
कलकत्ता-700001
(पश्चिमी बंगाल)

30. शिक्षा मंत्री
अरुणाचल प्रदेश सरकार
इटानगर-791111
(अरुणाचल प्रदेश)

6. कार्यकारिणी समिति के वे सभी सदस्य, जो ऊपर सम्मिलित नहीं हैं।

31. मुख्य कार्यकारी पार्षद्
दिल्ली प्रशासन
पुराना सचिवालय
दिल्ली-110054

32. शिक्षा मंत्री,
गोवा सरकार
गोवा सचिवालय
पणजी-403001
(गोवा)

33. शिक्षा मंत्री
मिजोरम सरकार
ऐजावल-796001
(मिजोरम)

34. शिक्षा मंत्री
पांडिचेरी सरकार
असेम्बली सचिवालय
विक्टर सिमोनल स्ट्रीट
पांडिचेरी-605001

35. मानव संसाधन विकास
राज्य मंत्री, मानव संसाधन
विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन
नई दिल्ली

36. डा. के. गोपालन
निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

37. श्री एम.एस.अगवानी
उप कुलपति
जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली

38. स्वामी गौतमानन्द
सचिव
रामकृष्ण मिशन
शारदापीठ, बैलूर मठ
हावड़ा-711101

1991-92

39. सिस्टर फिलोमिना
प्रधानाध्यापिका (सेवानिवृत्त)
सेंट गोरथ हाई स्कूल नालमचिरा
त्रिवेन्द्रम-690015

40. कु.गोमती शनकुशी
55, महाराणा प्रतापनगर
जोन-1 भोपाल-46001
मध्य प्रदेश

41. डा. ए. के. शर्मा
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
(3 जुलाई, 1990 से)

42. सुश्री जय चन्दीराम
संयुक्त निदेशक
के.शै.प्रौ.सं.
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली-110016

43. डा. कुलदीप कुमार
अध्यक्ष
नी.नि.यू.शि.वि.
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली-110016

44. प्रो.के.सी. पंडा
प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
भुवनेश्वर-751001

45. डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो
संयुक्त सचिव (एस)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

46. श्री के. किसल राम
वित्तीय सलाहकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली (21 अक्तूबर, 1991)

7.	(क) अध्यक्ष, केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली, पदेन	47. अध्यक्ष केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड शिक्षा केन्द्र 2-कम्युनिटी सेंटर प्रीत विहार नई दिल्ली-110092
	(ख) आयुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन नई दिल्ली, पदेन	48. आयुक्त केन्द्रीय विद्यालय संगठन जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय परिसर, न्यू महरौली रोड नई दिल्ली
	(ग) निदेशक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक) नई दिल्ली, पदेन	49. निदेशक केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो (डी.जी.एच.एस.) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय कोटला रोड, नई दिल्ली
	(घ) उप महानिदेशक-प्रभारी कृषि शिक्षा, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् कृषि मंत्रालय नई दिल्ली, पदेन	50. उप महानिदेशक-प्रभारी कृषि शिक्षा (आई.सी.ए.आर.) कृषि मंत्रालय डा. राजेन्द्र प्रसाद रोड नई दिल्ली
	(च) प्रशिक्षण निदेशक प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय श्रम मंत्रालय नई दिल्ली, पदेन	51. प्रशिक्षण निदेशक प्रशिक्षण तथा रोजगार महानिदेशालय श्रम मंत्रालय नई दिल्ली
	(छ) शिक्षा प्रभाग के प्रतिनिधि योजना आयोग, पदेन	52. शिक्षा सलाहकार योजना आयोग योजना भवन संसद मार्ग नई दिल्ली-110001
8.	भारत सरकार द्वारा मनोनीत छः व्यक्ति, जिनमें कम से कम 4 विद्यालय अध्यापक हों।	53. ब्रदर इट्टप एस.जे. प्रधानाचार्य सेन्ट जेवियर स्कूल 4, राजनिवास मार्ग दिल्ली-110054

1991-92

54. कु. नलिनी उपाध्याय
    निदेशक
    लोक कला अनुसंधान केन्द्र
    किनखाब
    हरीदासनगर, रैया रोड- राजकोट

55. डा.आर.एच. दवे
    ए-96, सैक्टर-26, नोएडा
    जिला गाजियाबाद
    उत्तर प्रदेश

56. श्री दर्शन सिंह
    मुख्याध्यापक
    वार्ड नं. 7, फोर्ट ब्रिज के पास
    खादसाईड, कथुआ
    जम्मू और कश्मीर

57. श्रीमती एस. ड्रिस्टीन मलंगियांग
    मुख्य अध्यापिका
    राजकीय एम.ई.स्कूल मवफलांत्र
    ईस्ट खासी हिल्स
    मेघालय

58. श्रीमती अजीत कौशल
    नर्सरी टीचर
    गवर्नमेंट मॉडल हायर सैकेन्ड्री स्कूल
    सैक्टर-20-डी
    चंडीगढ़

विशेष आमंत्रित

59. सचिव
    भारतीय स्कूल प्रमाण पत्र परीक्षा परिषद्
    प्रगति भवन, तीसरी मंजिल
    47-नेहरू प्लेस
    नई दिल्ली

सचिव-संयोजक

60 श्री के.जे.एस. चतरथ
    सचिव
    राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
    प्रशिक्षण परिषद्
    नई दिल्ली

1991-92

कार्यकारिणी समिति
परिषद् के नियम २३ के अन्तर्गत
(1.9.1994 तक मान्य)

परिषद् के अध्यक्ष जो कार्यकारिणी समिति के पदेन अध्यक्ष होंगे	1. श्री अर्जुन सिंह मानव संसाधन विकास मंत्री भारत सरकार नई दिल्ली
मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री जो कार्यकारिणी समिति के पदेन उपाध्यक्ष होंगे।	2.
	3.
परिषद् के निदेशक	4. डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, पदेन	5. श्री अनिल बोर्डिया सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग सदस्य पदेन	6. श्री जी.राम रेड्डी अध्यक्ष विश्वविद्यालय अनुदान आयोग बहादुरशाह जफर मार्ग नई दिल्ली-110001
अध्यक्ष द्वारा मनोनीत स्कूल शिक्षा में रुचि रखने वाले चार शिक्षाविद (जिनमें से दो स्कूल के अध्यापक हों)	7. श्री एम.एस. अगवानी उप कुलपति जहवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली
	8. स्वामी गौतमानन्द सचिव रामकृष्ण मिशन शारदापीठ, बैलूर मठ हावड़ा

9. सिस्टर फिलोमिना
प्रधानाध्यापिका (सेवानिवृत्त)
सेंट गोरथ, हाई स्कूल
नालमचिरा
त्रिवेन्द्रम-690015

10. कु. गोमती शनकुशी
55, महाराणा प्रतापनगर
जोन-1
भोपाल-462001

परिषद् के संयुक्त निदेशक

11. डा. ए.के.शर्मा
संयुक्त निदेशक
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, परिषद् के संकाय के तीन सदस्य, जिनमें कम से कम दो, प्रोफेसर तथा विभागाध्यक्षों के स्तर के हों।

12. सुश्री जयचन्दी राम
संयुक्त निदेशक
के.शै.प्रौ.सं.
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

13. प्रो. कुलदीप कुमार
अध्यक्ष,
नी.नि.भू.शि.वि.
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

14. प्रो. के.सी. पंडा
प्राचार्य
क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय
भुवनेश्वर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

15. डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

वित्त मंत्रालय से एक प्रतिनिधि जो परिषद् का वित्तीय सलाहकार होगा।	16. (1) श्री के. कोशल राम वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (20 अक्तूबर 1991 तक)
संयोजक	(2) श्री संदीप बनर्जी वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली
सचिव संयोजक	17. डा. के.जे.एस. चतरथ सचिव रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

वित्त समिति
(परिषद् के नियम ६२ के अधीन)
(25.10.1992 से मान्य)

1. निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	1. डा.के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2. वित्तीय सलाहकार पदेन	2. (1) श्री. के. कोशल राम वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली (21 अक्तूबर, 1991 तक)

1991-92

(2) श्री संदीप बनर्जी
वित्तीय सलाहकार
रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(21 अक्तूबर, 1991 से)

3. संयुक्त संचिव (स्कूल)

3. डा. (श्रीमती) डा.एम.डी. रिबेलो
संयुक्त सचिव (स्कूल)
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन
नई दिल्ली

4. (1) प्रो. एस.के. खन्ना
उपाध्यक्ष
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बहादुरशाह जफर मार्ग
नई दिल्ली
(11 जनवरी, 1992 तक)

(2) श्री वाई.एन. चतुर्वेदी
सचिव
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
(12 जनवरी, 1992 से)

5. श्री एच.एस. सिंह
अध्यक्ष
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
शिक्षा केन्द्र
2-कम्युनिटी सेंटर
प्रीत बिहार
दिल्ली-110092

4. सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.

6. डा. के.जे.एस. चतरथ
सचिव
रा.शै.अ.प्र.प.
नई दिल्ली

1991-92

स्थापना समिति
(परिषद् के विनियम 10 के अधीन)
(9.11.1992 तक मान्य)

1.	निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. अध्यक्ष	1.	डा. के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2.	संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प.	2.	डा. ए.के. शर्मा, संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
3.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा विभाग, भारत सरकार से नामित व्यक्ति	3.	डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
4.	अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, चार शिक्षाविद जिनमें से कम से कम एक वैज्ञानिक हो	4.	प्रो. बी.बी. त्रिपाठी भौतिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हौजखास नई दिल्ली।
		5.	प्रो. गुणवन्त शाह टहूके 139-विनायक सोसायटी जूना पडरा रोड बड़ौदा-390020
		6.	प्रो. (श्रीमती) रेणु देबी शिक्षा विभाग गुवाहाटी विश्वविद्यालय गुवाहाटी
		7.	प्रोफेसर टी.के. जय लक्ष्मी प्रधानाचार्य आर.वी.टीचर्स कालेज जयनगर बेंगलूर-11

5. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय से एक प्रतिनिधि	8. डा.ए.बी. सक्सेना रीडर-भौतिकी क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय भोपाल-462013
6. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत नई दिल्ली के राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान से एक प्रतिनिधि	9. डा. (श्रीमती) आशा भटनागर, रीडर, शैक्षिक मनोविज्ञान परामर्श और निर्देशन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली
7. परिषद के शैक्षिक तथा गैर-शैक्षिक नियमित स्टाफ में प्रत्येक में से एक-एक प्रतिनिधि जिनका चयन परिशिष्ट में इस संबंध में निर्धारित विनियम के अनुसार किया गया हो।	10. प्रोफेसर आर.पी. सिंह अध्यक्ष अ.शि.वि.शि. और वि.से. विभाग तथा संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली 11. श्री प्रबोध कुमार उ. श्रे.लि. मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
8. वित्तीय सलाहकार, रा.शै.अ.प्र.प.	12. (1) श्री के. कोशल राम वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. (शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन नई दिल्ली (20 अक्तूबर 1991 तक) (2) श्री संदीप बनर्जी वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. (शिक्षा विभाग) मानव संसाधन विकास मंत्रालय शास्त्री भवन, नई दिल्ली (21 अक्तूबर, 1991 से)
9. सचिव रा.शै.अ.प्र.प.	13. डा. के.जे.एस. चतरथ सचिव रा.शै.अ.प्र.प. सदस्य संयोजक नई दिल्ली

भवन एवं निर्माण समिति
(23.12.1992 तक मान्य)

1.	निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	डा.के. गोपालन निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
2.	संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. पदेन	डा. ए.के. शर्मा संयुक्त निदेशक रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली
3.	मुख्य अभियंता केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग या उनका प्रतिनिधि	श्री गुलजार सिंह मुख्य इंजीनियर (निर्माण) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग रामकृष्ण पुरम सेवा भवन नई दिल्ली
4.	वित्त मंत्रालय (निर्माण) का एक प्रतिनिधि	श्री ओ.पी. गुप्ता सहायक वित्त सलहाकार (निर्माण) ग्रामीण विकास मंत्रालय निर्माण भवन, नई दिल्ली
5.	रा.शै.अ.प्र.प. के परामर्शदाता वास्तुकार	श्री एस.एस. माथुर वरिष्ठ वास्तुकार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग (एन.डी.जैड-4) कमरा नं. 426, "ए" विंग, निर्माण भवन नई दिल्ली
6.	परिषद् के वित्तीय सलाहकार या उनका प्रतिनिधि	1. श्री के.कोशल राम वित्तीय सलाहकार रा.शै.अ.प्र.प. मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली (20 अक्तूबर 1991 तक)

1991-92

2. श्री संदीप बनर्जी
वित्तीय सलाहकार
रा.शै.अ.प्र.प.
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(शिक्षा विभाग)
शास्त्री भवन
नई दिल्ली
(21 अक्तूबर, 1991 से)

7.	मानव संसाधन विकास मंत्रालय का प्रतिनिधि	डा. (श्रीमती) डी.एम.डी. रिबेलो संयुक्त सचिव (स्कूल) मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग) शास्त्री भवन नई दिल्ली
8.	प्रख्यात सिविल इंजीनियर (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	डा. ओ.पी. जैन भूतपूर्व निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान 27, मुनीरका एनक्लेव नई दिल्ली
9.	प्रख्यात विद्युत अभियंता (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	श्री एन. कृष्णामूर्ति मुख्य अभियंता (विद्युत) के.लो.नि.वि., विद्युत भवन शंकर मार्किट-1 नई दिल्ली
10.	कार्यकारिणी समिति का एक सदस्य (अध्यक्ष द्वारा मनोनीत)	प्रो.ओ.एस. देवल प्रधानाचार्य क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय अजमेर
11.	सचिव, रा.शैअ.प्र.प. सदस्य-सचिव	डा. के.जे.एस. चतरथ सचिव रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली

1991-92

कार्यक्रम सलाहकार समिति
(परिषद् के नियम 48 के अधीन)
(14.8.1993 तक मान्य)

1. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. — उपाध्यक्ष
3. प्रोफेसर (श्रीमती) अमृत कौर, डीन, शिक्षा संकाय, शिक्षा एवं सामुदायिक सेवा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला–147002
4. डा.डी.बी. देसाई, प्रोफेसर, शिक्षा, "शान्तम" 14 हरीनगर समिति गोटरी रोड, बड़ौदरा–390007
5. प्रोफेसर एम.ए. सुधीर, डीन, शिक्षा संकाय, शिक्षा विभाग, अरुणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर–791111 (अरुणाचल प्रदेश)
6. डा.वी. ईश्वर रेड्डी, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद–500007
7. डा. करुणा अहमद, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र (एस.एस.एस.) जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली–110016
8. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, सोहना रोड, गुड़गाँव–122001 (हरियाणा)
9. निदेशक, राज्य शिक्षा संस्थान, जहाँगीराबाद, भोपाल–462008 (मध्य प्रदेश)
10. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, कोहिमा–707001 (नागालैंड)
11. निदेशक, अध्यापक शिक्षा एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, उड़ीसा, भुवनेश्वर–751001
12. शिक्षा निदेशक, शिक्षा विभाग, पांडिचेरी सरकार, पांडिचेरी–605001
13. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
14. डा. डी.एस. मुले, प्रोफेसर, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
15. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डा.ई.एस.एम.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
16. डा. आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.) रा.शैअ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
17. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
18. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.जी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
19. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
20. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.) रा.शैअ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
21. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचति जाति/जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
22. डा. एल.आर.एन. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/ जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016 (फरवरी 1992 तक)
23. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
24. श्री जे.पी. अग्रवाल, रीडर, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
25. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएँ, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016

26. डा. (कु.) इन्दू सेठ, रीडर, क्षेत्रीय सेवाएँ, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
27. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
28. डा. ए.के. सचेती, रीडर, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
29. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
30. डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
31. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
32. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन एवं सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली—110016
33. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
34. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू. डी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
35. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग डी.पी.आर.पी.पी., रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
36. संयुक्त निदेशक, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली—110016
37. 1. डा. सी.एच.के.मिश्रा, प्रोफेसर, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, (सी.आई.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016 (14 नवम्बर, 1991 तक)
    2. प्रो. तिलकराज बावा, प्रोफेसर, केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान, (सी.आइ.ई.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
38. अध्यक्ष, पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
39. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ (एन.वी.सी.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
40. अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
41. अध्यक्ष, योजना, कार्यक्रम अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग, (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
42. अध्यक्ष, हिन्दी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
43. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, (आर.सी.ई.), अजमेर, राजस्थान
44. डा. (श्रीमती) अमृत कौर, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), अजमेर, राजस्थान
45. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भोपाल, मध्य प्रदेश
46. डा. जे.एस. ग्रेवाल, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) भोपाल मध्य प्रदेश
47. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), भुवनेश्वर—751007, उड़ीसा
48. डा. एस.टी.वी.जी. आचार्युलु, प्रोफेसर, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.) भुवनेश्वर—751007, उड़ीसा
49. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (आर.सी.ई.), मैसूर, कर्नाटक
50. (1) डा.सी. शेषाद्रि, डीन शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर (25 अप्रैल, 1991 तक)
    (2) डा. ए.सी. बनर्जी, डीन शिक्षा, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय आर.सी.ई., मैसूर, कर्नाटक (26 अप्रैल से)

51. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016

52. (1) पी.एम. पटेल, प्रोफेसर प्रभारी, (कार्यक्रम अनुभाग), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016 (24 दिसम्बर तक)

(2) डा. कुलदीप कुमार, अध्यक्ष, (कार्यक्रम अनुभाग) रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016 (26 दिसम्बर से)—संयोजक

राष्ट्रीय शिक्षा संस्थान की शैक्षिक समिति
(14.8.1993 तक मान्य)

1. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक) रा.शै.अ.प्र.प. — अध्यक्ष/ संयोजक
2. संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) रा.शै.अ.प्र.प.
3. संकायाध्यक्ष (समन्वय) रा.शै.अ.प्र.प.
4. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प. के नामित
5. अध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
6. अध्यक्ष, विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
7. अध्यक्ष, शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
8. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
9. अध्यक्ष, अनौपचारिक शिक्षा और अनुसूचित जाति/ जनजाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
10. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.ज़ी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
11. अध्यक्ष, विद्यालय-पूर्व और प्रारम्भिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
12. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
13. अध्यक्ष, कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
14. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग (पी.डी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
15. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस.ई.सी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
16. अध्यक्ष, पुस्तकालय प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
17. अध्यक्ष, नीति अनुसंधान, नियोजन और कार्यक्रम विभाग (डी.पी.आर.पी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
18. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
19. अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक, रा.शैअ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
20. अध्यक्ष, नवोदय विद्यालय प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
21. अध्यक्ष, पत्रिका प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली—110016
22. अध्यक्ष, योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन विभाग (पी.पी.एम.ई.डी.), रा.शै.अ.प्र.प्र., नई दिल्ली—110016

23. अध्यक्ष, हिन्दी प्रकोष्ठ, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
24. डा. डी.एस.मुले, प्रोफेसर, (डी.ई.एस.एस.एच.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
25. डा. के.वी राव, प्रोफेसर, (डी.ईएस.एम.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
26. डा. ए.के. सचेती, रीडर, (डी.वी.ई.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
27. डा. आर.के. माथुर, प्रोफेसर, (डी.एम.ई.एस.डी.पी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
28. डा.एस.डी. रोका, प्रोफेसर, (डी.पी.एस.ई.ई.), रा.शैअ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
29. (1) डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
    (2) प्रो. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर (डी.टी.ई.एस.ई.इ.एस.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
30. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर (डी.ई.पी.सी.जी.), रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
31. प्रोफेसर प्रभारी, कार्यक्रम, रा.शै.अ.प्र.प., नई दिल्ली–110016
32. प्रोफेसर (श्रीमती) अमृत कौर, डीन, शिक्षा संकाय शिक्षा और सामुदायिक सेवाएँ विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, पटियाला–147002
33. प्रोफेसर डी.बी. देसाई, अध्यापक शिक्षा विभाग, शिक्षा और मनोविज्ञान संकाय, एम.एस. विश्वविद्यालय "शान्तम" 14 हरिनगर समिति, गोटरी रोड, बड़ोदरा-390007
34. प्रोफेसर एम.ए. सुधीर, डीन, शिक्षा विभाग, अरुणाचल विश्वविद्यालय, इटानगर–791111
35. प्रोफेसर बी.ईश्वर रेड्डी, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद–500007
36. प्रोफेसर करुणा अहमद, सामाजिक विज्ञान विभाग, जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र (एस.एस.एस.), जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली 110067

शैक्षिक अनुसंधान और नवाचार समिति के सदस्य
(14 दिसम्बर, 1993 तक मान्य)

क. रा.शै.अ.प्र.प. से

1. संकायाध्यक्ष (अनुसंधान) — अध्यक्ष
2. संकायाध्यक्ष (शैक्षिक)
3. संकायाध्यक्ष (समन्वय)
4. रा.शि.सं. के सभी विभागाध्यक्ष
5. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य तथा केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान

ख. राज्य शिक्षा संस्थान के प्रतिनिधि

6. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित राज्य शिक्षा संस्थान के दो व्यक्ति

1. निदेशक
   राज्य शिक्षा संस्थान
   श्रीनगर

2. निदेशक
   राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण विभाग
   श्री बी.पी. वाडिया रोड
   बसवनगुड़ी, बैंगलूर

ग. *विशेषज्ञ/ शिक्षाशास्त्री/शोध शिक्षाविद्*

7. अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा नामित विश्वविद्यालयों/अनुसंधान संस्थाओं अथवा उपयुक्त एजेन्सी से आठ व्यक्ति

   1. प्रोफेसर मोहम्मद मियाँ
      अध्यक्ष
      शिक्षा विभाग
      जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय
      नई दिल्ली—110025

   2. प्रोफोसर (सुश्री) बीनाशाह
      संकायाध्यक्ष, शिक्षा संकाय
      रुहेलखंड़ विश्वविद्यालय
      बरेली-243001

   3. डा. पी.एस. बालसुब्रह्मण्यम
      प्रोफेसर तथा अध्यक्ष
      शिक्षा विभाग
      मद्रास विश्वविद्यालय
      मद्रास-600005

   4. प्रोफेसर सी.एल. आनन्द
      उपकुलपति
      इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
      मैदान गढ़ी, नई दिल्ली

   5. डा. (श्रीमती) एम. चन्द्रमणि
      शिक्षा संकायाध्यक्ष
      गृह विज्ञान एवं महिला उच्चतर
      शिक्षा अविनाशलिंगम संस्थान
      कोयम्बतूर-641043

   6. प्रोफेसर ए.के. सिंह
      उपकुलपति
      राँची विश्वविद्यालय
      राँची-834008

7. प्रोफेसर (श्रीमती) एम.डी. बंगाली
   उपकुलपति
   बम्बई विश्वविद्यालय
   बम्बई-400001

8. डा.एम.के. मेहता
   निदेशक
   विक्रम साराभाई सामुदायिक विज्ञान केन्द्र
   नवरंगपुरा, अहमदाबाद-380009

घ. निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. के विशेष अतिथि

1. प्रोफेसर कृष्ण कुमार
   अध्यक्ष, केन्द्रीय शिक्षा संस्थान
   दिल्ली विश्वविद्यालय
   दिल्ली-110007

2. प्रोफेसर दुर्गाचन्द सिन्हा
   8 मालवीय रोड
   इलाहाबाद-211002

3. प्रोफेसर पी.आर. पंचमुखी
   निदेशक
   केन्द्रीय बहुविध विकास अनुसंधान
   डी.पी. रोड्डा रोड
   धारवाड़-580001
   कर्नाटक

4. प्रोफेसर पी.आर. नायर
   स्नातकोत्तर (अध्ययन एवं शोध शिक्षा)
   मैसूर विश्वविद्यालय
   मैसूर-570005

5. प्रो. (सुश्री) सुमा बी. चिटनिस
   उपकुलपति
   एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय
   मुम्बई-400020

6. प्रो. (सुश्री) वीना मजूमदार
   भारतीय महिला अध्ययन संघ
   बी-43, पंचशील, एन्क्लेव
   नई दिल्ली-110017

7. डा. (श्रीमती) वसंता राम कुमार
   अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
   केरल विश्वविद्यालय
   त्रिवेन्द्रम

8. प्रो.जे.एन. जोशी
अध्यक्ष, शिक्षा विभाग
पंजाब विश्वविद्यालय
चंडीगढ़

9. प्रोफेसर सच्चिदानन्द
157, कदम कुआँ
न्यू एरिया, पटना-800003

10. डा. वी.आर. नागपुरे
शिक्षा निदेशक
महाराष्ट्र राज्य शै.अ.प्र.प.
पुणे, महाराष्ट्र

11. डा. एस.डी. रोका, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई., रा.शै.अ.प्र.प.

12. डा. जे.एस. गौड़, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी. एवं जी., रा.शैअ.प्र.प.

13. डा. डी.एस. मुले, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच., रा.शै.अ.प्र.प.

14. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर डी.टी.ई.एस.ई.एवं ई.एस., रा.शै.अ.प्र.प.

15. डा.एन.के. अम्बष्ट, प्रोफेसर, डी.एन. एफ.ई.एस.सी./ एस.टी., रा.शै.अ.प्र.प.

16. डा. के.वी. राव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम., रा.शै.अ.प्र.प.

17. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, सदस्य सचिव, एरिक, रा.शै.अ.प्र.प

विभागीय सलाहकार बोर्ड

I. सामाजिक विज्ञान और मानविकी शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एस.एच.)

1. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच. — संयोजक
2. डा.डी.एस.मुले, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एस.एच.
3. श्री डी.बी. बक्शी, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
4. श्री रमेश चन्द्र, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
5. श्रीमती एस. लूथरा, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
6. डा. नशीरुद्दीन खाँ, रीडर, डी.ई.एस.एस.एच.
7. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
8. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
9. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
10. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
11. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग

12. डा.डी.एन.झा. प्रोफेसर, इतिहास विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली—110007
13. डा. अजाउद्दीन अहमद, प्रोफेसर (भूगोल) क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान विद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली—110067
14. प्रोफेसर नामवर सिंह, भाषा अध्ययन केन्द्र, जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली—110067
15. प्रोफेसर सुभाष जैन, निदेशक, एच.एम. पटेल अंग्रेजी संस्थान, बल्लभ विद्यानगर, गुजरात
16. डा. दीनानाथ पट्ठे, प्रधानाचार्य, बी.के. कला और शिल्प विद्यालय, भुवनेश्वर, उड़ीसा

2. विज्ञान और गणित शिक्षा विभाग (डी.ई.एस.एम.)

1. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम. — संयोजक
2. डा.के.वी. राव, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
3. डा.आर.डी. शुक्ला, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
4. श्री के.जे. खुराना, प्रोफेसर, डी.ई.एस.एम.
5. डा.आर.पी. गुप्ता, रीडर, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
7. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं., रा.शै.अ.प्र.प. के नामित
8. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.
9. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
10. डा.बी.बी. त्रिपाठी, प्रोफेसर भौतिकी, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली—110016
11. प्रोफेसर के.वी.सेन, रसायन विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली—110007
12. प्रोफेसर एस.बनर्जी, विज्ञान शिक्षा संस्थान, बर्धवान विश्वविद्यालय, बर्धवान, पश्चिमी बंगाल
13. प्रोफेसर एस. ईश्वर हुसैन, गणित विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश

3. अध्यक्ष, शैक्षिक मनोविज्ञान, परामर्श और मार्गदर्शन विभाग (डी.ई.पी.सी.एंड जी.)

1. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी. — संयोजक
2. डा. जे.एस.गौड़, प्रोफेसर, डी.ई.पी.सी.जी.
3. डा. (श्रीमती) सुषमा गुलाटी, रीडर, डी.ई.पी.सी.जी.
4. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
5. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. डा. (श्रमती) विधु मोहन, प्रोफेसर, मनोविज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़
8. डा. मर्सी अब्राहम, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम

4. विद्यालय-पूर्व और प्रारंभिक शिक्षा विभाग (डी.पी.एस.ई.ई.)

1. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई. — संयोजक
2. डा.एस.डी.रोका, प्रोफेसर, डी.पी.एस.ई.ई.
3. डा.आर.के. गुप्ता, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
4. डा.(श्रीमती) दलजीत गुप्ता, रीडर, डी.पी.एस.ई.ई.
5. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
6. अध्यक्ष डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
7. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
8. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
9. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
10. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
11. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
12. श्रीमती फ्रेनी तारापोर, प्रधानाचार्य, गृह-विज्ञान एस.एन.डी.टी. विद्यालय, महर्षि कर्वे विद्या भवन, कर्वे रोड़, पुणे--411038
13. प्रौफेसर पुरुषोत्तम पटेल, शिक्षा विभाग, गुजरात विद्यापीठ, आश्रम रोड़, अहमदाबाद
14. श्री एफ.ललूरा, प्रधानाचार्य, डी.आई.ई.टी., राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, चट्टलंग ऐजावल—796012, मिजोरम

5. अनौपचारिक शिक्षा एवं अनुसूचित जाति/ जन जाति शिक्षा विभाग (डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.)

1. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी/ एस.टी. — संयोजक
2. प्रोफेसर, एल.आर.एन. श्रीवास्तव, प्रोफेसर, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.
3. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
6. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी.
8. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
9. अध्यक्ष, डी.डब्ल्यू. एस.
10. प्रोफेसर ए.अन्नामलाई, भारतीय भाषा केन्द्रीय संस्थान, मैसूर
11. डा. एल.एल.व्यास, निदेशक, मानिक लाल वर्मा जन जाति अनुसंधान संस्थान, उदयपुर, राजस्थान
12. श्री वेंकट सुब्बण्णा, संयुक्त निदेशक, विद्यालय शिक्षा निदेशालय, हैदराबाद

1991-92

6. मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा प्रक्रियन विभाग (डी.एम.ई.एस.डी.पी.)

1. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी. — संयोजक
2. प्रोफेसर आर.के.माथुर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
3. श्री जे.पी. अग्रवाल, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
4. डा.सी.एल.कौल, रीडर, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
8. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
9. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
10. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
11. डा. डी.जोशी, डीन, शिक्षा संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली—110025
12. प्रोफेसर के. कुमारास्वामी पिल्लै, भूतपूर्व अध्यक्ष शिक्षा विभाग, अन्नामलाई विश्वविद्यालय, अन्नामलाई नगर मद्रास
13. डा. वी.एस. मिश्रा, अध्यक्ष तथा डीन, शिक्षा संकाय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
14. प्रो. एम.एस.यादव, उच्च शिक्षा केन्द्र, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ोदरा

7. क्षेत्रीय सेवाएं, विस्तार और समन्वयन विभाग (डी.एफ.एस. ई.सी.)

1. अध्यक्ष, डी.एफ.एस.ई.सी. — संयोजक
2. डा. एस.प्रसाद, रीडर, डी.एफ.एस.ई.सी.
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
7. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
8. फा० टी.वी. कुण्णनकल, सलाहकार, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय, सामुदायिक केन्द्र, वजीरपुर, नई दिल्ली
9. प्रधानाचार्य, राजकीय शिक्षा विद्यालय, श्रीनगर, जम्मू तथा कश्मीर

8. शिक्षा व्यावसायीकरण विभाग (डी.वी.ई.)

1. अध्यक्ष, डी.वी.ई. — संयोजक
2. डा.ए.के.सचेती, रीडर, डी.वी.ई.
3. श्री सी.के. मिश्रा, रीडर, डी.वी.ई.
4. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.

5. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
6. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
8. डा. सी.पी. घोंसीकर, क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय अनुसंधान निदेशालय, मराठवाड़ा कृषि विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र
9. डा. के.पी. हामजा, निदेशक, व्यावसायिक उच्चतर माध्यमिक शिक्षा, कॉटन हिल, त्रिवेन्द्रम

9. अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवा विभाग (डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.)

1. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. — संयोजक
2. डा. आर.एम. कालरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. (11 नवम्बर, 1991 तक)
3. (1) डा. एन.के. जंगीरा, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. (11 नवम्बर 1991 तक)
   (2) श्रीमती एस.पी. पटेल, प्रोफेसर, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस. (12 नवम्बर, 1991 से)
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
8. अध्यक्ष, डी.एम.ई.एस.डी.पी.
9. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. के नामित
10. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
11. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.
12. डा. स्मृति स्वरूप, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, विशेष शिक्षा एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, जुहू परिसर, बम्बई–400049
13. प्रोफेसर लोकेश कौल, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला–5

10. महिला अध्ययन विभाग (डी.डब्ल्यू.एस.)

1. अध्यक्ष, डी.डल्यू.एस. — संयोजक
2. डा. इन्दिरा कुलश्रेष्ठ, रीडर, डी.डब्ल्यू.एस.
3. अध्यक्ष, डी.ई.पी.सी.जी.
4. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
7. अध्यक्ष, डी.एन.एफ.ई.ई.एस.सी./ एस.टी.
8. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
9. प्रोफेसर लीला दुबे, वरिष्ठ अध्येता, नेहरू म्यूजियम तथा पुस्तकालय, तीन मूर्ति भवन, नई दिल्ली

10. श्रीमती रजनी कुमार, अध्यक्ष, पटेल शैक्षिक ट्रस्ट, पूसा रोड़, नई दिल्ली—110005

11. पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग (डी.एल.डी.आई.)

1. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई. — संयोजक
2. श्री एच.एस.शर्मा, उप पुस्तकालयाध्यक्ष
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
6. पुस्तकालयाध्यक्ष जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली-110067

12. कर्मशाला विभाग (डब्ल्यू.डी.)

1. अध्यक्ष, डब्ल्यू. डी. — संयोजक
2. डा. बी. के शर्मा, रीडर, डब्ल्यू. डी.
3. अध्यक्ष, डी.,ई.,एस.,एम.
4. अध्यक्ष,डी.पी.एस.ई.ई.
5. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
6. प्रोफेसर एन.के.तिवारी, यांत्रिक इंजीनियरिंग विभाग, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हौजखास, नई दिल्ली—110016

13. पत्रिका प्रकोष्ठ (जे.सी.)

1. अध्यक्ष, जे.सी. — संयोजक
2. डा. डी.एन.खोसला, रीडर, जे.सी.
3. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
4. अध्यक्ष, डी.एल.डी.आई.
5. अध्यक्ष, प्रकाशन विभाग
6. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के नामित
7. अध्यक्ष, डी.वी.ई.
8. जन सम्पर्क अधिकारी, रा.शै.अ.प्र.प.
9. डा. अमृत सिंह, 2/26 सर्वप्रिय विहार, नई दिल्ली—110016

14. अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक (आई.आर.यू.)

1. प्रोफेसर प्रभारी/अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध एकक — संयोजक
2. श्री ओ.पी. गुप्ता, रीडर, आई.आर. यूनिट
3. डा. के.जी. विरमानी, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय एकक नीपा, 17-बी, श्री अरविन्द मार्ग, नई दिल्ली—110016.

4. संयुक्त निदेशक, के.शै.प्रौ.सं. के नामित
5. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
6. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
7. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.

क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालयों (क्षे.शि.म.) की प्रबन्ध समितियाँ

1. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर की प्रबन्ध समिति

1. कुलपति, अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर — उपाध्यक्ष
3. हरियाणा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. जम्मू तथा कश्मीर सरकार का प्रतिनिधि
5. हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. उत्तर प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. पंजाब राज्य सरकार का प्रतिनिधि
8. राजस्थान राज्य सरकार का प्रतिनिधि
9. संघ शासित क्षेत्र दिल्ली का प्रतिनिधि
10. संघ शासित क्षेत्र चंडीगढ़ का प्रतिनिधि
11. डा. जे.एन. जोशी, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. डा.एल.पी.पाण्डे, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् (उत्तर प्रदेश) लखनऊ, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
14. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर, (निदेशक, रा. शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
15. संकाय अध्यक्ष, (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. डा. के. एल.श्रीमाली, अध्यक्ष, विद्या भवन समिति, उदयपुर, (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
17. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, अजमेर — सचिव

2. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल की प्रबन्ध समिति

1. कुलपति, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल — उपाध्यक्ष
3. मध्य प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. गोवा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. गुजरात राज्य सरकार का प्रतिनिधि

6. महाराष्ट्र राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. संघ शासित क्षेत्र दमन एवं दीव का प्रतिनिधि
8. संघ शासित क्षेत्र दादरा एवं नागर हवेली का प्रतिनिधि
9. प्रोफेसर एम.एस.यादव, निदेशक सी.ए.एस.ई.एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ोदरा, गुजरात, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
10. डा. विनोद रैना, एकलव्य, भोपाल, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
11. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. डा. एच.एल. शुक्ला, अध्यक्ष, भाषा विज्ञान विभाग, भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
14. डा. एस.एस. श्रीवास्तव, प्राचार्य, बेनजीर महाविद्यालय भोपाल (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
15. संकायाध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भोपाल — सचिव

3. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर की प्रबंध समिति

1. कुलपति, उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर — उपाध्यक्ष
3. उड़ीसा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. पश्चिमी बंगाल राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. बिहार राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. असम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. मेघालय राज्य सरकार का प्रतिनिधि
8. नागालैंड राज्य सरकार का प्रतिनिधि
9. सिक्किम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
10. मणिपुर राज्य सरकार का प्रतिनिधि
11. त्रिपुरा राज्य सरकार का प्रतिनिधि
12. मिजोरम राज्य सरकार का प्रतिनिधि
13. अरुणाचल प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
14. संघ शासित क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का प्रतिनिधि
15. प्रो. आर.सी. दास, भूतपूर्व कुलपति, बहरामपुर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
16. प्रो. रेनू देवी, अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
17. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
18. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
19. डा. जे.पी. दास, आई.ए.एस. (सेवानिवृत्त) 305, एस.एफ.एस. फ्लैट्स हौजखास, नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)

20. डा. डी.सी. मिश्रा, डी.पी.आई. (सेवानिवृत्त) जगन्नाथ लेन, बादामबाड़ी, कटक, उड़ीसा, (विश्वविद्यालय द्वारा विनियमों के अधीन मनोनीत प्रतिनिधि)
21. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, भुवनेश्वर — सचिव

4. क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर की प्रबंध समिति

1. कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर — अध्यक्ष
2. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर — उपाध्यक्ष
3. केरल राज्य सरकार का प्रतिनिधि
4. आन्ध्र प्रदेश राज्य सरकार का प्रतिनिधि
5. तमिलनाडु राज्य सरकार का प्रतिनिधि
6. कर्नाटक राज्य सरकार का प्रतिनिधि
7. संघ शासित क्षेत्र पांडिचेरी का प्रतिनिधि
8. संघ शासित क्षेत्र लक्षद्वीप का प्रतिनिधि
9. डा. मल्ला रेड्डी मामिदि, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
10. प्रोफेसर पी.एस. बालासुब्रमण्यम, शिक्षा विभाग, तमिलनाडु विश्वविद्यालय, (अध्यक्ष, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
11. अध्यक्ष, शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
12. अध्यक्ष, विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
13. संकायाध्यक्ष (समन्वय), रा.शै.अ.प्र.प. नई दिल्ली, (निदेशक, रा.शै.अ.प्र.प. द्वारा मनोनीत)
14. प्रशासनिक अधिकारी, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय, मैसूर — सचिव

केन्द्रीय शैक्षिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सी.आई.ई.टी. का सलाहकार बोर्ड)

1. संयुक्त निदेशक, सी.आई.ई.टी. — अध्यक्ष
2. प्रोफेसर सी. एच. के. मिश्रा, सी. आई.ई.टी. — (30 अप्रैल, 1991 तक)
3. प्रोफेसर एल.जी. सुमित्रा, सी.आई.ई.टी.
4. प्रोफेसर वाई.पी. खन्ना, सी.आई.ई.टी.
5. प्रोफेसर, तिलकराज बावा, सी.आई.ई.टी.
6. प्रोफेसर, एस.सी. वर्मा, सी.आई.ई.टी.
7. प्रोफेसर, एस.पी. सिंह, सी.आई.ई.टी.
8. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एम.
9. अध्यक्ष, डी.पी.एस.ई.ई.
10. अध्यक्ष, डी.ई.एस.एस.एच.
11. अध्यक्ष, डी.टी.ई.एस.ई.ई.एस.
12. अध्यक्ष, डी.वी.ई.

13. श्री हरीश खन्ना, भूतपूर्व महानिदेशक, दूरदर्शन, एफ-69, आनन्द निकेतन, मोती बाग, नई दिल्ली
14. श्री हबीब किदवई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली—110025
15. डा. एम. मुखोपाध्याय, नीपा, रा.शि.सं. परिसर, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली—110016
16. निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, 708, आर.बी. कुमटेकर मार्ग, सदाशिव पथ, पुणे—411030, महाराष्ट्र
17. प्रोफेसर एस.डी. पटकी, तकनीकी अध्यापक प्रशिक्षण संस्थान (टी.टी.टी.आई.) पश्चिमी क्षेत्र श्यामला हिल्स, भोपाल—462002
18. डा. जगदीश सिंह, रीडर, सी.आई.ई.टी. — संयोजक

रा.शै.अ.प्र.प. की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों की सूची

(जून 1991 से जून 1992 तक मान्य)

1. निदेशक — अध्यक्ष
2. संयुक्त निदेशक — उपाध्यक्ष
3. सचिव, रा.शै.अ.प्र.प. — सदस्य
4. संयुक्त सचिव रा.शै.अ.प्र.प.
5. परिषद् के सभी उप-सचिव
6. मु.ले.अ./आई.एफ.ए., रा.शै.अ.प्र.प.
7. अध्यक्ष प्रकाशन विभाग
8. जन-सम्पर्क अधिकारी
9. सतर्कता एवं सुरक्षा अधिकारी
10. राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नामित
11. केन्द्रीय सचिवालय हिन्दी परिषद् के नामित
12. अवर सचिव (स्थापना) क्रमावर्तन से
13. अध्यक्ष, विज्ञान एवं गणित शिक्षा विभाग
14. अध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा, विशेष शिक्षा और विस्तार सेवाएँ विभाग
15. अध्यक्ष, योजना, कार्यक्रम, अनुवीक्षण एवं मूल्यांकन प्रभाग
16. अध्यक्ष, नीति, अनुसंधान नियोजना और कार्यक्रम अनुभाग
17. अध्यक्ष, क्षेत्रीय सेवाएँ और विस्तार समन्वयन विभाग
18. अध्यक्ष, मापन, मूल्यांकन, सर्वेक्षण और आँकड़ा विभाग
19. अध्यक्ष, पुस्तकालय, प्रलेखन और सूचना विभाग
20. अध्यक्ष, महिला अध्ययन विभाग
21. प्राचार्य, क्षेत्रीय शिक्षा महाविद्यालय (क्रमावर्तन से)
22. क्षेत्रीय सलाहकार (क्रमावर्तन से)
23. प्रभारी हिन्दी प्रकोष्ठ — सदस्य-सचिव

परिशिष्ट 'ख'

राज्यों में स्थित क्षेत्रीय कार्यालय

		दूरभाष सं.	
		कार्यालय	निवास
1.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 555-ई.ममफोर्डगंज इलाहाबाद—211002 (उत्तर प्रदेश)	642212	642212
2.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) कोठी न. 72, सेक्टर 19-ए चंडीगढ़—160019	28128	—
3.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 2-2 ए, राजस्थान स्टेट टैक्स्ट बुक बार्ड बिल्डिंग झालना डूंगरी जयपुर—302004 (राजस्थान)	551754	—
4.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) द्वारा जम्मू एवं कश्मीर विद्यालय-शिक्षा बोर्ड, रिहाड़ी जम्मू—180005 जम्मू और कश्मीर	31490	77170
5.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) साई कृपा सदन फोरेस्ट कॉलोनी के नीचे खालिनी शिमला—171002 हिमाचल प्रदेश	4548	6914
6.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 1-बी चन्द्रा कॉलोनी लॉ कालेज के पीछे अहमदाबाद—380006 गुजरात	445992	445992

7.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) एम.आई.जी., 161 सरस्वती नगर जवाहर चौक भोपाल—462003 मध्य प्रदेश	64465	540346
8.	क्षेत्रीय सलाहकार (रा.शै.अ.प्र.प.) 128/2 कोथरड कार्वे रोड पुणे—411029 महाराष्ट्र	337314	337314
9.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) पी.-23 सी.आई.टी. रोड (स्कीम-55) कलकत्ता—700014 पश्चिमी बंगाल	445310	501407
10.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) होमी भाभा होस्टल आर.सी.ई. कैम्पस भुवनेश्वर—751007 उड़ीसा	50516	52224
11.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) जू तिनाली साहिबा टीला बामुनी मैदान गुवाहाटी—781021 असम	610013	610013
12.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) कंकडबाग, पत्रकार नगर पटना—800020 बिहार	353243	353243
13.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) बॉयस रोड लायटमखेड़ा शिलांग—703003 मेघालय	26317	26317
14.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) 108, 100 फीट रोड होसाकेरे हैली एक्सटेंशन बनसंकरी 3 स्टेज बैंगलूर—560085 कर्नाटक	629740	628043

15.	क्षेत्रीय सलाकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) 3-6-69/बी. 7 अवन्ती नगर बशीरबाग कॉलोनी हैदराबाद—500029 आंध्र प्रदेश	235878	227207
16.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) न. 64, 4 एवेन्यू अशोक नगर मद्रास—600083 तमिलनाडु	4824264	869138
17.	क्षेत्रीय सलाहकार, (रा.शै.अ.प्र.प.) एस.आई.ई. भवन, पूजापुरा त्रिवेन्द्रम—695012 केरल	64389	64948

परिशिष्ट 'ग'

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
रा. शै. अ. प्र. प. में वर्गवार संस्वीकृत स्टाफ की 31-3-92 की स्थिति

सारांश

क्र.सं.	सूचना का स्रोत	शैक्षिक			गैर शैक्षिक (अनुसचिवीय वर्ग)			गैर शैक्षिक (तकनीकी)			समूह 'घ'	कुल
		ग्रेड "ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	ग्रेड 'ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	ग्रेड 'ए"	ग्रेड "बी"	ग्रेड "सी"	ग्रेड	ग्रेड
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
01.	परिषद मुख्यालय	262	01	03	24	95	548	50	53	174	333	1543
02.	के. शै. प्रौ. सं.	28	-	-	03	14	58	30	48	96	53	324
03.	क्षे. शि. म. अजमेर	65	27	46	01	06	43	04	05	39	93	329
04.	क्षे. शि. म. भोपाल	62	25	46	01	06	46	04	05	37	92	324
05.	क्षे. शि. म. भुवनेश्वर	84	31	62	01	06	46	05	06	45	92	377
06.	क्षे. शि. म. मैसूर	87	22	50	01	06	51	-	08	39	86	355
07.	क्षेत्रीय सलाहकार कार्यालय	36	-	-	-	-	54	-	-	18	86	144
	कुल	624	106	207	31	133	346	97	125	442	785	3396

परिशिष्ट 'घ'

प्रकाशन विभाग के क्षेत्रीय उत्पादन और वितरण केन्द्रों की स्थिति

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् की बहुसंख्यक पुस्तकों के उत्पादन और वितरण के काम की अधिकता को देखते हुए अहमदाबाद, कलकत्ता और मद्रास में एक-एक क्षेत्रीय उत्पादन और वितरण केन्द्र अभी हाल ही में स्थापित किए गए हैं ताकि पुस्तकों के उत्पादन और वितरण के काम को जल्दी व सुविधा से विकेन्द्रीकरण करके किया जा सके।

इन तीन क्षेत्रीय उत्पादन और वितरण केन्द्रों की अवस्थिति इस प्रकार है।

		दूरभाष संख्या
1.	नवजीवन ट्रस्ट भवन डाकघर नवजीवन अहमदाबाद 380014 (गुजरात)	407973
2.	सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस 32, बी.टी. रोड, सुखचर चौबीस परगना 743179 (पश्चिम बंगाल)	530454
3.	सी.डब्ल्यू.सी. कैम्पस चित्तलापक्कम, क्रोमपेट मद्रास 600064 (तमिलनाडु)	403531